एक खून और

You Must Be Kidding

अनुवाद
कँवल शर्मा

JAMES HADLEY CHASE

जेम्स हेडली चेइज
62
Genuine Story

एक खून और

You Must Be Kidding

अनुवाद
कँवल शर्मा

JAMES HADLEY CHASE

जेम्स हेडली चेइज
62
Genuine Story

एक खून और

जेम्स हेडली चेईज़
रवि पॉकेट बुक्स

उपन्यास : एक खून और
लेखक : जेम्स हेडली चेईज़

एक खून और

केन ब्रेन्डन ने दरवाजा खोला और अपने घर की लॉबी में दाखिल हुआ।

“हाय हनी, मैं आ गया।”—उसने ऊँची आवाज में कहा—“कहाँ हो तुम?”

“किचन में....और कहाँ होऊँगी?”—पत्नी ने पूछा— “आज तुम जल्दी आ गए?”

वो अपने घर के सजे-संवरे रसोईघर के दरवाजे पर पहुँचा जहाँ भीतर उसकी पत्नी उनका रात का खाना तैयार कर रही थी।

केन ब्रेन्डन ने दरवाजे पर खड़े होकर अपनी बीवी को बड़े गौर से देखा।

उनकी शादी को चार साल गुजर चुके थे लेकिन इन गुजरे चार सालों ने बेट्टी, उसकी बीवी, के प्रति उसकी चाहत में कोई कमी नहीं आने दी थी। इकहरे बदन, सुनहरे बालों वाली बेट्टी अपनी सुन्दरता के मुकाबले कई गुना ज्यादा आकर्षक थी। बेट्टी एक कुशल गृहिणी, एक सुघड़ घरवाली तो थी ही, लेकिन साथ ही उसकी असली काबिलियत इस बात से भी जाहिर होती थी कि वह जिस काबिलियत से घर संभालती थी, उतनी ही कामयाबी से डॉक्टर हेन्ज के क्लीनिक में रिसेप्शन भी हैंडल कर लेती थी।

और डॉक्टर हेन्ज—जो पैरेडाईज सिटी के सबसे काबिल और मशहूर स्त्री रोग विशेषज्ञ थे—के क्लीनिक में रिसेप्शनिस्ट होने के लिए कुशल होना बेहद जरूरी था।

और बेट्टी ऐसी ही थी।

कुशल, काबिल, समर्थ।

उसकी इसी काबिलियत का सदका था कि डॉक्टर हैन्ज के यहाँ काम करते उसका साप्ताहिक वेतन उसके पति—केन ब्रेन्डन—से पचास डॉलर ज्यादा था।

और यह बात केन ब्रेन्डन को खलती थी लेकिन फिर इसी वजह से वो दोनों बढ़िया मजे से अपने दिन भी तो बिता रहे थे। इतने बढ़िया दिन कि उनके पास—दोनों के लिए अलग-अलग—दो कारें थीं, शहर के एक बढ़िया इज्जतदार इलाके में अपना खुद का बंगला था और आगे भविष्य के लिए बचत भी हो जाया करती थी।

केन ब्रेन्डन खुद पैरेडाईज इंश्योरेन्स कार्पोरेशन में बतौर हेड सेल्समेन नौकरी करता

था। इस मद में उसकी तनख्वाह भी कोई कम न थी और फिर अपनी बीवी से ज्यादा कमाने के चक्कर में वो अक्सर ड्यूटी आवर्स के बाद भी काम किया करता था। उधर बेट्टी सुबह पौने दस से शाम छ: बजे तक की ही नौकरी बजाती थी।

यह सारा सिलसिला उनके लिए बढ़िया था। अपनी नौकरी में बेट्टी चूँकि सीमित और तय घन्टे ही काम किया करती थी सो उसके लिए यूँ अपने घर की देखभाल करने और अपने पति के वक्त-बेवक्त आने जाने वाले शिड्यूल के हिसाब से खाना वगैरह बनाने के लिए वक्त निकालना आसान था। ऊपर से बेट्टी को कुकिंग का बड़ा चाव था और अपने इस शौक को पूरा करने के लिए वह लगभग हर शाम किसी कुकरी बुक की मदद से कोई नया लज्जतदार व्यंजन बनाती थी।

दिन बढ़िया गुजर रहे थे।

दोनों पति-पत्नी कमाऊ थे जिनका अपना खुद का घर था, भविष्य के लिए अच्छी भली बचत कर ले रहे थे और सबसे बड़ी बात—

दोनों एक दूसरे को चाहते थे।

केन ब्रेन्डन ने बड़ी चाहत से बेट्टी की ओर देखा।

“मेरे नजदीक आने की कोशिश भी मत करना केन।”—बेट्टी ने केन की आँखों में चमक का मतलब समझते हुए कहा, अपनी चार साला शादीशुदा जिन्दगी के तजुर्बे की बिना पर वो इस चमक का मतलब बखूबी समझती थी—“मैं एक बड़ी खास डिश बना रही हूँ और तुम फिलहाल गलत वक्त पर आए हो।”

“वक्त—और वो भी इस काम के लिए कभी गलत नहीं होता।” केन ने धूर्ततापूर्वक मुस्कुराते हुए कहा—“अब ये सब छोड़ो—हम दो काम करते हैं।”

“क्या?”—बेट्टी ने पूछा।

“पहला तो ये कि चलकर जरा चैक करते हैं कि हमारा बैडरूम अभी भी अपनी जगह पर मौजूद है या नहीं....और दूसरा ये कि मैं तुम्हें आज एक बेहतरीन डिनर के लिए बाहर किसी बढ़िया से रेस्त्रां में लेकर चलता हूँ।”—कहकर वो खाना पकाती बेट्टी की ओर बढ़ा।

बेट्टी ने फौरन उसे पीछे धकेला।

“ओह केन—बस भी करो।”—वह बोली—“बैडरूम अपनी जगह मौजूद है और उसने कहीं नहीं जाना और रही तुम्हारी दूसरी बात तो जान लो कि हम कहीं नहीं जा रहे। मैं आज सी फूड बना रही हूँ और ऐसा कोई रेस्त्रां नहीं जो मुझसे ज्यादा अच्छा, ज्यादा बढ़िया सी फूड बना सके।”

“सी फूड।”—केन पीछे हटता हुआ बोला—“आज तो मजा आ जाएगा।”—फिर उसने

फ्रिज में से जिन और मार्टिनी की बोतलें कब्जाते हुए कहा—“जब तक तुम अपना सी फूड बनाकर तैयार करो, आओ, तब तक कम से कम हम एक ड्रिंक तो ले ही सकते हैं। आओ—मैं तुम्हें एक खबर भी सुनाना चाहता हूँ।”

“बस हो गया—पाँच मिनट—सिर्फ पाँच मिनट।”—बेट्टी ने कहा।

केन दो बोतलों को उनकी गर्दन से थामे लाऊँज में आ गया जहाँ उसने दो ड्रिंक बनाए, एक सिगरेट सुलगाया और एक कुर्सी पर पसर कर बड़ी बेसब्री से बेट्टी का इंतजार करने लगा।

दस मिनट बाद बेट्टी ने जब वहाँ कदम रखा, तब तक केन अपना एक ड्रिंक खत्म कर चुका था।

बेट्टी उसके बराबर में आकर बैठ गई और उसने अपना ड्रिंक उठाया।

“अब बताओ—क्या खबर सुनानी थी?”

“मुझे प्रमोशन मिला है।”—केन ने मुस्कुराकर कहा—“आज दोपहर बाद स्टर्नवुड ने जब मुझे अपने ऑफिस में बुलाया तो मैं तो हैरत में पड़ गया था। मुझे लगा कि शायद मुझे नौकरी से जवाब दिया जाने वाला है....वैसे भी तुम उस स्टर्नवुड से तो वाकिफ हो ही—ये उस का स्थापित तरीका है कि वह जब किसी को नौकरी से निकालता है, तभी उसे यूँ इसी तरह अपने ऑफिस में तलब करता है। खैर—जब मैंने उसके बुलावे पर उसके ऑफिस में कदम रखा तब उसने मुझे बताया कि कंपनी का एक दफ्तर अब 'सीकाम्ब' में खोला जा रहा है और वो मुझे वहाँ उसका इंचार्ज बनाना चाहता है। उसे उम्मीद है कि मैं वहाँ कंपनी के कारोबार को बढ़ा सकता हूँ। तुम जानती ही हो कि स्टर्नवुड को बहस पसंद नहीं सो मैंने उसकी बात से इंकार नहीं किया और यूँ अब, इस प्रमोशन के बाद, मैं सीकाम्ब स्थित कंपनी नए दफ्तर का इंचार्ज बना दिया गया हूँ।”

“सीकाम्ब”—बेट्टी ने उसे घूरते हुए कहा—“वो तो काले लोगों का इलाका है।”

“वहाँ बहुत से गोरे भी हैं....दरअसल वो एक मजदूर तबके के लोगों की बस्ती है।”

“वहाँ तुम किस किस्म का इंश्योरेन्स करोगे?”

“वैल—स्टर्नवुड का ख्याल है....”—केन ने सिर हिलाते हुए कहा—“कि वहाँ के उस तबके के लोगों को उनके बच्चों की भलाई के लिए कई किस्म की सेफगार्ड पॉलिसी बेची जा सकती हैं। इनमें प्रीमियम भी कम होगा और बच्चों को हर तरह की सुरक्षा की गारंटी ऑफर की जाएगी। स्टर्नवुड का अंदाजा है कि हम वहाँ सीकाम्ब में पंद्रह हजार पॉलिसियाँ बेच सकते हैं और अगर ऐसा हो सका तो कुल मिलाकर हमें काफी मुनाफा होगा।”

“अब तक अमीर और उस किस्म के ऊँचे तबके के लोगों से डीलिंग करते रहने के बाद क्या यह सब करना तुम्हें अच्छा लगेगा?”

“मजबूरी है—और फिर यही तो चुनौती है।”

“हम्म....चलो ठीक है, लेकिन तुम्हारी तनख्वाह में कितना इजाफा हुआ?”

“तनख्वाह तो वही रहेगी लेकिन जितना बिजनेस मैं वहाँ से दूँगा, उस पर पंद्रह पर्सेन्ट का कमीशन अलग से मिलेगा और अगर स्टर्नवुड का अंदाजा सही है तो मुझे कमीशन के तौर पर एक मोटी रकम हासिल होगी।”

“कितनी मोटी रकम?”

“अब यह तो मेरी मेहनत, मेरी जांमारी के ऊपर है।”

बेट्टी ने एक लंबी सांस छोड़ी।

“तो कब से शुरू कर रहे हो?”—कुछ क्षणों के बाद उसने पूछा।

“कल से....ऑफिस तैयार है।”—केन ने कहा—“इस पूरे सिलसिले में बस एक ही दिक्कत है।”

बेट्टी ने उसे गौर से देखा।

“कैसी दिक्कत?”—उसने पूछा।

“वो स्टर्नवुड की लड़की भी मेरे साथ ही काम करेगी क्योंकि स्टर्नवुड को लगता है कि इंश्योरेन्स के मामलों पर इसकी भी उतनी ही पकड़ है जितनी कि खुद मेरी। इस तरह वो बैक ऑफिस को हैन्डल कर लेगी और मैं बाहर भाग-दौड़ का काम करूँगा....वैसे मुझे मेहनत से कोई परहेज नहीं लेकिन स्टर्नवुड की लड़की के साथ काम करने का मतलब है —हर वक्त की भागदौड़, हर वक्त का काम....।”

“वह लड़की देखने में कैसी है केन?”—बेट्टी ने उसकी बात को नजरअंदाज करते हुए पूछा।

“पता नहीं। अभी कल उससे मुलाकात होनी बाकी है।”

बेट्टी ने कुछ पल कुछ न कहा।

“क्या हुआ?”—केन ने पूछा।

“कुछ नहीं....”—बेट्टी बोली—“आओ....चलो खाना खाते हैं।”

दोनों डायनिंग टेबल पर आ गए जहाँ बेट्टी ने डिनर का वो सारा इंतजाम किया हुआ था।

और कुछ मिनटों बाद जब दोनों खाना खा रहे थे तो बेट्टी ने कहा—“मेरे ख्याल से वह लड़की दिखने में यकीनन खूबसूरत होगी।”

केन ने बेट्टी के चेहरे पर निगाह डाली तो पाया कि वहाँ परेशानी और नाखुशी के मिले-जुले भाव थे।

“अगर वो अपने बाप पर गई होगी तो बकवास ही होगी।” केन ने कहा—“वैसे तुम्हें उसकी इतनी फिक्र क्यों है?”

“कुछ नहीं”—बेट्टी मुस्कुराई—“मैं तो बस ऐसे ही....।”

“मैं बताता हूँ कि तुम्हें क्या फिक्र है....।”—केन ने कहा—“लेकिन यकीन करो मामला कुछ और है। स्टर्नवुड की लड़की वहाँ सीकाम्ब पर सिर्फ और सिर्फ अपने बाप की मुझ पर निगाह रखती जासूस ही होगी। अगर मैं या मेरा काम उसे पसंद नहीं आया तो जाहिर तौर पर मैं मुसीबत में पड़ जाऊँगा क्योंकि स्टर्नवुड इतना बड़ा कमीना है कि अपनी बेटी के कहने भर से वो मुझे खड़े पैर नौकरी से जवाब दे देगा।”

“ओह डार्लिंग—तुम यकीनन कामयाब होओगे।”—बेट्टी ने उसका हाथ थपथपाते हुए कहा और पूछा—“खाना पसंद आया?”

“इतना बढ़िया सी-फूड मैंने कभी नहीं खाया।”—केन ने मुस्कुराते हुए कहा।

दोनों ने खाना समाप्त किया।

“तो तुम कुछ कह रहे थे....।”—बेट्टी ने उससे मुस्कुराते हुए कहा—“तुम शायद बैडरूम चैक करना चाहते थे कि वो अपनी जगह मौजूद है भी या नहीं?”

केन ने फौरन उस बात का मतलब समझा।

“बर्तन नहीं धोने क्या?” केन ने मुस्कुराते हुए पूछा।

“ओह—भाड़ में गए बर्तन।”—बेट्टी ने जवाब दिया।

¶¶

पेरेडाईज सिटी।

अर्से से अरबपतियों की ऐशगाह के तौर पर मकबूल।

दुनिया का सबसे महंगा शहर।

मयामी से करीब बीस मील दूर बसा यह शहर मुल्क के पैसेवालों का बसेरा था जिन्हें लगातार तमाम तरह की सेवाओं की जरूरत रहती थी और जिन लोगों ने इन सेवाओं को सप्लाई करना था वे सब मुख्य शहर से एक मील दूर सीकाम्ब में रहते थे और सीकाम्ब मयामी के पश्चिम इलाके के जैसा था।

बेहद मामूली दिखती इमारतों में बने मामूली अपार्टमैन्ट्स, पुराने रोते-धोते से बंगले, छोटी-मोटी दुकानें, बेहूदा किस्म के बार जिनमें वहाँ इलाके में बसने वाले मछुआरे शराब

पीकर सरेशाम झगड़ते रहते थे और इन सब में ज्यादातर लोग काले-अफ्रीकी मूल के थे।

पैरेडाईज एश्योरेंस कारपोरेशन का नया दफ्तर इसी सीकाम्ब के बीचों-बीच खूब चहल-पहल वाली व्यू रोड पर शॉपिंग सैन्टर के नजदीक खोला गया था।

केन ब्रेन्डन वहाँ अपनी कार पर पहुँचा और पहुँचते ही उसे अहसास हो गया कि वो इलाका उसके आगे अब किस किस्म की चुनौती देने वाला था। अपनी उस नई नियुक्ति के पहले ही दिन केन ब्रेन्डन को अपनी कार पार्क करने में पसीने छूट गए। फिर किसी तरह उसने अपनी कार पार्क की और उतरकर फुटपाथ पर खड़ा हो अपने नए दफ्तर की ओर देखने लगा।

नया दफ्तर।

ऐसा नया कि मानो कोई पॉन शॉप' हो।

लेकिन वो जैसे इसके लिए तैयार होकर आया था। वो इस कड़वी सच्चाई को जानता था कि अब उसके मेजर क्लाइंट्स कोई दौलतमंद खूबसूरत दिखते ऊँचे तबके के लोग नहीं बल्कि ऐसे लोग होंगे जिन्हें अपने लिए दो वक्त की रोटी तक का जुगाड़ करना भारी लगता होगा।

और जब आपको इस तबके के लोगों के साथ बिजनेस करना हो तो आप अपने दफ्तर को बेहद शानदार ढंग से नहीं रख सकते....ऐसा दफ्तर जिसमें इन लोगों को कदम रखने तक में हिचकिचाहट हो।

आसपास की दुकानों में मौजूद तमाम काले लोगों की निगाहों का मरकज बने केन अपने दफ्तर में पहुँचा।

सामने घुसते ही एक खूब लंबा काउण्टर था जिसके पीछे फाईलिंग केबिनेट्स, एक डेस्क, एक टाईपराईटर और एक टेलीफोन था।

और ये सारा सामान सैकेंडहैण्ड था।

अपने उस नए दफ्तर में चारों ओर निगाह डालते हुए केन उस वक्त की कल्पना करने लगा जब वो अपनी पिछली नियुक्ति में एक शानदार शहंशाही दफ्तर में काम करता था।

यहाँ वो सब नहीं था।

और जो था—वो ये कि अब इस नए दफ्तर में उसके साथ स्टर्नवुड की लड़की भी काम करने वाली थी।

केन ने काउण्टर पार किया और सामने बने कमरे के पास पहुँचा जिसके ग्लास पैनल पर खूब बड़े काले अक्षरों में लिखा था—

केन ब्रेन्डन मैनेजर

उसने दरवाजा खोला, भीतर पहुँचा और चारों ओर निगाह डाली।

एक पुराना डेस्क जिस पर एक टेलिफोन, पोर्टेबल टाईपराईटर, ऐश ट्रे, रिवाल्विंग चेयर और राईटिंग पैड पड़े थे।

भद्दा सा कालीन और दो बेहद मामूली कुर्सियाँ।

बस यही कुछ था वहाँ उसके उस नए डेरे पर।

और अभी ऊपर से उस कमरे की खिड़की की लोकेशन कुछ ऐसी थी कि खोले जाने पर उसने बाहर बेहद शोरगुल वाली मेन रोड की ओर खुलना था।

बेहद निराशा में केन ब्रेन्डन ने एक लम्बी साँस छोड़ी।

उसे याद आया कि कैसे उसके पिछले दफ्तर में बकायदा एक एयर कंडीशनर लगाया गया था और यहाँ....।

यहाँ का उसका कमरा बेहद गर्म और उमस भरा था, जिसमें राहत की उम्मीद में अगर खिड़की को खोल दिया जाता तो बाहर की चिल्ल-पौं भीतर आने लगती।

केन ब्रेन्डन ने आगे बढ़कर खिड़की खोली और खुद वो तजुर्बा किया। उसे फौरन अपने उस अंदाजे की तसदीक हो गई।

केन ब्रेन्डन का मन वितृष्णा से भर उठा।

लेकिन अभी मुसीबतें खत्म कहाँ हुई थीं?

उस नए नामाकूल निकम्मे दफ्तर में तमाम किस्म की खामियों के बाद कोढ़ में खाज जैसी बात ये थी कि उसे वहाँ स्टर्नवुड की लड़की के साथ काम करना था जो वहाँ उसके सिर पर अपने बाप की जासूस की तरह काम करने वाली थी।

यानि अब स्टर्नवुड उस दूर दराज के इलाके में उस पर अपनी बेटी की मार्फत पूरी निगाह रखता रह सकता था और यही उसके उस प्रमोशन का सबसे बड़ा चैलेंज था।

तभी उसे दफ्तर के बाहरी हिस्से से आई किसी आहट का अहसास हुआ। केन ब्रेन्डन अपने केबिन से बाहर निकला और मेन डोर की ओर बढ़ा जहाँ उसने अपनी उस नई सहकर्मी, उस कुलीग को पहली बार देखा।

मेन डोर पर बीचों-बीच खड़ी वो लड़की कोई चौबीस साल की थी। जिसका केन ने हैरानी और दिलचस्पी के मिलेजुले भावों के साथ जायजा लिया।

लड़की कई स्थानों पर से उड़े रंग वाली जींस के ऊपर एक टी शर्ट पहने हुए थी और अपने इस रंग-ढंग में वो कोई क्लायन्ट ही लग रही थी।

उस दफ्तर की पहली क्लायन्ट।

लेकिन फिर बात इतनी सीधी भी नहीं थी।

अपने बेहद मामूली कपड़ों में भी लड़की केन में एक खास किस्म की गर्मी पैदा करने में कामयाब थी। उसके कंधों तक लटकते उसके सुनहरे बाल, बड़ी हरी आँखें, खूबसूरत चेहरे पर कसीदेकार होंठ उसकी उस खूबसूरती को कई गुना बढ़ा रहे थे।

"हाय"—लड़की ने काउन्टर पार किया और उसकी ओर बढ़ते हुए बोली—"क्या तुम्हीं केन ब्रेन्डन हो?"

"ओह गॉड"—केन ने सोचा—'तो यह थी स्टर्नवुड की लड़की।'

हाहाकारी लड़की।

हाय-हाय करा देने वाली।

"क्या हुआ?"—कोई जवाब न पाकर लड़की ने पूछा।

"कुछ नहीं।"—केन ने कहा—"हाँ, मैं ही केन ब्रेन्डन हूँ और तुम....तुम मिस स्टर्नवुड हो न?"

लड़की ने अनुमोदन में सिर हिलाया और मुस्कुरा दी।

और इस प्रक्रिया में केन को उसके सफेद चमकदार दाँतों की झलक भी मिल गई।

चमकीले दाँत—किसी टूथपेस्ट के एडवरटाईजमेण्ट के लिए बिल्कुल परफैक्ट।

"बड़ी बेहूदा जगह है।"—उसने चारों ओर नजरें घुमाते हुए कहा और फिर डेस्क पर रखे टाईपराईटर का मुआयना करके बोली—"लोहे के इस ढेर को तो देखो....?"

"तुम्हारे पिता....।"—केन ने कुछ कहना चाहा मगर कुछ सोचकर रुक गया।

"हाँ....मेरा बाप।"—उसने गुर्राकर कहा फिर फोन का रिसीवर उठाकर एक नम्बर डायल करने लगी।

"दिस इज मिस स्टर्नवुड।"—संपर्क स्थापित होने पर उसने कहा—"प्लीज गिव मी टु मिस्टर स्टर्नवुड।"

केन हैरानी से उसे देखता रहा कि कैसे वो लड़की रिसीवर कान से लगाए खड़ी रही और कुछ पलों बाद बोली—"ओह डैड—मैं अभी-अभी यहाँ पहुँची हूँ लेकिन अगर तुम्हें लगता है कि मैं इस बेहूदा और टीन के कनस्तर जैसे टाईपराईटर पर काम कर सकती हूँ तो फिर यकीनन तुम्हारा दिमाग खराब है। मुझे फौरन एक इलैक्ट्रानिक टाईपराईटर चाहिए।"

केन ने देखा कि दूसरी ओर से कुछ कहा गया था जिसे सुनकर लड़की का चेहरा पत्थर की मानिंद सख्त हो उठा।

"ओह पॉप—मुझे ऐसे किस्से सुनाकर बहलाने की कोशिश मत करो और याद रखो कि अगर तुमने मेरे लिए नए इलैक्ट्रानिक टाईपराईटर का इंतजाम नहीं किया तो मैं यहाँ काम नहीं करूँगी।"—कहकर उसने रिसीवर पटककर रख दिया। केन फटी-फटी आँखों से उसे देखता रह गया। वो तो अपने ख्वाबों तक में यह नहीं सोच सकता था कि इस दुनिया में कोई इतनी हिम्मत, इतना माद्दा भी रखता होगा कि जेफरसन से इस तरह पेश आ सके।

"अब वो ठीक हो जाएगा।"—लड़की ने उसकी ओर देखते हुए कहा—"तुमने अपना दफ्तर चैक किया? कैसा है?"

"ठीक-ठाक है।"

लड़की अपने स्थान से उठी और उस दफ्तर में उसके कमरे का चक्कर लगाकर लौटी।

"तुम्हारा दिमाग खराब है।"—उसने लौटकर कहा—"वो जगह किसी भट्टी की तरह तप रही है और तुम्हारा ये सोचना कि तुम उस जगह काम कर सकते हो—निहायत ही बेवकूफाना ख्याल। उस जगह तुम क्या, कोई भी कैसा भी काम नहीं कर सकता।"

लड़की डेस्क पर आ बैठी और उसने दोबारा से फोन मिला दिया।

"पॉप"—कॉल मिलने पर उसने कहा—"इस नर्क में एयरकंडीशनर के बिना काम करना नामुमकिन है तो फौरन दो एयरकंडीशनर भी भिजवा दो।"

दूसरी ओर से जो कुछ कहा गया, उसके नतीजे में उस लड़की का पारा फिर चढ़ गया।

"पॉप"—उसने सख्ती से कहा—"तुम्हारा दिमाग यकीनन खराब हो गया है। याद रखो—अगर मुझे मेरी दोनों चीजें मुहैया नहीं की गईं तो मैं यहाँ काम ही नहीं करूँगी।"

लड़की ने कॉल डिसकनैक्ट की और केन की ओर आँख मारी।

"हमें दो एयरकंडीशनर भी मिल जायेंगे।"—उसने शैतानी मुस्कराहट के साथ कहा।

"मिस स्टर्नवुड"—केन ने एक गहरी साँस लेते हुए कहा—"आपको अपने पिता से ऐसे पेश नहीं आना चाहिए।"

"ओह लीव इट"—लड़की ने दोनों हाथ हवा में उठाते हुए कहा—"मैं अपने बाप को हैण्डल करना जानती हूँ....एण्ड बाई द वे—मेरा नाम कॉरेन है, तो मुझे यूँ बार-बार मिस स्टर्नवुड कहना बंद करो।"

केन ब्रेन्डन समझ रहा था।

वो जान रहा था कि लड़की—हाहाकारी लड़की—केवल दिखने में ही स्मार्ट नहीं है बल्कि खूब तेज तर्रार भी थी।

“वैसे....”—कॉरेन ने केन को गौर से देखते हुए कहा— “तुम्हें तुम्हारे इस लिबास में तो यहाँ कोई धंधा मिलने से रहा।”

केन ने पलक झपकाते हुए पहले उसकी ओर—और फिर अपने शानदार कपड़ों पर निगाह डाली।

“क्यों, क्या कमी है इनमें?”—उसने पूछा।

“तुम्हारे इस शानदार अटॉयर, इस करीनेदार लिबास की बदौलत यहाँ कोई नीग्रो तो तुमसे बात तक करने की हिम्मत नहीं करेगा तो धंधा कहाँ से होगा। बेहतर यही रहेगा कि वापस घर जाओ और मेरी तरह मामूली कपड़े पहन कर आओ। वैसे यहाँ इस दफ्तर में बॉस तो हालाँकि तुम्हीं हो लेकिन मेरी राय में यहाँ इस कबाड़ दफ्तर में हमारे लिबास भी उसी तरह के होने चाहिए।”

लड़की ठीक कह रही थी।

उस इलाके के जिन लोगों के साथ उसे अपना बिजनेस करना था, उन्हें वाकई उसके इस सुपरक्लास अटॉयर में उससे डील करने में परेशानी होनी ही थी—और केन को लड़की की बात से इत्तेफाक था।

वो एक घण्टे में लौटकर आने के लिए कहकर फौरन वहाँ से बाहर निकल गया। सारे रास्ते वो लड़की उसके जेहन पर छाई रही। कॉरेन से कुछ पलों की मुलाकात ने उस पर गहरा असर डाला था।

“वाकई लड़की तेज है”—उसने खुद से कहा—“अपनी शादीशुदा जिन्दगी के बीते चार सालों में मैंने किसी पराई औरत पर कभी आँख तक नहीं उठाई लेकिन ये लड़की—हाहाकारी लड़की—कॉरेन की बात कुछ और ही है....मुझे इससे बचकर चलना पड़ेगा।”

इसी सोच में गड्ड-मड्ड वो अपने बंगले पहुँचा जहाँ उसने पाया कि बेट्टी अपने काम पर जा चुकी थी। केन बेडरूम में पहुँचा और उसने अपने कपड़े बदले।

एक मामूली कमीज।

फेडेड जींस।

और लोफर शूज।

केन ने जब खुद को शीशे में देखा तो उसे अहसास हुआ कि वाकई—उन घसियारे किस्म के मामूली कपड़ों ने उसे अब अपने उस नए दफ्तर में काम करने लायक बना दिया था।

अपने उस लुक को और परफैक्ट करने के लिए उसने अपने सलीकेदार कट वाले सजे-संवरे

बालों को हाथ मारकर बिखेर दिया।

"लड़की वाकई में तेज है।"—उसने खुद को शीशे में देखा और सोचा।

वापिस दफ्तर पहुँचकर केन अपने काम पर निकल गया।

उसने अपने दिन की शुरुआत वहीं आस-पास मौजूद सड़क के दोनों ओर बने नीग्रो मजदूरों के घरों में जाकर वहाँ मौजूद औरतों से बातें करके की, तो उसे गहरा ताज्जुब हुआ।

अधिकतर जिन औरतों ने बड़े झिझकते, घूरते हुए उसे अपने घर के भीतर बुलाया था, उन्हीं औरतों ने बाद में बड़े गौर से उसकी बातों को सुना था। केन ने जब उन्हें अपनी कंपनी की उन पॉलिसियों के बारे में बताया जिनसे उनके बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो सकता था तो उन्होंने फौरन उनमें अपनी दिलचस्पी दिखाई। औरतों के लिए अपनी औलाद के भविष्य की चिंता सबसे जरूरी सबसे बड़ी चीज है।

यहाँ कुछ औरतों ने उसे यकीन दिलाया कि वे अपने-अपने पति से मश्वरा कर उसकी पॉलिसी खरीदेंगी, वहीं तीन औरतों ने तो तभी फार्म भरकर दस्तखत किए और पॉलिसी खरीद भी ली।

केन को अब समझ में आया कि यहाँ इस इलाके में कंपनी का नया दफ्तर खोलना स्टर्नवुड की भारी अक्लमंदी का सबूत था।

वो वाकई अपने काम में माहिर था।

स्टर्नवुड का अंदाजा जबर्दस्त हिट होने वाला था।

केन खुशी-खुशी अपने दफ्तर लौटा तो वहाँ घुसते ही ठण्डी हवा के झोंकों ने उसका स्वागत किया। उसने कॉरेन की ओर देखा तो पाया कि वो अपने नए इलैक्ट्रॉनिक टाईपराईटर पर मसरूफ थी। उसने कॉरेन की ओर कदम बढ़ाए तो उसकी निगाहें केन पर उठीं।

"तुम लौट आए....।" वह मुस्कुराकर बोली—"मैंने आज दो पॉलिसी बेची हैं....और तुम्हें सुनकर हैरानी होगी कि क्लाईन्ट यहाँ दफ्तर में खुद-ब-खुद आ गए थे।"

"अरे वाह!"—केन ने दाँत चमकाते हुए कहा।

"तुम्हारा क्या रहा?"—कॉरेन ने उत्सुकता से पूछा।

"मैंने आज तीन पॉलिसी बेची हैं और जो ग्राउण्ड वर्क किया है उसके भरोसे मुझे यकीन है कि आगे दस पॉलिसी और बिक सकती हैं।"—केन ने जवाब देते हुए कहा—"वैसे—मैं देख रहा हूँ कि तुम्हारी मांगों को मिस्टर स्टर्नवुड ने वारफुटिंग पर पूरा कर दिया है। वाकई तुम कमाल की चीज हो जो अपने बाप को यूँ हैण्डल कर सकती हो।"

"अगर मेरे बाप को कायदे से हैण्डिल किया जाए तो वो खुद एक कमाल के वर्कर हैं।"—कॉरेन ने खिलखिलाते हुए कहा।

केन ने उसे बेची गई पॉलिसियों के कागजात थमाये और कहा—"मानना पड़ेगा कि मिस्टर स्टर्नवुड की नजर वाकई में तेज है और उन्हें अपने काम की खूब समझ है। यहाँ सीकाम्ब में कंपनी का नया दफ्तर खोलने का उनका यह आईडिया ब्लॉकबस्टर साबित होने वाला है।"

"हाँ। पहले दिन का परफॉर्मेन्स तो यही कुछ इशारा देता लग रहा है।"—कॉरेन ने कागजात को थामकर उन पर एक निगाह डाली और कहा—"मुझे तो बड़ी भूख लगी है—तुम्हारा क्या प्रोग्राम है?"

"प्रोग्राम?"—केन ने पूछा।

"अरे लंच कहाँ करोगे?"—कॉरेन बोली—"कहीं बाहर चलें?"

"ओह वो"—केन ने उसकी बात का जवाब देते हुए कहा—"नहीं। मैं यहीं ठहरूँगा। वैसे भी यूँ लंच टाईम में ऑफिस बंद करके चल देना ठीक नहीं होगा....क्या पता कोई और क्लाईन्ट आ जाए।"

"हाँ—वो तो है।"

"तुम अगर लंच बाहर जाकर करने वाली हो तो क्या लौटते वक्त मेरे लिए हॉट डॉग या कोई बर्गर वगैरह ले आओगी?"

"श्योर"—कॉरेन ने हाथ में थामे कागजों को सामने डेस्क पर रखा और उठ खड़ी हुई—"मैं जल्द ही लौट आऊँगी।"

कहकर वह बाहर निकल गई।

केन उसे जाते हुए—पीछे से देखता रहा।

टाईट जीन्स पहने उस लड़की की चाल ने उसके खून की गर्मी को बढ़ा दिया था।

"ओह गॉड"—केन ने हाथ झटकते हुए कहा—"नाओ दैट्स गोईंग टू बी अनदर चेलैंज।"

कॉरेन के दफ्तर से निकल जाने के बाद वो जगह यकायक सूनी-सूनी हो गई थी।

केन अपने केबिन में पहुँचा और अपनी उखड़ी साँसों को काबू में करने लगा।

"इंकलाब जिन्दाबाद करा गई।"—उसने गहरी साँस लेते हुए कहा।

कुछ पल बाद उसने बेट्टी को डॉ. हेन्ज के क्लीनिक में फोन लगाया।

"ओह डार्लिंग"—बेट्टी की आवाज आई—"कैसा चल रहा है?"

“बढ़िया”—केन ने कहा—“उम्मीद है शाम तक अच्छी खासी पॉलिसी बिक जाएँगी। पहले दिन अभी लंच तक ही पाँच पॉलिसी बिक भी चुकी हैं।”

“अरे वाह!”

“वैसे सुनो—आज पहला दिन है सो काम थोड़ा ज्यादा है। मुझे घर पहुँचने में देर हो सकती है....शायद दस भी बज जाएं।”

“कोई बात नहीं....मैं खाना तैयार रखूँगी।”

“ठीक है।”

“वैसे”—बेट्टी ने पूछा—“वो तुम्हारे बॉस की लड़की कैसी है?”

“ठीक-ठाक ही है।”—केन ने लापरवाही से कहा—“अभी आज पहला ही दिन है सो कुछ खास बात नहीं हुई है। वैसे देखने में तो अख्खड़ और जिद्दी ही लगती है....लेकिन फिर वो मेरे टेस्ट की तो नहीं है।”

“ओह....”—बेट्टी ने सर्द आवाज में कहा—“मुझे पहली बार पता चला है कि लड़कियों के मामले में तुम्हारा भी कोई टेस्ट है।”

केन को फौरन अपनी गलती का अहसास हुआ।

“ओह डार्लिंग”—उसने बात संभालते हुए कहा—“मेरा टेस्ट तो बस तुम हो।”

“हम्म....”—बेट्टी ने उत्साहहीन स्वर में कहा—“रात को खाने पर मिलते हैं।”

फिर संबंध विच्छेद हो गया।

केन ने हाथ में थामे रिसीवर को धीरे से क्रेडल पर रख दिया। उसे खुद पर गुस्सा आ रहा था और उसे महसूस हो रहा था कि स्टर्नवुड की बातों में आकर उसने इस प्रमोशन के लालच में यहाँ आकर गलती कर दी है। उसे कहाँ पता था कि यहाँ उसे ऐसी पटाखा, ऐसी फुलझड़ी के साथ काम करना था जो वक्त बेवक्त उसे हाई वोल्टेज के फुल भड़काऊ झटके देकर इंकलाब जिन्दाबाद करा देने में माहिर थी। उसे कहाँ पता था कॉरेन जैसी हाहाकारी लड़की के लिए जिस्मानी संबंध बनाना कपड़े बदलने जैसी मामूली चीज थी और अब अपने काम—अपनी नौकरी के चक्कर में उसे इस लड़की के साथ कई मौकों पर दफ्तर में अकेले रहना था। केन ने खुद को कॉरेन के ख्यालों से मुक्त किया।

फिर पसीने से गीले हुए हाथों से अपने बालों को सहलाया।

और खुद को जबरन काम में झोंक दिया।

आगे आने वाले दिन उसके लिए कई किस्म की चुनौतियाँ लाने वाले थे।

¶¶

केन देर रात लगभग ग्यारह बजे घर लौटा।

थका-हारा।

भूखा-प्यासा।

लेकिन मुस्कुराता।

अपने दफ्तर के पहले ही दिन उसने जिन दस पॉलिसियों के बिक जाने की बावत अंदाजा लगाया था, उसमें से आठ तो बिक भी चुकी थीं। ऊपर से उसे कुछ और बिजनेस की भी उम्मीद बंधी थी—सो कुल मिलाकर उसका दफ्तर में पहला दिन बेहद कामयाब, बेहद शानदार गुजरा था।

इतना शानदार—इतना कामयाब कि उस एक दिन में उसने बतौर ब्रांच मैनेजर एक सौ पचानवें डॉलर का मोटा कमीशन पीट लिया था। दफ्तर में लंच के दौरान जब कॉरेन बाहर चली गई थी तो उसने कंपनी की ओर से एक नया ड्राफ्ट तैयार किया, जिस पर कंपनी के हैड ऑफिस के सेल्स डायरेक्टर की सहमति लेने के बाद, उसने ये डिटेल सैट की कि कैसे पैराडाईज सिटी कार्पोरेशन वहाँ स्थानीय बच्चों की भविष्य सुरक्षा के लिए मदद कर सकती है। बाद में कॉरेन के लाए दो हॉट डॉग खाने के बाद वो वहीं नजदीक के एक स्कूल में पहुँचा था जहाँ के प्रिंसिपल—एक पतला दुबला नीग्रो युवक—ने उसके ड्राफ्ट में मैंशन तथ्यों से सहमति जताई थी।

आगे केन ने अपनी मार्केटिंग स्किल्स का बेजोड़ नमूना दिखाते हुए प्रिंसीपल से जानना चाहा कि क्या 'बच्चों की भविष्य सुरक्षा के मद्देनजर' वह उस स्कूल की इमारत का इस्तेमाल इन बच्चों के माँ-बाप के साथ किसी मीटिंग वगैरह के लिए कर सकता था?

प्रिंसिपल न सिर्फ इसके लिए सहर्ष तैयार हो गया था बल्कि उसने यह सलाह भी दी कि चूँकि कामा-काजी माता-पिता का सारे दिन घर से बाहर रहने के बाद शाम को घर पहुँचकर फिर दुबारा किसी काम से घर से बाहर निकलना मुहाल था सो ये मीटिंग किसी वर्किंग डे के बजाए रविवार को, छुट्टी के दिन रखना ज्यादा माकूल रहेगा।

अब हालाँकि प्रिंसीपल की बात में वजन था लेकिन फिर केन को इस पूरे आईडिया में अपनी खुद की हफ्तावारी छुट्टी के बलिदान हो जाने का ख्याल जरा भी नहीं भाया।

"ठीक है"—केन ने बुझे मन से कहा—"इस हफ्ते रविवार को दोपहर बाद की मीटिंग रख लेते हैं।"

आगे कुछ और बातचीत के बाद प्रिंसीपल से उसे चार ऐसे लड़कों के नाम-पते भी हासिल हो गए जिनके माता-पिता को ऐसी पॉलिसी खरीदने में कनविंस करना मुमकिन था। यही नहीं कुछ पैसों के बदले वही लड़के शाम के वक्त घर-घर जाकर कंपनी के प्रास्पैक्ट्स और पैम्पलेप्ट्स (विज्ञापन) के पर्चे बाँट सकते थे।

ये एक बड़ी मदद थी।

केन ने एक लोकल प्रिंटिंग प्रेस से कान्टैक्ट किया और वहाँ से बुधवार दोपहर तक पैम्पलेट्स की तीन हजार कॉपी छापकर तैयार करने का आर्डर दे दिया।

आखिरकार वह अपने दफ्तर लौटा और कॉरेन को बताया कि कैसे पूरे दिन उसने क्या-क्या पापड़ बेले थे।

“इस रविवार को प्रोग्राम है”—केन ने उसे कहा—“तो मुझे उसमें तुम्हारी मदद की जरूरत पड़ेगी सो एन वक्त में अपनी किसी डेट का हवाला देकर मना मत कर देना।”

“वैसे—उस दिन मेरी प्री-डिसाईडेड, डेट है लेकिन उससे कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। मैं तुम्हारी मदद के लिए उसे मुल्तवी कर दूँगी।”—कॉरेन ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया।

“ओह शुक्रिया कॉरेन“—केन ने कहा—“वैसे तुम अब जा सकती हो, क्योंकि मुझे अभी कुछ और वक्त लगेगा।”

“ओके—सी यू टुमारो।”—मुस्कुराते हुए कॉरेन उठी और अपने खास अंदाज में मटकती हुई चली गई।

और उसके चले जाने के बाद दफ्तर एक बार फिर सूना-सूना सा हो गया। केन अपने काम से फारिग हो अब देर रात अपने घर लौटा था जहाँ उसने बेट्टी को टी.वी. देखते पाया था। केन को आया देखकर उसने टी.वी. ऑफ किया और उसकी ओर बढ़ी।

“ओह केन”—उसने मुस्कुराते हुए पूछा—“तुम इन कपड़ों में दफ्तर गए थे?”

“हाँ”—वह मुस्कुराया—“यार कोई बीयर लगी हुई है तो दो और हाँ खाने का क्या है, मैं भूख से तड़प रहा हूँ।”

“सब तैयार है।”—उसने डायनिंग टेबल की ओर इशारा किया—“मैं बीयर ले आती हूँ।”

वह डिनर लेने में जुट गया।

बेट्टी वापिस लौटी और उसके सामने बैठते हुए बोली—“अब बताओ?”

केन ने डिनर करते हुए दिन भर की सारी डिटेल्स उसे बता दी लेकिन जानबूझकर रविवार के प्रोग्राम का जिक्र तक नहीं किया।

“तो मैंने पहले ही दिन मोटा कमीशन पीटा है।”—केन ने कहा—“कैसा है?”

“मारवेलस!”—बेट्टी बोली—“मुझे तो पहले ही पता था कि तुम वहाँ कामयाब होने वाले हो डार्लिंग....लेकिन वो सब छोड़ो, तुम मुझे यह बताओ कि तुम्हारे लिए ये बेहूदा बकवास ड्रेस पहनना क्यों जरूरी था?”

“जब मैं दफ्तर पहुँचा और उसे कबाड़ी की दुकान से जरा ही बेहतर पाया तो मुझे यही लगा कि मेरे लिए उस माहौल में यही—इसी किस्म की ड्रेस ही बेहतर रहेगी। फिर वहाँ

कॉरेन भी आ गई थी जिसने खुद बड़ी पुरानी-सी ड्रेस पहनी हुई थी....तो मुझे यही ठीक लगा और मैं भी घर लौटा और दोबारा कपड़े बदलकर दफ्तर पहुँचा।”

“कॉरेन!”

“वो स्टर्नवुड की लड़की।”—केन ने अपनी कुर्सी पीछे की ओर कहा—“पेट भर गया, चलो, अब सोते हैं....वैसे भी कल फिर सारे दिन की भाग दौड़ है।”

“नहीं—पहले मुझे उस लड़की के बारे में बताओ।”

“क्या बताऊँ?”

“सब कुछ।”

“अरे कल बताया तो था।”

“तो आज फिर बताओ, कल मैंने गौर नहीं किया था।”

“हम्म....वो एक मामूली दिखती लड़की है जो मिजाज में अपने बाप पर गई है।”

“मतलब?”

“मतलब सख्त और काम पर जोर डालने वाला मिजाज।”

“और देखने में कैसी है?”

“वैसी ही जैसी आजकल की लड़कियाँ आमतौर पर होती हैं। स्किन टाईट जींस, टी शर्ट, रूखे बाल वगैरह वगैरह।”

केन ने यह कहते हुए अपनी बीवी—सलीके से सजी सँवरी बीवी—पर निगाह डाली।

अचानक उसे कॉरेन की बड़ी भड़कती सी याद हो आई।

“क्या वह खूबसूरत है?”—बेट्टी ने पूछा।

“मैंने कहा न—वो आम लड़कियों जैसी ही है।”—और फिर बात घुमाने के मकसद से बोला—“अरे—एक बात तो मैं बताना भूल ही गया था।”

“क्या?”

“इस रविवार को वह स्कूल मीटिंग होनी है।”

“इसी रविवार को!”—बेट्टी ने आँख फैलाकर पूछते हुए कहा—“केन, तुम्हें याद है न कि उस दिन मैरी की शादी की सालगिरह है।”

केन को मैरी की सालगिरह का पता था लेकिन उसे जरा भी अहसास नहीं था कि वो

प्रोग्राम भी रविवार का ही था और अपने नए दफ्तर में फैले काम के चक्कर में उसे इस बात का ध्यान तक नहीं रहा था।

"ओह—आयम सॉरी—मैं तो बिल्कुल ही भूल गया था"—उसने कहा—"लेकिन आगे, इस रविवार के अलावा, स्कूल हासिल करना बेहद मुश्किल हो जाएगा।"

"लेकिन केन—तुम मैरी के साथ ऐसी ज्यादती नहीं कर सकते। तुमने वादा किया था कि तुम जरूर आओगे।"

मैरी बेट्टी की बड़ी बहन थी और केन उसे जरा भी पसंद नहीं करता था। उसका पति कारपोरेशन का वकील था और बेहद बोर आदमी था, फोर्ट लाडरडेल नाम की जगह पर उनका खुद का एक मकान था, उन्होंने अपनी शादी की दसवीं सालगिरह पर केन और बेट्टी को भी बुलावा भेजा था और वो बुलावा इसलिए भी खास था कि पहली बार उन्होंने ऐसा कोई प्रोग्राम रखा था जो दरअसल पूरे दिन का था।

बारबिक्यू लंच

रात का शानदार डिनर

और

बाद में शानदार आतिशबाजी का दर्शनीय नजारा।

सब कुछ अर्से से वैल प्लैन्ड था और केन का अब ऐन वक्त पर न जाने की कोई वजह—कोई बहाना नहीं चलना था।

"वैल"—केन ने कहा—"हनी, मेरा वहाँ जाना मुश्किल होने वाला है। खुद मेरे प्रोग्राम के पम्पलेट वगैरह छप रहे हैं और ऐसे में मुझे नहीं लगता कि मैं उसे कैंसल कर पाऊँगा। मेरी मजबूरी है और मुझे सिर्फ वही एक रविवार का दिन हासिल है जिसमें वो प्रोग्राम मैनेज हो सकता है।"

"हम्म...."—बेट्टी निराश हो गई—"तुम कब तक फारिग हो जाओगे?"

"मेरा ख्याल है शाम के सात तो बजेंगे ही।"

"तब तो तुम आतिशबाजी के वक्त तक ही पहुँच पाओगे।"—वह खुश होते हुए बोली।

केन मैरी और उसके वकील पति जैक—दोनों से बचना चाहता था लेकिन फिर भी उसने सिर हिलाकर अनुमोदन किया।

"ठीक है—मैं मीटिंग खत्म करते ही चल पड़ूँगा।"

"गुड—मैं वहाँ पहले पहुँच जाऊँगी।"—बेट्टी ने कहा—"और मैं मैरी को समझा दूँगी कि तुम किसी जरूरी काम में बिजी हो जाने की वजह से देर से आओगे।"

बेट्टी ने प्लेटे वगैरह उठाईं और किचन में चली गई तो केन उसकी मदद करने उसके पीछे-पीछे वहीं पहुँच गया।

"क्या अब तुम हमेशा यूँ ही देर तक काम किया करोगे?"

"नहीं—वैसे भी अगर मेरा रविवार वाला प्रोग्राम कामयाब हो गया तो मुझे नहीं लगता कि इस तरह देर तक काम करने की कोई जरूरत भी पड़ेगी।"

"वैसे तुम्हें अहसास है न कि अगर तुम्हें इस तरह, इस कदर देर तक अक्सर काम करना पड़े तो—तो हमारा मिलना भी दूभर हो जाएगा।"

"ओह बेट्टी—मैंने कहा न कि मुझे यूँ देर तक काम नहीं करना पड़ेगा।"

किचन से फारिग होकर वे दोनों बैडरूम में जाकर लेट गए जहाँ थकी-हारी बेट्टी तो जल्द ही सो गई लेकिन केन की आँखों में नींद का नामोनिशान भी न था।

उसके जेहन में कॉरेन घूम रही थी।

और लाख कोशिशों के बावजूद वह पौ फटने से पहले न सो सका।

¶¶

स्कूल मीटिंग पूरी तरह फ्लॉप रही।

वहाँ हॉल में घुसते ही केन को अहसास हो गया था कि जिस जगह को उन्होंने पाँच सौ लोगों की हाजिरी के हिसाब से सोचकर सारे इंतजाम किए थे, वहाँ दरअसल चंद लोग ही मौजूद थे। कॉरेन और प्रिंसिपल हेनरी के चेहरों पर गहरी निराशा स्पष्ट थी। केन ने आँखों ही आँखों में—वहाँ हॉल में मौजूद लोगों को गिना तो पाया कि कुल पैंतीस लोग मौजूद थे। उस बेहद निराशाजनक हालात में भी उसने व्यवसायिक मुस्कुराहट के साथ उन सभी का वहाँ स्वागत किया और बड़ी कुशलता से अपना मंतव्य उन लोगों को समझाया। इस सारे काम में कोई दस मिनट लगे जिसके बाद सवाल-जवाबों का दौर चला। हालाँकि हालात कोई बहुत बढ़िया तो नहीं थे लेकिन उस छोटी सी भीड़ में मौजूद एक गोरे ट्रक ड्राईवर ने केन द्वारा पेश की गई योजना से इत्तेफाक जाहिर कर कान्ट्रेक्ट साईन कर दिए, साढ़े चार बजे तक वहाँ मौजूद अट्ठाईस दूसरे श्रोताओं ने भी केन की पॉलिसी को खरीद लिया। बाकी बचे छः लोगों ने आगे सोचकर जवाब देने की बात कही।

और इस तरह मीटिंग—पौने पाँच बजे समाप्त हो गई।

आखिरी श्रोता के जाने के बाद प्रिंसिपल केन के पास पहुँचा और कहने लगा—"मुझे बेहद अफसोस है कि तुम्हें यहाँ मौजूद लोगों की कम हाजिरी से निराश होना पड़ा लेकिन मेरा तजुर्बा कहता है कि तुम्हारा यह प्रोग्राम पूरी तरह नाकामयाब नहीं रहा है। दरअसल यहाँ के लोग इस तरह की मीटिंग वगैरह से जरा परहेज ही रखते हैं सो यहाँ

हाजिरी कम रही लेकिन मेरा दावा है कि जिन भी लोगों ने आज यहाँ मीटिंग में हिस्सा लिया है वे सब तुम्हारे सैल्समैन बन जाएंगे और ऐसे में बहुत जल्द यहाँ शहर में लोग तुम्हें और तुम्हारे इंश्योरेन्स प्लान को जान जाएंगे। बस तुम्हें थोड़ा सब्र रखना पड़ेगा....आगे तुम्हें इतना काम मिलेगा कि फुर्सत भी नहीं निकाल पाओगे।”

केन ने प्रिंसिपल को शुक्रिया कहा और विदा लेकर बाहर आ गया।

बाहर तेज धूप में कॉरेन के साथ चलते हुए केन ने उससे कहा—“वैसे मेरे ख्याल से तो सारा प्रोग्राम बैकफायर ही कर चुका है लेकिन फिर भी मुझे प्रिंसीपल की कही बात पर यकीन है।”

“मेरा भी यही ख्याल है।”

केन ने गौर से कॉरेन पर निगाह डाली। दोनों ने पहले ही तय कर लिया था कि दोनों बेहद साधारण लिबास में वहाँ उस मीटिंग में आएंगे तो कॉरेन ने एक सादा सूती लिबास पहना हुआ था। उधर केन ने भी ग्रे रंग की जीन्स के साथ एक सिंपल टीशर्ट पहनी हुई थी जिस पर ऊपर से उसने एक हाल ही में खरीदी गई नीले रंग की जैकेट पहनी थी जिसके बटन गोल्फ की छोटी-छोटी गेंदों की तरह दिखते थे।

केन ने कॉरेन पर से निगाह हटाई।

कॉरेन उस साधारण लिबास में भी कहर ढा रही थी।

¶¶

पिछले पाँच दिन तेजी से गुजरे थे जिस दौरान कंपनी के सैल्स मैनेजर ने उनके ऑफिस में विजिट किया था। केन को उस विजिट में यह देखकर बड़ी तसल्ली हुई कि बावजूद इसके कि सैल्स मैनेजर ने कॉरेन की बड़ी खुशामद की थी, कॉरेन ने उसे फिर भी कोई भाव नहीं दिया था।

अगले कुछ दिनों तक केन ने अपने स्तर पर कंपनी की पॉलिसियों को बेचने की कोशिशें जारी रखीं। वो अक्सर सीव्यू रोड पर निकल जाते। जहाँ मौजूद दुकानों की लम्बी कतारों में मौजूद उनके मालिकों वगैरह को वह अपनी कंपनी की एक्सीडेन्ट व फायर पॉलिसी के बारे में जानकारी देता। हालांकि केन जानता था कि इनमें से अधिकतर दुकानदार पहले ही किसी दूसरी कंपनी से ऐसी ही कोई मिलती जुलती पॉलिसी ले चुके थे लेकिन फिर इन मुलाकातों का मकसद केवल पॉलिसी बेचना नहीं बल्कि इन लोगों से इस किस्म की मेल-मुलाकातों के बाद इनसे जान पहचान बढ़ाना भी था जोकि आगे चलकर उसके लिए कारआमद साबित होती। उनमें से अधिकतर लोगों ने केन का बेहद गर्मजोशी से स्वागत किया और यकीन दिलाया कि अपनी मौजूदा पॉलिसी के पूरे हो जाने पर वो लोग आगे केन की कंपनी पैरेडाईज इंश्योरेंस कारपोरेशन से ही बीमा पॉलिसी लेंगे।

इधर इन दिनों चूँकि कॉरेन भी अपने ऑफिशियल कामों में बिजी बनी रही थी, उससे भी

कम ही मुलाकात हो पाई थी। कॉरेन से बनी यह दूरी उसे राहत तो देती थी लेकिन फिर भी उसे लेकर अपने मन मस्तिष्क में उमड़ रहे उत्तेजित ख्यालों को वह दबा नहीं पाता था।

खासतौर से रातों को....।

जब शुक्रवार शाम को ऑफिस अपनी हफ्तावार छुट्टी के लिए बंद हुआ था तो अगला दिन केन ने अपने घर के लॉन की देखभाल में गुजारा। शाम को वह बेट्टी के साथ घूमने निकला और फिल्म देखकर बढ़िया रेस्ट्रां में जायकेदार सी-फूड का डिनर करके लौटा। लेकिन इस पूरे वक्त वह कॉरेन के ख्यालों में ही खोया रहा। हर वक्त उसे यही ख्याल आता कि वह क्या कर रही होगी। कॉरेन ने उसे बताया था कि शनिवार दोपहर वह अपने पिता की यॉट पर जाने वाली थी जहाँ उसका वीकऐन्ड गुजारने का प्लान था।

रविवार को बेट्टी सुबह सवेरे फोर्ट लाडरडेल के लिए निकल गई। उसे विदा करते वक्त केन ने उसे आश्वासन दिलाया कि वह खुद भी वहाँ जल्द-से-जल्द पहुँचने की कोशिश करेगा।

और अब जब उसकी मीटिंग पौने पाँच बजे ही खत्म हो गई तो उसे बड़ी निराशा हुई। अगर वह चाहता तो अब से अगले केवल एक घण्टे में वह अपनी साली के घर, फोर्ट लाडरडेल, पहुँच सकता था लेकिन फिर इसका मतलब था कि उसे अपनी बेहूदा साली और उसके महाबोर पति के साथ आधी रात तक रहना पड़ेगा।

तभी कॉरेन—जो उसके साथ मीटिंग से लौट रही थी, ने पूछा—“तुम हाऊसहोल्ड के मामूली काम कर लेते हो न?”

“हाँ-हाँ”—केन ने उसकी ओर हैरानी से देखते हुए पूछा—“लेकिन तुम यह क्यों पूछ रही हो?”

“यूँ ही....”—वह बोला—“मेरा मतलब है कि तुम्हें फौरन तो किसी से मिलने नहीं जाना? तुम्हारे पास एक डेढ़ घण्टे का टाईम है क्या?”

केन की धड़कनें बढ़ गईं।

“वैल....”—केन ने कहा—“जाना तो मुझे है लेकिन फिर कोई खास जल्दी नहीं है। मैं आठ बजे तक फ्री हूँ और तुम्हारे पास अगर ऐसा कोई काम है जो तब तक खत्म किया जा सकता हो तो तुम मुझे बता सकती हो।”

“मैं दरअसल अपने बीच केबिन (सागर तट के पास बना केबिन) में जा रही हूँ जहाँ अल्मारी में कुछ ठोक-पीट का छोटा-मोटा सा काम है। क्या तुम उसे दुरुस्त कर सकते हो?”

“हाँ-हाँ क्यों नहीं....लेकिन क्या तुम्हारी मिल्कियत में बीच केबिन भी है?”

“केवल वीक एन्ड्स पर इस्तेमाल के लिए है। मैं कल जब वहाँ गई थी तब पता चला कि वहाँ अलमारी में बने शेल्फ्स को थोड़ी ठोक-पीट की जरूरत थी।”

दोनों की निगाहें मिलीं।

केन हिचकिचाया।

उसके दिमाग में खतरे की लाल रोशनी चमकने लगी।

उसे लगा कि उसे कोई बहाना बनाकर इस काम से पल्ला झाड़ लेना चाहिए लेकिन ऐसे में यकायक उसे कुछ सूझा ही नहीं।

कॉरेन अपनी मनमोहक मुस्कान के साथ उसे देख रही थी और ऐसे में उसके आमंत्रण को अस्वीकार करना बेहद मुश्किल था।

बल्कि असंभव था। नामुमकिन था।

“वैल....”—कॉरेन ने कहा—“लगता है तुम घर जाना चाहते हो?”

“नहीं, ऐसा कुछ....”

“नहीं रहने दो, फिर कभी देखेंगे।”

आमंत्रण वापिस लिया जा रहा था।

फौरन फैसला करना था।

केन ने किया।

उसने तुरन्त फैसला किया और कहा—“अरे नहीं—मुझे तुम्हारी मदद करके खुशी होगी। मैं तो दरअसल ये सोच रहा था कि वहाँ टूल किट वगैरह है या मैं घर जाकर ले आऊँ?”

“मेरे पास सब कुछ है, तुम बस चले चलो।”

“ठीक है।”

“तुम पक्का चलना चाहते हो न?”

“हाँ-हाँ।”

“ठीक है फिर—आओ चलें।”

केन ने कॉरेन को अपनी कार में बैठाया और चल पड़ा।

“हमारी कंपनी ने हमारा नया ऑफिस खोलकर हमें यहाँ ट्रांसफर कर तो दिया है”—कॉरेन कहने लगी—“लेकिन सच कहूँ तो मुझे यह बेहूदा इलाका जरा भी नहीं भाया है।

पिछले हफ्ते यहाँ की ट्रेफिक पुलिस ने तेज ड्राईविंग की तोहमत लगाकर मेरा तीन बार चालान काटा है। कमबख्तों ने तीसरी दफा तो मेरा ड्राईविंग लाईसैंस तक जब्त कर लिया था और इसी वजह से कल मुझे अपने केबिन टैक्सी करके जाना पड़ा था।"

"यहाँ की पुलिस वाकई बड़ी तेज है।"—केन ने पूछा—"वैसे बीच पर तुम्हारा केबिन किस ओर है?"

"पैडलर्स क्रीक....जानते हो न वह किधर पड़ेगा?"

"अच्छा वो....लेकिन वो तो हिप्पियों का इलाका है।"

"हाँ, मेरा अपना केबिन वहाँ से आधा किलोमीटर ही दूर है।"

"बढ़िया....।"

"जब भी मुझे बोरियत महसूस होती है मैं वहाँ उनके इलाके में घूमने निकल जाती हूँ। कभी-कभी वे भी मेरे यहाँ घूमने आ जाते हैं....।"—कॉरेन हँसी—"उनका साथ मजेदार होता है।"

"लेकिन उनका रहन-सहन तो निहायत ही बेहूदा होता है।"

"तुम्हें लगता होगा ऐसा....मुझे तो मजेदार लगता है।"

कार हाईवे पर दौड़ाते हुए केन के मन में बार-बार यही ख्याल आ रहा था कि उसे कॉरेन के साथ जाने के बजाए अपनी बीवी बेट्टी के पास सीधे फोर्ट लाडरडेल जाना चाहिए था लेकिन अब इसके लिए देर हो चुकी थी।

फिलहाल मौजूदा हालात में वो अब कॉरेन के साथ जाने से मुकर नहीं सकता था।

कार में उसके ठीक बगल में बैठी कॉरेन की मौजूदगी से वह पूरी तरह सजग था लेकिन फिर भी वह उससे बातचीत करने में सहज नहीं था। उसका दिल तेजी से धड़क रहा था और ड्राईव करते कार का स्टियरिंग थामे हाथों में ढीलापन था।

दूसरी ओर कॉरेन पूरी तरह संतुष्ट थी। वह बड़ी लापरवाही से कुछ गुनगुना रही थी।

कार आगे बढ़ती रही।

कोई एक मील आगे पहुँचने पर कॉरेन ने उसे रास्ता दिखाते हुए कहा—"अगले मोड़ से बाईं ओर घूमना है।"

केन उसके बताए रास्ते पर कार चलाता हुआ समुद्र की ओर जाती एक तंग रेतीली सड़क पर आ गया।

सामने साईप्रस और नारियल के पेड़ नुमाया थे।

“बस-बस”—कॉरेन ने कहा—“यहीं रुकना है, आगे पैदल का रास्ता है।”

“ठीक है”—कहकर केन ने वहीं पेड़ों के साये में गाड़ी पार्क कर दी। कार से उतरकर कॉरेन रेतीली पगडंडी पर झुरमुट की ओर बढ़ने लगी तो केन की निगाहें उसके बदन के पिछले हिस्से पर पड़ीं। गोल सुडौल बदन के उत्तेजक उतार-चढ़ाव और ऊपर से कॉरेन के अलमस्त अंदाज में चलने के ढंग ने उसे तरंगित कर दिया। केन ने बामुश्किल अपनी निगाहों को परे किया। दूर कहीं से आती दबे शोर की आवाज और उसी में मिला हुआ गिटारों और ड्रम्स का मद्धम शोर उसके कानों में पड़ रहा था। यकीनन हिप्पी कॉलोनी कोई बहुत दूर नहीं थी।

केन ने गौर किया कि रेतीले सागर तट का वह भाग सुनसान था। पैरेडाईज सिटी के बाशिन्दे वहाँ पैडलर्स क्रीक से दूर ही रहा करते थे। अपने ख्यालों में मग्न केन की निगाहें दोबारा अपने आगे चल रही कॉरेन पर पड़ीं।

तुरन्त उसकी बेचैनी बढ़ गई।

क्या लड़की थी!

क्या कमाल की लड़की थी!

ऐसा कि उसकी वो चाल ही केन को अपनी बीवी से बेवफाई कर डालने के लिए उत्तेजित कर रही थी। उसकी सारी सतर्कता धरी रह गई थी। कॉरेन यकीनन उसके दिलो-दिमाग पर हाहाकारी तरीके से छाई हुई थी। बेट्टी से बेवफाई करने के ख्याल ने उसे थोड़ा बेचैन जरूर किया था लेकिन फिर उसने खुद को यह सोचकर तसल्ली दी कि ज्यादातर मर्द अपनी बीवियों के साथ ऐसी बेवफाइयाँ करते रहते हैं। उसने खुद को याद कराया कि वह आज भी—अभी भी अपनी बीवी बेट्टी को बेहद चाहता था और इस फानी दुनिया के रहते उसकी जिन्दगी में कोई और औरत बेट्टी की जगह नहीं ले सकती थी।

कोई भी नहीं।

लेकिन कॉरेन....!

केन के दिलो-दिमाग में फिर से तूफान उठ आया।

क्या वो ठीक कर रहा था?

बेट्टी उसकी इस बेवफाई के बारे में जानेगी तो कैसे रियेक्ट करेगी?

लेकिन—फिर बेट्टी को इस बारे में पता चलेगा ही क्यों?

नहीं—उसे कभी उसकी इस हरकत के बारे में पता नहीं चलेगा।

चल ही नहीं सकता था।

वो या कॉरेन उससे या किसी से भी इस बाबत कभी कुछ नहीं बताने वाले थे।

अपने इन्हीं ख्यालों में डूबता-उतराता केन आगे बढ़ता रहा—जहाँ अब वह झुरमुट से निकलकर खुले सागर तट पर आ पहुँचा।

सामने ही लकड़ी का बना एक छोटा केबिन मौजूद था।

"यह है"—कॉरेन बोली—"मेरा केबिन।"

कॉरेन ने आगे बढ़कर केबिन का दरवाजा अनलॉक किया तो केन उसके पीछे-पीछे चलता हुआ भीतर एक बड़े कमरे में आ गया।

पीछे कॉरेन ने मेन डोर बन्द कर लिया।

उसने ए.सी. ऑन किया और खिड़कियों के गिरे पर्दों को उठाने की कोई कोशिश नहीं की।

केन ने आस-पास निगाह डाली।

कमरा खूब बड़ा और आरामदायक था। बीच में सैन्टर टेबल, साथ में तीन लाऊजिंग चेयर्स, एक टी.वी. सैट, कॉकटेल कैबिनेट, इधर-उधर बिखरी कुछ कुर्सियाँ और दूर कोने में एक बड़े साईज का दीवान।

"बढ़िया जगह है"—केन ने कहा—"कौन-सी अलमारी ठीक करनी है?"

"ओह कम ऑन केन"—कॉरेन मुस्कुराई—"मेरी तरह अब तो तुम भी जानते हो कि यहाँ कोई अलमारी है ही नहीं। बात सीधी है—और वो ये कि हम दोनों एक दूसरे को चाहते हैं।"

केन उस बात में छुपे इशारे को बखूबी समझ रहा था। मर्दों में ऐसी किसी खूबसूरत लड़की के ऐसे किसी राजीनामे को समझने की खास काबिलियत होती है।

आगे लम्बा वक्त बाकी था।

शाम तो अभी शुरू हुई थी।

अगले कुछ घण्टे ऐसी सनसनीखेज रफ्तार से बीते कि गुजरते वक्त का अहसास भी न हुआ।

¶¶

केन ने आँखें खोलीं।

कमरे में अंधेरा था।

पलभर को उसे लगा कि वह अपने घर में अपने बैडरूम में अपनी बीवी के साथ था।

फिर यकायक उसे याद आया।

उसने लम्बी साँस छोड़ी और उसी अंधेरे में टटोलकर बैड साईड लैम्प का स्विच ढूँढकर उसे ऑन किया। रोशनी हुई तो उसने अपने बगल में निगाह डाली।

कॉरेन।

क्या लड़की थी!

क्या कमाल की लड़की थी!!

ऐसी कि उसने केन को बेट्टी से बेवफाई करने पर मजबूर कर दिया था।

केन बिस्तर से नीचे उतरा तो कॉरेन ने भी आँखें खोल दीं।

केन ने घड़ी पर निगाह डाली।

आठ बजकर बीस मिनट

कॉरेन के संसर्ग ने उसे निचोड़कर रख दिया था। कॉरेन ने उसके साथ जो हंगामाखेज, हैरतअंगेज, कलाबाजियाँ खाई थीं, उसकी उसने कल्पना तक नहीं की थी।

क्या लड़की थी!

क्या कमाल की लड़की थी!!

केन ने लम्बी साँस छोड़ी और सोचने लगा कि अगर वो अब बेट्टी के पास पार्टी में पहुँचा तो उसे खामाखां का शक होगा। वहाँ जाने के लिए अब बहुत देर हो चुकी थी।

यकायक उसे कॉरेन के प्रति अरुचि हो आई।

"हे भगवान"—उसने सोचा—"ये मैं किस पचड़े में पड़ गया।"

"अच्छा सुनो"—प्रत्यक्षत: केन ने कहा—"मुझे जाना होगा। बहुत वक्त गुजर गया है।"

"अरे—घबरा क्यों रहे हो....वक्त तो देखो कितना बढ़िया गुजरा।"

लेकिन केन मानो उसकी बात सुन ही नहीं रहा था। वह अपने कपड़े पहनते हुए सोच रहा था कि यहाँ आकर उसने वाकई बड़े पागलपन का काम किया था। कॉरेन उसे अब ऐसी हाहाकारी नहीं लग रही थी कि उसमें कोई उत्तेजना पैदा कर पाती। इस वक्त तो वो लड़की उसे एक अमीर बाप की बिगड़ी हुई औलाद से ज्यादा कुछ न लगी।

अगर वह फौरन फोर्ट लाडरडेल के लिए निकल जाए तो शायद आतिशबाजी शुरू होने से पहले वहाँ पहुँच सकता था।

“मुझे निकलना होगा”—वह बोला—“मेरी बीवी मेरे इंतजार में होगी।”

“हम्म....जाना ही चाहते हो तो ठीक है लेकिन इतने परेशान क्यों लग रहे हो।”

केन तब तक कपड़े पहनकर दरवाजे की ओर बढ़ गया था।

“केन”—कॉरेन की सर्द आवाज ने उसे टोका तो वह ठिठक गया—“गुड बाई नहीं कहोगे?”

“मुझे यह सब नहीं करना चाहिए था....हम पागल हो गये थे।”

कॉरेन बिस्तर से बाहर निकल आई।

अपने पैदाईशी लिबास में।

लेकिन उसका वह अंदाज अब केन को उत्तेजित करने में नाकाम था।

“किसी काम को जानबूझकर कर लेने के बाद उस पर पछतावा करना बेवकूफी होती है केन”—कॉरेन ने कहा— “हासिल मौकों का फायदा उठाना इंसानी फितरत है—इसमें पछतावा कैसा?”

केन ने मानो उसकी बात सुनी ही नहीं। अब उस पर केवल बेट्टी के पास पहुँचने का भूत सवार था।

“मैं जा रहा हूँ।”

“अंधेरा हो गया है, क्या तुम ऐसे में अपनी गाड़ी ढूँढ लोगे?”

“ढूँढ ही लूँगा।”

“ठहरो”—कॉरेन ने एक शक्तिशाली टार्च उठाकर उसे देते हुए कहा—“तुम्हें इसकी जरूरत है।”

केन ने टार्च ले ली लेकिन कहा कुछ नहीं।

“यकीन जानो केन”—वह बोली—“तुम वाकई में गजब के प्रेमी हो....पसंद आए तुम मुझे।”

कॉरेन की बात अनसुनी कर केन केबिन से बाहर निकला और झुरमुट की ओर दौड़ गया।

उसे केवल एक चिन्ता थी—फोर्ट लाडरडेल पहुँचना।

उसने टार्च ऑन कर ली थी और उसी की शक्तिशाली रोशनी में अपनी कार की ओर दौड़ा जा रहा था। अभी उसने कोई आधा रास्ता ही तय किया था कि अचानक उसे किसी चीज के सड़ने की बदबू आई। उसे लगा कोई जानवर वहीं कहीं मरा पड़ा था। उसने टार्च की रोशनी को पगडंडी पर केन्द्रित रखा और आगे बढ़ता रहा लेकिन जैसे-जैसे वह आगे

बढ़ता गया वह बदबू भी बढ़ती चली गई। आखिरकार हालात ऐसे हो गए कि मारे बदबू के उसका सारा खाया-पिया मुँह को आने लगा।

वह रुका नहीं।

वह अब भी आगे बढ़ता रहा।

हालांकि अब वह दौड़ नहीं रहा था बल्कि धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा था। अपनी वर्तमान परिस्थिति से वह कतई खुश नहीं था—लेकिन उसकी जो भी हालत थी—उसके लिए वो खुद ही जिम्मेदार था।

तभी टार्च की रोशनी पगडंडी पर पड़ी एक इंसानी लाश के ऊपर गिरी। केन का दिल जोरों से धड़का।

उसके मुँह में कड़वाहट सी भर गई और जिस्म बर्फ की मानिंद ठण्डा पड़ गया।

सामने पड़ी नंगी लाश किसी लड़की की थी लेकिन फिर अगर वो सिर्फ एक लाश होती तो शायद कोई बात न होती। वो तो एक वीभत्स तरीके से मार डाली गई लड़की की लाश थी। ऐसी जिसमें उसके जिस्म की पसलियों के निचले भाग से लेकर टांगों के जोड़ तक मानो चीर डाला गया था और जैसे इतना ही काफी न हो। पास ही खून के गड्ढे में उसकी आँतें निकली पड़ी थीं।

केन ने अपनी आँखें बंद कर लीं।

उसकी साँसें किसी धौंकनी की तरह दौड़ रही थीं। वह बुरी तरह घबरा उठा और मुड़कर वापिस चलने लगा।

उसने अभी-अभी जो कुछ देखा था, उसने उसकी हालत बेहद खराब कर दी थी। वह आतंकित था—बेहद आतंकित।

तभी वह रुका और पेट पकड़कर उल्टियाँ करने लगा। रह-रहकर उसकी आँखों के आगे, पीछे छुटी लाश लहरा रही थी और केन धड़ाधड़ उल्टियाँ करता रहा।

कुछ मिनटों बाद जब उसकी हालत कुछ स्थिर हुई तो अपने चेहरे से पसीना पोंछते, लड़खड़ाते कदमों के साथ वो वापिस केबिन पहुँचा।

दरवाजा धकेलकर उसने भीतर कदम रखा।

कॉरेन, जिसने अपना जिस्म अब एक चादर से ढँक लिया था, उसे देखते ही हैरान रह गई।

केन का चेहरा आतंक की अधिकता से फट पड़ने को तैयार था।

“क्या हुआ।”—कॉरेन ने पूछा।

“वहाँ बाहर किसी लड़की की लाश पड़ी है। किसी ने बड़े ही वीभत्स तरीके से उसकी

हत्या की है।”—केन ने खुद को एक कुर्सी में धंसाते हुए कहा—“उसका पेट फाड़ा गया है और बेहद भयानक दृश्य है।”

“क्या बकते हो?”—उसने केन के नजदीक जाकर कहा।

“सुना नहीं तुमने—वहाँ बाहर एक लड़की को मार डाला गया है और हमें पुलिस को खबर करनी चाहिए।”

केन के कांपते हाथों और पसीने से तर चेहरे को देखकर कॉरेन ने सबसे पहले उसको स्कॉच का एक तगड़ा पैग दिया जिसे केन ने एक सांस में खींचा और गिलास हाथों से निकलकर नीचे कालीन पर गिर जाने दिया।

एल्कोहल के उस तगड़े डोज ने उसे कुछ स्थिर किया।

“खुद को सम्भालो”—कॉरेन ने उससे कहना शुरू किया—“उस लाश से तुम्हारा या मेरा कोई सम्बंध नहीं है। तुम अपनी बीवी के पास चले जाओ।”

“मैं अपनी कार तक नहीं पहुँच सकता। उस लाश के नजदीक से होकर गुजरना मेरे बस का मामला नहीं।”

“तुम दूसरी ओर—सागर तट की राह पकड़ लो। बस वो रास्ता जरा लम्बा ही तो है।”—कहकर उसने चादर उतारी और स्वींमिंग सूट पहनकर बोली—“मैं तुम्हारे साथ चलती हूँ।”

केन ने अपनी कलाई घड़ी पर निगाह डाली।

पौने नौ बज रहे थे।

“अब देर हो चुकी है....मैं वक्त रहते फोर्ट लाडरडेल नहीं पहुँच सकता।”

“अक्ल से काम लो। अपनी बीवी को फोन करके बोलो कि रास्ते में तुम्हारी कार खराब हो गई है, और तुम वापिस घर जा रहे हो।”—कॉरेन ने नीचे कालीन पर गिरे गिलास को उठाकर दोबारा भरा और केन को थमाते हुए कहा।

केन ने वो ड्रिंक एक ही सांस में खींच लिया। तब कॉरेन ने जबरन उसके हाथों में रिसीवर थमा दिया। केन कुछ पल हिचकिचाता रहा लेकिन आखिरकार उसने नम्बर डायल कर ही दिया।

घण्टी बजने लगी तो उसने कुर्सी की पुश्त से पीठ टिकाकर आँखें बन्द कर लीं।

कुछ पलों बाद उसके कानों में जैक की आवाज पड़ी।

“जैक”—केन ने कहा—“दिस इज केन।”

“हाय दोस्त—कहाँ फंस गए। हम सब तुम्हारा यहाँ बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।”

"सुनो जैक—मेरी कार खराब हो गई है और मैं यहीं रास्ते में एक गैराज में उसे ठीक कराने में लगा हूँ।"

"अरे—क्या हुआ कार में?"

"भगवान जाने क्या हुआ—यकायक इंजन बन्द हो गया और फिर लाख कोशिशों के बाद भी दोबारा स्टार्ट नहीं हुआ। आई एम सॉरी जैक।"

"ये क्या बात हुई केन। तुम हमारे साथ ऐसा कैसे कर सकते हो। आज हमारी शादी की सालगिरह है और मौज मेले के ऐसे मौके पर तुम्हारा न होना...."

"जैक—मैं खुद बेहद शर्मिंदा हूँ। प्लीज मेरी बात समझने की कोशिश करो।"

"वैल—अगर यहाँ मौजूद हर आदमी नशे में धुत न होता तो मैं यकीनन किसी न किसी को तुम्हें लाने के लिए भेज देता। तुम इस वक्त कहाँ हो?"

"हाईवे पर। और सुनो जैक—कार शायद जल्द ही ठीक हो जाए, तब मैं सीधे तुम्हारे पास ही पहुँचूंगा। जरा बेट्टी को भी समझा देना प्लीज।"

"हाँ-हाँ जरूर। वैसे यहाँ आतिशबाजी शुरू होने ही वाली है सो जितना जल्दी हो सके यहाँ आ पहुँचो।"

"हाँ ठीक है—मैं पूरी कोशिश करता हूँ।"

"ओके"—कहकर जैक ने संबंध विच्छेद कर दिया।

केन ने रिसीवर यथास्थान रखा और कॉरेन की ओर निगाह डाली।

"वह लाश....हमें पुलिस को खबर करनी चाहिए।"

"तुम्हारा दिमाग खराब हो गया है केन।"—कॉरेन ने ऊँची आवाज में कहा—"अगर इस मामले में पुलिस का दखल बना तो वह लोग सबसे पहले तो ये जानना चाहेंगे कि तुम अपनी बीवी के पास न जाकर यहाँ मेरे पास कर क्या रहे थे? तुम्हें क्या लगता है, तुम्हारी इस कहानी पर कोई भी यकीन करेगा कि तुम यहाँ सिर्फ अलमारी ठीक करने आये थे और सबसे बड़ी बात—तुम्हें जरा भी अहसास है कि मेरा बाप क्या करेगा जब उसे पता चलेगा कि तुम और मैं यहाँ इस केबिन में अकेले थे? मेरा बाप बेवकूफ है जो कि मुझे अब तक कुँवारी समझता है लेकिन इतना बड़ा बेवकूफ वो फिर भी नहीं है कि ये न समझ सके कि यहाँ इस केबिन की तनहाइयों में हम दोनों क्या कर रहे थे—और अगर ऐसा हुआ तो यकीन जानो केन हम दोनों मुसीबत में होंगे। उस सूरत में तुम्हारे हाथ से तुम्हारी नौकरी जाएगी और मेरे हाथ से ये केबिन।"

"लेकिन...."—केन ने कहना चाहा।

"नहीं केन—ये नहीं हो सकता। तुम यह पुलिस का खटराग छोड़ो और उठो—हम दोनों

यहाँ से अभी निकल लेते हैं।”

स्कॉच के दो तगड़े पैग अब अपना असर दिखाने लगे थे।

केन को लगा कि कॉरेन की बात सही है और पुलिस के झमेले में पड़ते ही और दस बखेड़े खड़े हो जाएँगे।

“अब चलो न।”—कॉरेन ने अधीरतापूर्वक कहा।

केन उठ खड़ा हुआ।

दोनों केबिन से बाहर निकले और उसे लॉक किया। एक लम्बा घेरा काटकर उनका इरादा कार तक पहुँचने का था और इसी प्रक्रिया में जब वे दोनों झाड़ियों से निकलकर एक मोड़ पर पहुँचे, यकायक दोनों को ब्रेक लग गए।

सामने से एक आदमी तेजी से उनकी ओर बढ़ा चला आ रहा था। चांद की दूधिया रोशनी में उन्होंने देखा कि वह ऊँचे कद का, पतले-दुबले जिस्म वाला दाढ़ी रखे शख्स था जिसने एक पुरानी घिसी हुई जीन्स पहन रखी थी और कंधे पर एक झोला लटका रखा था। कंधे पर लम्बे बालों और घनी दाढ़ी की वजह से सिर्फ उसकी आँखों और लम्बी सुतवां नाक पर फोकस बन रहा था।

“हे—देयर!”—आगंतुक ने कहा।

अपने को संबोधित हुआ पाकर केन घबरा गया लेकिन कॉरेन ने मुस्कुराकर कहा —“हाय!”

केन के शरीर से ठंडा पसीना चू रहा था लेकिन वह फिर भी मुस्कुराया।

“पैडलर्स क्रीक किधर है?”—आगंतुक ने पूछा।

केन ने अंदाजा लगाया कि आगंतुक की उम्र कोई बीस साल थी।

“सीधे जाओ—आगे करीब आधा मील चलकर पैडलर्स क्रीक है।”—कॉरेन ने जवाब दिया और केन सहित आगे बढ़ गई।

“अगर उसने हमें दोबारा कभी देखा तो पहचान लेगा?”—केन ने फंसी आवाज में पूछा।

“यह नशेड़ी खुद को तो पहचान नहीं सकता—हमें क्या पहचानेगा।”—कॉरेन ने हिकारत भरे स्वर में कहा।

केन ने पीछे मुड़कर देखा।

दढ़ियल अभी वहीं खड़ा था और पीछे उन्हें ही घूरे जा रहा था।

अगले कुछ क्षण दोनों की आँखों में संपर्क बना रहा, तत्पश्चात् वह पलटकर हिप्पी

कॉलोनी की ओर बढ़ गया।

“जाओ”—कॉरेन ने केन से कहा—“तुम्हारी कार उन झाड़ियों के आसपास है।”

“हम्म....”—केन ने कहा तो कॉरेन ने उसके गले में अपनी बाहें डाल दीं।

“वैसे....” वह बोली—“वक्त मजेदार गुजरा। नहीं?”

कॉरेन की गर्म बाँहों से सिरहन महसूस करते केन ने उसे पीछे धकेल दिया।

“आईंदा फिर कभी ऐसा नहीं होगा।”

“ओह—सारे मर्द ऐसा ही कहते हैं”—वह हँसी—“लेकिन भरने के बाद जाम छलकने लगता है।”

कॉरेन ने अपनी नर्म मुलायम उंगलियों से केन का गाल सहलाया और फिर मुड़कर सागर तट की ओर दौड़ गई।

पीछे खड़ा केन उसे जाता देखता रहा।

आसपास ही कहीं भयानक लाश पड़ी थी और वे दोनों इस वजह से गंभीर मुसीबत में थे।

उसकी नौकरी को खतरा हो सकता था।

उसका बेट्टी के साथ बेवफाई करना, वादाखिलाफी करना, एक दूसरी मुसीबत खड़ी कर सकता था।

आगे पीछे पुलिस का इस मामले में दखल बन के रहना था और ऐसे में भी कॉरेन को स्विमिंग की पड़ी थी।

बीते गुजरे वक्त के ‘मजेदार’ होने की पड़ी थी।

वाह!

क्या लड़की थी!

क्या कमाल की लड़की थी!!

¶¶

रात के साढ़े आठ बजे।

पैरेडाईज सिटी पुलिस हैडक्वार्टर्स में निस्तब्धता फैली थी।

अपने ऑफिस में बैठा थर्ड ग्रेड डिटेक्टिव—मैक्स जैकोबी— दबे स्वर में फ्रेंच भाषा के कुछ शब्दों को दोहरा रहा था। उसकी ख्वाहिश थी कि अपनी जिन्दगी में कम से कम एक

बार तो वो पेरिस जाकर अपनी छुट्टियाँ बिताये, वहाँ की खूबसूरत दिलफरेब लड़कियों से दोस्ती गांठे और यही वजह थी कि वो फ्रेंच सीखने को इतना बेताब था।

उसी कमरे के दूसरे सिरे पर जैकोबी का सीनियर, फर्स्ट ग्रेड डिटेक्टिव टॉम लेपस्कि अपनी डेस्क पर बैठा क्रास वर्ड पजल में उलझा हुआ था। उसे अभी हाल ही में प्रमोशन मिला था और उसके खुद के हिसाब से ये ना-काफी था। उसकी ख्वाहिश थी कि एक दिन वो चीफ ऑफ पुलिस की पोस्ट हासिल करे।

तभी अचानक जैकोबी के टेबल पर रखे टेलीफोन की घण्टी बजने लगी।

“जैकोबी”—उसने फुर्ती से रिसीवर उठाकर कहा—“दिज इज डिटेक्टिव्ज़ डेस्क।”

“जरा गौर से सुनना....”—किसी मर्दानी आवाज ने कहा— “क्योंकि मैं दोबारा नहीं दोहराऊँगा। पैडलर्स क्रीक की ओर जाने वाली सड़क पर पड़ने वाले झुरमुट में एक लाश पड़ी है।”

बात पूरी होते ही कॉल कट गई।

जैकोबी ने चौंककर लेपस्कि की ओर देखा और उसे फोन पर इस खबर की जानकारी दी। उसे लग रहा था कि किसी ने मजाक किया है।

“कोई हॉक्स कॉल थी।”—जैकोबी ने कहा।

लेकिन लेपस्कि महत्वाकांक्षी था, उसने इस कॉल को फर्जी मानने के बजाए पुलिस कम्यूनिकेशन सैन्टर में फोन मिला दिया।

“हैरी....?”—संपर्क स्थापित होने पर लेपस्कि ने कहा— “पैडलर्स क्रीक का इलाका आज कौन कवर कर रहा है?”

“स्टीव और जोए....वे दोनों कार नम्बर सिक्स में हैं।”—दूसरी ओर से हैरी बोला।

“उनसे कहो कि पैडलर्स क्रीक की ओर जाने वाली सड़क पर पड़ते पहले झुरमुट की जांच करें....और यह काम फौरन होना चाहिए।”

“वहाँ से कुछ खास बरामदगी हो सकती है क्या?”

“हाँ—एक लाश बरामद हो सकती है। अभी हमें ऐसा दावा करती एक फोन कॉल आई है। हालाँकि हो सकता है किसी ने मजाक किया हो लेकिन फिर भी एक बार चैक कर लेने में कोई हर्ज नहीं।”

कहकर लेपस्कि ने फोन का रिसीवर यथास्थान रखा और एक सिगरेट सुलगाकर उठ खड़ा हुआ।

“तुम रिपोर्ट लिख लो मैक्स”—उसने जैकोबी से कहा—“आगे चीफ को खबर करने से

पहले मैं स्टीव के फोन कॉल का इंतजार करूँगा।”

जैकोबी अपने टाईपराईटर पर रिपोर्ट टाईप करने लगा और लेपस्कि ने इस अंदाज में चहलकदमी करनी आरंभ कर दी मानो कोई शिकारी कुत्ता अपनी जंजीर तुड़ाने के लिए बेताब हो।

कोई बीस मिनट बाद स्टीव का फोन आया।

“हमें वहाँ झुरमुट में एक लड़की की वीभत्स लाश बरामद हुई है जिसे किसी ने बड़ी बेरहमी से पेट फाड़कर मारा है।”

लेपस्कि ने बुरा सा मुँह बनाया।

एक लम्बे अर्से बाद पैराडाईज सिटी में घटने वाली ये कत्ल की पहली वारदात थी।

“तुम वहीं ठहरो स्टीव”—लेपस्कि ने कहा—“मैं जरूरी कार्यवाही शुरू करता हूँ। सवा नौ बजे पुलिस की चार गाड़ियां पैडलर्स क्रीक की ओर जाती सड़क पर लगे उस झुरमुट के नजदीक पहुँचीं। अभी लाश बरामदगी की खबर सार्वजनिक नहीं हुई थी लेकिन जल्द ही जब यह खबर आम होती, इसने अच्छी-खासी हिलडुल मचा देनी थी। चारों गाड़ियों से कई पुलिस ऑफिसर उतरे और लाश के नजदीक उसका मुआयना करने पहुँचे। चीफ ऑफ पुलिस टेरेल, सार्जेन्ट, जोए वेगलर, सार्जेन्ट फ्रेड हेस, लेपस्कि और उनके साथ तीन और पुलिसिए। और कुछ पलों बाद पुलिस मेडिकल ऑफिसर डाक्टर लुईस अपने दो सहकर्मियों के साथ एक एम्बुलेंस सहित आ पहुँचा।

फिर एक पुलिस फोटोग्राफर आया जो लाश की हालत देखते ही असहज हो गया। बड़ी मुश्किल से उसने लाश के फोटो खींचने के अपने काम को अंजाम दिया और फिर वहीं बगल की झाड़ियों में जाकर उल्टी कर दी।

तमाम जरूरी औपचारिकताओं के बाद लाश को वहाँ से उठवा दिया गया। अब पीछे पुलिस अधिकारी ही रह गए थे।

टेरेल टहलता हुआ डॉ. लुईस के नजदीक जा पहुँचा।

“तुम्हारा क्या ख्याल है डॉक्टर?”—उसने पूछा।

“उसके सिर पर प्रहार किया गया था और बाद में उसे नंगा करके उसका पेट फाड़ दिया गया था। लाश की हालत देखकर लगता है कि उसके कत्ल को दो घण्टे से ज्यादा नहीं गुजरा है। वैसे आगे की कोई और जानकारी पोस्टमार्टम के बाद ही मिलेगी।”

“हम्म....जितना जल्दी हो सके हमें वो पोस्टमार्टम रिपोर्ट भिजवा देना।”—कहकर टेरेल सार्जेन्ट फ्रेड हेस के पास पहुँचकर बोला—“फ्रेड—मैं वापिस हैडक्वार्टर जा रहा हूँ। आगे तुम इस केस को संभालो और पता लगाओ कि यह लड़की कौन थी।”

“जी सर....।”—हेस ने तत्परता से जवाब दिया।

अपने मातहत को इशारा करके टेरेल ने गाड़ी स्टार्ट करवाई और उसमें बैठकर वह चला गया।

पीछे हेस लेपस्कि से बातें करने लगा।

"पास ही में हिप्पियों की कॉलोनी है। तुम अपने साथ डस्टी को ले जाकर वहाँ पूछताछ करो कि शायद मृतका वहीं से संबंधित हो। टेरी के पास लड़की की पोलोरॉयड तस्वीरें हैं....उन्हें ले जाना।"

"जी सर।"

"नाओ मूव।"

लेपस्कि फौरन वहाँ से हटा और पुलिस फोटोग्राफर टेरी को खोजने लगा। टेरी ने एक फोटोग्राफर के तौर पर अभी हाल ही में पुलिस फोर्स ज्वाईन की थी और अपनी इसी हालिया नौकरी में उसने ऐसे किसी वहशियाना ढंग से किए गए कत्ल का सामना नहीं किया था। लाश की हालत ने उसके होश उड़ा दिए थे और अब जब उसने जैसे-तैसे करके अपना काम पूरा कर लिया था, वह पास की झाड़ियों में बैठा अपने होशो हवास को काबू में लाने की कोशिश कर रहा था। लेपस्कि ने उसके पास पहुँचकर लाश के पोलोराइड फोटो मांगे तो उसने बिना कुछ कहे कांपते हाथों से तीन प्रिंट लेपस्कि की ओर बढ़ा दिए।

लेपास्कि ने फोटोग्राफ्स को थामा और उन्हें गौर से देखने लगा। लड़की दिखने में कोई खास खूबसूरत नहीं थी। उसका चेहरा सुतवां और कठोर था। एक निगाह उस चेहरे पर डालते ही लेपस्कि को इस बात का अंदाजा हो गया था कि लड़की ने खूब दुनिया देखी थी और हाल फिलहाल कोई खास खुशगवार हालातों में नहीं थी।

तभी डस्टी लुकास नाम का पुलिसिया लेपस्कि के पास पहुँचा। कोई चौबीस साल का जवान—डस्टी—एक मजबूत डील-डौल का मालिक था जो दरअसल अपने इसी शारीरिक सौष्ठव की वजह से पुलिस बॉक्सिंग टीम का बेहतरीन मुक्केबाज भी था।

"सर...."—उसने लेपस्कि को रिपोर्ट किया।

"आओ डस्टी"—लेपस्कि कार की ओर बढ़ते हुए बोला—"काम पर लगें।"

बिना कुछ कहे डस्टी फौरन उसके पीछे लपका।

दोनों एक पुलिस कार में जा सवार हुए, जिसमें डस्टी ने ड्राईविंग सीट संभाली। उसने कार को हिप्पी कॉलोनी की ओर बढ़ा दिया।

अगले कुछ क्षण कार में बैठे दोनों ने कुछ न कहा।

कार आगे बढ़ती रही।

जल्द ही सामने कैम्प फायर गैस की रोशनी में चमकते टैन्ट और केबिनों की कतारें नजर आने लगीं।

डस्टी ने कार को एक किनारे रोक दिया।

"आगे पैदल चलना होगा...."—वह बोला।

"ठीक है।"—कहकर लेपस्कि कार से नीचे उतर आया।

दोनों ने कार को लॉक किया और नजदीक से आ रही गाने की धीमी आवाज पर गौर किया।

साथ में बज रहे गिटार और ड्रम्स की आवाज।

कैम्प फायर नजदीक ही था।

"कितनी बदबू है।"—लेपस्कि ने मुँह बनाकर कहा—"मुझे समझ नहीं आता कि क्यों मेयर इस गंदगी को इस शहर से निकाल बाहर नहीं करता।"

"सर...."—डस्टी ने धीमे से कहा—"ये लोग आखिरकार कहीं तो रहेंगे ही, और वैसे भी इनका वहाँ मेन सिटी में रहने लगने के बजाए शहर से जरा दूर यहाँ रहना ही बेहतर है।"

लेपस्कि ने हामी भरी।

दोनों चलते हुए वहाँ आ पहुँचे जहाँ एक बड़े से अलाव के इर्द-गिर्द रेत में करीब पचास नौजवान बैठे थे। उनमें से लगभग सभी की उम्र कोई सोलह से पच्चीस साल के बीच की थी। युवकों में से ज्यादातर के चेहरों पर घनी दाढ़ी और कंधे पर बिखरे बाल थे। साथ में जिस्म को ढंकती टी-शर्ट और जीन्स।

पक्का और खूब स्थापित हिप्पी कल्चर।

उसी झुण्ड में बैठे गाने गा रहा आदमी अच्छे भले ऊँचे कद का लेकिन खूब दुबला पतला था। उसके घुंघराले बालों ने उसके चेहरे को पूरी तरह ढक रखा था लेकिन उसी बालों के पर्दे से जब उसकी निगाह वहाँ उस ओर बढ़ते आ रहे पुलिसियों पर पड़ी तो उसने गाना बंद किया और उठकर खड़ा हो गया।

उसके ऐसा करते ही करीब सौ आँखें लेपस्कि की ओर उठ गईं।

अंधेरे में कहीं एक आवाज उभरी—"फन" (पुलिस)

लम्बी खामोशी और निस्तब्धता के बाद ऊँचे तथा पतले दुबले आदमी ने अपना गिटार नीचे रख दिया और हिप्पियों के गिर्द घेरा काटकर लेपस्कि के पास आ खड़ा हुआ।

"मेरा नाम चेट मिसकोलो है और मैं यहाँ इस कैम्प का आर्गनाईजर हूँ। कहीं कुछ गड़बड़ है क्या?"

“हाँ”—लेपस्कि ने अपना और डस्टी का परिचय देते हुए कहा—“दरअसल पास ही कुछ असहज कर देने वाली घटना घटी है और हम दोनों उसी सिलसिले में तहकीकात कर रहे हैं।”—फिर लेपस्कि ने उसे तीन फोटो दिखाते हुए पूछा—“क्या तुम इसे जानते हो?”

मिसकोलो ने गैस से जलती लालटेन के पास जाकर रोशनी में उन फोटोग्राफ्स को बड़े गौर से देखा और फिर पलटकर बोला—“यह तो जेनी ब्रैंडलर लगती है....लगता है शायद ये उसकी लाश की तस्वीर है।”

“हाँ—इसका कत्ल हो गया है और जिस किसी ने इसका कत्ल जिस तरीके से किया है उससे वह कातिल कोई मैनियाक, कोई वहशी ही लगता है।”

झुण्ड के मुँह से आह निकली।

मिसकोलो ने तस्वीरें लौटाते हुए कहा—“वह कल रात यहाँ आई थी और बता रही थी कि मयामी में उसे कोई नौकरी मिलने वाली थी और इस वजह से वो अब यहाँ हमारी बस्ती में बस चंद दिनों की मेहमान थी। मुझे अफसोस है कि उसका इस बाबत यूँ कहना आखिरकार सच साबित हुआ।”

“उसके बारे में जो कुछ भी जानते हो—बताओ।”—लेपस्कि ने कहा।

उसने गौर किया कि उनकी मौजूदगी से वहाँ उस हिप्पी समूह में एक किस्म का तनाव बढ़ गया था। इसी तनाव को कम करने के लिए वह बेहद लापरवाही से नीचे रेत पर बैठ गया।

डस्टी ने भी फौरन उसका अनुकरण किया।

उसने एक डायरी निकाली और नोट्स लिखने को तत्पर रेत पर ही बैठ गया।

“सब बैठ जाओ....तुम लोगों को भी परेशान होने की जरूरत नहीं है।” लेपस्कि ने समूह से कहा—“यह एक रूटीन पूछताछ है जिसमें तुममें से किसी को भी—किसी किस्म की भी—दिक्कत न होने देने का मैं वादा करता हूँ।”

यह चाल कामयाब रही।

माहौल में छाया तनाव यकायक हवा हो गया और समूह के मैम्बर एक-एक वापिस बैठने लगे।

वहीं सामने ही हिप्पियों के लिए सॉसेज तले जा रहे थे जिसकी तीखी गंध दोनों पुलिसवालों की साँसों में घुली जा रही थी।

“सासेज लेंगे सर। हम सब बस अभी शुरू करने ही वाले थे।”—मिसकोलो ने लेपस्कि के बराबर में बैठते हुए कहा।

“ओह जरूर”—लेपस्कि ने कहा—“और हाँ—मेरा नाम लेपस्कि है। तुम मुझे मेरे नाम से बुला सकते हो।”

“जी शुक्रिया मिस्टर लेपस्कि।”—मिसकोलो ने मुस्कराते हुए कहा।

तभी किसी ने उन्हें गर्मागर्म सॉसेज पेश किए। लेपस्कि नहीं चाहता था कि डस्टी उस सॉसेज को खाने की प्रक्रिया में अपने हाथों को चिकना कर ले और अपनी नोटबुक को उसी चिकनाई से खराब करे—सो उसने डस्टी की ओर इशारा किया।

“वैल....”—उसने सॉसेज पकड़ी और कहा—“मेरे साथी पुलिसवाले को नहीं चाहिए....वैसे भी वो दिन-ब-दिन मोटा होता जा रहा है।”

लेपस्कि की बात पर चहुँओर ठहाका लगा।

माहौल में पसरा तनाव पूरी तरह समाप्त हो गया।

“बढ़िया”—लेपस्कि ने सॉसेज चबाते हुए कहा—“भई तुम लोगों के खाने वाकई जायकेदार होते हैं....मजा आ गया।”

“अरे नहीं....ये तो बस पेट भरने का सौदा है। इसमें ऐसा कुछ खास नहीं है।”—मिसकोलो ने कहा और फिर गंभीर स्वर में पूछा—“वैसे ये कत्ल किया किसने?”

“हम लोग भी यही जानने की जुगत में हैं”—लेपस्कि ने कहा—“वह कल रात आई थी और बता रही थी कि उसे मयामी में कोई जॉब ऑफर थी....ठीक है न?”

“हाँ।”—मिसकोलो ने हामी भरी।

“क्या उसने बताया था कि उसकी हासिल नौकरी किस किस्म की थी....मसलन वो क्या काम करने जा रही थी?”

“नहीं”—कहकर मिसकोलो ने समूह को संबोधित किया—“क्या उसने तुम में से किसी को कुछ बताया था?”

“हम दोनों ने एक ही केबिन शेयर किया था”—समूह में बैठी एक मोटी लड़की ने कहा—“वो कह रही थी कि मयामी में किसी यॉट क्लब में उसे वो जॉब मिलने वाली थी लेकिन मुझे उसकी कहानी पर यकीन नहीं आया था। अपने रंग-ढंग से तो वह ढकी-छुपी कालगर्ल जैसी ही नजर आती थी।”

“तुम्हारा नाम क्या है?”—लेपस्कि ने मोटी लड़की से पूछा।

“कैटी व्हाईट।”

“कैटी पक्के तौर पर यहीं रहती है”—मिसकोलो ने बातचीत का सूत्र दोबारा अपने हाथों में लिया—“और यहाँ कुकिंग वगैरह का सारा काम संभालती है।”

लेपस्कि को लगा कि शायद इसीलिए वह इतनी मोटी थी।

“क्या उसके पास कोई सामान वगैरह भी था?”—प्रत्यक्षतः उसने कैटी से पूछा।

“हाँ....एक बैग था।”

“कहाँ है वो बैग?”

“अभी भी वहीं—केबिन में ही होगा।”

“वह बैग मुझे चाहिए। और कुछ अपने रात के किसी प्रोग्राम के बारे में भी बताया था उसने?”

“उसने सिर्फ इतना कहा था कि वह टहलने जा रही थी।”—कैटी ने कहा—“दरअसल वह मुझे कुछ खास पसंद नहीं आई थी सो मैंने उस पर कोई ध्यान नहीं दिया था। बाद में वो टहलने निकल गई।”

“वह तुम्हें पसंद क्यों नहीं आई?”

“वह बड़ी सख्त मिजाज थी। जब मैंने उससे बातें करने की कोशिश की तो उसने उनमें जरा भी दिलचस्पी नहीं दिखाई।”

“हम्म....”—लेपास्कि ने आगे पूछा—“टहलने वो किस वक्त निकली थी?”

“कोई सात बजे के करीब।”

“तुम में से किसी ने देखा था उसे?”

“नहीं।”—एक संयुक्त आवाज उभरी।

“तो इसका मतलब है कि वो टहलने निकली थी जहाँ बीच रास्ते में ही किसी उसे थामा और वीभत्स तरीके से पेट फाड़कर उसका कत्ल कर दिया।”

प्रत्युत्तर में सभा में गहरा सन्नाटा छा गया।

“अच्छा सुनो”—लेपस्कि ने समूह को संबोधित किया—“वो वहशी कातिल अभी भी आस-पास कहीं मौजूद हो सकता है सो मैं तुम सभी को वार्निंग देना चाहता हूँ कि यूँ अगले कुछ दिनों तक—जब तक कि उस वहशी दरिन्दे को हम पकड़ न लें—तुम लोगों का रात के अंधेरे में निकलना बेहद खतरनाक हो सकता है।”

पुनः बड़ी देर तक खामोशी छाई रही।

आखिरकार लेपस्कि ने ही उस तंद्रा को भंग किया और पूछा—“क्या तुम में से कोई बता सकता है कि यह काम किसका हो सकता है?”

“नहीं”—मिसकोलो ने दृढ़तापूर्वक कहा—“हम सब यहाँ परिवार की तरह मिलजुलकर रहते हैं सो यह काम हमारे में से किसी का नहीं हो सकता।”

“यहाँ पैरेडाईज सिटी में ऐसी नृशंस हरकत पहली बार हुई है और यहाँ हमारा डिपार्टमेन्ट

इसे ऐसे ही नहीं जाने देगा। हम दृढ़प्रतिज्ञ हैं कि कातिल को ढूँढकर उसे उसके अंजाम तक पहुँचाएं।”

किसी ने कुछ न कहा।

सभा में शान्ति छाई रही।

“वैसे”—लेपस्कि ने आगे पूछा—“क्या पिछले कुछ घण्टों में यहाँ कोई नया आदमी आया है?”

“हाँ”—मिसकोलो ने कहा—“लगभग दो घण्टे पहले लू बून नाम का एक नौजवान यहाँ आया है।”

“और क्या जानते हो उसके बारे में?”

“खास कुछ नहीं। बस यही कि उसके पास कुछ नकद रकम है, जिससे उसने यहाँ एक केबिन किराए पर लिया है।”

“वह इस वक्त कहाँ होगा?”

“वहीं केबिन में ही सो रहा होगा। उसने बताया था कि वो दूर जैक्सनविले शहर से आया था और बेहद थक गया था।”

“मुझे उससे बातचीत करनी है”—लेपस्कि सॉसेज खत्म कर उठता हुआ बोला—“मुझे बताओ....उसकी केबिन कहाँ है?”

मिसकोलो भी उठकर खड़ा हो गया।

“मैं आपको साथ ही लिए चलता हूँ।”

डस्टी भी कपड़े झाड़ता उठ खड़ा हुआ।

“बढ़िया”—लेपस्कि ने कहा—“आओ चलें।”

तीनों लकड़ी के बने केबिनों की एक कतार की ओर बढ़े।

“मैं नहीं चाहता कि यहाँ कोई किसी किस्म का झंझट पैदा हो”—आगे बढ़ते हुए मिसकोलो ने लेपस्कि से कहा—“मैं दो साल से यहाँ इस कैम्प को आर्गनाईज कर रहा हूँ और इसे लेकर कभी भी किसी को—मेयर को भी—कोई शिकायत नहीं हुई है।”

“ठीक है—लेकिन फिलहाल तो यह बखेड़ा हो ही गया न?”

“हाँ और इसीलिए मैं परेशान हूँ।” मिसकोलो ने कहा और कतार में बने एक केबिन की ओर इशारा किया।

“वो वहाँ”—उसने कहा—“वही उसका केबिन है।”

“बढ़िया”—लेपस्कि ने कहा—“जाओ जाकर उसे जगाओ और बताओ कि हम उससे दो चार बात करना चाहते हैं। जब वो जाग जाए तो हमें इशारा कर देना, हम अंदर आ जाएंगे।”

“वैल मिस्टर लेपस्कि—तुम एक घाघ पुलिस वाले हो और कोई चांस नहीं लेना चाहते। वैसे भी मैंने अभी तक खाना नहीं खाया है सो मैं यहाँ से आगे नहीं जा रहा। मेरा काम तुम्हें केबिन तक पहुँचाने का था सो वो मैंने कर दिया है। अब आगे तुम्हारा काम है तो—तुम जानो तुम्हारा काम जाने।”—मिसकोलो ने कहा और मुड़कर वापिस कैम्प फायर की ओर लौट गया।

पीछे डस्टी ने लेपस्कि की ओर मुस्कुराते हुए देखा और कहा—“वैल—मेरे ख्याल से कोशिश अच्छी थी।”

“हाँ”—लेपस्कि ने कहा—“लेकिन वो भी कोई बेवकूफ नहीं था।”

लेपस्कि ने अपना सर्विस रिवाल्वर निकाला और आगे बढ़कर सावधानी से केबिन के दरवाजे को इंच-इंच करके खोल दिया। पीछे डस्टी ने खुद को घुटने के बल बैठा लिया और लेपस्कि को कवर किए रखा।

केबिन का दरवाजा पूरा खुल गया।

भीतर अंधेरा था।

लेपस्कि ने भीतर झांकने की कोशिश की तो उसके नथुनों से गंदे जिस्म की बदबू का झोंका आ टकराया।

फिर तभी भीतर रोशनी हो गई।

लेपस्कि ने झटके से खुद को केबिन के अंदर धकेला और चिल्लाया—“डोंट मूव—दिज इज पुलिस।”

भीतर एक नंगा दढ़ियल नवयुवक बिस्तर पर बैठा था जिसने अभी-अभी बैड लैंप जलाया था।

नए उभरे हालात में भौंच्चक दढ़ियल ने वहीं बैड से एक गंदी चादर को खींचा और अपने नंगे बदन को ढंक लिया।

“मुझसे क्या चाहिए?”—उसने घिघियाते हुए लेपस्कि से पूछा।

तब तक डस्टी भी भीतर आ गया था। स्थिति को नियंत्रण में देख वह एक दीवार से सटकर खड़ा हो गया।

हिप्पी अभी भी अपने आपको संभाल रहा था। उसे इस तरह हथियार विहीन देख लेपस्कि ने अपनी रिवाल्वर नीचे कर ली और डस्टी की ओर इशारा किया।

डस्टी ने भी अपनी रिवाल्वर को वापिस शोल्डर होल्स्टर में रखा।

“हम यहाँ चैकिंग कर रहे हैं”—लेपस्कि ने हिप्पी से कहा—“क्या नाम है तुम्हारा?”

“लू बून”—वह बोला—“क्या पुलिस किसी को सोने भी नहीं देती।”

लेपस्कि वहाँ मौजूद एकमात्र कुर्सी पर जा बैठा।

उसने उसे घूरकर देखा और पूछा—“बकवास मत करो। फिलहाल ये बताओ कि तुम्हें यहाँ पहुँचे अभी कुछ ही वक्त हुआ है या नहीं?”

“हाँ”—वह बोला—“मैं नौ बजे के करीब यहाँ आया था।”

“तुम यहाँ पहुँचे कैसे?”

“पैदल चलकर और कैसे!”

“मेरा मतलब है किस रास्ते से?”

“मैंने मेनरोड तक सवारी पकड़ी थी और आगे समुद्र तट पर टहलता हुआ यहाँ आ पहुँचा।”

“हम दोनों”—लेपस्कि ने डस्टी की ओर इशारा किया— “यहाँ एक कत्ल के मामले की छानबीन कर रहे हैं और इस वक्त—इस गैर वक्त—हमारी मौजूदगी की यही वजह है।”

“कत्ल....?”

“हाँ—और इसलिए तुम्हारी नाराजगी की कोई कीमत नहीं। हमें हमारा काम कर लेने दो—हम यहाँ से चले जाएंगे।”

“लेकिन मैं इस बारे में क्या जानूं?”

“ये फैसला हम कर लेंगे”—लेपस्कि ने कहा—“तुम ये बताओ कि आते वक्त तुमने किसी को देखा था? कोई आवाज सुनी थी? जिस जगह लड़की की लाश बरामद हुई है वो वहीं सड़क से नजदीक ही है—सो तुम जब उधर से गुजरे तो कुछ अजीब देखा-सुना हो?”

बून सहम गया।

“नहीं, मैं उधर से नहीं गुजरा—मुझे इस बाबत कुछ नहीं पता।”

“तुमने अपने यहाँ आने का जो टाईम अभी बताया है यह लगभग वही टाईम है जिस वक्त लड़की का कत्ल हुआ लगता है....।”

“मैं कुछ नहीं जानता। मैंने कुछ नहीं देखा—कुछ नहीं सुना।”

लेपस्कि को लगा वह झूठ बोल रहा था।

“देखो—गौर से याद करो। शायद तुम्हें कुछ याद आ जाए।”

“दोबारा सोचने की जरूरत ही नहीं है, मैं कह चुका हूँ कि मैंने कुछ नहीं देखा।”

“लड़की का कत्ल पेट फाड़कर किया गया है—और कातिल के कपड़ों पर उसका खून लगा हुआ होगा।”—लेपस्कि ने कहा—“मैं तुम्हारे कपड़े चैक करना चाहता हूँ।”

“तुम ऐसा नहीं कर सकते। मेरे भी कुछ कानूनी अधिकार हैं। तुम्हें इसके लिए पहले सर्च वारन्ट लाना पड़ेगा।”

प्रत्युत्तर में लेपस्कि मुस्कुरा दिया।

“मैंने कहा था—हमें हमारा काम कर लेने दो”—लेपस्कि ने अपने साथी की ओर घूमकर कहा—“इस जगह की तलाशी लो।”

जैसी ही डस्टी आगे बढ़कर अलमारी के पास पहुँचा बून बिस्तर से कूद गया। तभी लेपस्कि ने पुनः रिवाल्वर तान दी।

“शान्त बैठे रहो बून”—उसने ठेठ पुलिसिया अंदाज में कहा।

“मैं तुम्हें तुम्हारी इस कमीनी हरकत का मजा जरूर चखाऊँगा....”—लू बून ने कहा—“मुझे मेरे कानूनी हक से महरूम करके तुम गहरी मुसीबत में फंसने वाले हो।”

लेपस्कि ने बदले में उसकी ओर एक मुस्कुराहट उछाल दी।

“जरूर—लेकिन इससे पहले कि तुम अपनी मनमर्जी करो—जरा हम भी अपनी मनमर्जी कर लें।”

डस्टी ने अलमारी खोली और तलाशी लेने लगा।

“कुछ नहीं मिला।”—आखिरकार उसने निराशा में घोषणा की।

“मैं कल तुम्हारी शिकायत लगाने वाला हूँ....”—बून ने दिलेरी दिखाई।

“बको मत”—लेपस्कि ने उसे घूरते हुए कहा, फिर अपनी जेब से एक पैकेट निकालकर उसे दिखाया—“मैं तुम्हें ड्रग पैडलर होने के शक में अभी गिरफ्तार कर सकता हूँ और कल कह सकता हूँ कि ये पैकेट मैंने कल तुम्हारी जेब से ही बरामद किया था।”

बून को काटो तो खून नहीं।

“तो अब अपना रिकार्ड आन करो”—लेपस्कि ने कहा—“मुझे बताओ कि तुम करते क्या

हो? कहाँ से आए हो और यहाँ तुम कब तक ठहरने वाले हो?”

बून ने एक लम्बी सांस छोड़ी और अनिच्छापूर्वक बड़े बेमन से जवाब देने लगा।

डस्टी फुर्ती से सब कुछ अपनी नोटबुक में लिखता जा रहा था।

¶¶

जिस वक्त केन ब्रेन्डन अपने घर पहुँचा, रात के साढ़े नौ बज चुके थे। सारे रास्ते कार चलाते वह बस यही सोचता रहा था कि न जाने कैसे वो इस झमेले में फँस गया था। वो जानता था कि अब जल्द ही लाश का पता चल जाना था और फिर इस सारे मामले में चाहे-अनचाहे पुलिस का दख्ल बन जाना था।

अगर लाश का झंझट न होता तो उसने शायद फोर्ट लाडरडेल, अपनी बीवी के पास, चले जाना था जहाँ वो भी अब मैरी और जैक की शादी की सालगिरह की दावत में शरीक होता लेकिन उस भयानक लाश ने उसके होश इस कदर बेकाबू कर दिए थे कि वह अभी भी—भीतर तक हिला हुआ था।

यह रविवार की रात थी।

उसके ज्यादातर पड़ोसी वीकएन्ड पर अपने घरों से बाहर थे और यह उसके लिए अच्छा ही था।

ऊपर से उसने अपनी ओर से अपने तौर पर भी सावधानी बरती थी।

बेट्टी और पुलिस वालों की निगाह में अपनी एलीबाई स्थापित करने की गरज से वह कार की हैडलाईट्स ऑफ करके कार ड्राईव करता घर पहुँचा था।

गैरेज में गाड़ी लगा लेने के बाद भी वह काफी देर तक कार से बाहर न निकला। ड्राईविंग सीट पर स्टियरिंग से सिर टिकाए वह बहुत देर तक हालातों पर अपना सिर धुनता रहा। वो समझ रहा था कि आने वाला वक्त उसके लिए एक बड़ा इम्तिहान होगा जिसमें उसके सब्र, उसकी हिम्मत, उसके जज्बे और उसकी जेहनियत को परखा जाएगा।

आखिरकार उसने एक लम्बी सांस छोड़ी और कार से नीचे उतरकर लॉबी से गुजरता हुआ अंधेरे में डूबे लिविंग रूम में आ पहुँचा। वह खिड़की के पास पहुँचा और बाहर सड़क की ओर झांकने लगा। सामने वाली तीनों कोठियों में अन्धकार पसरा पड़ा था।

बढ़िया।

कहीं किसी इंसानी बच्चे का कोई वजूद नहीं।

बढ़िया।

उसने खिड़कियों पर मोटे पर्दे गिराए और कमरे की लाईट ऑन कर दी।

फिलहाल तो सब ठीक ही था। वो किसी की नजरों में आए बिना अपने घर आन पहुँचा था और यह उसके लिए राहत की एक बड़ी बात थी। उसने स्कॉच का एक पैग बनाया और सोफे पर पसर गया।

एक बार फिर उसने सारे सिलसिले पर गौर किया।

डरपोक चूहे की तरह वह देर तक बेट्टी के साथ अपने रिश्तों के बारे में सोचता रहा। बेट्टी को यकीन दिलाना जरूरी था कि उसका उस कत्ल के मामले में कोई लेना-देना नहीं था और इसके लिए कुछ हद तक सच बोलना जरूरी था। देर-सवेर जब भी लाश बरामद होती तो उसके बाद के हंगामे में केन तक उसकी तपिश आनी ही आनी थी—तो ऐसे में थोड़ा बहुत सच बताकर रखना केन के लिए आगे चलकर फायदेमन्द रहता।

उसने मन ही मन एक कहानी गढ़ी और फिर कॉरेन के बारे में सोचा। क्या लड़की थी!

क्या कमाल की लड़की थी!!

उसे हासिल होता देखकर वो निरा पागल ही हो उठा था—जिस पागलपन में उसे अपने अच्छे-बुरे का कोई होश न रहा। अब कल ऑफिस में उसके सामने पड़ने के ख्याल से ही उसे घबराहट हो रही थी।

कॉरेन—जिसने उसे अभी कुछ घण्टों पहले अपने केबिन में निचोड़कर रख दिया था अब उसे अपने लिए, अपने और बेट्टी के रिश्तों के बीच में और अपने कैरियर के लिए एक भयानक अभिशाप लग रही थी।

केन ने एक ठण्डी आह भरी और स्कॉच का एक तगड़ा घूँट खींचा। फिर उसने दुबारा आँखें बन्द कर लीं और सोच में पड़ गया। यकायक उसे उस दढ़ियल का ख्याल हो आया जो वापिसी में उनसे अनायास ही टकरा गया था।

कौन था वो?

क्या पुलिस उस तक पहुँच सकती थी?

अगर पुलिस उस तक पहुँच गई और उसने पुलिस को कॉरेन और खुद उसके बारे में बता दिया तो....।

केन के चेहरे पर पसीना आ गया जिसे उसने अपने हाथ से पोंछा। उसने स्कॉच का पैग खत्म किया, खाली गिलास वहीं सोफे के बगल में रखा और आँखें बन्द कर लीं।

¶¶

केन को घर में कार के आकर रुकने की आवाज आई।

बेट्टी लौट आई थी।

उसने गहरी सांस खींची और सोफे से उठ खड़ा हुआ। चन्द पलों बाद बेट्टी ने भीतर कदम रखा।

“क्या हो गया था केन?”—उसने भीतर आते ही पूछा।

आमतौर पर बेट्टी कभी नाराज नहीं होती थी लेकिन इस वक्त वो बेहद गुस्से में थी।

“मैंने जैक को बताया तो था कि मेरी कार खराब हो गई है”—केन ने शान्त स्वर में कहा—“तुम्हारी पार्टी कैसी रही?”

“ओह केन—तुम क्यों नहीं आए? पता है हर कोई बस तुम्हें ही पूछ रहा था और मैं....मैं तुम्हें लेकर कितना परेशान थी?”

“कार में नुक्स आ गया था—आई एम सॉरी बेट्टी—लेकिन मुझे एक घण्टे से ऊपर की देरी हो गई थी सो वहाँ पार्टी में जाने की कोई तुक नहीं थी। जब तक मैं वहाँ पहुँचता, वहाँ का मेला खत्म हो जाना था।”

“फिर भी तुम आ तो सकते थे?”

“हाँ....आ तो सकता था—लेकिन पहले स्कूल मीटिंग के फ्लॉप हो जाने और फिर कार बिगड़ जाने की वजह से मेरा मूड इस कदर ऑफ हुआ कि मैंने वहाँ न जाने का फैसला कर लिया। मुझे अफसोस है....तुम बताओ पार्टी कैसी रही।”

“फ्लॉप!”—बेट्टी ने चिढ़कर पूछा—“तुम्हारी स्कूल मीटिंग फ्लॉप रही!”

बेट्टी इस वक्त जिस मूड में थी—उसमें वो जवाब देने के बजाए जवाब जानने को ज्यादा उत्सुक थी।

“ओह—हाँ“—केन ने कहा—“मैंने वहाँ स्कूल में बड़ी मेहनत करके पाँच सौ लोगों के बैठने की जहमत उठाई थी लेकिन कुल मिलाकर सिर्फ चौंतीस लोगों की हाजिरी लग सकी। ऐसी हाहाकारी मीटिंग को किसी तरह निपटाकर जब मैंने वापिसी के लिए कार स्टार्ट की तो वह स्टार्ट होकर नहीं दी। नतीजतन मैं उसका हुड खोलकर देर तक उसके इंजन में इधर-उधर हाथ मारता—उसे दुरुस्त करने की कोशिश करता—सिर पटकता रहा। अब इन सारी मुसीबतों के बाद मेरा पार्टी में जाने का जरा भी मूड नहीं रहा।”

“क्या तुमने कोई काम नहीं किया?”

“नहीं—ऐसा तो नहीं है। कुछेक पॉलिसियां तो बिकी ही हैं लेकिन ओवरऑल पूरी मीटिंग मोटे तौर पर फ्लॉप थी। ऐसी भट्टा बैठाऊ मीटिंग के बाद मैं सीधा यहाँ घर लौटकर आ गया और अपनी नाकामयाबी का मातम मनाने बैठ गया।”

बेट्टी के चेहरे पर कई रंग आए और गए।

फिर उसके चेहरे पर दया के भाव उभरे।

उसने आगे बढ़कर केन को आलिंगनबद्ध कर लिया।

केन को यकीन हो आया कि उसकी पहली बाधा दूर हो चुकी थी।

बेट्टी को उसकी कहानी पर यकीन हो आया था।

"ओह डार्लिंग"—बेट्टी ने कहा—"आई एम सो सॉरी, मुझे लगा कि वहाँ आना तुम्हें सूट करेगा।"

"कोई बात नहीं....लेकिन खुद मुझे इस बात का बेहद अफसोस है कि मैं वहाँ पार्टी में जाने के बजाए अपने उस मातमी मूड में यहाँ घर आकर बैठ गया। मेरा मन इतना उदास था कि मेरा वहाँ पार्टी में आने का बिल्कुल मूड नहीं किया।"

बेट्टी ने उसे खुद से अलग किया और मादक ढंग से मुस्कुराई।

"छोड़ो अब—आओ चलो चलकर सोते हैं। कल मैं मैरी से बात कर लूँगी।"

जब दोनों बिस्तर में घुसने की तैयारी में थे तो बेट्टी ने लापरवाही से पूछा—"और मिस स्टर्नवुड का क्या हुआ?"

केन के पेट में मानो मरोड़ उठ आई।

"उसे किसी से मिलने जाना था सो जब मैं कार स्टार्ट करने के लिए घोड़े दौड़ा रहा था—वह वहाँ से जा चुकी थी।"

बेट्टी सोने से पहले बाथरूम में शॉवर लेकर लौटी और आकर केन के बगल में आ लेटी। उसने लाईट ऑफ की और केन को बाँहों में भरकर उससे सट गई।

केन को अपने पति होने का फर्ज निभाना था, लेकिन अभी कॉरेन के संसर्ग ने उसका जो हाल किया था उससे वह अभी तक उबरा नहीं था।

नतीजा ये कि अपने विवाहित जीवन में पहली बार केन ने बेट्टी को निराश किया।

अगली सुबह बेट्टी को बिस्तर में सोता छोड़कर वह फटाफट तैयार हुआ और ऑफिस को निकल गया।

अभी उसने कॉरेन का भी आमना-सामना करना था।

और यह ख्याल ही उसे डरा रहा था।

¶¶

केन ऑफिस पहुँचा।

उसने दोनों ए.सी. ऑन किए और स्कूल मीटिंग में साईन किए कांट्रैक्ट्स संबंधी कागजी

कार्यवाही पूरी करने में जुट गया।

तभी कॉरेन आ गई।

“हाय”—उसने दरवाजे से प्रवेश करते हुए मुस्कुराकर कहा—“कल कोई दिक्कत तो नहीं आई?”

“नहीं।”

केन ने गौर किया वो रोजाना की तरह आज भी टाईट फिटिंग के कपड़े पहने हुए थी....लेकिन उसे देखकर आज वो रोमांच नहीं हुआ।

“तुम्हारा चेहरा अभी भी पीला पड़ा हुआ है केन”—कॉरेन ने उसे घूरते हुए कहा—“क्या कल हमने वाकई मौज की थी....?”

केन ने उसे कोई जवाब देने के बजाए तेरह कांट्रेक्ट फार्म उसकी ओर बढ़ा दिए।

“तुम इन्हें रिकार्ड में चढ़ाओ....मैं बाकी कांट्रेक्ट्स की बची हुई कागजी कार्यवाही पूरी किए देता हूँ।”

“जरूर”—कॉरेन ने हँसते हुए कांट्रेक्ट फार्म पकड़ लिए और कहा—“आज सुबह हम सिर्फ ऑफिशियल काम की ही बातें करेंगे।”

कॉरेन ने उसकी ओर देखने के बजाए अपनी टेबल पर फैले कागजों पर ध्यान केन्द्रित कर लिया।

“ओह नो”—वह पुनः हँसी—“मिस्टर अपराधी भाव, तुम जल्द ही फिर से नार्मल हो जाओगे।”

कूल्हे मटकाती हुई वह अपने केबिन की ओर बढ़ गई।

पीछे केन को महसूस हुआ कि यूँ ऑफिस में इस किस्म का माहौल बने रहना उसके लिए फिर किसी मुसीबत का बायस बन सकता था। उसे लगा कि कॉरेन से पीछा छुड़ाना ही बेहतर था।

लेकिन कैसे?

शून्य में घूरता केन सामने कॉरेन के केबिन से आती टाईपराईटर की खट्-खट् को सुनता रहा।

ऐसा होना जरूरी था—कॉरेन से पीछा छुड़ाना बेहद जरूरी था।

लेकिन कैसे?

क्या कोई ऐसी तरकीब हो सकती थी कि स्टर्नवुड ही अपनी लड़की को अपने यहाँ हैड

ऑफिस वापिस बुला ले?

अभी वो अपने इन ख्यालों में गुम था कि तभी स्कूल प्रिंसिपल हेनरी का अंदाजा असलियत के तौर पर सामने आने लगा। केन को अपने ऑफिस के बाहर कुछ लोगों का शोर सुनाई दिया तो वह उठकर बाहर पहुँचा, जहाँ उसने पाया कि काउन्टर पर कोई दर्जन भर नीग्रो मौजूद थे। वे सब वहाँ इसलिए आए थे कि उन्हें जानना था कि पैरेडाईज इंश्योरेंस कारपोरेशन उनके बच्चों की भलाई की खातिर क्या कुछ कर सकती थी?

ये एक बढ़िया दिन था।

ग्राहकों—संभावित ग्राहकों—की लिस्ट लंबी थी।

तत्पश्चात् केन और कॉरेन अपने काम में लग गए। दिन इतना व्यस्त था कि दोनों ने लंच ऑफिस में ही किया वर्ना आमतौर पर दोनों अलग-अलग जाकर बाहर खाकर आते थे।

आखिरकार उस अति व्यस्त दिन का अंत शाम चार बजे जाकर हुआ।

“आज तो वाकई बढ़िया दिन था—मेरा बाप यकीनन बहुत खुश होगा।”—कॉरेन ने हँसते हुए कहा।

“हाँ—और इसका यह भी मतलब है कि स्कूल में मीटिंग रखने की हमारी कोशिश कोई सिरे से ही नाकामयाब नहीं रही है।”

केन ने कहा और वापिस अपने केबिन में आकर इशु की गई पॉलिसियों को चैक करने लगा। तभी फोन की घण्टी बजी और जैसे ही वह फोन उठाने को हुआ—ऑफिस के मेन डोर के खुलने की आवाज ने उसका हाथ फ्रीज कर दिया।

बाहर कोई आया था।

कौन?

कोई संभावित ग्राहक!

केन अपने स्थान से उठकर केबिन से बाहर निकला तो उसने पाया कि काउण्टर के पास नीली आँखों, छरहरे बदन और खूब लम्बे कद का एक आदमी खड़ा था।

डिटेक्टिव टॉम लेपस्कि।

केन के छक्के छूट गए। वह लेपस्कि को पहले से जानता था। हालांकि उससे किसी किस्म की बातचीत करने का मौका उसे कभी नहीं मिला था। अपनी दोस्ती के दायरे में उसने अक्सर लोगों को लेपस्कि का नाम लेकर यह कहते सुना था कि वो एक बेहद घाघ लेकिन काबिल पुलिसिया था जो टेरेल के रिटायर होने पर अपनी कुवत के दम पर—अगला पुलिस चीफ बनने के काबिल था। केन का हाथ अपने आप ही उसकी पतलून की जेब में गया और वहाँ से रूमाल बरामद कर उसने अपने चेहरे पर उभर आई पसीने की बूँदों को

पोंछा। उसके दिमाग में फौरन ही उस दढ़ियल हिप्पी की तस्वीर उभरी। शायद पुलिस ने किसी तरह उसे थाम लिया होगा। और आगे उसी ने पुलिस को कॉरेन और उसके हुलिए की खबर की होगी।

काउण्टर पर झुके खड़े लेपस्कि ने कॉरेन की ओर बड़ी तारीफी निगाहों से देखा। बढ़िया नजर आती हर लड़की से लेपस्कि ऐसे ही प्रभावित हो जाया करता था।

तभी कॉरेन ने टाईप करना छोड़ा और उठकर काउण्टर के पास पहुँची। इस प्रक्रिया में लेपस्कि ने उसकी चाल को बड़े गौर से देखा।

"बढ़िया बनी हुई थी"—उसने सोचा लेकिन प्रत्यक्षत: बोला—"मिस स्टर्नवुड?"

"वैल—अगर मैं वो नहीं हूँ तो यकीनन किसी और ने मेरा लिबास पहना हुआ है।"—उसने जवाब दिया।

लेपस्कि मुस्कुरा दिया।

"तुम एक पुलिस ऑफिसर हो"—कॉरेन ने उसे गौर से देखते हुए कहा—"क्या तुम बाल बच्चेदार भी हो मिस्टर लेपस्कि?"

"बच्चे!"—लेपस्कि बौखलाया—"क्यों....नहीं मैं....।"

"शादीशुदा तो यकीनन हो"—कॉरेन बोली—"अब तुम जैसा खूबसूरत जवाँ मर्द आखिरकार सिंगल तो हो ही नहीं सकता।"

"मिस स्टर्नवुड...."—लेपस्कि ने फंसे हुए स्वर में कहा।

"शायद तुम बच्चा पैदा करने के बारे में सोच रहे हो और इसीलिए यहाँ इंश्योरेन्स के सिलसिले में आए हो"—कॉरेन कहती रही—"अगर ऐसा है—और मुझे लगता है कि ऐसा ही है—तो यकीन जानिए मिस्टर लेपस्कि तुम एकदम सही जगह आए हो, जो बच्चे अभी पैदा भी न हुए हों उनका बीमा तो हमारे यहाँ बेहद मामूली प्रीमियम पर होता है।"

लेपस्कि ने स्वयं पर कंट्रोल किया।

उसे बखूबी पता था कि लड़की शहर के एक नामी गिरामी पैसे वाले की बेटी थी। उसे कत्ल की तफ्तीश के दौरान पता चला था कि जिस जगह पर लाश बरामद की गई थी, उससे महज सौ गज की दूरी पर ही कॉरेन का केबिन था। उस शहर के अमीरों का एक अलग ही मिजाज होता था और उनका यूँ किसी स्कैण्डल में फँसना उनकी इज्जत को मटियामेट कर सकता था। ऐसे में इन अमीरों से ऐसे किसी मामले में की जाने वाली पूछताछ में बेहद सावधानी बरतना जरूरी था। इस बाबत लेपस्कि को सीधे टेरेल से हुक्म मिला था कि वो यहाँ सीकाम्ब स्थित इंश्योरेंस कंपनी के नए खुले दफ्तर में जाकर कॉरेन से पूछताछ करे लेकिन साथ ही उसे बकायदा खबरदार भी कर दिया था कि लड़की की रेपुटेशन एक मर्दखोर के तौर पर स्थापित थी सो उसे तरीके से सलीके से हैण्डिल किया

जाए। ऐसा न हो कि उससे किसी पूछताछ के बाद शहर में बैठे उसके रसूखदार बाप का नजला किसी पुलिस अधिकारी पर गिरे।

“मिस स्टर्नवुड”—लेपस्कि ने कहा—“मैरी यहाँ मौजूदगी के पीछे दरअसल वजह वो नहीं है जो आप समझ रही हैं। मैं एक कत्ल के सिलसिले में तफ्तीश कर रहा हूँ और यहाँ ड्यूटी भुगतने मौजूद हूँ।”

कॉरेन की आँखों में भोलेपन और हैरत के मिलेजुले भाव उभरे।

“ओह—अच्छा....”—उसने मुस्कुराकर कहा—“तो इसका मतलब कि फिलहाल तुम किसी बच्चे वगैरह की प्लानिंग नहीं कर रहे।”

“मिस स्टर्नवुड”—लेपस्कि ने काम की बात शुरू की—“पिछली रात आपके केबिन से कोई सौ गज की दूरी पर एक लड़की का बेहद वहशियाना ढंग से कत्ल कर दिया गया है। क्या आप पिछली रात वहाँ अपने केबिन में मौजूद थीं?”

“जी हाँ—मैं वहाँ मौजूद थी और अकेलेपन का लुत्फ ले रही थी।”

“अकेलेपन का लुत्फ....?”

“जी हाँ।”

“मैं समझा नहीं मिस स्टर्नवुड।”

“दरअसल पूरा हफ्ता इस बकवास और बेहूदा जगह पर काम करने के बाद मैं कभी-कभी एकान्त की जरूरत महसूस करती हूँ...तो उस वक्त मैं वहाँ उस केबिन में रहने पहुँच जाती हूँ।”—कॉरेन ने पलकें झपकाईं और लेपस्कि से पूछा—“क्या तुम्हें कभी-कभी अकेले रहने का मन नहीं होता मिस्टर लेपस्कि?”

लड़की हवा दे रही थी।

लेपस्कि को लगा कि वो उसे बातों में उलझाकर बेवकूफ बनाने की कोशिश कर रही थी।

“क्या आपने वहाँ अपने प्रवास के दौरान कोई चीख या कोई और किसी किस्म की आवाज सुनी थी?”

“नहीं—मुझे याद नहीं। और वैसे भी मैं टी.वी. देख रही थी।”—कॉरेन ने मुस्कुराकर कहा—“क्या तुम टी.वी. देखते हो? लेकिन तुम्हें तो शायद इतनी फुर्सत ही कहाँ मिलती होगी कि टी.वी. देखने जैसा कोई आरामदायक काम कर सको। खैर—मुझे तो यूँ टी.वी. देखते हुए वक्त सर्फ करना बड़ा मजेदार लगता है।”

“कौन-सा प्रोग्राम देख रही थीं मिस स्टर्नवुड?”—लेपस्कि ने पूछा।

कॉरेन ने पलकें झपकाईं—और यही वो वक्त था कि जब लेपस्कि ताड़ गया कि उसने

कॉरेन का झूठ पकड़ लिया है।

“ऐसा ही कुछ था—अब मुझे ठीक से तो याद नहीं लेकिन कोई बेवकूफ गाना गाने के नाम पर खामाखां की चिल्ल पौं मचा रहा था, खैर जाने दें—इससे क्या फर्क पड़ता है कि मैं कौन सा प्रोग्राम देख रही थी।”

“फिर से याद करें मिस स्टर्नवुड”—लेपस्कि ने अपना सवाल दुहराया—“क्या आपने उस दौरान किसी किस्म की कोई आवाज सुनी थी?”

“मैं कह चुकी हूँ मिस्टर लेपस्कि कि मैंने कोई आवाज नहीं सुनी थी। वैसे यह लड़की कौन थी?”

“हम उस बाबत जानने की कोशिश कर रहे हैं। वैसे उस लड़की के साथ बहुत बुरी बीती। उसे सिर्फ कत्ल नहीं किया गया है बल्कि वहशियाना तरीके से ऐसे मारा गया है कि देखने वाले की रूह कांप जाए। वैसे मुझे इस बात का इत्मीनान है कि आप उस वक्त अपने केबिन में सुरक्षित थीं और टी.वी. देखने में मग्न थीं। बढ़िया—क्योंकि मैं नहीं चाहता कि जो कुछ उस बद्किस्मत लड़की के साथ हुआ—उसके बाद कोई उसकी उस दुर्गत लाश को देखे।”

“बड़ी भयानक बातें कर रहे हो मिस्टर लेपस्कि।”—कॉरेन ने मुँह बनाकर कहा।

“जी हाँ मिस स्टर्नवुड”—लेपस्कि ने कहा—“वैसे बेहतर होता कि आप इस बाबत मेरी कोई मदद कर पातीं...लेकिन अब आपने तो अपने केबिन में कोई आवाज वगैरह सुनी नहीं। है न?”

“हाँ!”

दोनों ने परस्पर एक दूसरे को गौर से देखा।

कुछेक क्षणों तक दोनों की आँखें मिली रहीं।

“शुक्रिया मिस स्टर्नवुड!”—लेपस्कि ने बदस्तूर उसे घूरते हुए कहा—“वैसे मेरी राय में ऐसे एकान्त स्थान पर बने किसी केबिन में यूँ रातें गुजारना—अकेले गुजारना—कभी किसी दिन खतरनाक भी हो सकता है।”

“सलाह का शुक्रिया मिस्टर लेपस्कि।”

लेपस्कि मुड़ा और बिना कुछ कहे बाहर निकल गया। उसके जाते ही केन वहाँ अपने सफेद पड़ चुके चेहरे के साथ नमुदार हुआ।

“ओह—देखो क्या हाल बना रखा है अपना—जाओ खुद को संभालो।”

“कॉरेन”—केन ने उसकी बात को अनसुना करते हुए कहा—“वो दढ़ियल हिप्पी जो हमें वहाँ टकरा गया था—अगर पुलिस उस तक पहुँच गई और किसी पूछताछ में उसने हमारे

बारे में कुछ बक दिया तो....”

“केन”—कॉरेन ने अपनी डेस्क पर पहुँचकर टाईप के अधूरे छोड़े काम को पूरा करना आरंभ किया—“मेरी और मेरे रसूखदार बाप की बात के सामने उसके किसी बयान की कोई औकात नहीं।”

शाम पाँच बजे।

पुलिस चीफ टेरेल के ऑफिस में उस वक्त एक प्रेस कांफ्रेंस हो रही थी जिसमें खुद टैरेल के अलावा सार्जेन्ट बेगलर, सार्जेन्ट हेस, फर्स्ट ग्रेड डिटेक्टिव लेपस्कि और डिटेक्टिव जैकोबी भी मौजूद थे।

“हमने मौजूदा कत्ल के केस की छानबीन शुरू कर दी है”—टेरेल कह रहा था—“यह हमारे शहर में हाल-फिलहाल में घटी सबसे जघन्य घटना है और पूरा पुलिस महकमा इस केस पर दिन-रात एक किए हुए है।”

“पुलिस ने इस केस में क्या तरक्की की है?”—रिपोर्टरों की भीड़ में से सवाल उछला।

“हमें पता चला है कि मृतका का नाम जैनी बेंडलर था और हमारी फिलहाल तक की तफ्तीश बताती है कि वह पिछले कुछ सालों से अलग-अलग शहरों में वेश्यावृत्ति करती रही थी। जैसा कि मैंने कहा—पुलिस महकमा इस केस पर काम कर रहा है लेकिन अभी फिलहाल मृतका के बारे में इससे ज्यादा जानकारी हमारे पास शेयर करने के लिए नहीं है।”

“कत्ल के बाद लाश की दुर्गति की गई थी। पुलिस का इस बाबत क्या कहना है?”—किसी ने खड़े होकर पूछा।

“वैल”—टेरेल ने कहा—“पुलिस डिपार्टमेन्ट में डॉक्टर लुईस ने लाश का मुआयना किया है। उनका कहना है कि पहले उसके सिर पर वार किया गया और फिर उसका गला घोंटकर उसकी लाश की वो दुर्गत बनाई गई थी। पहली नजर में यह बलात्कार का मामला भी लग रहा है लेकिन फिलहाल इस मुद्दे पर पक्के तौर पर कुछ कहना मुश्किल है। लाश जहाँ से बरामद की गई है, वहाँ से कुछ ही दूरी पर हिप्पियों की कॉलोनी है लेकिन उधर भी पूछताछ में कोई खास मतलब की बात पता नहीं चली है। हमारी मौजूदा जानकारी के हिसाब से वहाँ हिप्पी कॉलोनी में किसी ने भी कुछ अनोखी चीज या चीखने वगैरह की आवाज नहीं सुनी है।”

टेरेल ने अपनी बात पूरी की और अपने साथ बैठे सार्जेन्ट हेस को इशारा किया। हेस ने इशारा समझा और अपना गला खंखार कर कहना शुरू किया—

“मैं वहाँ उस हिप्पी कॉलोनी में हरेक संदिग्ध को चैक कर रहा हूँ। मुझे पता चला है कत्ल के वक्त वहीं पास में कोई पचास हिप्पियों का एक समूह मौजूद था। चूँकि ये इस शहर में घटे सबसे नृशंस अपराधों में से एक है सो हम इस मामले में कोई चांस नहीं लेना चाहते।

चूँकि तफ्तीश का दायरा बहुत बड़ा, बहुत व्यापक है जिसमें बहुत से लोगों को चैक किया जा रहा है, सो इस सब में कुछ वक्त तो लगेगा ही।”

टेरेले ने सहमति में सिर हिलाया।

“क्या पुलिस के हाथ अभी तक कोई सबूत लगा है?”—एक अन्य रिपोर्टर ने पूछा।

“हालांकि इस बाबत फिलहाल कुछ कहना पूरी तफ्तीश को प्रभावित कर सकता है, लेकिन फिर भी मैं यहाँ बताना चाहूँगा कि पुलिस इस मामले में बेहद तेजी से कार्यवाही कर रही है। हमारे हाथ लू बून नाम का एक आदमी लगा है जो कत्ल के वक्त वहीं उस जगह के आस-पास ही मौजूद था। घटनास्थल के इतने नजदीक इतने क्लोज टाईम पर उसकी मौजूदगी से हमें कुछ मानीखेज हासिल होने की उम्मीद है—और हम इस दिशा में काम कर रहे हैं।”—सार्जेन्ट हेस ने अपनी बात पूरी की और टेरेल की ओर देखा।

वह अपनी बात पूरी कर चुका था।

टेरेल ने लेपस्कि पर निगाह डाली।

“मिस्टर लेपस्कि ने उस आदमी से पूछताछ की है और इसी सिलसिले में उस आदमी के केबिन की तलाशी भी ली गई है। मिस्टर लेपस्कि इस पर कुछ और रोशनी डालेंगे।”—टेरेल ने अपना स्टेटमैन्ट पूरा किया और लेपस्कि को बोलने का इशारा किया।

“जी सर”—लेपस्कि ने बातों के सूत्र को थामते हुए कहा—“दरअसल मैं अपने एक सहयोगी के साथ उसके केबिन में जा पहुँचा था और हमें उम्मीद थी कि अगर वही कातिल हुआ तो उसके पास खून आलूदा कपड़े बरामद हो सकते हैं। जब हमने उसे थामा था उस वक्त वह गहरी नींद से जागा था, सो ऐसे में उसे—अगर वह वाकई कातिल है तो—अपने खून में लथपथ कपड़ों को छुपाने का मौका भी नहीं लगा होगा। हालांकि सरसरी तलाशी में हमें वहाँ उसके केबिन में कोई सूत्र, कोई खून में भीगे कपड़े वगैरह तो बरामद नहीं हुए लेकिन जिस तरह से वो हमारे वहाँ पहुँचने से हकबका गया था और गड़बड़ाने लगा था—हमें यकीन है कि वो इस कत्ल के मामले में जितना बता रहा है, उससे ज्यादा जानता है। हमें लगता है कि जिस तरह उसने तफ्तीश में हमारे सवालों के जवाब दिए थे, उससे वह झूठा ही साबित होता लगता है। हमारे एक सवाल के जवाब में उसने हमें बताया है कि उसके पास ऐशो-आराम की जिन्दगी बिताने लायक दौलत है लेकिन उसे इस तरह हिप्पियों के तरीके से जिन्दगी बिताना ज्यादा पसंद है। उसने पूछने पर यह भी बताया है कि वह कोई दो हफ्ते यहाँ हिप्पियों के पास ठहरने के इरादे से पहुँचा था लेकिन जैसा कि मेरे सीनियर ऑफिसर्स ने कहा—हम फिलहाल हासिल सभी सूत्रों को खंगाल रहे हैं और सामने आए किसी भी सबूत को केवल उसकी फेस वैल्यू के हिसाब से नहीं ले रहे हैं। पूरा महकमा इस वहशी कातिल की खोज में लगा हुआ है और हमें यकीन है कि जल्द ये शहर उसे उसके इस घिनौने अपराध की सजा भुगतते देखेगा।”

लेपस्कि ने अपना वक्तव्य पूरा किया और दुबारा पुलिस चीफ की ओर देखा।

“हम सभी पक्षों को चैक कर रहे हैं और चूँकि यह एक वृहद खूब व्यापक दायरे में की जा रही छानबीन है सो इसमें वक्त लगना लाजिमी है।”

“वहाँ घटना स्थल से कोई दो सौ गज दूर एक केबिन मौजूद है। क्या पुलिस के पास उससे संबंधित भी कोई जानकारी है?”—एक अन्य रिपोर्टर ने पूछा।

“हमने उस दिशा में काम किया है और हमारी तहकीकात बताती है कि वो केबिन दरअसल मिस स्टर्नवुड के नाम है”—लेपस्कि ने जवाब दिया—“मिस स्टर्नवुड से पूछताछ करने मैं खुद गया था जहाँ उन्होंने मेरे सामने इस बात पर हामी भरी थी कि वो उस रात घटनास्थल से कुछ दूर बने अपने केबिन में टी.वी. देखती मौजूद थीं। उनका यह भी कहना है कि टी.वी. पर उस वक्त वो कोई गाने का प्रोग्राम देख रही थीं लेकिन गहराई से जांच करने पर हमने पाया है कि संबंधित समय पर किसी भी चैनल पर इस किस्म का कोई गाने-बजाने का प्रोग्राम प्रसारित नहीं हुआ था। खैर—पहली निगाह में उनका बयान संदिग्ध लगता है लेकिन इस बाबत अभी कुछ कहना मुहाल है।”

“साहेबान”—टेरेल ने प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा—“मिस स्टर्नवुड इस शहर के एक खूब जाने पहचाने शख्स की बेटी हैं और पुलिस महकमा इस बात से प्रभावित हुए बिना अपनी छानबीन में जुटा है। लेकिन जब तक उनके खिलाफ कोई सबूत न हो—और अगर वो बेगुनाह हैं—तो हम खुद नहीं चाहेंगे कि उनका नाम इस तरह किसी स्कैण्डल से जुड़े। यह एक बेहद गंभीर, बेहद संवेदनशील मुद्दा है और महकमा इसे इसी तरह ट्रीट कर रहा है। यहाँ उपस्थित लोगों से गुजारिश है कि प्रेस इस मामले में अपनी महती जिम्मेदारी को समझे और खबर बनाते वक्त इसे सैंसेशनल बनाने से परहेज करे।”

सामने मौजूद रिपोर्टरों में खुसुर-पुसुर हुई, फिर एक रिपोर्टर उठा।

“बताया जाता है कि पुलिस को लाश की खबर किसी ने फोन करके दी थी। उस बारे में आपका क्या कहना है?”

“वैल—इस दिशा में भी काम किया गया है, लेकिन बेहद अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि सिवाय इसके कि दूसरी ओर से खबर देने वाली फंसी सी आवाज में बोलती, किसी भी उम्र की कोई मर्दाना आवाज थी—हम और कुछ नहीं जान पाए, कॉल को ट्रेस करने की कोशिश की गई थी, लेकिन कॉल पीरियड का वक्त इतना छोटा है कि उसे दूसरे सिरे पर ट्रेस करना नामुमकिन है।”

“क्या खबर देने वाला खुद कातिल हो सकता है?”—किसी ने पूछा।

“जी हाँ—हम ऐसी किसी भी संभावना को नकार नहीं रहे हैं। ऐसा बिल्कुल मुमकिन है कि पुलिस को खबरदार करता वो शख्स आखिर में खुद ही कातिल निकल आए।”

प्रेस कांफ्रेंस में शान्ति छा गई।

“यहाँ मौजूद लोगों से, शहर के पुलिस महकमे के चीफ होने के नाते मैं गुजारिश करता हूँ कि, वो इस गंभीर घटनाक्रम पर अपनी जिम्मेदारी निभाएं, कत्ल की ऐसी घटना यहाँ हमारे शहर में कोई रोजमर्रा की आम बात नहीं है और ऊपर से ये तो किसी मैनियाक का काम लगता है।”—टेरेल ने कहा— “ऐसी वारदात को अंजाम देने वाला वो वहशी फिलहाल हमारी पकड़ से आजाद है सो वो दुबारा भी कोई वारदात कर सकता है। हम अपनी ओर से जितनी हो सके उतनी सावधानी बरत रहे हैं लेकिन शहर के हर बाशिन्दे को प्रोटेक्शन देने की न तो हमारी कूवत है और न सलाहियत। ऐसे में आजाद घूम रहा वो वहशी कातिल किसी और को भी अपना अगला शिकार बना सकता है। एक जिम्मेदार प्रेस से मेरा आवाहन है कि वो इस मामले की रिपोर्ट करते हुए इन सभी तथ्यों पर गौर करें और रिपोर्टिंग को सनसनीखेज बनाने की नीयत से बाज आएं। इस पूरे सिलसिले में हमारा पूरा महकमा दिन रात एक किए हुए है और हो सकता है कि प्रेस की किसी गैर-जिम्मेदाराना हरकत से हम, उस वहशी कातिल को पकड़ने के लक्षय से भटककर कुछ और ही कामों में मशगूल होने को मजबूर हो जाएं। जाहिर है आप ऐसा नहीं चाहेंगे। कोई ऐसा नहीं चाहेगा। इस पूरे केस को हमारा डिपार्टमेन्ट अपने लिए एक चैलेन्ज की तरह ले रहा है और हमें यकीन है कि हम उस वहशी कातिल को थामकर उसे उसके वाजिब अंजाम तक पहुँचाने से कोई बहुत दूर नहीं हैं। हमें उम्मीद है कि शहर के लोगों के प्रति आप लोग भी अपनी जिम्मेदारी को बखूबी समझेंगे और इस सिलसिले में हमारी मदद कर हमारे हाथ मजबूत करेंगे।”

टेरेल के उस नोट के साथ ही वो प्रेस कांफ्रेंस समाप्त हो गई। तभी एक अर्दली ने आकर हेस के कानों में कुछ कहा तो हेस उठकर टेरेल के पास पहुँचा।

“सर”—उसने टेरेल से कहा—“अभी-अभी खबर आई है कि समन्दर किनारे छानबीन कर रहे हमारे आदमियों के हाथ एक अजीब-सा बटन मिला है जो किसी जैकेट से निकला लगता है, लाश वहाँ से कुछ ही दूर बरामद की गई थी और अब वहाँ नजदीक से मिले इस बटन, जो गोल्फ बॉल जैसा दिखता है, के तौर पर हमें हमारा पहला मजबूत सबूत मिला है।”

“बढ़िया”—टेरेल ने कहा—“काम जारी रखो। मुझे नतीजे चाहिए।”

¶¶

जिस वक्त लू बून केटी व्हाईट के पास पहुँचा, वो मोटी अलाव पर सॉसेज बना रही थी। वह अक्सर अकेली काम पर लगी रहती थी और उसे इस बात पर गर्व था कि भूख लगने पर वहाँ हर कोई उसी की पकाई सॉसेज खाता था। कॉलोनी के बाकी लोग या तो सारा वक्त वहीं समुन्द्र में तैरते हुए गुज़ार देते थे या फिर कोई काम-धंधा होने पर चार पैसे कमाने निकल जाते थे।

लू बून एक सासेज लेकर वहीं—उसी के पास बैठ गया और बातें करने लगा। केटी की नज़रों में लू कोई सुपरमैन सरीखा मर्द था जिसकी दाढ़ी, मांसपेशियों और हरी चपल आँखों पर वह फिदा थी। उसके हिसाब से लू में वो सब कुछ था जो किसी लड़की के दिल

में हलचल मचा दे।

ऐसी कारआमद काबिलियत वाले लू का पिता ह्यूस्टन शहर में रहता था और अपने जज के ओहदे के बावजूद एक सज्जन, साधु स्वभाव वाला व्यक्ति था। ऐसे में जब उसे अपनी इकलौती और बेहद अजीज़ औलाद की कई प्रतिभाओं के बारे में मालूमात हुई तो उसका दिल ही बैठ गया। अपने रुतबे की रू में उसे अपनी औलाद से ऊँची मुरादें थीं जिनका पूरा होना अब लगभग नामुमकिन सा ही था लेकिन फिर भी अपनी आखिरी कोशिशों के तौर पर बाप ने अपनी औलाद—बिगड़ती औलाद—पर काबू पाने की कई मुख्तलिफ कोशिशें कीं जो आखिरकार तक नाकाम ही रहीं। लू ने अपने पिता की इन तमाम कोशिशों को अपनी निजी ज़िन्दगी में दख़लअंदाज़ी माना और एक दिन उठकर ऐलानिया अपने बाप के घर से निकल आया। ऐसा घर जिसमें वो पैदा तो हुआ था, जिसमें उसकी परवरिश तो हुई थी लेकिन जिसके मालिकान, खुद उसके माँ-बाप, उसकी निगाह में दरअसल इस फानी दुनिया में सबसे बेकार, बेहूदा और बेवकूफों में से एक थे। लू ने अपनी कानूनी पढ़ाई को बीच में ही तिलांजलि दे दी और यूँ इस तरह केवल सत्रह साल की नादान उम्र में ही खुद को बालिग बनाने तुल गया। आज उसकी उम्र तेइस साल हो चुकी थी और घर छोड़े उसे छः साल हो गए थे। उन छः सालों में उसने होटलों में प्लेटें धोने से लेकर गैराज़ में तमाम तरह के काम किए थे लेकिन इन तमाम छोटी-मोटी मज़दूरियाँ करके भी वो खुश था कि इन्हीं की बदौलत वो अपने घर के उस दमघोंटू माहौल से दूर था। पिछली छः साल की ज़िन्दगी के उस तजुर्बे ने उसकी सोच को बदलकर रख दिया था—और आज उसकी ज़िन्दगी का यही फलसफा था कि इस दुनिया में दौलत ही वो शै थी जिसकी हर कोई हर वक्त इज़्जत करता था। दौलत है तो इंसान की अहमियत है वरना क्या बन्दा क्या बन्दे की जात। सब सिफर था, शून्य था, नाकाबिले ज़िक्र था। आज वो खुद के दौलतमन्द होने का ख्वाब देखता था और अपने इसी ख्वाब को पूरा होता देखने के लिए वो कुछ भी करने को तैयार था।

बाखुशी तैयार था।

आखिरकार तो वह समझ चुका था कि अपनी मौजूदा ज़िन्दगी को वह जिस ढर्रे पर चला रहा था उस हिसाब से— अपनी इस सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक की मज़दूरी करके—तो वह दौलत कमाने से रहा।

वो तीन दिन पहले यहाँ पहुँचा था और यहाँ पहुँचते ही उसे अहसास हो गया था कि उसके पास एक बर्गर खरीदने लायक चन्द सिक्के तक नहीं थे। भूख ने उसकी भला-बुरा सोचने की ताकत छीन ली थी और अपनी इसी फकीराना हालत में उसने अपना अगला कदम उठाया। बेमतलब इधर-उधर घूमते हुए उसकी निगाह एक बूढ़ी औरत पर पड़ी जो पार्क में बैंच पर बैठी ऊंघ रही थी और उसका पर्स, मगरमच्छ की बेहद कीमती खाल से बना पर्स—वहीं बैंच पर उसके बगल में रखा था। लू ने इधर-उधर देखा और पर्स उठाकर झाड़ियों में भाग निकला।

पर्स में चार सौ डॉलर की रकम थी और यह उसकी मौजूदा दुश्वारियों को निपटाने के लिए काफी थी।

अगर आप ने भरपेट खाना खा लिया है तो यकीन जानिए कि इस फानी दुनिया की सबसे विकट कठिनाइयों पर आपने फौरी तौर पर फतह हासिल कर ली है।

तो यूँ अब उसके अगले कुछ दिन आराम से गुज़र सकते थे।

गुज़र रहे थे।

दूसरी ओर केटी, जो पिछले दो साल से यहाँ इस बस्ती में रह रही थी, अब यहाँ रहने वाले लोगों और उन लोगों के रहन-सहन के बारे में थोड़ा बहुत जानने लगी थी।

केटी से बातें करते-करते लू ने इस बात का पता लगा लिया था कि कॉरेन शहर के एक जानी मानी हस्ती की बेटी थी और उसका केबिन वहीं उस मौकाएवारदात से कुछ ही दूर था जहाँ से लाश बरामद की गई थी।

"कॉरेन एक अच्छी लड़की है"—केटी ने लू से कहा—"वह अक्सर यहाँ आती रहती है लेकिन अपने दौलतमन्द बाप के रसूख का दिखावा तक नहीं करती। उल्टा वह जब भी यहाँ होती है—हमेशा हमीं लोगों में एक बनी रहती है।"

"हूँ...."—लू ने कहा—"यहाँ किसी से उसकी कोई खास दोस्ती है?"

"हाँ—है न।"—केटी ने बताया—"वो चेट के साथ उसकी बड़ी नज़दीकी दोस्ती है।"

लू फौरन सतर्क हुआ।

"अगर वो इतने ही पैसे वाले की औलाद है तो इस मामूली केबिन में क्यों रहती है?"

"अरे, वो जगह तो उसकी लव नैस्ट है"—केटी ने कहा— "जब कभी उसे अपने बाप की निगाहों में आए बगैर मौज मस्ती करनी होती है तो यहाँ आ धमकती है। उसके झक्की बाप को उसके इस ठिकाने के बारे में पता नहीं वरना उसे अगर ज़रा भी शक पड़ गया तो वो हाय-तौबा करे बिना कहाँ मानेगा।"

"लड़की को अपने बाप की—उसकी उस हाय-तौबा की—इतनी फिक्र है?"

"यकीनन है, और हो भी क्यूँ न?"—केटी ने हँसते हुए कहा—"एक बार उसने मुझसे कहा था कि अपने उसी बाप के सदके उसे अपनी ज़िन्दगी में हर ऐशोआराम हासिल है लेकिन फिर अगर उसके बाप को उसकी इन ऐय्याशियों की खबर लग गई तो वो उसे एक धेला नहीं देने वाला। हालांकि कॉरेन खुद बड़ी मेहनती है, काबिल है और नौकरी करती है लेकिन अपनी उस इनकम से उसके ऐसे मौज-मेले के खर्चे नहीं निकल सकते।"

"अच्छा...."—लू ने कहा—"कहाँ है उसका आफिस?"

"उसके बाप ने अभी हाल ही में सीकॉम्ब में एक ब्रांच खोली है और कॉरेन सुबह नौ से शाम पांच बजे तक वहीं काम करती है।"

“क्या वो वहाँ की इंचार्ज है?”

“नहीं—इंचार्ज तो केन ब्रेन्डन है”—केटी ने गहरी साँस ली और कहा—“और वो बेहद खूबसूरत व्यक्तित्व का मालिक है।”

“क्या मतलब?”

“मतलब यह है कि वह बेहद आकर्षक है और मुझे तो वो ग्रेगरी पैक की जवानी के दिनों की याद दिलाता है। एक बार उसने मुझे अपनी कार में शहर तक लिफ्ट दी थी”— केटी ने आँखें बन्द कीं और एक आह भरते हुए कहा—“और तभी से वह मुझे इस कदर भा गया है।”

लू के दिमाग में फौरन उस आदमी की तस्वीर उभरी जिसे उसने उस रात कॉरेन के साथ देखा था।

ऊँचा कद।

गहरा रंग।

कॉरेन जैसी हाहाकारी लड़की के साथ सारा दिन काम करने वाले उस आदमी का यूं उसके साथ मौज मस्ती के इरादे से वहाँ उस रात उस केबिन में आना एक मामूली बात थी।

“ओह”—प्रत्यक्षत: लू ने केटी से कहा—“लगता है उसने तुम्हें कोई खास तवज्जो नहीं दी?”

“हाँ....मुझे उसने अनदेखा सा कर दिया था।”

“क्या वो शादीशुदा है?”

“हाँ”—केटी ने कहा—“उसकी एक खूबसूरत स्मार्ट बीवी है जो डॉ. हेन्ज के यहाँ उसकी सैकेट्री के तौर पर कार्यरत है।”

“ब्रैन्डेन की अपनी पत्नी से पटती भी है या नहीं?”

“क्यों नहीं! खूब पटती है, बिल्कुल पटती है और वैसे भी कोई भी समझदार लड़की बैन्डन जैसे मर्द से बिगाड़ना नहीं चाहेगी।”

लू ने महसूस किया कि वो उस मसले पर पहले ही काफी सवाल कर चुका था, सो अब उसने बात बदलते हुए कहा—

“तुम यहाँ इधर इस बस्ती में कब तक रहने वाली हो?”

“मैंने कहाँ जाना है—मैं यहीं रहूँगी और वैसे भी मैं और जाऊँगी भी कहाँ”—कैटी ने अनिच्छापूर्वक कहा—“जब तक यहाँ मेरी ज़रूरत बनी रहेगी, मैं इधर इसी बस्ती में बनी रहूँगी।”

"तुम्हारी ज़रूरत यहाँ हमेशा रहेगी।"—लू ने उसके मोटे हाथ को थपथपाते हुए कहा—"तुम्हारे इन हाथों में कमाल की कारीगरी है और यकीन जानो—तुम्हारे हाथों के बने इन सॉसेज की वजह से तुम यहाँ हमेशा के लिए रह सकती हो।"

"शुक्रिया लू।"

"चलो—मैं चलता हूँ"—लू ने उठते हुए कहा—"मैं यूं ही थोड़ा आस-पास घूमूँगा।"

"हाँ....ज़रूर।"

"फिर मिलते हैं।"

"ठीक है।"

लू केबिन की ओर बढ़ गया और पीछे केटी उसे जाता हुआ देखती रही।

¶¶

लू अपने केबिन में पहुँचा और टेलीफोन डायरेक्ट्री लेकर वहीं अपने बिस्तर पर पसर गया। बड़े सब्र से उसने उस डायरेक्ट्री के पन्ने पलटते हुए केन ब्रेन्डन के घर का पता ढूँढा।

लोटस स्ट्रीट।

उसने एक कागज़ के पुर्ज़े पर उस पते को नोट किया, अपनी बची-खुची जमा पूंजी संभाली—जो कुल मिलाकर साढ़े तीन सौ डॉलर थे—और एक सिगरेट सुलगाकर बैठ गया।

अगर उसने होशियारी से काम लिया तो यह मौका उसे दौलत का मुँह दिखा सकता था और वो तगड़ा हाथ मार सकता था, जो उसके दौलतमन्द होने के ख्वाब को पूरा कर सके।

लेकिन कैसे?

कैसे वो इस सारे मामले को हैण्डल करे कि सारे पत्ते उसके हक में गिरें?

वो सोच में पड़ गया।

सबसे पहले उसे कुछ जानकारियाँ इकट्ठी करनी चाहिए थीं।

उसे ब्रैन्डन की माली हैसियत की तस्दीक करनी चाहिए थी क्योंकि इस किस्से की दूसरी किरदार कॉरेन का बूढ़ा बाप तो तस्दीकी पैसे वाली पार्टी थी। केटी ने उसे बताया था कि ब्रैन्डन की अपनी बीवी के साथ बढ़िया निभती थी लेकिन फिर उस रात उसका कॉरेन के साथ यूँ देर रात तक उसके उस लव नैस्ट में आना शायद उसकी पहली गलती थी।

और यह जानकारी ब्रैन्डन से पैसा निकलवा सकती थी।

क्या बढ़िया मौका था!

अगर उसने चालाकी से इस पूरे मामले को हैण्डल किया तो उसके हाथ शायद दस हज़ार डॉलर जैसी बड़ी रकम लग जाए।

“बढ़िया....बढ़िया।”—लू मुस्कुरा उठा।

मालेमुफ्त के इस ख्याल ने उसमें एक नया जोश भर दिया था; लेकिन क्या ये इतना ही आसान था?

उसने लॉ स्कूल में पढ़ाई की थी और वो जानता था, बखूबी समझता था, कि उसकी ब्रैन्डन से इस तरह जबरदस्ती पैसा हासिल करने की कोई भी कोशिश एक संगीन जुर्म थी।

वो सोच में पड़ गया।

वह पहले ही एक चोरी कर चुका था जिसमें इत्तेफाकन वो पकड़ा भी नहीं गया था लेकिन इस बार मामला ज़्यादा बड़ा, ज़्यादा गंभीर था।

ये चोरी का नहीं बल्कि जबरन रकम ऐंठने की कोशिश थी।

ब्लैकमेलिंग थी।

अगर वो पकड़ा गया तो खैर नहीं।

लेकिन अगर वो कामयाब रहा—तो?

तो दस हज़ार डॉलर की बड़ी रकम उसकी जेब में होगी, और दुनिया मुट्ठी में।

बढ़िया।

लू ने फैसला किया कि फिलहाल वो अपने इस प्लान पर आगे बढ़ेगा और—आगे की आगे देखेंगे की तर्ज़ पर—बाद में कोई पक्का फैसला लेगा।

वह उठ खड़ा हुआ।

उसने अपने चेहरे की बेतरतीब दाढ़ी को छाँटा और नहा-धोकर शीशे के सामने पहुँचा। उसे देखकर राहत महसूस हुई कि अपनी इस मौजूदा शक्ल में वो अनायास ही किसी पुलिसवाले के ध्यानाकर्षण की वजह नहीं बनने वाला था। उसने एक सफेद कमीज और पतलून पहनी और खुद को दोबारा शीशे में निहारा।

अक्स में उसे करीब-करीब एक इज्जतदार आदमी की झलक मिली।

संतुष्ट हो वह केबिन से बाहर निकल आया और हाईवे पर पहुँचा जहाँ सिटी सीकाम्ब जाती बस में सवार हो वह शहर आ गया।

कुछ देर वो यूँ ही सीकाम्ब शहर के भीड़-भाड़ वाले इलाकों में घूमता रहा और फिर एक ऐसी दुकान में पहुँचा जहाँ से उसे कोई पुरानी कार खरीद सकने की उम्मीद थी।

अगले दो घण्टे बाद वह एक पुरानी खटारा वाक्स वैगन ड्राइव कर रहा था जिसे उसने एक सौ पचपन डॉलर में खरीदा था और जिसकी बाबत वह गैराज में अपने तजुर्बे के दम पर कह सकता था कि कम से कम पांच सौ मील का सफर वो उस पर आसानी से पूरा कर सकता था।

उसी कार डीलर से उसने पैरेडाईज़ एश्योरेंस कारपोरेशन का पता कन्फर्म किया और सीव्यू रोड पर आ गया। उसने गंतव्य से कोई बीस गज की दूरी पर अपनी उस नई हासिल पुरानी कार को पार्क किया और भीतर ही बैठा रहा।

दोपहर का एक बज रहा था।

अभी वो इस पशोपेश में ही था कि क्या उसे वहीं बैठकर ऑफिस पर निगाह रखनी चाहिए थी या फिर वहाँ से निकलकर सीधे ऑफिस में ब्रैन्डन को वहीं धर लेना चाहिए—कि तभी उसने ब्रैन्डन को ऑफिस से बाहर आकर सड़क पर रेस्ट्रां में जाते देखा।

लू ने फौरन उसे पहचाना।

यह वही आदमी था—यकीनन वही आदमी था—जिसे उसने उस रात कॉरेन के साथ वहां मौकाए वारदात के आस पास देखा था।

बढ़िया।

लू खुश हो गया।

उसे यकायक दस हज़ार डॉलर अपनी पकड़ में महसूस होने लगे।

लेकिन ऐसे नहीं।

ऐसी जल्दबाज़ी से मामला बिगड़ सकता था और उसे अभी सब्र से काम लेना था।

उसने थोड़ी और छानबीन करने का फैसला किया।

उसने कार स्टार्ट की और उसे चलाता एक स्टोर पर पहुँचा जहाँ से उसने शहर का एक नक्शा खरीदा।

उसने उस नक्शे में लोटस स्ट्रीट को ढूँढा और कुछ पल वहाँ पहुँचते रास्तों पर गौर करता रहा। आखिरकार उसने कार को समुचित सड़क पर आगे बढ़ा दिया।

लोटस स्ट्रीट।

केन ब्रैन्डन का घर।

गंतव्य पर पहुँचकर उसने अपनी कार को सड़क के एक सिरे पर खड़ा किया और पैदल चलता हुए बैन्डन के बंगले के सामने आ पहुँचा।

लेकिन यहाँ पहुँचकर भी वो रुका नहीं।

उसने धीमी चाल से चलते हुए बंगले पर एक लम्बी निगाह डाली और संतुष्ट हो गया।

ऐसे बंगले में रहते किसी शख्स के लिए पांच हज़ार डॉलर की रकम देना कोई ज्यादा परेशानी की बात नहीं हो सकती थी।

पाँच हजार डॉलर यहाँ से और बाकी के पाँच हजार डॉलर मामले में शामिल दूसरी पार्टी—कॉरेन और उसके दौलतमन्द बाप—से हासिल हो सकते थे।

अपने इन्हीं खुशगवार ख्यालों में खोये लू ने एक लम्बा घेरा काटा और वापिस अपनी कार में आ बैठा। वो अपनी इस छानबीन से संतुष्ट था और उसे और भी यकीन हो उठा था कि सारे मामले को अगर वो चालाकी से संभाल सका तो उसके दलिद्दर दूर होने में बस अब कुछ ही दिन बाकी थे।

उसने कार वापिस सीकाम्ब जाती सड़क पर बढ़ा दी और ड्राइव करता हुआ एक बार फिर ब्रैन्डन के दफ्तर के सामने आ पहुँचा। वह वहीं कार में बैठा रहा और दफ्तर में आते-जाते लोगों पर निगाह जमाए रहा। वो वहाँ इसलिए बैठा था कि देर सवेर दफ्तर की दूसरी मुलाज़िम—कॉरेन—जब भी बाहर निकलती, वो उसे वहीं कार में बैठा-बैठा देखकर ही तय कर सकता था कि वो वही लड़की थी जो वहाँ उस रात ब्रैन्डेन के साथ मौकाए वारदात के आसपास मौजूद थी। वैसे अगर इस दौरान कॉरेन की निगाहें कार में बैठे खुद लू पर पड़ गईं तो....।

लू को यकीन था कि लड़की उसे फिर भी पहचान नहीं सकती थी क्योंकि उस रात उसने उसे चांदनी में देखा था और तब उसने अपने चेहरे पर उगे बालों की उस तरह छँटाई भी नहीं कि हुई थी।

लू काफी देर तक कार में बैठा इंतज़ार करता रहा।

उसे कॉरेन की कोई झलक न मिली।

उसने कुछ और वक्त वहीं रुकने का फैसला किया।

नतीजा सिफर रहा।

कॉरेन अगर वहाँ उस दफ्तर की कर्मचारी थी तो वो बाहर नहीं निकली थी।

वो अभी भी भीतर दफ्तर में ही बनी हुई थी।

“क्या करूँ....?”—लू ने सोचा।

वो कार से उतरकर दफ्तर जा सकता था और वहाँ उसे देखकर इस बाबत कोई पक्का फैसला कर सकता था कि कॉरेन ही उस रात उससे वहाँ टकराई थी।

लेकिन उसका यूँ दफ्तर में चले जाना परिस्थितियों को और ज़्यादा काम्पलीकेट भी कर सकता था।

वो लड़की उसे पहचान सकती थी।

या शायद ये उसका वहम था।

अपनी मौजूदा वेश-भूषा में वो एक शरीफ इज़्ज़तदार आदमी लग रहा था जो उस शख्स के साये से भी अलग था जिसे कॉरेन ने उस रात देखा था।

तो क्या किया जाए?

लू ने कुछ देर सोचा और फैसला किया।

उसने कार का दरवाज़ा खोला, बाहर निकला, गहरी सांस ली और दफ्तर की ओर बढ़ गया।

वो भीतर पहुँचा।

कॉरेन वहाँ मौजूद थी।

वो किसी नीग्रो से बातें कर रही थी।

लू ने दरवाज़े में खड़े होकर बड़े गौर से उसे देखा।

वो बेफिक्र हो गया।

यह वही लड़की थी जिसे उसने उस रात ब्रैन्डन के साथ देखा था।

तभी कॉरेन की निगाह उस पर आ टिकी।

दोनों ने एक दूसरे को देखा।

कॉरेन ने लू को फौरन पहचान लिया।

यह वही शख्स था जिसे उसने उस रात देखा था।

कॉरेन ने खुद पर काबू पाया और अपने भावों को अपने चेहरे पर आने से रोक लिया।

"आर यू लुकिंग फॉर समवन सर?"—उसने मुस्कुराकर लू से पूछा।

लू संतुष्ट हो गया।

उसे यकीन हो आया कि कॉरेन उसे पहचान नहीं सकी है।

“ओह यस”—लू ने कहा—“बस ज़रा पार्किंग की परेशानी है, तो मैं अपनी कार पार्क करके फौरन वापिस आकर बस अभी आपसे मिलता हूँ।”

“जी ज़रूर।”—कॉरेन ने कहा।

लू दफ्तर के बाहर निकल आया और अपनी कार में आ बैठा।

पीछे कॉरेन ने जबरन अपना ध्यान सामने बैठे नीग्रो और उसके दस बच्चों की समस्याओं में लगाया।

लेकिन उसके दिमाग में अभी भी उस आदमी की मौजूदगी बनी हुई थी जो दरवाजे में खड़ा उसे घूर रहा था।

वो वहाँ कैसे आन पहुँचा था?

मामला बिगड़ता जा रहा था।

उस फसादी से दिखते शख्स की वहाँ इस तरह की मौजूदगी इस पूरे मामले में कॉरेन और ब्रेन्डन का संबंध उस लाश से जोड़ सकती थी।

कॉरेन ने गहरी सांस खींची और सामने बैठे नीग्रो को उसकी दिक्कतों को दूर कर सकने वाली पॉलिसी की शर्तें समझाने लगी।

¶¶

एक ऊँचे कद और हल्के सफेद रंग के बालों वाले आदमी ने पुलिस हैडक्वार्टर में प्रवेश किया।

वह पैट हैमिल्टन था।

सिटी टी.वी. का क्राइम रिपोर्टर।

लेकिन पुलिस की निगाहों में एक सिरदर्द जो अक्सर उनकी लाइन क्रॉस करता था।

हैमिल्टन सीधे बेगलर के दफ्तर में पहुँचा।

“हाय”—उसने कहा और कुर्सी पर बैठकर अपनी नोटबुक खोलता हुआ बोला—“कत्ल के उस केस में पुलिस कहाँ तक पहुँची है?”

बेगलर का जी तो चाहा कि वो हैमिल्टन को एक ठोकर मारकर वहाँ उस जगह से बाहर फेंक दे लेकिन उस जैसे रिपोर्टर के साथ ऐसा कोई नहीं कर सकता था।

“वैल”—बेगलर ने कहा—“हमारा ऐसा मानना है कि कातिल कोई मैनियाक है, कोई ऐसा वहशी है जो बलात्कार के बाद अपने शिकार को इस तरह भंभोड़कर मार डालता है।”

“हम्म....और पुलिस उस वहशी कातिल को पकड़ने के लिए क्या कर रही है?”

“तुम खुद जानते हो कि हमारा महकमा इस कत्ल के लाइमलाइट में आने के बाद कितनी फुर्ती से इस पर काम कर रहा है। हमारे तमाम काबिल अफसर इस पर दिन रात काम कर रहे हैं लेकिन ऐसे पागल वहशी को पकड़ना टेढ़ी खीर है, सो वक्त लगेगा....लग रहा है।”

“पुलिस महकमा अभी किसी नतीजे पर पहुँचा है भी या नहीं, कोई खास काबिले ज़िक्र सबूत?”—हैमिल्टन ने पूछा।

“हमारा महकमा इस पर दिन रात एक किए हुए है और फिलहाल इस मामले में सबूतों वगैरह को यूँ प्रेस के मार्फत सार्वजनिक करना हमारी कातिल को पकड़ने की उन तमाम कोशिशों में अड़ंगा डाल सकता है।”—बेगलर ने बताया।

“कत्ल का शिकार उस लड़की की शिनाख्त हुई?”

“अभी नहीं”—बेगलर ने जानबूझकर झूठ बोलते हुए कहा—“सिवाय इसके कि उसका नाम जेनी था और वह शायद एक लोकल प्रॉस्टीटयूट थी।”

“अच्छा!”—हैमिल्टन ने हैरानी दिखाते हुए कहा।

“हमें लगता है कि उसने किसी के सामने उस रात कोई उल्टा-सीधा ऑफर रखा होगा और....”

“उस ऑफर से भन्नाकर कोई आदमी यकायक इस कदर भड़ककर इतना पागल हो उठा कि उसने उस बेचारी को इस बुरी तरह चीर-फाड़ डाला....क्यों?”

“हाँ!”

“और वह कातिल जो फिलहाल कानून के पंजों से आज़ाद है, आगे भी किसी को अपनी वहशत का शिकार बना सकता है।”

“हाँ, ऐसा भी हो सकता है, लेकिन इसके उलट ये भी मुमकिन है कि कातिल अब इस शहर से कहीं और ही कूच कर चुका हो। हम पब्लिक में कोई पैनिक, कोई आतंक फैलाने के हकदार नहीं हैं सो इस बाबत यही ज़ाहिर किया जा रहा है कि सब लोग सावधान रहें।”

“सुनो बेग”—हैमिल्टन ने कहा—“अगर इस शहर में कोई वहशी कातिल छुट्टा घूम रहा है जिसके निशाने पर जवान लड़कियाँ हैं तो हमें शहर में इस बाबत कोई पब्लिक एनाऊन्समैन्ट कर देना चाहिए।”

“अगर हमने ऐसा किया तो कातिल भी एलर्ट हो जाएगा और इससे वो हमारे हाथों से और दूर हो जाएगा।”

“लेकिन बेग अगर....”

“और ऊपर से आम जनता में जो पैनिक फैलेगा वो अलग। नहीं—हमारा महकमा इस पूरे केस पर दिन रात एक किए हुए है तो ऐसे में प्रेस से ये उम्मीद की जाती है कि वो भी हमें हमारे इस मकसद में सहयोग करे और ऐसी किसी खबर को सैंशेनलाइज़ करने से परहेज़ करे।”

“बेग”—हैमिल्टन ने कहा—“ये किसी खबर को सनसनीखेज़ बनाकर पेश किए जाने का मामला है ही नहीं और ऊपर से तुम खुद मानते हो कि शहर में एक वहशी कातिल आज़ाद घूम रहा है तो तुम्हें नहीं लगता कि एक पब्लिक अनाउंसमैन्ट शहर की मासूम आवाम के हित में है।”

“हमें, हमारे महकमे को जो लगता है वह मैं तुम्हें बता चुका हूँ। वैसे इस मुद्दे पर चीफ ऑफ पुलिस की मेयर से बातचीत चल रही है।”

“मुझे उससे कोई मतलब नहीं। हमारी प्रेस की भी कोई ज़िम्मेदारी बनती है और हमसे ये उम्मीद रखना कि हम ऐसे संगीन मामलों में पुलिस महकमे की दिखाई लाइन को आँखें मूंदकर टो करेंगे, बेवकूफी है।”

“अगर ऐसा है तो मैं तुम्हें नहीं रोक सकता।”—बेगलर ने दोनों हाथ हवा में लहराते हुए कहा।

“वहाँ मौका-ए-वारदात के पास ही हिप्पियों की एक बस्ती बताई जा रही है। वहाँ से कुछ पता चला?”

“पिछली रात हमने वहाँ अपने अफसरों को भेजा था और तहकीकात चल रही है। फिलहाल इतना कहना ठीक रहेगा कि बस्ती में मौजूद सभी लोगों के नाम पते दर्ज कर लिए गए हैं और उन्हें बड़े सब्र से, तरतीब से चैक किया जा रहा है। अभी चूंकि इस पर काम चल रहा है सो इस बाबत अभी कुछ जानकारी शेयर करना जल्दबाज़ी होगा।”

“ऐसा लगता है कि पुलिस जनता से कुछ छिपा रही है।”

“ये आज़ाद मुल्क है मेरे दोस्त और तुम्हें अपनी मुख्तलिफ राय रखने का पूरा हक है।”—बेगलर ने मुस्कुराकर कहा।

“बेग”—हैमिल्टन ने चिढ़कर कहा—“तुम ज़रूर कुछ छिपा रहे हो और प्रेस को ये समझाना चाहते हो कि तुम कुछ नहीं जानते।”

“मैंने पहले ही कहा है कि तुम्हें अपनी मुख्तलिक राय रखने का पूरा हक है। मैं अपनी ओर से, अपने महकमे की ओर से, तुम्हें ये आश्वासन देता हूँ कि जैसे ही हमें कोई जानकारी मिलेगी, हम उसे प्रेस के माध्यम से पब्लिक के साथ शेयर करेंगे।”

“पुलिस का प्रेस के साथ ऐसा रवैया ठीक नहीं।”

“ये तुम्हारी निजी राय है और तुम्हारी मर्ज़ी से हम अपनी इन्वेस्टीगेशन नहीं चला

सकते”—बेगलर ने कुटिलतापूर्वक कहा और अपनी मेज़ पर कागज़ों के ढेर की ओर संकेत करते हुए कहा—“हम अभी सभी सूचनाओं को चैक कर रहे हैं। कत्ल का शिकार बनी वो लड़की भले ही एक मामूली वेश्या थी, लेकिन फिर इसी वजह से हमारा महकमा हाथ पर हाथ धरकर नहीं बैठ गया है। हम उसके कातिल को पकड़ने और उसे उसके वाजिब अंजाम तक पहुँचाने को दृढ़प्रतिज्ञ हैं।”

“ठीक है”—हैमिल्टन ने हारकर कहा—“क्या लड़की का कोई फोटो हासिल हो सकता है?”

बेगलर ने एक पोलोरायड प्रिन्ट उसकी ओर बढ़ा दिया। हैमिल्टन ने हाथ बढ़ाकर फोटो पकड़ा और उसे गौर से देखा।

“हूँ—मैं समझ गया तुम्हारा अंदाज़ा सही है और मैं इस बात से इत्तेफाक रखता हूँ कि शिकार कोई वेश्या ही दिखती है।”

इसी वक्त जब पुलिस हैडक्वार्टर में यह वार्तालाप हो रहा था, ठीक उसी वक्त जैकोबी अपने साथ लेपस्कि को लिए जेन्ट्स टेलर्स की दुकानों में धक्के खा रहा था। अपनी इसी ड्यूटी को भुगतते जब वे दोनों पांचवीं दुकान पर पहुँचे तो वहाँ के मोटे, अधेड़ मालिक मिस्टर लेवाइन ने फौरन उस गोल्फबॉल जैसे बटन को पहचाना।

“मिस्टर लेपस्कि”—उसने कहा—“यह हमारी दुकान की एक खास स्पेशेलिटी है।” और उसने उनके सामने एक जैकेट रखी जिस पर वैसे ही गोल्फ बॉल वाले बटन लगे थे।

“क्यों, है न लाजवाब आइडिया?”—उसने दाँत दिखाते हुए कहा।

“मिस्टर लेवाइन”—लेपस्कि ने कहा—“हमें एक सिलसिले में इस बटन के मालिक की तलाश है, तो क्या तुम इन जैकेट के खरीदारों के नाम बता सकते हो?”

“जी—अभी लीजिए। हम अपनी तमाम सेल का रिकार्ड मैन्टेन करते हैं।”—कहकर वह भीतर अपने ऑफिस में चला गया।

पीछे जैकोबी और लेपस्कि वहाँ मौजूद जैकेटों को देखने लगे। जैकेटें बढ़िया थीं, मज़बूत थीं और लैपस्कि का मन भी था कि एक ऐसी ही जैकेट अपने लिए भी खरीदे लेकिन फिर उसे अपनी खूबसूरत बीवी का ख्याल हो आया। बीवी जो खूबसूरत तो थी लेकिन साथ ही झगड़ालू, जिद्दी और अफसराना भी थी जिसे अपने खाविंद की हर बात में मीन-मेख निकालने की बड़ी बुरी आदत थी।

तभी लेवाइन लौट आया।

“क्या कोई गड़बड़ है मिस्टर लेपस्कि?”—उसने एक कागज़ उनकी ओर बढ़ाया जिस पर उन चार ग्राहकों के नाम थे जिन्होंने वो जैकेट खरीदी थी।

“नहीं, कुछ खास नहीं मिस्टर लेवाइन”—लेपस्कि ने कागज़ का वो पुर्ज़ा थामते हुए कहा

—"आपके इस सहयोग का शुक्रिया।"

दोनों वापिस अपनी पुलिस कार में आ बैठे और हासिल लिस्ट पर निगाह डालने लगे।

"केन ब्रैन्डन"—लेपस्कि ने यकायक उत्तेजित होते हुए कहा—"लिस्ट में मौजूद उसका नाम ही उसकी वहाँ घटनास्थल पर मौजूदगी को स्थापित करता है।"

"अभी नहीं—अभी नहीं"—जैकोबी ने शान्त स्वर में कहा—"अभी तो हमें यह भी नहीं पता कि उसकी जैकेट का ऐसा कोई बटन गायब है भी या नहीं।"

"मैं शर्त लगा सकता हूँ"—लेपस्कि ने कहा—"पिछली रात वो यकीनन वहाँ उस केबिन में उस लड़की के साथ था। वो दोनों एक साथ एक ही दफ्तर में काम करते हैं और ऐसे में उनके बीच इस किस्म के ताल्लुकात बन जाना कोई गैर-मामूली बात नहीं। मैंने खुद उस हाहाकारी लड़की को केवल दस मिनट देखा था और उतने में ही मेरा मामला गड़बड़ा गया था और ब्रैन्डन तो सारा दिन उसके साथ उस छोटे से दफ्तर में गुज़ारता है सो, मैं दावे के साथ कह सकता हूँ कि वो पिछली रात उस केबिन में कॉरेन के साथ मौजूद था।"

"हो सकता है, लेकिन यह उसके खिलाफ कोई खास सबूत नहीं।"—जैकोबी ने कहा—"मैं उसे निजी तौर पर जानता हूँ और मुझे नहीं लगता कि किसी मामूली वेश्या को यूँ इस तरह चीर-फाड़ देने लायक हिम्मत उसमें है।"

"लेकिन उसकी वहाँ घटना स्थल के आसपास मौजूदगी उसे संदेह के उस दायरे में तो लाती ही है जिसमें हम कातिल को मार्क करने की कोशिश कर रहे हैं।"

"हाँ—वो तो है"—जैकोबी ने हामी भरी और पूछा—"तो अब इस मामले पर आगे क्या किया जाए?"

"हम पूरे मामले पर अपनी रिपोर्ट आगे चीफ को देंगे।"— लेपस्कि, जो इस नई हासिल जानकारी के आधार पर कुछ कर गुज़रने को अमादा था, ने कहा—"आगे अगर वो राज़ी हुआ तो मैं खुद ब्रैन्डन से पूछताछ कर उसकी बखिया उधेड़ूंगा।"

"ठीक है—लेकिन उससे पहले क्या हमें इन खास बटनों वाले बाकी के तीन जैकेट के मालिकों से नहीं मिलना चाहिए?"

"हाँ—लेकिन पहले देखें तो सही वो तीन हैं कौन?"— लैपस्कि ने कागज़ का वो पुर्ज़ा संभालते हुए कहा—"सैम मैक्री—डिप्टी कमिश्नर ऑफ वर्क्स।"

"वह तो पिछले हफ्ते से न्यूयार्क में है।"

"हाँ—उसे छोड़ो। अगला नाम....हैरी बेन्टले का है जो गोल्फर है।"

"हैरी...."

"मैं उसे जानता हूँ और मानता हूँ, कि उस पर शक करना वक्त की बर्बादी है लेकिन फिर

भी मैं उसे चैक करूँगा।"

"हम्म....और तीसरा नाम! वो कौन है?"

"साइरस ग्रेग।"

"साइरस ग्रेग....! क्या ये वही आदमी नहीं जो पांच महीने पहले एक सड़क हादसे में मारा गया था? वो काफी पैसे वाला था सो अब उसकी मौत के बाद उसका नाम लिस्ट में होना न होना, बराबर ही है।"

"तो उसे भी निकाल दिया जाए।"

"हाँ।"

"तो अब ऐसे में तो सिर्फ ब्रैन्डन ही बचता है।"

"मुझे याद है"—जैकोबी ने जैसे उसे सुना ही नहीं—"ग्रेग नए-नए फैशनेबल कपड़ों का शौकीन था। पता नहीं उसकी बीवी ने उनका क्या किया होगा।"

"बढ़िया—ऐसे ही ख्वाबों में खोए रहोगे तो पकड़ लिया हमने उस वहशी कातिल को!"

जैकोबी हड़बड़ाया।

"अब अपने ख्वाब से बाहर निकलो और कुछ हाथ-पाँव हिलाओ। मैं हेनरी बेन्टले को थामता हूँ और तुम ग्रेग के बारे में और मालूमात हासिल करो। फिर हम एक साथ एक ही बार पुलिस चीफ को रिपोर्ट देंगे।"

"ठीक है"—जैकोबी ने कहा और कार से उतर गया।

"याद रखना"—लेपस्कि ने कार बढ़ाते हुए कहा—"एक वहशी कातिल इस शहर की गलियों में आज़ादी और पूरी बेबाकी के साथ अपने शिकार की तलाश में निकला हुआ है और हमारे ऊपर, हमारे महकमे पर इस शहर की मासूम आवाम को कुछ भरोसा है। हमें उस भरोसे पर खरा उतरना है।"

"जी हाँ—मैं समझता हूँ।"

"बढ़िया—तो काम पर लग जाओ।"—लैपस्कि ने कार दौड़ा दी।

पीछे जैकोबी वापिस लेवाइन की दुकान पर पहुँचा।

"मिस्टर ग्रेग ने इत्तेफाकन जिस दिन इस जैकेट को खरीदा था, उससे ठीक अगले दिन उनकी एक हादसे में मौत हो गई थी।"—लेवाइन ने बताया—"मुझ याद है कि कैसे मिस्टर ग्रेग कोई सात महीने पहले यहाँ आए थे और उन्होंने इस जैकेट को खरीदा। अगली सुबह जब वो अपने दफ्तर जाने के लिए निकले तो किसी ने चोरी की कार उनकी कार में दे मारी। नतीजतन मिस्टर ग्रेग की वहीं मौके पर ही मौत हो गई।"

जैकोबी को भी वह हादसा याद था।

वो एक पुलिसवाला था और उसके शहर में ऐसे हादसे होना कोई आम बात या कोई रोज़-रोज़ घटने वाली घटना नहीं थी। वो शहर के एक रसूखदार शख्स की हादसे में हुई मौत का मामला था जो उन दिनों मीडिया में पूरी तरह छाया रहा था।

और इसीलिए जैकोबी को भी इस घटना की याद थी।

"पता नहीं मिस्टर ग्रेग की जैकेट का क्या हुआ होगा?"

"अब ये तो मुझे भी नहीं मालूम लेकिन हाँ, मिस्टर ग्रेग अपने पूरे वार्डरोब के लिए यहाँ मेरी दुकान पर ही निर्भर करते थे। उनके पास यहाँ से खरीदी गई ढेरों जैकेटें और सूट थे और अब जब उस दुखद हादसे में उनकी मौत हो गई है तो मुझे लगता है कि मिसेज ग्रेग ने वो सारे कपड़े किसी को दे दिए होंगे। मिस्टर ग्रेग के पास मोटा पैसा था लेकिन फिर भी—वो अपनी बीवी और अपनी औलाद—दोनों से परेशान थे।"

"क्या मतलब?"

"यह बात अपने तक ही रखिएगा मिस्टर जैकोबी"— लेवाइन ने राज़दार आवाज़ में कहा—"मैं और मिस्टर ग्रेग बहुत अच्छे से एक दूसरे को जानते थे और हमारे आपसी ताल्लुकात एक दुकानदार और ग्राहक के ताल्लुकातों से कहीं बढ़कर थे। हम अक्सर अपनी ज़िन्दगी में घट रहीं घटनाओं को एक दूसरे से शेयर करते थे और दोस्ती के उन्हीं पलों में मिस्टर ग्रेग ने यह बात मुझे खुद बताई थी।"

"मामला क्या है?"

"दरअसल मिस्टर ग्रेग ने कहा था कि उनकी बीवी— मिसेज़ ग्रेग—एक अजीब किस्म की औरत है जिसने उन पर— अपने पति पर—कभी कोई गौर नहीं किया। हालांकि खुद मिस्टर ग्रेग एक बढ़िया इंसान थे लेकिन उनकी बीवी को अपने खाविंद से ज़्यादा अपनी औलाद में दिलचस्पी थी। जिस दिन से उनके घर में उनका बेटा पैदा हुआ था, मिसेज़ ग्रेग ने अपनी सारी तवज्जो अपने बेटे पर केन्द्रित कर दी और अपने खाविंद से पूरी तरह विमुख हो गई थीं।"

"ओह....तो ये बात है। मिस्टर ग्रेग ने और भी कुछ कहा था क्या?"

"नहीं....लेकिन उल्टा मैंने ही उन्हें ये राय दी थी कि इन हालातों में वो अपने लिए किसी महिला दोस्त से रिश्ते बना लें, लेकिन मिस्टर ग्रेग खुदा का खौफ खाते एक पक्के कैथोलिक थे, सो उन्होंने मेरी इस राय को खड़े पैर नामंजूर कर दिया था।"

"ओह!"

"मिस्टर ग्रेग ने अकूत दौलत तो कमाई लेकिन बदकिस्मती देखिए कि यही दौलत उनके पारिवारिक जीवन की गुत्थियों को सुलझाने में कोई मदद न कर सकी। मिस्टर ग्रेग एक

अरसे से अपनी मौजूदा जिन्दगी से नाखुश थे और उनकी यही फ्रस्ट्रेशन तब और बढ़ जाती थी जब उन्हें ये अहसास होता था कि उनका उनकी बीवी पर कैसा भी कोई होल्ड अब नहीं था। अपने बेटे के पैदा होने के बाद मिसेज़ ग्रेग की दुनिया अब बस वही बेटा था और उस दायरे में, उस घेरे में मिसेज ग्रेग के लिए उनके पति की भी कोई हिस्सेदारी नहीं थी।"

"हम्म....और मिस्टर ग्रेग का ये बेटा करता क्या है?"

"मालूम नहीं....मैं उसके बारे में कुछ नहीं जानता।"

"ठीक है"—जैकोबी ने उठते हुए कहा—"शायद मिसेज ग्रेग खुद बता सकें कि उन्होंने अपने पति की हादसे में हुई मौत के बाद उनकी उस जैकेट का क्या किया था।"

"ओह—तो तुम उनसे पूछताछ करने की सोच रहे हो?"

"हाँ।"

"ठीक है—लेकिन होशियार रहना। वो औरत पैसे वाली तो है ही लेकिन साथ में बेहद रूखी मिजाज़ की भी है। मुझे लगता है कि किसी भी मामले में किसी पुलिसवाले का उसके घर यूँ लपके आना उसे कोई खास पसंद नहीं आने वाला।"

"हम्म....शुक्रिया, हम इस बात का ध्यान रखेंगे। वैसे वो रहती कहाँ है?"

"मिस्टर ग्रेग की मौत के बाद माँ-बेटे ने अपना बड़ा मकान, वो मैंशन तो बेच दिया था और आजकल वो दोनों ऐकेशिया ड्राइव पर बने एक कदरन छोटे मगर खूबसूरत मकान में शिफ्ट हो गए हैं।"

"ठीक है....शुक्रिया मिस्टर लैवाइन।"—जैकोबी ने कहा और वहाँ से पुलिस हैडक्वार्टर के लिए लौट पड़ा।

मिस्टर लेवाइन से हासिल जानकारी की रू में, उसे यही ठीक लगा कि मिसेज ग्रेग जैसी खब्ती औरत से की जाने वाली कैसी भी कोई पूछताछ खुद उसे करने के बजाए सीधे लेपस्कि को ही करनी चाहिए।

¶¶

केन ब्रैन्डन ने धड़कते दिल से कॉरैन पर निगाह डाली।

"क्या तुम्हें यकीन है?"—उसने फंसे स्वर में पूछा।

"हाँ"—कॉरेन ने कहा—"वह वही कमीना है जो हमें उस रात वहाँ मिला था और हालांकि आज उसने अपनी दाढ़ी को हल्का कर छाँट लिया हुआ है लेकिन इसके बावजूद भी मैंने उसे फौरन पहचाना था।"

“हे भगवान!”—ब्रैन्डन ने अपना सिर थाम लिया—“अब ये कमीना यहाँ क्या करने आया होगा?”

“वह मुझे चैक करने आया होगा।”

“आखिरकार उसकी यूँ यहाँ आने की कोई और वजह क्या होगी?”

“वो तो कहना मुहाल है लेकिन उसका यूँ यहाँ आना इस बात को तो साफ कर ही देता है कि उसका फिलहाल पुलिस के पास जा पहुँचने का कोई इरादा नहीं।”

“तो उसके दिमाग में कोई और फितूर होगा वरना वो यहाँ आता ही क्यों?”

“तुम इतना घबरा क्यों रहे हो केन?”—कॉरेन ने उसकी आँखों में झाँकते हुए पूछा।

“तुम....तुम समझती नहीं हो कॉरेन”—केन ब्रैन्डन ने कहा—“मैं एक शादीशुदा आदमी हूँ और इस तरह तुम्हारे साथ किसी स्कैण्डल में मेरा नाम आना मेरी उस शादीशुदा ज़िन्दगी को पूरी तरह बर्बाद कर सकता है।”

“तुम्हारा दिमाग खराब हो गया है केन”—कॉरेन की आँखों में चिड़चिड़ाहट उभरी—“अपनी बीवी से बेवफाई करने वाले तुम दुनिया के कोई पहले मर्द नहीं हो और दुनिया में लाखों मर्द आए दिन ऐसा करते हैं, फिर करते हैं, फिर के बाद फिर करते हैं—लेकिन इसके बावजूद कोई तुम्हारी तरह यूँ शहीद बनकर नहीं दिखाता।”

“तुम मेरी हालत को ठीक से समझ नहीं रहीं”—केन ने डेस्क पर घूँसा मारते हुए कहा—“अगर हमारी उस रात की जुगलबन्दी की खबर तुम्हारे बाप या मेरी बीवी दोनों में से किसी के भी कान में पड़ गई तो मैं पूरी तरह बर्बाद हो जाऊँगा।”

“अगर तुम्हें सचमुच इसकी इतनी ही दहशत थी तो तुम्हें उस दिन मेरे केबिन में चलना ही नहीं चाहिए था”—कॉरेन ने लंबी साँस छोड़ी और कहा—“खैर, मुझे अभी काफी काम है, सो मैं अपनी टेबल पर जा रही हूँ।”

उसने कहा और पलटकर अपनी डेस्क की ओर चली गई।

केन पीछे स्तब्ध खड़ा रहा।

उसे समझ नहीं आ रहा था कि वो कैसे इस झंझट से निकले।

अपनी कुलीग के साथ कुछ वक्त बिताने के क्षणिक आवेश में लिए गए उसके एक फैसले ने आज उसकी हालत बिगाड़ दी थी। हालात बड़ी तेजी से उसके काबू से बाहर जा रहे थे और वह खुद को उस भुन्गे की तरह महसूस कर रहा था जो किसी मकड़ी के जाल में जा फंसा हो। जहाँ वो इस जाल से निकलने की अपनी कोशिश में जितने हाथ-पाँव मारता था, उतना ही गहरा उसमें फँसता जाता था।

तभी अचानक टेलिफोन की घण्टी बजी।

उसकी तंद्रा भंग हुई।

उसने हाथ आगे बढ़ाकर रिसीवर उठाया।

"हैलो।"—उसने रिसीवर को चेहरे के पास लाकर कहा।

"ब्रैन्डन"—दूसरी ओर से स्टर्नवुड की आवाज़ उभरी— "मुझे पता चला है कि तुम अपनी नई पोस्टिंग के अपने असाइनमैन्ट्स पर बड़ी मेहनत से काम कर रहे हो।"

"सर, मैं अपनी ओर से हमेशा ईमानदाराना कोशिश ही करता हूँ।"

"बहुत बढ़िया ब्रैन्डन"—आवाज़ आई—"मैं हमेशा से तुम्हारे इस कैलिबर को पहचानता था। मुझे यकीन था कि अगर तुम्हें कोई नई ज़िम्मेदारी दी जाए तो तुम उसे बढ़िया तरीके से निभा सकते हो। मैं तुमसे बहुत खुश हूँ ब्रैन्डन।"

"ओ....थैंक यू सो मच मिस्टर स्टर्नवुड।"

"और मेरी बेटी कैसे काम कर रही है....वह थोड़ी मूडी है लेकिन वहाँ ऑफिस में तुम इंचार्ज हो सो तुम उस पर, उसके ऑफिस आवर्स में कण्ट्रोल रख सकते हो। हालांकि वह अपने काम में माहिर है और मुझे लगता है कि तुम उसकी ओवरऑल परफार्मेन्स से निराश नहीं होओगे।"

"ओवरऑल परफार्मेन्स?"—केन ने सोचा—"उसकी ऐसी परफार्मेन्स है कि अब मैं क्या कहूँ!"

"केन"—स्टर्नवुड की आवाज़ उभरी—"क्या तुम लाइन पर हो।"

"जी मिस्टर स्टर्नवुड"—ब्रेन्डन अपने ख्यालों से निकला और बोला—"वह बढ़िया काम कर रही है।"

केन हालांकि कहना चाहता था कि कॉरेन का वहाँ से तबादला कर दिया जाए लेकिन ऐसा कह सकने की उसकी हिम्मत न हुई।

"बढ़िया"—स्टर्नवुड ने कहा—"ऐसे ही बढ़िया काम करते रहो ब्रैन्डन और कंपनी की ओर से मैं तुम्हें यकीन दिलाता हूँ कि तुम्हें तुम्हारी इस मेहनत की पूरी उजरत दी जाएगी।"

"शुक्रिया मिस्टर स्टर्नवुड।"

"आगे भी मेहनत करते रहो और वक्त पर अपनी रिपोर्ट पेश करना न भूलना।"

"जी मिस्टर स्टर्नवुड....मैं आपको निराश नहीं करूँगा।"

"बढ़िया।"—स्टर्नवुड ने कहा और कॉल काट दी।

केन ने रिसीवर यथास्थान टिकाया और एक निगाह अपनी कलाई घड़ी पर डाली।

छः बजने में पांच मिनट थे।

अगर वो चाहता तो अपना दफ्तर तभी बन्द कर सकता था लेकिन अभी उसके पास इतना काम पैन्डिंग था कि उसे और कम से कम आधा घन्टा लगने वाला था।

तभी कॉरेन ने उसके केबिन के दरवाज़े पर नॉक किया। केन ने निगाह उठाई तो पाया कि वो दरवाज़े पर मुस्कराती हुई खड़ी थी।

"मुझे किसी से मिलने जाना है"—उसने कहा—"तो फिर कल मिलते हैं।"

"ठीक है।"—केन ने कहा।

"ओह केन"—कॉरेन बोली—"यूँ इस तरह मातमी सूरत बनाए रखने से कुछ हासिल नहीं होगा। तुम चिंता मत करो, जल्दी ही सब ठीक हो जाएगा।"

"हूँ।"

"ओके—बाई फॉर नाओ।"—कहकर वह बाहर मेन डोर की ओर बढ़ गई।

पीछे केन उसके जाते हुए कदमों की आहट सुनता हुआ सोच रहा था कि क्या वाकई वो परिस्थितियों को, इन परेशानियों को बढ़ा-चढ़ाकर आँक रहा था?

उधर कॉरेन अभी काऊण्टर तक ही पहुँची थी कि ठिठक गई।

लू बून दफ्तर में दाखिल हो रहा था।

कॉरेन फौरन सतर्क हो गई।

उसने खुद को संभाला और अपने चेहरे पर व्यवसायिक मुस्कुराहट लाते हुए बोली—

"वैल....सर, आज के लिए दफ्तर बन्द हो चुका है सो कृपया करके आप कल आएँ।"

लू फौरन समझ गया कि लड़की उसे पहचान चुकी थी।

"मेरा काम बहुत ज़रूरी है बेबी"—उसने दफ्तर के दरवाज़े को अपने पीछे बन्द किया और कुण्डी लगाते हुए बोला—"वैसे अभी ब्रैन्डन यहीं है न?"

"हाँ—क्या तुम उससे मिलना चाहते हो?"—कॉरेन ने कहा—"और तुम्हारा नाम क्या है?"

"लू नाम है मेरा"—उसने आगे बढ़ते हुए कहा—"और मैं अकेले उसी से नहीं बल्कि तुम दोनों से इकट्ठा मिलना चाहता हूँ।"

"क्यों?"

“बस ज़रा ये पूछना चाहता था कि उस रात केबिन में हुए उस मौज-मेले में कोई कसर बाकी तो नहीं रह गई थी!”

भीतर बैठे ब्रैन्डन तक यह सारा वार्तालाप पहुँच रहा था।

वह सिहर उठा।

किसी अनजान भावना से उसने अपनी मेज़ के दराज़ में रखे रिकार्डर का स्विच ऑन कर दिया।

अपने क्लायन्टों से बातचीत के दौरान वह अक्सर इसका इस्तेमाल करता था कि बाद में पूरा वार्तालाप सुनकर वह पक्का कर सके वह कोई ज़रूरी बात भूल तो नहीं गया है।

उसने दराज़ को खुला छोड़ दिया और उठकर अपने केबिन के दरवाज़े पर पहुँचा।

“हैलो दोस्त”—लू उसकी ओर देखकर धूर्तता से मुस्कराते हुए बोला—“तो कल रात की मौजमस्ती बढ़िया रही न?”

“कौन हो तुम”—केन ने पूछा—“और क्या चाहते हो?”

“तुम्हें बखूबी पता है कि मैं कौन हूँ।”—लू ने कहा— “आओ—बैठकर बात करते हैं।”

केन ने उसे अपने केबिन में सामने कुर्सी पर बैठने का इशारा किया और खुद भी भीतर आ गया।

पीछे-पीछे कॉरेन भी केबिन के दरवाज़े पर आकर खड़ी हो गई।

केन अपनी कुर्सी पर आ बैठा।

मेज़ की दराज़ पूर्ववत खुली रही।

“आओ बेबी”—लू ने कॉरेन की ओर देखते हुए कहा— “तुम भी यहीं आ जाओ....क्यों खड़े रहकर अपने खूबसूरत पैरों को थका रही हो।”

“बको मत....” कॉरेन भीतर फाइल केबिनेट के पास आकर खड़ी हो गई और बोली —“अपनी बात पूरी करो और अपने काम से काम रखो।”

“लो—तुम तो नाराज़ हो गईं।”—लू ने कहा—“पर मुझे तुम्हारा ये अक्खड़पना पसंद आया।”

“बेहतर होगा कि हम मुद्दे की बात करें।”—केन ने मिमियाते हुए कहा।

“ठीक है”—लू ने अपने दोनों हाथ हवा में लहराए—“तो फिर मैं सीधे-सीधे काम की बात पर आता हूँ।”

“हम सुन रहे हैं।”—कॉरेन ने कहा।

“मैं तुम दोनों के बारे में सब जानता हूँ।”—लू ने दोनों पर बारी-बारी से निगाह डालते हुए कहना शुरू किया—“पिछली रात तुम दोनों के फन-टाइम के दौरान वहीं तुम्हारे उस प्रेम घरौंदे के नज़दीक एक घटिया औरत का लाइफ टाइम पूरा हो गया था।”

“तो इससे हमें क्या?”—कॉरेन ने कहा

“तुम्हें इस बाबत चिंता होनी चाहिए बेबी कि जब उस औरत का उस रात कत्ल हुआ था तो उसी वक्त मौकाए वारदात के आसपास तुम दोनों भी मौजूद थे। याद करो कि तुम दोनों जब मुझे वहाँ टकराए थे तब भी ब्रैन्डन”—उसने केन की आँखों में झांकते हुए कहा—“का चेहरा झक सफेद पड़ा हुआ था और हालांकि उस वक्त मुझे उसकी वजह चाँद की रोशनी लगी थी लेकिन अब मैं जानता हूँ कि वो वजह चाँद की रोशनी नहीं बल्कि कुछ और ही थी। तुम दोनों ने मुझे पैडलर्स क्रीक का रास्ता बताया था और अपनी उस मुख्तसर सी बातचीत में ही मैंने तुम दोनों में उस असहजता को भांप लिया था।”

“हमने कोई कत्ल नहीं किया।”—केन ने धीमे स्वर में कहा।

“मैं जानता हूँ कि तुम दोनों में से कोई भी कातिल नहीं है लेकिन मैं यह भी जानता हूँ कि ये वो तुम दोनों ही थे जो वहीं पास के उस केबिन, उस लवनैस्ट में ऐश कर रहे थे। आज सुबह-सुबह पुलिस मुझ तक पहुँच गई थी और मुझसे इस मामले में पूछताछ हुई है लेकिन इस शहर की पुलिस की असली दिक्कत यही है कि वो अपनी किसी भी कोशिश के बावजूद मुझ पर कातिल होने का इल्ज़ाम नहीं लगा सकते। उन्होंने मेरे मौजूदा ठिकाने की भरपूर तलाशी ली है और अब इन हालातों में मैं उनकी उस संभावित कातिल के नामों वाली फेहरिस्त से बाहर हूँ।”

“तुम हमसे क्या चाहते हो?”—कॉरेन ने अधीर होते हुए पूछा—“और इन सब बातों से हमारा क्या मतलब?”

“मतलब है”—लू ने गर्जकर कहा—“पुलिस ने मुझसे की गई पूछताछ में मेरे पिछली रात के मूवमैन्ट्स के बारे में भी सवाल किए थे और उन्हीं सवालों में से एक के जवाब में मैंने उन्हें कह दिया कि पिछली रात हिप्पी कॉलोनी की ओर आते समय मुझे वहाँ रास्ते में—मौकाए वारदात के आसपास—कोई नहीं मिला था।”

“हाँ तो फिर....”—कॉरेन ने कसमसाते हुए पूछा।

“तो फिर ये बेबी”—लू ने दाँत चमकाते हुए कहा—“कि तुम दोनों बखूबी जानते हो कि मेरा पुलिस को दिया बयान झूठा है और ऐसा झूठ बोलकर मैंने तुम दोनों पर एक अहसान किया है।”

“तुम्हारी इस दरियादिली का शुक्रिया”—कॉरेन ने कठोरता से कहा—“और अब जब तुम अपनी इस मदद के लिए, हमारे पर किए गए अहसान के लिए, हमसे शुक्रिया बटोर चुके

हो तो चलते फिरते नज़र आओ।”

“वैल बेबी”—लू ने धैर्यपूर्वक कहा—“ऐसी भी क्या जल्दी है, मैं पहले अपनी बात तो पूरी कर लूँ।”

“बको जो बकना चाहते हो लेकिन तुम्हारी बकवास सुनने के लिए हम यहाँ हमेशा नहीं बैठे रह सकते। हमें और भी काम हैं।”

माहौल में यकायक आई उस गर्मी ने लू के लिए स्थिति थोड़ी असहज कर दी थी।

उसे लड़की से ऐसे हौंसले की उम्मीद कतई नहीं थी।

“सुनो-सुनो”—केन ने वार्तालाप का सूत्र अपने हाथ में लेते हुए कहा—“ऐसे तो ये मामला सुलझने से रहा”—उसने लू की ओर देखा और कहा—“और तुम जो कुछ भी कहना चाहते हो, साफ-साफ करो।”

“ठीक है”—लू ने केन की ओर देखा और कहा—“अब मैं साफ-साफ ही कहता हूँ।”

“जल्दी....हमें और भी काम करने हैं।”—कॉरेन ने चिढ़कर दूसरी ओर देखते हुए कहा।

“बेबी, ये देखते हुए कि मैंने तुम्हारे ऊपर कितना बड़ा अहसान किया है, तुम्हारी यह बद्तमीज़ी और ये बेहूदा रूखापन मुझे हैरान कर रहा है, लेकिन कोई बात नहीं। मुझे तुमसे कोई सद्व्यवहार नहीं बल्कि अपने उस अहसान के बदले कुछ और ही चाहिए।”

केन और कॉरेन ने कोई जवाब नहीं दिया।

“वैसे सच यह है कि”—लू ने आगे कहा—“अपनी मौजूदा बंजारों जैसी धक्के खाती ज़िन्दगी से मैं खुद बेज़ार हो चुका हूँ और अपनी इस बेहूदा लाइफ-स्टाइल को बदलने के लिए मुझे कुछ रकम की दरकार है और मैं जानता हूँ कि तुम दोनों इस बाबत मेरी मदद कर सकते हो....”

“तुम क्या जानते हो?”—कॉरेन ने फिर से बीच में टोकते हुए कहा—“तुम कुछ नहीं जानते।”

“ओह बेबी”—लू ने उसे घूरते हुए कहा—“मैं जानता हूँ कि तुम्हारा बाप इस शहर के रईसों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराता है और....”—लू ने केन पर निगाह डाली और कहा— “तुम और तुम्हारी बीवी—जो डाक्टर के यहाँ रिसेप्शनिस्ट की अच्छी खासी तनख्वाह की नौकरी करती है—की इतनी तो हैसियत है ही कि मेरा काम बन जाए।”

“तुम जानते हो तुम क्या कह रहे हो?”—कॉरेन ने चिढ़कर कहा—“तुम समझ रहे हो न कि जो तुम करना चाहते हो उसे ब्लैकमेल कहते हैं?”

“ओह बेबी”—लू ने कॉरेन पर निगाह डाली और कहा—“मैं सिर्फ़ वो कह रहा हूँ जिससे हम तीनों ही एक दूसरे की मदद से इस सारे झंझट से दूर रह सकें। मैं तुम दोनों के लिए

दिए गए अपने उस मददगार बयान के बदले अपने लिए थोड़ी सी मदद मांग रहा हूँ और तुम इसे ब्लैकमेल का नाम दे रही हो।"

"ये ब्लैकमेल है—सीधे-सीधे ब्लैकमेल।"

"पड़े कहती रहो, लेकिन तुम्हारे कहने भर से तो ऐसा होने वाला नहीं।"

"हम पुलिस से तुम्हारी इस गैरकानूनी हरकत की शिकायत कर सकते हैं।"

"यकीनन। क्यों नहीं कर सकते, ज़रूर कर सकते हो, लेकिन अगर तुमने ऐसा किया तो मैं भी पुलिस को दिए अपने उस बयान को बदलने के लिए आज़ाद रहूँगा और वैसे भी"—उसने कॉरेन को घूरा—"मुझे पुलिस का सामना करने से बहुत डर लगता है। कौन जाने उस वक्त अपने डर की वजह से मैं पुलिस के आगे क्या कुछ बक दूँ। तुम ऐसा होते देखना चाहोगी?"

"सुनो-सुनो"—केन ने बीच में कहा—"तुम कहते हो कि तुम्हें हमसे कुछ रकम चाहिए....कितनी चाहिए?"

"देखो—मैंने तय किया है कि मैं इस पूरे मामले पर पुलिस के सामने अब दोबारा नहीं जाना चाहता बशर्ते कि मेरे इस अहसान के बदले तुम दोनों मुझे दस हज़ार डॉलर दे दो....बोलो क्या ख्याल है।"

यह सीधे-सीधे ब्लैकमेलर का अंदाज़ था और केन ने अपने बनाने वाले का शुक्रिया अदा किया कि पता नहीं कैसे, वक्त रहते, उसे यह अक्ल आ गई थी कि उसने रिकार्डर का स्विच ऑन करके ये सारा वार्तालाप रिकार्ड कर लेने की सद्बुद्धि दिखाई थी।

उसे अपनी मेज़ के खुले दराज में रखे रिकार्डर के घूमते हुए स्पूल साफ दिख रहे थे।

"तुम्हें हमसे एक दमड़ी भी नहीं मिलेगी।"—केन के जवाब देने से पहले ही कॉरेन बोल पड़ी।

"वैसे मैं जानता था कि तुम दोनों ऐसी कोई बेवकूफी की बात भी कह सकते हो सो"—उसने जेब से कागज़ के दो रुक्के निकालकर उन्हें केन और कॉरेन को देते हुए कहा—"मैं अब तुम्हें ये दिखाना चाहूँगा और जानना चाहूँगा कि आगे इस बाबत तुम दोनों के क्या ख्याल हैं!"

केन ने रुक्का थामकर उसे खोला।

रुक्का केन की बीवी के नाम था जिसमें लिखी तहरीर उसकी शादीशुदा ज़िन्दगी में आग लगा सकती थी।

उसमें लिखा था—

मिसेज़ ब्रैन्डन,

मेरे ख्याल से आपको अपने पति से पूछना चाहिए कि बाइस तारीख की रात को वो जनाब अपनी दफ्तर की कुलीग कॉरेन स्टर्नवुड के साथ उसके पैडलर्स क्रीक वाले केबिन में क्या कर रहे थे।

पर-स्त्री गमन में यकीन न रखने वाला आपका एक शुभाकांक्षी।

केन के छक्के छूट गए।

उसने कागज़ के उस रुक्के से निगाह उठाई और कॉरेन की ओर देखा।

कॉरेन अभी अपना कागज़ पढ़ रही थी, जिसमें लिखा था—

मिस्टर जेफरसन स्टर्नवुड,

अपनी बेटी से पूछिए कि बाइस तारीख की रात वो अपने पैडलर्स क्रीक वाले केबिन में अपने दफ्तर के कर्मचारी केन ब्रैन्डन के साथ क्या कर रही थी?

पर-स्त्री गमन में यकीन न रखने वाले एक शुभाकांक्षी की ओर से।

तभी लू उठ खड़ा हुआ और केबिन से बाहर की ओर चल पड़ा।

"तुम दोनों आपस में सलाह मशविरा कर लो"—उसने कहा—"मैं अब तीन दिन बाद आऊँगा और मुझे उम्मीद है कि तब मौजूदा हालातों की रू में तुम दोनों अपनी इस खस्ता पोज़िशन के मद्देनज़र मुझे मेरी माँगी दस हज़ार की रकम डिलीवरी को तैयार रखोगे।"

केन और कॉरेन—दोनों ने कुछ न कहा।

"और अगर"—लू ने उन्हें घूरा और अपने शब्दों को चबाते हुए कहा—"ऐसा न हुआ तो मजबूरन मुझे ये दोनों रुक्के तुम्हारे पते पर रवाना करने होंगे।"

कहकर लू दफ्तर से बाहर निकल गया।

पीछे अपने कांपते हाथों से केन ने रिकार्डर का स्विच ऑफ किया।

"तुमने ये सारी बातचीत रिकार्ड की है?"—कॉरेन ने उसके झक सफेद चेहरे पर निगाह डालते हुए पूछा।

"हाँ।"

"बढ़िया किया"—वो बोली—"लाओ अब ये टेप मुझे दे दो ताकि मैं इसे पुलिस के पास ले जा सकूँ।"

"क्या बकती हो!"—केन ने चीखते हुए कहा—"क्या पहले ही हम किसी कम मुसीबत में हैं जो तुम्हें ये नया शोशा खड़ा करने की सूझी है। पुलिस ने अगर उसे इस ब्लैकमेलिंग

की कोशिश में पकड़ भी लिया तो भी क्या होगा? उसका अंदाज़ बता रहा है कि वो ये काम कोई पहली बार नहीं कर रहा और उसे इस किस्म के गैरकानूनी कामों को करने का तजुर्बा है। पुलिस ने अगर उसे थाम लिया तो वह सबसे पहले मेरे और तुम्हारे सम्बन्धों की बाबत ही मुँह खोलेगा और उसके ऐसा करते ही मैं पूरी तरह बर्बाद हो जाऊँगा।"

"तुम्हारा मतलब है कि हमें उस कमीने को दस हज़ार डॉलर दे देने चाहिए?"

"मेरे पास इतनी बड़ी रकम नहीं है।"

"मेरे पास भी नहीं है और अगर होती भी तो भी मैंने उसे एक नया पैसा नहीं देना था। भेज लेने दो उसे वो चिट्ठियाँ। मेरा बाप इस मामले में जो हाय-हाय करेगा, जो वाही-तबाही बकेगा, मैं उससे निपट लूँगी। मैं रो-धोकर उसके सामने ऐसा ड्रामा करूँगी कि उसे यकीन हो जाएगा कि तुम्हारे-मेरे बीच ऐसा-वैसा कुछ नहीं है।"

केन ने जवाब नहीं दिया।

वो अभी भी सशंकित था।

शायद कॉरेन अपने बाप को संभाल सकती थी, लेकिन क्या वो भी अपनी बीवी को अपने वफादार पति होने का यकीन दिला सकता था?

उसे लगा कि वो ऐसा करने में अक्षम था।

ये उसके बस की बात नहीं थी।

"देखो केन"—कॉरेन ने घड़ी पर निगाह डाली और वहाँ से बाहर निकलते हुए कहा—"मुझे देर हो रही है सो मुझे फौरन निकलना होगा लेकिन जाने से पहले मैं बता दूँ कि ब्लैकमेलर को रकम देने का तो सवाल ही नहीं उठता। अब तुम क्या करोगे, ये तुम जानो, लेकिन बेहतर यही होगा कि तुम अपनी बीवी को भरोसे में लेकर ही कोई काम करो।"

"हूँ—मैं सोचूँगा कि मुझे क्या करना है?"

"ठीक है—सी यू टुमारो।"—कॉरेन ने हाथ हिलाकर कहा और बाहर निकल गई।

पीछे अब दफ्तर में केन अकेला था।

कॉरेन ने उसे सलाह दी थी कि वो अपनी पत्नी को भरोसे में लेकर ही कोई फैसला करे।

लेकिन कैसे?

कैसे वो उसे भरोसे में ले?

वो उससे सच नहीं बोल सकता था।

और उससे झूठ बोलने पर वह उल्टा उस मामले में और गहरा जा फंसता। अभी जो आग

उसके घर के बाहर लगी हुई थी, वही आग उसकी शादीशुदा ज़िन्दगी में उसके घर के भीतर तक पहुँच जाती।

फिर जैसे ही लू का लिखा वो रुक्का उसके हाथ लगता वो फौरन उसका झूठ पकड़ लेती।

ऐसा झूठ बोलने का न उसमें हौसला था और न तजुर्बा।

उल्टा ऐसा झूठ उसे उसकी बीवी की नज़रों में और गिरा देता।

पहले ही वो एक गलती कर चुका और अब झूठ बोलकर एक और गलती नहीं करना चाहता था।

इस ख्याल ने, कि बेट्टी उसके झूठ को पकड़ सकती थी, उसे पश्चाताप् और आतंक ने जकड़ लिया।

उसने बहुत सिर खपाया लेकिन आखिरकार इसी नतीजे पर पहुँचा कि इन हालातों में अब बेहतर यही था कि वो खुद बेट्टी के सामने जाकर सच्चाई कह दे।

और किसी तरह उसकी जान अब इस सांसत से नहीं निकल सकती थी।

उसने अपनी कलाई घड़ी पर निगाह डाली।

साढ़े छः बजे थे।

बेट्टी अब तक अपने काम से छुट्टी पाकर घर पहुँच चुकी होगी और अब अगर उसे अपनी गलती को सुधारना था तो फौरन घर जाकर बेट्टी के सामने वो कबूलनामा कर लेना चाहिए था।

जितनी जल्दी—उतना बढ़िया।

ब्रैन्डन ने अपना दफ्तर लॉक किया और कार स्टार्ट कर अपने घर की ओर रवाना हो गया।

वो शाम का वक्त था और शहर की सड़कों पर गाड़ियों की लम्बी कतारें रेंगती हुई आगे बढ़ रही थीं।

पूरे रास्ते केन बस यही सोचता रहा कि बेट्टी के सामने जाकर वह किन लफ्ज़ों में अपनी बेवफाई की हामी भरेगा और कैसे अपने किए पर शर्मिन्दा होकर दिखाएगा।

अपने दिमाग पर खूब ज़ोर डालकर भी वो तय नहीं कर पा रहा था कि अपने पश्चाताप् को वो किन शब्दों में कैसे कहेगा।

इसी उधेड़बुन में वह घर पहुँचा।

अपनी कार गैराज में पार्क करते हुए उसने देखा कि बेट्टी की कार पहले ही वहाँ मौजूद

थी।

साफ था कि बेट्टी पहले ही घर पहुँच चुकी थी।

उसने कार से बाहर निकलकर उसे लॉक किया, एक गहरी साँस ली और हौसला जुटाता भीतर लॉबी में पहुँचा।

“केन”—बेट्टी ने उसे वहाँ देखते ही कहा—“ओह डार्लिंग, तुम आ गए। मैं बस तुम्हें फोन करने ही वाली थी।”

केन ने महसूस किया कि बेट्टी पहले से परेशान लग रही थी।

“हे भगवान”—उसने सोचा—“क्या वो कमीना लू यहाँ आकर अपनी बकवास कर भी चुका था?”

“क्या बात है हनी”—प्रत्यक्षतः उसने धड़कते दिल से पूछा—“क्या कोई गड़बड़ है?”

“माँ का फोन आया था”—उसने रुआँसी हालत में कहा— “और वो कह रही थीं कि पापा को हार्ट अटैक आया है।”

बेट्टी के माँ-बाप एटलान्टा में रहते थे और उसके पिता शहर के एक जाने-माने अटार्नी थे।

खुद केन को उनसे बहुत लगाव था।

ये केन के लिए एक ऐसी खबर थी जिसके प्रभाव में वह एकबारगी तो अपनी मौजूदा दुश्वारी को भी भूल गया।

“क्या वो सीरियस हैं?”—उसने शॉक से उबरते हुए पूछा।

“हाँ, उन्होंने मुझे बुलाया है।”

“ओह!”

“तुम मुझे एयरपोर्ट छोड़ दो। मैंने अगले घण्टे उड़ने वाली फ्लाइट का टिकट ले लिया है।”

“हाँ....चलो।”

बेट्टी भीतर से अपना सूटकेस निकाल लाई।

केन ने सूटकेस कार में रखा और बेट्टी को एयरपोर्ट छोड़ने चल पड़ा।

“मैं तुम्हें अकेला छोड़कर जाना नहीं चाहती थी लेकिन मजबूरी है”—बेट्टी ने कहा—“तुम्हें परेशानी तो होगी लेकिन....”

“ओह नो—मेरी फिक्र न करो”—केन ने उसे तसल्ली दी—“बल्कि काश मैं भी तुम्हारे साथ चल पाता।”

बेट्टी की आँखों में आँसू आ गए।

केन कार ड्राइव करता रहा।

अब वो इस नए शॉक से उबर चुका था और एक बार फिर अपनी मौजूदा मुश्किल के बारे में सोच रहा था।

वो बेट्टी से इस बाबत बात करना चाहता था लेकिन उस काम के लिए यह सबसे ज़्यादा गैरमुनासिब वक्त था।

और फिर—

अगर बेट्टी एक हफ्ता घर से दूर रहे और इसी दौरान वो चिट्ठी उसके यहाँ डिलीवर हो जाए तो वो बड़ी आसानी से उसे नष्ट कर सकता था।

बढ़िया।

बेट्टी परेशान थी।

उसके पिता हस्पताल में ज़िन्दगी और मौत के बीच झूल रहे थे।

लेकिन इसके बावजूद—

केन ने अपार निश्चिंतता अनुभव की।

¶¶

चीफ आफ पुलिस—टेरेल—पुलिस हैडक्वार्टर में बने अपने दफ्तर में अपनी डेस्क पर पाइप पीता लेपस्कि द्वारा पेश की जा रही रिपोर्ट सुन रहा था।

“हमारी जांच में हमने हैरी ब्रेन्टले को क्लीयर पाया है”—अन्त में लेपस्कि ने कहा—“उस दिन वह पूरी शाम क्लब में मौजूद था। हमने खुद उसके इस दावे को क्रास-चैक किया है और पाया है कि उसका ये दावा सही है। इधर हमने उसकी जैकेट को भी चैक किया है और उसमें भी हमें कोई बटन गायब नहीं मिला है। अब इस हिसाब से हमारी संभावित कातिलों की फेहरिस्त में केवल दो नाम बचते हैं—मिस्टर ब्रेन्डन और मिस्टर ग्रेग। इनमें भी मुझे मिस्टर ब्रेन्डन पर ज़्यादा गहरा शक है।”

“उस पर खास नज़रे इनायत की वजह?”

“सर”—लेपस्कि ने सावधानी से अपने शब्दों को चुनते हुए कहा—“अब ये लगभग पक्का है कि मिस्टर ब्रेन्डन उस रात मिस्टर स्टर्नवुड की बेटी कॉरेन के साथ उसके केबिन में मौजूद थी। ऐसे में हमें शक है कि देर रात वहाँ से लौटते वक्त मिस्टर ब्रेन्डन वहाँ

मौकाए वारदात पर मौजूद रहे हो सकते हैं। उनके मामले में हम ये मानकर चल रहे हैं कि लौटते वक्त उन्होंने या तो लाश या कातिल या फिर दोनों को देखा था या फिर एक और वाइल्ड गैस करें तो उन्होंने खुद ये कत्ल किया हो।"

"हम्म....है तो ये वाइल्ड गैस ही लेकिन हो सकता है कि तीर निशाने पर ही जा लगे। अब इस मामले में तुम्हारा आगे क्या इरादा है?"

"सर—मैं इसी सिलसिले में आपसे आर्डर लेना चाहता हूँ। क्या ही ये ठीक होगा कि हम अपने अंदाज़े की बिना पर मिस्टर ब्रैन्डन पर दबाव डालकर कुछ पूछताछ करें।"

"न, अभी वो एक्सट्रीम स्टैप उठाने की स्टेज नहीं आई। फिलहाल उसकी जैकेट चैक करो"—टेरेल ने अधिकारपूर्ण स्वर में कहा—"पता करो कि वह कत्ल के किए जाते वक्त खुद को कहाँ मौजूद बताता है। मुझे यकीन नहीं होता कि ब्रैन्डन जैसा शादीशुदा जिन्दगी बिता रहा शख्स केवल वासना के क्षणिक आवेश में ऐसे जानवरों की मानिंद कत्ल करने पर उतारू हो उठे। ये किसी आम आदमी का काम नहीं है, बल्कि ये किसी वहशी का काम है। जिस हालत में हमें लड़की की लाश बरामद हुई है वो किसी खब्ती का, किसी पाशविक प्रवृत्ति वाले का ही काम हो सकता है और ब्रैन्डन को फिलहाल इस पैमाने पर रखना उसके साथ ज्यादती होगी। वो कत्ल कर सकता है लेकिन ऐसा वहशियाना कत्ल करने का माद्दा उसमें नहीं दिखता।"

"जी सर"—लेपस्कि ने सिर हिलाते हुए कहा—"वैसे इस मामले में मिस स्टर्नवुड से भी पूछताछ की जानी चाहिए। हमें शक है कि...."

"सुनो लेपस्कि"—टेरेल ने उसकी बात काटते हुए कहा—"स्टर्नवुड की लड़की अपने निजी वक्त में क्या करती है—इससे हमें कोई लेना-देना नहीं। उसका बाप इस शहर की नामी शख्सियतों में से एक है और अपनी अकूत दौलत के बूते बहुत कुछ कर सकता है। हम उसकी लड़की पर ऐसे ही हाथ नहीं डाल सकते वरना वो अपने वकीलों की फौज के बलबूते हमारे महकमे के कई बड़े अफसरों की कुर्सियाँ हिला देगा।"

"लेकिन हमें उस लड़की पर शक है...."

"नहीं लेपस्कि, केवल शक के बिना पर उस पर हाथ डालना एक नई मुसीबत मोल लेना होगा। हमारा महकमा इस कत्ल की वजह से पहले ही एक बड़ी मुसीबत में है। अब स्टर्नवुड की लड़की पर हाथ डालते ही एक नया स्कैण्डल खड़ा हो जाएगा और फिलहाल हमारा मकसद कातिल पकड़ना है, वो कातिल जो पागल है, वहशी है और फिर भी इसी शहर की किसी गली में छुट्टा घूम रहा है।"

"लेकिन सर...."

"लेपस्कि"—टेरेल ने अपना हाथ उठाकर उसे रोकते हुए कहा—"मैं उस लड़की की बाबत तुम्हें तभी कोई आर्डर इश्यू करूँगा कि जब उससे बात करने के लिए तुम्हारे पास तुम्हारे ये अंदाज़े नहीं, ये वाइल्ड गैस नहीं, बल्कि पुख्ता सबूत होंगे। इस एक मामले में हमें

बहुत होशियारी बरतनी होगी।”

“जी सर।”—लेपस्कि ने अनिच्छापूर्वक कहा।

“उस दूसरे कैण्डीडेट के बारे में तुम्हारा क्या ख्याल है?”

“सर—मिस्टर ब्रैन्डन के अलावा जो दूसरा कैण्डीडेट है वो मिस्टर ग्रेग है, बल्कि थे।”

“मतलब।”

“जी—उनकी कुछ अर्सा पहले मौत हो चुकी है।”

“और मिस्टर ग्रेग की वो जैकेट....?”

“जी—उनकी पत्नी ने अपने पति मिस्टर ग्रेग की मौत के बाद उनका सारा वार्डरोब, उनके सारे लिबास—जिसमें वो खास बटनों वाली विशेष जैकेट भी थी—दान में दे दिए होने का दावा किया है। अगर उनके इस धर्मार्थ के दावे को सच मान लिया जाए तो आगे वो खास जैकेट यूँ किसी के भी हाथ लग गई हो सकती है और वही अनजान शख्स अब कातिल भी हो सकता है।”

“हम्म....और ये मिसेज ग्रेग कैसी औरत है?”

“काफी घाघ है और अपनी पूछताछ में मैंने उनके बारे में जो कुछ सुना है, उस हिसाब से बेहद चालाक और खूब पहुँची हुई भी है।”

“इस शहर की तासीर बदल रही है बरखुरदार। आजकल यहाँ हर दूसरा शख्स कहीं न कहीं पहुँचा हुआ ही निकलता है। कमबख्त भले ही अपने ठिये से, अपने ठिकाने से न निकल पाते हों लेकिन अप्रोच ऐसी कि बिना निकले भी कहीं न कहीं पहुँच ज़रूर जाते हैं।”

“सही कहा सर—पहुँचे हुओं की यही तो पहचान होती है।”

“हाँ वो तो है। खैर तुम इस केस पर अपनी कार्यवाही जारी रखो और इस औरत, मिस्टर ग्रेग की धनाढ्य विधवा को भी ज़रा सावधानी से हैण्डिल करना।”

“सर।”

“एण्ड मेक श्योर यू कीप मी इन द लूप।”

“यस सर।”

“नाओ मूव अलांग।”

लेपस्कि ने उठकर अपने अफसर को सलाम ठोका और दफ्तर से बाहर निकल आया।

बाहर उसने अपनी कलाई घड़ी पर निगाह डाली।

आठ बजने को थे।

अब तक ब्रैन्डन घर पहुँच चुका होगा। लेपस्कि ने जैकोबी को पकड़ा और उसे अपने साथ लेकर ब्रैन्डन के बंगले आ पहुँचा।

केन एयरपोर्ट से लौट आया था और उस वक्त उसके दिमाग में लू बून नहीं बल्कि बेट्टी के पिता के ख्याल आ रहे थे। केन उनके बहुत नज़दीक था और उसे अहसास था कि उनके आखिरी वक्त में उसे उनके करीब होना चाहिए था।

ईश्वर करे वो ठीक हो जल्द वापिस घर लौटें।

तभी बाहर मेन डोर की बैल बजी।

केन अपने ख्यालों से बाहर निकला और बाहर मेन डोर पर पहुँचकर उसे खोला।

दरवाज़ा खोलते ही उसका दिल ज़ोर से धड़का।

अपने सफेद पड़े चेहरे पर आते घबराहट के भावों को छुपाने की जबरन कोशिश करते हुए वह दरवाज़े से पीछे हटा।

यूँ लेपस्कि और जैकोबी को अपने यहाँ यकायक पहुँचा देख वह बेहद आतंकित हो उठा था।

लेपस्कि ने उसकी उस हालत को फौरन भांप लिया और व्यवसायिक अंदाज़ में कहने लगा—

“मिस्टर ब्रैन्डन! मैं डिटेक्टिव लेपस्कि और मेरे साथ में डिटेक्टिव जैकोबी हैं जो अभी हाल ही में हुए एक कत्ल के सिलसिले में आपसे कुछ बात करना चाहते हैं।”

“ओह”—केन ने अपने को संभालते हुए कहा—“भीतर आइए।”

तीनों आगे पीछे चलते हुए भीतर लाऊंज में पहुँचे।

केन ने दोनों पुलिसवालों को वहीं रखे सोफे पर बैठने का इशारा किया और खुद भी एक दूसरे सोफे पर जा बैठा।

“जी कहिए—क्या कहना है?”—उसने संयत स्वर में पूछा।

“आप तो एक शानदार बंगले के मालिक निकले मिस्टर ब्रैन्डन।”—लेपस्कि ने अपने ठेठ पुलिसिए अंदाज़ में बात कहनी आरंभ की।

केन खामोश रहा।

उसके चेहरे से पसीना फूट रहा था और आँखें बारी-बारी से उन्हीं दोनों पर भटक रही थीं।

लेपस्कि ने जानबूझकर कुछ देर तक कुछ न कहा तो केन को कहना पड़ा—“कहिए!”

“वैल—जैसा कि मैंने कहा ही है कि हम एक कत्ल के मामले में तहकीकात कर रहे हैं सो उसी सिलसिले में हम दरअसल आपसे यह जानना चाहते थे कि”—लेपस्कि ने अपनी शर्ट की जेब से एक बटन निकालकर पूछा—“क्या ये आप ही का है?”

लेपस्कि की हथेली पर रखे बटन पर निगाह पड़ते ही केन की रीढ़ की हड्डी में आतंक की एक लहर दौड़ गई।

“क्या ये आपका है?”—लेपस्कि ने इस बार ज़रा तीखे अंदाज़ में पूछा।

“न....नहीं तो।”—आतंक और भय में जकड़े केन के मुंह से बामुश्किल ये शब्द फूटे।

“मिस्टर ब्रैन्डन”—लेपस्कि ने कहा—“यह एक बेहद गैरमामूली बटन है जिसके बारे में हम अब जानते हैं कि ये अब तक लेवाइन के यहाँ सिली हुई चार खास जैकेटों में ही इस्तेमाल हुआ है। हमारे हिसाब से आपके अलावा सिर्फ तीन और लोग ऐसे हैं जिनके कब्ज़े में वो खास जैकेट और उसमें लगे ऐसे गैरमामूली बटन हो सकते हैं। ये बटन हमें वहीं, बुरी तरह काटी-पीटी गई लाश से चन्द गज के फासले पर बरामद हुआ है—सो हम इस तरह के सभी बटनों और इन खास जैकेटों की जाँच पड़ताल में लगे हुए हैं।”

भयाक्रान्त केन के मुंह से कुछ न निकला।

वो बुत बना बैठा रहा।

“क्या आपके पास इस किस्म की खास बटनों वाली कोई जैकेट है?”—लेपस्कि ने उसकी आँखों में झांकते हुए पूछा।

“ह....हाँ।”—केन ने अपने होठों पर जुबान फिराते हुए कहा।

“बढ़िया”—लेपस्कि ने एक निगाह जैकोबी पर डाली और दुबारा केन की ओर देखते हुए कहा—“क्या मैं वो जैकेट देख सकता हूँ।”

“जी मैं अभी लाता हूँ।”—केन ने आशंकित स्वर में कहा और उठकर वहाँ से चला गया।

ब्रैन्डन के जाते ही लेपस्कि ने जैकोबी को आँख मारी।

“बस यही है हमारी आसामी।”—वो बोला।

उधर ब्रैन्डन अपने बैडरूम में पहुँचा जहाँ उसने अपनी वार्डरोब खोली और कांपते हाथों से जैकेट निकालकर उसका मुआयना करने लगा।

उसने ये देखकर राहत की लंबी सांस ली कि उसमें कोई बटन गायब नहीं था।

वह वापिस लेपस्कि के पास पहुँचा और अपनी जैकेट उसे थमा दी।

लेपस्कि ने बेहद शांत तरीके से जैकेट को जांचा।

"इट्स ऑल राइट मिस्टर ब्रैन्डन।"—वह बोला—"इसमें लगे सारे बटन अपनी जगह मौजूद हैं। हमें अफसोस है कि हमने नाहक ही आपको तकलीफ दी।"

केन को लगा कि वो फिलहाल किसी भी मुसीबत से बच निकला है।

"वैसे मिस्टर ब्रैन्डन"—तभी लेपस्कि ने पैंतरा बदलते हुए अगला सवाल दाग दिया—"उस लड़की के कत्ल का वक्त पिछली रात आठ से दस के बीच का है—और हम जानना चाहेंगे कि आप उस वक्त कहाँ थे?"

सत्यानाश!

केन पुनः घबरा गया।

अभी-अभी उसे लगा था कि ये दोनों पुलिसवाले उसकी जैकेट की जाँच से संतुष्ट होकर वहाँ से जाने वाले थे और अभी वो फिर से उनके निशाने की जद में आ गया था।

उसके जड़ दिमाग ने फटाफट कोई झूठ घड़ने की फुर्ती न दिखाई सो अपने लिए कुछ और क्षणों का वक्त लेने की गरज़ से केन ने हिचकिचाते हुए कहा—

"कल रात आठ से दस के बीच?"

"हाँ, मैंने यही पूछा।"—लेपस्कि ने कहा।

वह समझ गया था कि केन इस वक्त कोई कहानी बुन रहा है।

कोई झूठ घड़ रहा है।

"वैल—मैं तो घर पर ही था"—केन ने कहा—"दरअसल मुझे अपनी साली के यहाँ उसके घर में हुए एक फंक्शन में पहुँचना था लेकिन फिर बद्‌किस्मती से मेरी कार रास्ते में ही बिगड़ गई थी। तब मैंने अपनी साली को फोन किया और वापस घर लौट आया था।"

"आपने अपनी साली को कितने बजे फोन किया था?"

"मैंने आठ बजे के फौरन बाद या शायद साढ़े आठ बजे उसके घर में कॉल लगाई थी, जहाँ मेरी मेरे ब्रदर-इन-लॉ से बात हुई थी।"

"ओह—और आपके इन ब्रदर-इन-लॉ का क्या नाम है?"

"जैक फ्रेस्की। कारपोरेशन में लायर है।"

"इत्तेफाक की बात है कि मैं उसे व्यक्तिगत रूप से जानता हूँ। तो आप बता रहे थे कि एक बार वहाँ फोन कर देने के बाद आप आगे बाकी सारा वक्त अपने घर पर यहीं मौजूद थे।"

"आधी रात को जब मेरी बीवी उसी फंक्शन से घर लौटी, तब भी मैं यहीं था।"

"ओके...."—लेपस्कि ने धूर्ततापूर्वक कहा—"एक बार फिर आपको हुई तकलीफ के लिए मैं माफी चाहता हूँ।"

"कोई बात नहीं।"—केन ने कहा—"मुझे उम्मीद है कि आपकी मेहनत से वो कातिल ज़ल्द ही पकड़ा जाएगा।"

"ज़रूर"—लेपस्कि ने कहा और उठकर खड़ा हो गया— "सहयोग का शुक्रिया मिस्टर ब्रैन्डन।"

"शुक्रिया।"—ब्रैन्डन ने कहा।

दोनों पुलिसिए वहाँ से बाहर निकल आए।

जिस वक्त दोनों अपनी कार में बैठे, दोनों ने एक दूसरे को देखा।

"तुमने गौर किया कि वो कैसे एक के बाद एक झूठ बोले जा रहा था?"

"और तुम्हें क्या लगा कि वो स्टर्नवुड की लड़की के साथ होने वाली बात इतनी आसानी से मान लेगा?"—जैकोबी ने जवाब दिया।

"मुमकिन है कि इसने कातिल को देखा हो।"—लेपस्कि ने कार स्टार्ट की और उसे आगे बढ़ाते हुए कहा—"अब मिसेज़ ग्रेग के यहाँ चलते हैं।"

दस मिनट बाद वे दोनों एकेशिया ड्राइव पहुँचे—वो जगह जो पैसे वाले रिटायर्ड लोगों की पनाहगाह थी। शहर के एक हिस्से में वहाँ बनी कोठियों की स्थिति ऐसी थी कि वहाँ से सागर तट साफ दिखाई देता था। इन्हीं कोठियों में से एक कोठी में मिस्टर ग्रेग का निवास रहा था। जहाँ अब उनकी मौत के बाद उसकी बीवी अपनी इकलौती औलाद और एक नौकर के साथ रहती थी। दोनों कार से बाहर निकले और मिसेज ग्रेग की कोठी की ओर बढ़ चले। चारों ओर शान्ति व्याप्त थी और सागर तट पर आकर टकरा रहे सागरजल की आवाज़ वहाँ साफ सुनी जा सकती थी।

"कमबख्त क्या जगह है!"—जैकोबी ने जवाब देते हुए कहा—"ऐसे रिटायर्ड जिन्होंने अपने जवानी के दिनों में इतनी दौलत इसलिए कमाई होगी कि अपने बुढ़ापे के दिनों में यहाँ इस शान्त जगह आकर बस सकें।"

"ये हरामखोर बुढ़ापे में भी ऐसे ठाठ से रहते हैं और एक हम हैं जिनकी जवानी इन ओछे, वहशी दरिन्दों के पीछे भागते-दौड़ते गुज़रती जा रही है।"—लेपस्कि ने कोठी का दरवाज़ा खोलते हुए कहा और फिर एक शानदार फूलों के बाग से गुज़रता हुआ कोठी के मेन डोर तक आ गया।

"ठीक कहा।"—जैकोबी ने डोरबैल बजाई और कहा— "लेकिन और चारा भी क्या है।"

कोठी के दाईं ओर एक बड़ा स्वीमिंग पूल था तो वहीं बाईं ओर एक विशाल गैराज था जिसमें आसानी से चार गाड़ियाँ पार्क की जा सकती थीं। उसमें अभी एक सिल्वर शैडो रंग की रॉल्स रायस खड़ी दिखाई दे भी रही थी।

रॉल्स रायस।

किसी की माली हैसियत की सबसे बड़ी निशानी।

और केवल माली हैसियत की ही क्यों, ये गाड़ी तो उससे कहीं ज़्यादा, कहीं आगे, गाड़ी के मालिकों की सुपर कामयाब और ऊँचे सामाजिक रुतबे की भी पहचान थी।

जैकोबी ने गैराज से निगाह हटाई और एक और बार पुश बटन दबाया।

दरवाज़ा खुला।

और सामने जो शख्स प्रकट हुआ वो किसी हॉरर फिल्म का कैरेक्टर दिखता था।

ऊँचा कद।

दुबला पतला जिस्म और उस पर गहरी काली पोशाक।

लेकिन शान किसी आर्क बिशप जैसी।

लम्बा पीला पड़ा चेहरा और उम्र कोई सत्तर साल।

गंजे सिर पर बचे-खुचे सफेद बर्फ जैसे बाल, भावहीन आँखें और मुर्दों की मानिंद सफेद पड़े कागज़ जैसे पतले होंठ।

“वाकई किसी हॉरर फिल्म के लिए परफैक्ट है।”—जैकोबी ने उसका ऊपर से नीचे तक जायज़ा लेते हुए धीरे से कहा।

“मिसेज़ ग्रेग हैं?”—लेपस्कि ने जैकोबी की बात को अनसुना करते हुए रौबदार पुलिसिए अंदाज़ में पूछा।

“मिसेज़ ग्रेग इस वक्त किसी से नहीं मिला करतीं।”—उस आदमी ने कहा।

आवाज़ ऐसी कि मानो किसी गहरी कब्र से निकलकर आ रही हो।

“मुझसे मिल लेंगी।”—लेपस्कि ने उसे अपना पुलिसिया बैज दिखाते हुए कहा।

“मिसेज़ ग्रेग सोने के लिए जा चुकी हैं।”—उसने बिना प्रभावित हुए कहा—“बेहतर होगा कि तुम लोग कल ग्यारह बजे आओ।”

“तुम कौन हो?”—लेपस्कि ने उससे पूछा।

“मेरा नाम रेनाल्ड्स है और मैं”—उसके स्वर में गर्व का पुट आया—“मिसेज़ ग्रेग का

बटलर हूँ।”

“बढ़िया—तब तो शायद हमारा काम तुम्हीं से बन जाए और हमें मिसेज़ ग्रेग को तकलीफ देने की ज़रूरत ही न पड़े।”—लेपस्कि ने उसकी आँखों में झाँकते हुए कहा।

“मैं समझा नहीं।”

“मैं अभी समझाता हूँ।”—लेपस्कि ने गोल्फ का बटन निकालकर दिखाते हुए कहा—“हम दरअसल यहाँ एक कत्ल के सिलसिले में पूछताछ करने आए हैं। क्या तुम इसे पहचानते हो?”

रेनाल्ड्स ने भावहीन चेहरे से बटन पर निगाह डाली।

“मैंने इस जैसा बटन पहले देखा है। मेरे मालिक मरहूम मिस्टर ग्रेग के पास इस किस्म के बटनों वाली एक जैकेट थी।”

“अब कहाँ है वो जैकेट?”

“मिस्टर ग्रेग की मौत के बाद उनके ढेरों कपड़े मैंने किसी को भिजवा दिए थे।”

“किसके कहने पर?”

“मिस्टर ग्रेग की पत्नी, मेरी मालकिन, मिसेज़ ग्रेग के कहने पर।”

“क्या उन कपड़ों में ये इस किस्म के बटनों वाली जैकेट भी थी?”

“हाँ।”—रेनाल्ड्स ने निगाह चुराते हुए कहा।

लेपस्कि को लगा वह झूठ बोल रहा था सो उसने अपना सवाल घुमाकर पूछा—

“उस जैकेट का तुमने क्या किया?”

“अपनी मालकिन के कहने पर मैंने वो जैकेट मिस्टर ग्रेग के बाकी कपड़ों के साथ साल्वेशन आर्मी को भेज दी थी।”

“कब....कब भेजे थे तुमने वो सारे कपड़े?”

“मिस्टर ग्रेग की मौत के कोई दो हफ्ते बाद....जनवरी की किसी तारीख को।”

“क्या तुम्हें ध्यान है कि उस जैकेट में कोई बटन गायब रहा हो?”

“मैंने वो जैकेट भी बाकी के कपड़ों की तरह सीधे सामान्य ढंग से दे दी थी....सो मुझे अब याद नहीं कि उस जैकेट का कोई बटन गायब था या नहीं।”

लेपस्कि और जैकोबी के चेहरों पर निराशा उभर आई।

उनकी यहाँ आने की मेहनत सिफर थी।

“शुक्रिया”—लेपस्कि ने रेनाल्ड्स से कहा—“अब हमें मिसेज़ ग्रेग से मिलने की ज़रूरत नहीं है।”

रेनाल्ड्स ने अपना सिर झुकाकर उसके धन्यवाद का जवाब दिया।

दोनों पुलिसिए वहाँ से लौट पड़े।

“तुमने गौर किया”—लेपस्कि ने अपनी कार की ओर बढ़ते हुए कहा—“मेरे ख्याल से बुड्ढा 'ड्रेक्यूला' झूठ बोल रहा था।”

“हाँ—हमारे सवालों ने उसे परेशान तो कर ही दिया था।”

“कल तुम उस जैकेट के बारे में साल्वेशन आर्मी से पूछताछ करो।”—लेपस्कि ने कार का दरवाज़ा खोलते हुए कहा।

“ठीक है।”

दोनों कार में सवार हो गए।

लेपस्कि ने कार स्टार्ट की और उसे पुलिस हैडक्वार्टर की ओर दौड़ा दिया।

“मेरा ख्याल है कि”—जैकोबी ने कहा—“ऐसी खास और आमतौर पर न पाई जाने वाली जैकेट में लगे ये बेहद गैरमामूली बटनों का एक स्पेयर सैट वहाँ लेवाइन के पास मौजूद होना चाहिए।”

“सही कहा—तुम्हारी बात में दम है।”—लेपस्कि बोला—“करते हैं इस ओर कुछ।”

दोनों हैडक्वार्टर पहुँचे।

अपनी डेस्क पर पहुँचकर लेपस्कि ने लेवाइन के घर का नम्बर मालूम किया और उसे फोन मिलाया।

अगले कुछ मिनट वह लेवाइन के साथ फोन पर उलझा रहा।

“हर जैकेट के बटनों का बकायदा एक डुप्लिकेट सैट मौजूद है।”—आखिरकार लेपस्कि ने फोन रखकर जैकोबी की दिशा में देखते हुए कहा—“और इसका मतलब है कि हम जहाँ से चले थे—घूम-फिरकर वापिस वहीं आ पहुँचे हैं।”

जैकोबी निराश हो उठा।

“सारी मेहनत बेकार।”—उसने कहा—“इस किस्म की चार ज्ञात जैकेटों के मालिकों में से एक—मैकी—पहले ही यहाँ से बहुत दूर न्यूयार्क में है और हमारे शक के दायरे से बाहर है। दूसरे—बैन्टले—की उस रात की एलीबाई किसी फौलादी दीवार की तरह बेहद मज़बूत है

और अब बचते हैं सिर्फ दो।”

“ब्रैन्डन और सॉल्वेशन आर्मी।”—लेपस्कि ने कहा।

“मुझे अभी भी ब्रैन्डन पर शक है।”

“मुझे भी।”—लेपस्कि ने स्वीकारते हुए कहा—“और इसीलिए तुम कल वो सॉल्वेशन आर्मी वाला सूत्र चैक करो और मैं खुद जाकर इस ब्रैन्डन के बटनों वाला मामला देखता हूँ। अगर उस कमीने की जैकेट का एक बटन भी मुझे गायब मिल गया तो मैं उसके लिए ऐसा जाल बिछाऊँगा कि याद रखेगा।”

“ठीक है।”

“दस बज रहे हैं।”—लेपस्कि ने कलाई घड़ी पर निगाह डालते हुए कहा—“मुझे घर जाना होगा वरना कैरोल हाय-तौबा मचा देगी।”

¶¶

लाऊँज के अधखुले दरवाज़े के पीछे छुपी खड़ी मिसेज़ ग्रेग, मिसेज ऐमिलिया ग्रेग ने, इतने अप्रत्याशित तौर पर वहाँ आ पहुँचे उन दो पुलिसियों और अपने बटलर रेनाल्ड्स के बीच हुए उस पूरे वार्तालाप को सुना।

अट्ठावन साल की एमिलिया ग्रेग ऊँचे लम्बे कद की स्थूलकाल सी महिला थी जिसका गोल चेहरा उस वक्त किसी पत्थर की तरह सख्त और सपाट था। उसके चेहरे की बनावट से ही उसके हाव-भावों में क्रूरता और उद्दंडता झलकती थी।

जब उसने सुना कि पुलिसिए वहाँ उस गोल्फ बाल वाले खास बटनों की गैरमामूली जैकेट की बाबत पूछताछ कर रहे हैं और रेनाल्ड्स ने उन्हें उक्त जैकेट को साल्वेशन आर्मी को दे दिए जाने के बारे में कहा है तो वह सिहर उठी।

खून आलूदा वो जैकेट और साथ में ग्रे कलर की एक पैन्ट अब उसके बेटे की मिल्कियत थी और वो दोनों कपड़े इस वक्त वहीं उसी इमारत की बेसमेन्ट में बने बॉयलर रूम में मौजूद थे।

उसने दोनों पुलिसियों को वहाँ से लौटते सुना तो अपने स्थान से हटकर भीतर एक कुर्सी पर जा बैठी।

अभी चन्द महीने पहले हुई अपने पति की एक कार हादसे में हुई मौत ने उसकी ज़िन्दगी को हैरतअंगेज़ तरीके से बिखेरकर, बदलकर रख दिया था।

उसके पति ने मरने से पहले अपनी सारी दौलत और जायदाद का वारिस उनकी इकलौती औलाद उनके बेटे क्रिसपिन, के नाम करने का फैसला किया था, उससे उसे करारा आघात लगा था। आगे अपने मरने के बाद किसी किस्म की मुकदमेबाज़ी की स्थिति से बचने के लिए उसने क्रिसपिन को यह कहा कि वो जितना ठीक समझे अपनी माँ को मासिक खर्चा

देता रहे।

यानि अपने मरने के बाद मिस्टर ग्रेग ने इस बात का पूरा और पक्का इंतज़ाम किया था कि एमिलिया अपने बाकी बचे दिन अपनी औलाद के आसरे काटे।

उस औलाद से हासिल होते उस मासिक भत्ते की आस में काटे जिस औलाद की बाबत मिस्टर ग्रेग का मानना था कि वो बिल्कुल अपनी माँ पर गया था।

माँ जो लालची, चालाक और धूर्त थी।

और औलाद जिसमें इन गुणों की मिकदार अपनी माँ से भी ज्यादा थी।

उस कार हादसे में मरने के बाद जब मिस्टर ग्रेग के अटार्नी ने उसे 'मेरे मरने के बाद खोला जाए' मार्का ख़त दिया, तब जाकर उसे पता चला कि कैसे उसके खाविंद ने अपनी सत्ताईस साला शादीशुदा ज़िन्दगी में की गई उसकी सेवा का बदला दिया था।

वो ख़त उसकी बर्बादी का मज़नून था जिसमें उसे लिख छोड़ा था—

ऐमिलिया,

तुमने अपनी पूरी जिन्दगी में बस दो ही बातों पर सिर धुना है कि कैसे तुम हमारे बेटे को पूरी तरह अपने काबू में रख सको और कैसे तुम मुझसे ज्यादा-से-ज्यादा पैसा ऐंठ सको। क्रिसपिन के पैदा होने के बाद मैं तुम्हारे लिए सिर्फ तुम्हारा बैंक अकाऊन्ट था, और कुछ नहीं। मैं जानता हूँ कि क्रिसपिन तुम पर गया है और मक्कारी और चालाकी में तो वो तुमसे भी बेहतर है। उसमें वो सारे गुण मौजूद हैं जो मुझे तुममें दिखते हैं। बल्कि उसमें वही गुण तुमसे कहीं बेहतर, कहीं आगे हैं। इसीलिए मैंने ये फैसला किया है कि मेरे मरने के बाद मेरी इस जायदाद, मेरी इस दौलत पर पूरा हक क्रिसपिन का होगा। वो मुझे पूरी उम्मीद है कि इस दौलत के अपने हाथ आते ही फौरन अपना असली रंग दिखाएगा और आगे तुमसे ऐन वैसा ही बर्ताव करेगा जैसा कि तुम्हारा मेरे साथ रहा है।

मेरी इस तहरीर को मेरी वसीयत माना जाएगा जिसे किसी भी तरह न तो बदला जा सकेगा और न ही उसे रद्द किया जा सकेगा।

इतना ही नहीं, अगर क्रिसपिन खुद किसी वजह से मर जाता है तो भी ये सारी जायदाद, ये सारी दौलत आगे तुम्हें नहीं बल्कि कैंसर रिसर्च इंस्टिटयूट को चली जाएगी।

उस स्थिति में तुम्हें केवल दस हज़ार डॉलर सालाना भत्ता मिलेगा।

अब जब क्रिसपिन को इस बात का अहसास होगा कि वो तुम पर निर्भर नहीं, तब वो अपने असली रूप में आएगा। तब तुम्हें पता चलेगा कि हमारी औलाद कई मायनों में तुमसे भी बेहतर है। मक्कारी, जालसाज़ी और कमीनगी की जिन ऊँचाइयों पर वो बैठा है, वहाँ से वो तुम्हें अपना असली चेहरा दिखाएगा—ऐसे जैसा कि कभी तुमने मुझे दिखाया था। और तब तुम्हें मेरी वक़त होगी। तब जाकर तुम्हें मेरी कद्र होगी। जब तुम मेरे इस

ख़त को पढ़ रही होगी, मैं मर चुका होऊँगा लेकिन क्रिसपिन ज़िन्दा होगा। होशियार रहना एमिलिया— और याद रखना मेरी बात।

वो एक सख्तजान स्वेच्छाचारी आदमी बनेगा और मुझे इस ख्याल से बड़ी राहत मिलती है कि कैसे उसका यही चालचलन—जो दरअसल तुम्हारी ही देन है—अब तुम्हें ही भारी पड़ने वाला है।

तुम्हें उस पर हावी रहने का इतना भूत सवार था कि तुमने कभी अहसास ही नहीं किया कि वो कोई आम आदमी नहीं है।

वो अलग है।

सबसे अलग

और जिसे किसी डॉक्टर के कंसल्टेशन की ज़रूरत है।

तुमने कभी मेरी इस गुहार पर कान नहीं दिए और अब यही बात तुम्हारी आईन्दा ज़िन्दगी का रुख तय करेगी।

इस असलियत का—कि हमारी औलाद कैसी है—तुम्हें तब पता चलेगा जब वो मेरी दौलत पर काबिज़ हो जाएगा।

हस्ताक्षर

(साइरस ग्रेग)

उस वक्त उस ख़त को पढ़कर ऐमिलिया बेसाख्ता हंस दी थी कि उसके बूढ़े पति ने ये क्या बकवास लिख मारी थी।

क्रिसपिन....।

वो हमेशा से उसी पर निर्भर था और आगे भी उसने ऐसा ही रहना था।

पिछले बीस साल से वो उसे अपने कंट्रोल में रखे हुए थी। इस हद तक कि उसने उसे किसी स्कूल या यूनिवर्सिटी में भेजने की सोची भी नहीं कि कहीं उसका मासूम बेटा किसी अनैतिक, नृशंस और ड्रगिस्ट लड़कों के साथ न घुलने-मिलने लगे।

क्रिसपिन—जिसे शुरूआत से ही ऑयल पेन्टिंग में गहरी रुची थी—ने अब इसी फील्ड में आगे बढ़ने का फैसला किया था। एमिलिया ने उसके इस शौक के खातिर उसे अपनी उस इमारत में सबसे ऊँची फ्लोर पर बकायदा एक स्टूडियो बनवाकर दिया।

इसलिए कि उसे अपने इस शौक की खातिर कहीं बाहर न जाना पड़े।

और यूँ उसे, एमिलिया को, अपने इकलौते बेटे पर निगाह रखने में आसानी हो।

उस पर उसका कण्ट्रोल बना रहे।

क्रिसपिन ज़्यादातर वक्त अपने उसी स्टूडियो में अपनी उन अजीबोगरीब पेन्टिंग्स को बनाने में मशगूल रहता जिन्हें समझना—और ज़िन्हें समझकर उनकी तारीफ में कसीदे पढ़ना—एमिलिया के बस में नहीं था। वो कभी नहीं समझ पाती थी कि क्रिसपिन की उन अजीबोगरीब पेन्टिंग्स का क्या मतलब है।

ऐसी पेंटिंग्स जिसमें क्रिसपिन आकाश को काला रंगता था, चांद को गहरा लाल और समन्दर को संतरी।

एमिलिया ने इस बाबत एक स्पैशलिस्ट से भी राय ली थी जिसने अपनी मोटी फीस के बदले उसे ये तो बताया कि उसके बेटे में असाधारण प्रतिभा थी लेकिन ये नहीं बताया कि ऐसी तस्वीरें उसके विकृत मस्तिष्क की उपज थीं। क्रिसपिन सामान्य नहीं था।

और एमिलिया को कभी इस बात का अहसास तक नहीं हुआ। अपने पति के ख़त को पढ़कर वो हँसी थी। उसे यकीन था कि उसका बेटा एक महान कलाकार था—ऐसा विरला आर्टिस्ट जिसकी कला—जो अपने वक्त से कहीं आगे की थी—को समझना हर किसी के बस में न था।

खुद उसके भी नहीं।

उसके पति के भी नहीं।

और ऐसी गैरमामूली, ऐसी असाधारण काबिलियत वाला उसका बेटा भला सामान्य हो भी कैसे सकता था!

उसको अपने पति का यह दावा करना—कि दौलत हाथ आते ही क्रिसपिन उसकी पकड़ से निकल जाएगा—एक बेवकूफाना स्टेटमैन्ट लगा था लेकिन फिर भी उसे कचोटता रहा था।

आखिरकार उसने तय किया कि वो अपनी इस संशय की स्थिति को हमेशा के लिए खत्म कर देगी।

वो क्रिसपिन के स्टूडियो पहुँची।

क्रिसपिन वहाँ नहीं था अलबत्ता उसकी बनाई बेशुमार पेंटिंग्स वहाँ स्टैण्ड पर मौजूद थीं।

एक कैनवास पर बनी पेंटिंग ने उसका ध्यान खींचा।

पेंटिंग किसी औरत की थी और अभी अधूरी थी। उसने देखा कि वो औरत बड़े अनोखे और डरावने तरीके से कहीं संतरी रंग के रेत पर बड़े टेढ़े-मेढ़े ढंग से लेटी थी और उसके चारों ओर खून फैला हुआ है।

एमिलिया स्तब्ध रह गई।

वह आतंकित हो बड़ी देर तक उस पेंटिंग को देखती रही।

क्या था वो?

क्या वो मार्डन आर्ट का नमूना था?

शायद हाँ।

ऐसी मार्डन आर्ट जिसे वो कभी समझ ही नहीं सकती थी।

लेकिन फिर भी यह एक बेहूदा चीज़ थी।

अगर यह किसी आर्ट का कोई मार्डन नमूना था भी, तो भी क्रिसपिन को फौरन इसे बंद करना चाहिए था।

उसका चेहरा सख्त हो गया।

वो वहाँ से लौटी और हॉल में आई जहाँ उसने रेनाल्ड्स को उसके इंतज़ार में मौजूद पाया।

रेनाल्ड्स।

उनका नौकर।

पिछले पच्चीस सालों से वो उनकी सेवा में था लेकिन उसके पति, मरहूम पति, को वो कतई नापसंद था। लेकिन इसके बावजूद एमिलिया ने उसे उसकी नौकरी से बर्खास्त होने से बचाए रखा क्योंकि वो हमेशा से उसका वफादार था और क्रिसपिन के लिए सहानुभूति रखता था। एमिलिया की ज़िन्दगी में उसके उस बटलर—रेनाल्ड्स—की क्या अहमियत थी इसका पता इस बात से चलता था कि वो अक्सर अपने पति और अपने बेटे की बाबत उससे सलाह मशविरा करती थी।

रेनाल्ड्स अपनी सलाहियत और कैफियत के हिसाब से उसे सलाह देता था लेकिन जल्द ही एमिलिया को अहसास हो गया कि रेनाल्ड्स एक शराबी था।

इसके बावजूद एमिलिया को उसकी ज़रूरत थी और उसे—रेनाल्ड्स को—एमिलिया की।

“क्रिसपिन कहाँ है?”—एमिलिया ने हॉल में उसका इंतजार करते रेनाल्ड्स से पूछा।

“वो मिस्टर ग्रेग की स्टडी में है।”—रेनाल्ड्स ने जवाब दिया।

“स्टडी में....वो वहाँ क्या कर रहा है?”

लेकिन रेनाल्ड्स ने कोई जवाब न दिया।

ऐमिलिया ने उसे बोलता न पाकर अपने कदम स्टडी की ओर बढ़ा दिए।

लेकिन स्टडी का दरवाज़ा खोलते ही वह ठिठककर खड़ी हो गई। इस शानदार स्टडी में—जो उसके मरहूम पति ने अपने शौक के हिसाब से बनवाई थी—उसकी विशाल टेबल के पीछे बिछी आलीशान कुर्सी पर आज उसका बेटा बैठा हुआ था और उसके सामने उस विशाल टेबल पर उसके पति के तमाम कागज़ात, जिनमें स्टॉक कोटेशंस वगैरह भी थे, फैले पड़े थे।

"तुम यहाँ क्या कर रहे हो?"—एमिलिया ने अधिकारपूर्वक कहा। क्रिसपिन ने कोई जवाब देने से पहले अपनी लम्बी उंगलियों में थामी हुई पेन्सिल से हवा में कुछ लिखा और क्षुब्ध भाव से अपनी माँ की ओर देखा।

उन आँखों में चेतावनी थी।

"मेरा पिता मर चुका है"—उसने गुर्राते हुए कहा—"और यह स्टडी, यह घर, और सारी जायदाद अब मेरी है।"

एमिलिया के जिस्म में एक सिरहन सी दौड़ गई।

"ठीक है"—उसने साहस बटोरकर कहा—"लेकिन तुम यहाँ क्या कर रहे हो?"

"पढ़ रहा था।"—उसे अपने सामने उस विशाल टेबल पर फैले कागज़ातों की ओर इशारा करते हुए कहा—"देख रहा था कि अपने पिता की मौत के बाद मेरी माली हैसियत में कितना इज़ाफा हुआ है।"

"सुनो क्रिसपिन"—एमिलिया ने कहा—"तुम्हें इन सब की कोई समझ नहीं सो तुम ये सारे मामले मुझ पर छोड़ दो। हालांकि तुम्हारे पिता ने ये एस्टेट, ये सारी जायदाद तुम्हें, तुम्हारे नाम कर डालने की बेवकूफी कर ही दी है लेकिन फिर भी तुम इसे मेरी मदद के बगैर नहीं संभाल सकते। मेरा ख्याल है कि तुम अपनी कला को और इम्प्रूव करने की ओर ध्यान दो और ये एस्टेट और इस तरह के सारे काम तुम मुझ पर छोड़ दो।"

"नहीं,"—क्रिसपिन ने शान्त स्वर में कहा—"तुम पर मैं कुछ नहीं छोड़ने वाला। तुम्हारा वक्त अब बीत चुका है और अब मेरी बारी है। ये मेरा वक्त है जिसका मैं अर्से से इंतज़ार कर रहा था।"

"तुम्हारी इतनी हिम्मत कि तुम मुझसे इस तेवर में बात करो।"—गुस्से से तमतमाते लाल चेहरे से एमिलिया बोली—"बहुत हुआ। अब फौरन अपने स्टूडियो जाओ और याद रखो कि मैं तुम्हारी माँ हूँ।"

क्रिसपिन ने जवाब नहीं दिया।

उसने पेन्सिल को मेज़ पर रखा और इस प्रक्रिया में आगे को झुककर अपनी आँखों में शैतानियत के भाव उभारे और एमिलिया को देखने लगा।

एमिलिया घबरा उठी।

उसे अपने पति की बात याद आई—

जब क्रिसपिन को इस बात का अहसास होगा कि वो तुम पर निर्भर नहीं है तब वो तुम्हें अपना असली रंग दिखाएगा, तब तुम्हें पता चलेगा कि हमारी औलाद कई मायनों में तुमसे भी बेहतर है। मक्कारी, जालसाज़ी और कमीनगी की जिन ऊँचाईयों पर वो बैठा है वहाँ से वो तुम्हें अपना चेहरा दिखाएगा—ऐसे कि जैसे कभी तुमने मुझे दिखाया था।

एमिलिया को उस एक पल में ही अहसास हो आया कि उसका पति बिल्कुल सही था।

उसने क्रिसपिन को बिल्कुल सही पहचाना था।

बीस साल तक उस पर अपनी गहरी पकड़ बनाए रखने के बावजूद, बीस साल तक उसे अपने ऊपर निर्भर बनाए रखने के बावजूद वो आज एक झटके में हार गई थी। उसी एक पल ने उसे यह दर्दनाक अहसास कराया कि उसके बेटे पर उसका अधिकार, उसका कण्ट्रोल खत्म हो चुका था।

"इसे पढ़ो।"—क्रिसपिन ने एक कागज़ एमिलिया की ओर बढ़ाते हुए कहा—"और जैसा ठीक समझो कर लेना। नाऊ लीव मी।"

एमिलिया ने सदमें की हालत में अपने कांपते हाथों से वो कागज़ थामा और बाहर लाऊन्ज में आ गई।

दरवाज़े में खड़े रेनाल्ड्स ने भी वो सारा वार्तालाप सुना था। एमिलिया आज उसे यकायक कई साल बूढ़ी लगने लगी थी।

वह वहाँ से हटा और अपने कमरे में पहुँचा जहाँ उसने स्कॉच का एक तगड़ा पैग खींचा और दुबारा लाऊँज में पहुँचा। एमिलिया ने उसे इशारा किया तो वो आगे उसके पास जा खड़ा हुआ।

"इसे पढ़ो।"—एमिलिया ने उसे कागज़ पकड़ाते हुए कहा। उस कागज़ जिस पर क्रिसपिन की लिखी तहरीर थी—के हिसाब से अब एमिलिया के पास दो ऑप्शन थे।

या तो वो अपने बेटे के साथ रहे और उसका घर चलाने की ज़िम्मेदारी के तहत पचास हज़ार डॉलर सालाना भत्ता हासिल करे, या फिर वो अपनी मर्ज़ी से जहाँ चाहे रहे—जहाँ चाहे जाए और उसे दस हज़ार डालर का सालाना खर्चा मिलेगा।

आगे के निर्देशानुसार क्रिसपिन ने लिखा था कि ये मकान अब बेचा जाने वाला था। रेनाल्ड्स के अलावा वहाँ मौजूद सभी दस नौकरों को निकाला जाने वाला था और खुद रेनाल्ड्स को भी अब एक कुक कम मेड की मदद से इससे कहीं छोटा घर चलाना था। इस कुक कम मेड का चुनाव भी क्रिसपिन ने अपनी मर्ज़ी से करना था। इन सभी शर्तों पर अगर रेनाल्ड्स अपनी रज़ामंदी देता तो बदले में उसकी सालाना तनख्वाह एक हज़ार

डॉलर बढ़ा दी जाने वाली थी लेकिन अगर उसे घर के उस नए निज़ाम से इत्तेफाक न होता तो उसे भी डिसमिस कर दिया जाने वाला था।

“वो पागल हो गया है।”—एमिलिया फुसफुसाई—“मुझे क्या करना चाहिए?”

“मेरे ख्याल से इन शर्तों को मान लेने में ही भलाई है मैडम।”—रेनाल्ड्स ने कहा और खुद एक क्षण में ही फैसला कर लिया कि वो वहीं रहेगा—“वैसे मुझे भी इन नए हालातों में रहकर कोई खास खुशी नहीं है लेकिन आपको समझना चाहिए कि मिस्टर क्रिसपिन वाकई में कोई सामान्य किस्म के व्यक्ति नहीं हैं। हमें इंतज़ार करना चाहिए और अपना वक्त आने की उम्मीद रखनी चाहिए।”

कोई और चारा नहीं था।

अपनी शादीशुदा ज़िन्दगी की शुरुआत के आद आज अब जाकर एमिलिया पहली बार रोई।

उसके पति ने उसे करारा सबक सिखाया था।

अगले छः महीनों में और भी बहुत कुछ बदला।

इन छः महीनों में क्रिसपिन ने वो बड़ा मकान बेच दिया और अकेशिया ड्राईव पर बनी उस कदरन छोटी कोठी में शिफ्ट हो गया।

साथ में एमिलिया और रेनाल्ड्स भी शिफ्ट हुए।

मजबूरन हुए—लेकिन हुए।

आगे क्रिसपिन ने एक अधेड़ नीग्रो महिला—क्रिस्की को कुक कम मेड की मुलाज़मत में रख छोड़ा जो वहाँ उस नए घर में रेनाल्ड्स के कामों में हाथ बँटाने लगी।

इस नई और कदरन छोटी कोठी में एमिलिया का बैडरूम और साथ में लगा एक सिटिंग रूम नीचे ग्राऊण्ड फ्लोर पर था। रेनाल्ड्स का एक कमरा भी वहीं उसी ग्राउण्ड फ्लोर के पृष्ठभाग में था और कुक कम मेड की ज़िम्मेदारी निभाती क्रिस्की का कमरा भी वहीं ग्राऊण्ड फ्लोर पर ही किचन के पास मौजूद था।

यानि एमिलिया को अपना स्पेस घर के दो नौकरों के साथ शेयर करना था।

वहीं ऊपर की सारी मंजिल क्रिसपिन के अधिकार में थी।

एक बैडरूम

एक लिविंग रूम

और एक बड़ा—खूब बड़ा—स्टूडियो।

साथ में ऊपर जाती सीढ़ियों के निचले फर्स्ट फ्लोर वाले सिरे पर लगे दरवाज़े को वो हमेशा बन्द, हमेशा लॉक्ड रखता था।

उसका अपना स्पेस पर्सनल था, उसका अपना था, और उसकी पसंद के हिसाब से था।

वहीं एमिलिया की मौजूदा हालत उसकी पिछली ज़िन्दगी में रहे उसके शाही अंदाज़ से कतई मैच नहीं करती थी।

लेकिन वो लाचार थी।

इधर क्रिसपिन के फ्लोर पर किसी को भी जाने की इज़ाजत नहीं थी। हफ्ते में एक बार केवल क्रिस्पी वहाँ जाकर साफ सफाई जैसे मामूली हाऊसहोल्ड जैसे काम निपटा आती थी।

वो क्रिस्पी जो असल में गूंगी-बहरी थी।

लेकिन इसके बावजूद भी अपने काम में माहिर थी, होशियार थी।

वो बेहतरीन कुक थी और घर के हाऊसहोल्ड की तमाम ज़रूरी चीज़ों की खरीददारी खुद कर लाती थी। रेनाल्ड्स ने उसे कई बार टी.वी. देखते हुए देखा था और अपनी समझ से वो जानता था कि क्रिस्पी टी.वी. पर बोलते अभिनेताओं के होंठों की हरकत से उनकी कही बातों को समझ लेती है।

और इसीलिए वो उसकी—क्रिस्पी की—मौजूदगी में एमिलिया से कभी बात भी नहीं करता था।

और जैसे यही काफी नहीं था।

पिछले छः महीनों में एक ही घर में ऊपर नीचे रहते हुए एमिलिया अपने बेटे से बोलना तो दूर उसकी शक्ल भी जब तब ही देख पाई थी।

क्रिसपिन के फ्लोर पर जाती सीढ़ियों पर लगे दरवाज़े के पास एक मेज़ रखी गई थी जिस पर—क्रिसपिन के हुक्म के हिसाब से—उसके खाने की ट्रे को रख दिया जाता था, और उसके दरवाज़े पर दस्तक देकर इसकी खबर उस तक पहुँचा दी जाती थी। क्रिसपिन—जिसकी खुराक बेहद कम थी—बाद में अपने हिसाब से वो ट्रे वहाँ से उठा ले जाता।

अक्सर वह अपनी रॉल्स रायस पर कहीं बाहर जाता तो एमिलिया को लगता कि वो शायद लेवीसन—जिसने उनका पुराना बड़ा बंगला खरीदा था—के पास जा रहा है।

उधर जब क्रिसपिन खुद को अपने फ्लोर पर बने स्टूडियो में बंद किए रहता तो एमिलिया को लगता कि वो अपने काम—पेंटिंग में मशगूल है। वो अब इस कड़वे सच को समझ गई थी कि उसका उसके बेटे पर रहा होल्ड अब खत्म हो चुका था। कभी उसने उस पर उसके फैसलों पर अपना नियंत्रण रखा था लेकिन वो दिन, वो दौर कब का फना हो चुका था।

लेकिन अपनी इकलौती औलाद पर कभी रहे उसके उस होल्ड के बदले उसे अब सालाना पचास हजार डालर की रकम बतौर जेबखर्चा उसे अब भी हासिल थी और ये एक बड़ी, खूब बड़ी रकम थी। उसके बहुत सारे दोस्त थे जिन्हें वो अब अपने घर में बुलाने के बजाए किसी और जगह—मसलन किसी होटल वगैरह में—बुलाकर एंटरटेन करती, उन्हें खिलाती-पिलाती और यूँ अपना ग़म भुलाती। जब भी उसके उन दोस्तों में से कोई उससे उसके बेटे क्रिसपिन की बाबत कोई सवाल करता तो वो हमेशा यही बहाना बनाती कि उसका बेटा अपनी कला, अपने मार्डन आर्ट को समर्पित एक महान कलाकार था और वो अपनी पार्टी वगैरह में बुलाकर उसका वक्त बर्बाद करने के हक में नहीं थी। अपनी बात कहते हुए अक्सर वो अपने बेटे की तुलना अब पिकासो तक से करने लगी थी।

लेकिन ये सच नहीं था।

वह खुद अक्सर इस बात पर अपना सिर धुनती थी कि कभी-कभी तो महीना-महीना भर खुद को, यूँ अपने फ्लोर पर, बन्द रखकर उसका बेटा आखिर करता क्या है?

और एक दिन उसकी यही उत्सुकता जब हद से ज़्यादा बढ़ गई तो उसने इसके बारे में कुछ करने का निश्चय कर लिया।

उसने तय किया कि मौका लगते ही वो ऊपरले फ्लोर पर एक चक्कर लगाएगी।

और एक दिन उसके हत्थे वो मौका लगा।

क्रिप्सी घर की ग्रोसरीज़ वगैरह के सिलसिले में खरीददारी करने बाज़ार गई हुई थी तो क्रिसपिन उसी वक्त अपनी रॉल्स रॉयस लेकर निकल गया।

यही मौका था।

एमिलिया ने रेनाल्ड्स को बुलाकर अपनी बात समझाते हुए पूछा—"क्या तुम दरवाज़े पर लगे ताले को खोल सकते हो?"

"यस मैडम—मैंने देखा है। वो एक मामूली ताला है।"

"तो खोलो उसे....।"

रेनाल्ड्स कहीं से एक तार ले आया और कुछेक पलों की मेहनत के बाद ही उसने ताला खोल डाला।

दोनों ऊपर जाती सीढ़ियों पर बढ़े जो क्रिसपिन के स्टूडियो तक जाती थीं। वहाँ स्टूडियो के दरवाज़े पर उन्हें कोई ताला नहीं मिला। एमिलिया ने हाथ बढ़ाकर दरवाज़ा खोला और दोनों ने भीतर कदम रखा।

और उन्हें यूँ लगा कि वो दोनों अपने सबसे भयंकर दु:स्वप्न में आ खड़े हुए थे।

दीवार पर लटके बड़े-बड़े कैनवासों पर इतनी भयानक पेंटिंग्स चित्रित की गई थीं कि

एमिलिया तो वहाँ उन्हें देखकर बेहोश हो गई। सारी पेंटिंग्स का सब्जेक्ट कमोबेश किसी महिला का शरीर था जो किसी काले आकाश तले, सुर्ख चांद वाले संतरी बीच पर लेटी थी। लेकिन बात सिर्फ यही नहीं थी।

उन पेंटिंग्स में कई में महिला का सिर उसके धड़ से अलग था, कई में उसका पेट फटा पड़ा था जिसके भीतर की आँतें यहाँ वहाँ बिखरी हुई थीं तो किसी में उसके पूरे बदन के टुकड़े-टुकड़े कर उन्हें इधर उधर छितरा हुआ पेंट किया गया था।

और जैसे इतना ही काफी न हो।

वहीं स्टूडियो के एक कोने में स्टैण्ड पर रखे एक कैनवास पर खुद एमिलिया की पेंटिंग थी जिसमें उसके खून से सने दांत बाहर को निकले पेन्ट किए गए थे। उसकी टाँगों के बीच में किसी आदमी को बेबस कैदी की तरह दिखाया गया था जिसने सफेद और लाल धारी वाला एक पजामा पहना हुआ था। यह ठीक उसी डिज़ाईन का पजामा था जैसा कि उसका पति—मिस्टर ग्रेग—अक्सर वीकएण्ड पर पहना करता था। एमिलिया की उसी पेंटिंग में उसके सिर पर निकले दो सींग भी दिखाए गए थे।

बेहोश होने से पहले एमिलिया ने बड़ी देर तक खुद पर बनी उस पेंटिंग में अपने उस शैतानी अक्स को देखा था और फिर यकायक अपने होश खो बैठी थी।

बाद में रेनाल्ड्स ने उसे संभाला और नीचे लाऊॅन्ज में ले आया। रेनाल्ड्स मर्द था और हालांकि एमिलिया की तरह बेहोश नहीं हुआ था लेकिन फिर भी उसके खुद के होश भी उड़े हुए थे। उसने जो देखा था वो किसी हैवान का ही काम, किसी हैवान की ही सोच हो सकती थी। उसने एमिलिया को वहीं लाऊन्ज में छोड़ा और अपने कमरे में पहुँचा। उसने वहाँ अपने लिए स्कॉच का एक तगड़ा पैग बनाया और उसे एक ही सांस में खींच लिया। इसके बाद उसे कुछ राहत मिली तो वो वापिस लाऊन्ज में पहुँचा। जहाँ एमिलिया भी अब अपने होश संभाल चुकी थी।

दोनों की निगाहें मिलीं लेकिन बोला कोई नहीं।

फिर रेनाल्ड्स ने आगे बढ़कर क्रिसपिन के फ्लोर पर जाती सीढ़ियों पर लगे दरवाज़े के लॉक को दुबारा लगा दिया।

एमिलिया अब वहीं लाऊन्ज में बैठी थी और हाथ में ब्रान्डी का एक तगड़ा, खूब बड़ा पैग संभाले हुए थी।

“अब क्या करें?”—एमिलिया ने ड्रिंक सिप करते हुए पूछा—“वह पूरा पागल हो चुका है और अपने इसी पागलपन में कभी भी कोई खतरनाक कदम उठा सकता है।”

उधर रेनाल्ड्स को अपनी नौकरी छूटने का ज़्यादा डर था।

वो जानता था कि अब इस उम्र में उसे ऐसी आरामदायक नौकरी तो मिलने से रही सो वो अभी भी क्रिसपिन के उस पागलपन को दबाए रखने का ही पक्षधर था।

"हमें अभी इंतज़ार करना है....हमें अपनी उम्मीद बनाए रखनी है"—वह बोला।

एमिलिया उसकी मौजूदा हालत को खूब समझती थी तो उधर उसे खुद की भी ऐसी ही हालत से डर लगता था। वो जानती थी कि ताउम्र ऐश में बिताई अपनी अब तक की ज़िन्दगी में अब आगे केवल दस हज़ार के सालाना भत्ते पर गुज़र-बसर करना उसके लिए बेहद मुश्किल था।

लगभग नामुमकिन था।

तो और कोई रास्ता नहीं था।

वो दोनों ऐसा कोई कदम नहीं उठा सकते थे कि जिससे क्रिसपिन किसी मुसीबत में जा फंसता। उसकी आज़ादी उन दोनों की आगे की आरामदायक ज़िन्दगी की गारन्टी थी और उसका किसी मुसीबत में जा फंसना उन दोनों की ही मौजूदा आरामदायक ज़िन्दगी को, उसमें हासिल अभी सहूलियतों को मटियामेट कर सकता था।

सो दोनों ने फैसला किया कि वो अभी इंतज़ार करेंगे।

अभी अपनी उम्मीद बनाए रखेंगे।

लेकिन ये सब इतना आसान न था।

फिर जैनी बैंडलर के उस बेरहम कत्ल के बाद दूसरी शाम रेनाल्ड्स को कुछ ऐसा पता चला कि वो फौरन एमिलिया के पास पहुँचा। उसने उसे टी.वी. देखता हुआ पाया।

"मैडम"—उसने हाँफते हुए कहा—"प्लीज़ ज़रा मेरे साथ नीचे बॉयलर रूम में चलिए।"

"क्यों, वहाँ क्यों?"—एमिलिया का चेहरा सफेद पड़ गया था। आजकल वो हर वक्त किसी न किसी बुरी खबर के इंतज़ार में ही बैठी रहती थी। उसे हर वक्त यही लगता था कि कोई मनहूस खबर उसे अब आई तब आई।

"प्लीज़ चलिए मैडम।"—रेनाल्ड्स ने लगभग गिड़गिड़ाते हुए कहा और बाहर निकल गया।

कुछ पल हिचकिचाने के बाद एमिलिया रेनाल्ड्स के पीछे-पीछे चलती नीचे बॉयलर रूम में पहुँची।

वहाँ पहुँचकर रेनाल्ड्स ने उसे एक ओर संकेत किया।

वहाँ भट्टी के पास उसके पति की गोल्फ बॉल वाली जैकेट पड़ी थी जिसे आमतौर पर आजकल क्रिसपिन पहना करता था। वहीं पास ही कुछ और भी कपड़े पड़े थे जिसमें एक ग्रे कलर की पैन्ट और गुक्की के जूते थे।

सत्यानाश।

कपड़ों पर लगे उस बेशुमार खून को देखकर ही एमिलिया समझ गई कि उसका बेटा क्या गुल खिला आया था।

वो सिहर उठी।

उसने रेनाल्ड्स से निगाहें मिलाईं।

ये साफ सबूत था कि हाल ही में हुए और अब मीडिया में खूब उछाले जा रहे उस बेरहम कत्ल की ज़िम्मेदार उसकी खुद की औलाद थी।

वो औलाद जो बकौल उसके अपनी कला को समर्पित एक महान कलाकार था....पिकासो की टक्कर का महान कलाकार, अगर पुलिस की पहुँच वहाँ उस जगह तक बन जाती तो क्रिसपिन गहरी मुसीबत में फंस जाता।

अपनी बाकी की उम्र उसे जेल में बितानी पड़ती।

और उन्हें।

उन्हें अपनी बाकी की उम्र गरीबी में, गुरबत में धक्के खाते बितानी पड़ती।

सो ये सिर्फ क्रिसपिन के भविष्य का सवाल नहीं था बल्कि खुद उन दोनों की आगे की ज़िन्दगी का भी सवाल था।

“इन कपड़ों को फौरन नष्ट कर दो।”—आखिरकार एमिलिया ने रेनाल्ड्स को हुक्म दिया और पलटकर गिरती पड़ती सीढ़ियाँ तय करके लाऊन्ज में आ पहुँची। उसने वहाँ अपने लिए ब्रान्डी का एक तगड़ा पैग बनाया और उसे एक ही सांस में गटक लिया।

रेनाल्ड्स ने कपड़ों को हाथ लगाने के बजाए वापिस अपने कमरे में जाकर पहले खुद को संभाला।

अब हालात गंभीर थे।

उस घर में उनके साथ एक वहशी कातिल रह रहा था।

ऐसा बेरहम कातिल जिसकी तलाश में शहर का पूरा पुलिस महकमा पागल कुत्तों की तरह यहाँ वहाँ सूंघता फिर रहा था।

वो लाऊन्ज में पहुँचा जहाँ उसने एमिलिया को टी.वी. पर खबरें देखते पाया।

खबरें पढ़ता ऐंकर इस वक्त बड़ी बारीकी से जेन बैन्डलर की लाश बरामदगी की खबर सुना रहा था।

“अपनी तमाम कोशिशों के बावजूद शहर की पुलिस उस वहशी बेरहम कातिल को पकड़ने में नाकाम रही है।”—एंकर ने कहा—“और इसीलिए पुलिस को शक है कि उसे किसी-न-किसी ने शरण दे रखी है। मैं यहाँ इन खबरों को देख रहे तमाम लोगों से अपील

करता हूँ—और इसमें उस कातिल के माँ-बाप, दोस्त वगैरह भी शामिल हैं—कि वे कोई भी कारआमद जानकारी होने पर फौरन पुलिस को खबर करें। यह एक खतरनाक हत्यारा है जो अपने पाश्विक पागलपन में फिर किसी को अपना शिकार बना सकता है। जब तक यह पकड़ा नहीं जाता यहाँ हमारे शहर में कोई भी औरत सेफ नहीं है....।"

रेनाल्ड्स ने आगे बढ़कर कांपते हाथों से टी.वी. ऑफ कर दिया।

"मैं नहीं मानती।"—एमिलिया ने कराहते हुए कहा—"वो ऐसा नहीं कर सकता, कभी नहीं कर सकता।"

लेकिन तत्काल उसे क्रिसपिन की बनाई उन भयानक और डरावनी पेंटिंग्स का ध्यान हो आया।

"रेनाल्ड्स"—उसने कांपते स्वर में कहा—"हमें अपनी ज़ुबान बंद रखनी होगी। अगर यह वहशियाना कत्ल उसी ने किया है तो मैं उसकी गिरफ्तारी से होने वाली बदनामी को बर्दाश्त नहीं कर पाऊँगी। मेरी आधी ज़िन्दगी तो मेरे पति ने बर्बाद कर ही दी है और आगे क्रिसपिन की गिरफ्तारी के बाद मेरी बची खुची सोशल लाईफ भी बर्बाद हो जाएगी....और मैं यह बर्दाश्त नहीं कर पाऊँगी।"

रेनाल्ड्स ने सहमति में सिर हिलाया।

"जाओ फौरन उन कपड़ों को नष्ट कर दो।"—एमिलिया ने कहा—"जाओ फौरन उन्हें जला दो।"

ठीक इसी वक्त डोरबैल बजी

बाहर लेपस्कि और जैकोबी—दो पुलिसिए—खड़े थे।

¶¶

अगली सुबह।

निर्देशानुसार जैकोबी ने लेवाइन से वो खास गोल्फ बॉल बटनों की जैकेट हासिल की और साल्वेशन आर्मी के डिपो जा पहुँचा। शहर के रईसों से हासिल होने वाले सभी प्रकार के उपहारों को हैण्डल करने वाले इंचार्ज—जिम क्रेडाक—से हुई मुलाकात में उसने बड़े ज़ोरदार तरीके से इस बात को सिरे से ही नकार दिया कि वहाँ उसे साईरस ग्रेग के यहाँ से वैसी कोई जैकेट कभी हासिल हुई भी थी। उसने साफ कहा ऐसी खास बटनों वाली जैकेट वहाँ कभी उस तक पहुँची ही नहीं। जैकोबी ने बार-बार घुमा फिराकर अपने सवाल को कई बाद दोहराया लेकिन नतीजा सिफर रहा।

क्रेडाक अपने दिए बयान पर टिका रहा।

उसके हिसाब से वैसी कोई जैकेट वहाँ सॉल्वेशन आर्मी के डिपो में कभी आई ही नहीं थी।

इसी वक्त जब जैकोबी क्रेडाक से अपने इस वार्तालाप में बिज़ी था, ठीक उसी वक्त लेपस्कि ब्रैन्डन के घर पर उसके सामने मौजूद था।

इस वक्त सुबह के सवा आठ बजे थे।

ब्रैन्डन ऑफिस निकलने की तैयारी कर रहा था कि तभी लेपस्कि वहाँ आ पहुँचा था।

"गुड मार्निंग मिस्टर ब्रैंडन!"—लेपस्कि अपने पुलिसिया अंदाज़ में बोला—"मैं दरअसल उन बटनों को चैक कर रहा हूँ और उसी सिलसिले में मुझे पता चला है कि मिस्टर लेवाइन ने आपको उस खास जैकेट के साथ उन पर लगे उन गैरमामूली बटनों का एक स्पेयर सैट भी डिलिवर किया था....मैं ज़रा वो डुप्लीकेट सेट देखना चाहता हूँ।"

केन घबरा गया।

"स्पेयर सैट!" उसने हकलाते हुए कहा—"म....मुझे तो याद नहीं पड़ता कि लेवाइन ने ऐसे उन बटनों का कोई डुप्लीकेट सैट भी दिया हो।"

"वो कहता है कि उसने दिए थे। उसका दावा है कि उसने जिन चार ग्राहकों को ऐसी जैकेटें बेची हैं उन चारों को ही ऐसे बटनों का डुप्लिकेट सैट भी दिया है।"—लेपस्कि ने गुर्राकर कहा।

"ऐसी सभी बातों की देखभाल दरअसल मेरी बीवी करती है और वो फिलहाल एटलान्टा में अपने बीमार पिता के पास गई हुई है। मुझे भी फिलहाल ऑफिस निकलना है लेकिन मैं वापिस लौटकर उस स्पेयर सैट को ढूँढने की कोशिश करूँगा।"

"वैल—यह बेहद ज़रूरी है मिस्टर ब्रैन्डन"—लेपस्कि ने कड़क आवाज़ में कहा—"और मुझे लगता है कि खुद आपके अपने लिए ये बेहद ज़रूरी है कि आप खुद को इस सारे मामले से अलग-थलग करने में हमारा सहयोग करें।"

"जी मैं समझता हूँ और आपको यकीन दिलाता हूँ कि दफ्तर से लौटते ही मैं इन्हें ढूँढने की कोशिश करूँगा।"

"हमारा महकमा बाकी तीनों की वैसी जांच पहले ही कर चुका है और अब केवल आप ही बचे हैं जिनके बटनों की जांच होनी है इसलिए बता ज़रूर दीजिएगा।"

"जी—ज़रूर।"

"बढ़िया।"—कहकर लेपस्कि वहाँ से लौट गया।

और उसके वहाँ से लौटते ही केन लपकता हुआ अपने लिविंग रूम में पहुँचा जहाँ उसने धड़कते दिल से उस डिब्बे को खोला जिसमें बैट्टी बटन वगैरह रखा करती थी।

उसमें मौजूद बटनों की भीड़ में उसने वाँछित बटनों को ढूँढा।

जल्दी ही उसकी निगाह उन पर पड़ गई।

सत्यानाश।

इसका मतलब कि लेवाइन ने जैकेट के साथ उन बटनों का एक स्पेयर सैट भी दिया था।

और पुलिस को इस बाबत खबर थी।

केन ने बटनों का वो डिब्बा वहीं रखा और अपने बैडरूम में पहुँचा जहाँ उसने अपनी अब तक खूब मशहूर हो चुकी जैकेट में लगे बटनों को चैक किया।

उसमें कुल नौ बटन थे।

वह पुन: लिविंग रूम में लौटा और डिब्बे में मौजूद गोल्फ बटनों को गिना।

लाख कोशिशों के बावजूद उसे नौवां बटन नहीं मिला।

एक बटन गायब था।

उसने अपना सिर पकड़ लिया।

उसकी जैकेट के बटनों के सैट में से एक बटन का गायब होना उसके लिए बड़ी मुसीबत ला सकता था।

अगर लेपस्कि को पता लग जाता कि उसके पास मौजूद उन खास बटनों के उस सैट में से एक बटन गायब था तो वो बकायदा संदिग्धों की फेहरिस्त में टॉप पर होगा। हो सकता था कि पुलिस उसे गिरफ्तार ही कर ले और अगर ऐसा हुआ तो पुलिस आगे-पीछे कॉरेन के साथ उसके संबंधों के बारे में यकीनन जान जाएगी।

केन ने आँखें बन्द कर लीं और बैट्टी के बारे में सोचने लगा।

वो बहुत बड़ी मुसीबत में था।

कॉरेन से उस एक मुलाकात ने उसकी ज़िन्दगी का रुख ही बदल दिया था। कहाँ तो वो अपनी पत्नी के साथ एक आरामदायक ज़िन्दगी बड़े मजे से बिता रहा था और कहाँ अब यकायक वो इस झंझट में फंस गया था।

केन ने उठकर कांपते हाथों से बटनों के उस डिब्बे को यथास्थान वापिस रखा और बाहर निकाले उन आठ बटनों को देखने लगा।

क्या किया जाए?

क्या उसे उन बटनों को भी नष्ट कर देना चाहिए।

बाद में वो कसम खाकर कह देता कि उसे ऐसे स्पेयर बटनों का कोई डुप्लिकेट सैट मिला

ही नहीं था।

वो बैट्टी को भी ऐसा ही बयान देने को कह सकता था हालांकि बैट्टी को इस तरह किसी झूठे बयान देने के लिए कहना इतना आसान भी नहीं था।

तभी घड़ी ने नौ बजाए।

उसे दफ्तर के लिए देर हो रही थी।

उसने उन बटनों को उठाकर जेब में डाला, बंगला लॉक किया और अपनी कार में दफ्तर की ओर चल पड़ा।

जब वो दफ्तर जा रहा था उस वक्त लेपस्कि हैडक्वार्टर में बैठा एटलान्टा पुलिस से संबंध स्थापित कर रहा था।

बैट्टी के पिता सिटी कोर्ट के केस लेते रहते थे सो वहाँ का पुलिस महकमा उन्हें बखूबी जानता था।

एटलांटा में पुलिस हैडक्वार्टर से उसे मिस्टर लेसी, बैट्टी के पिता, का नंबर तो हासिल हो गया लेकिन साथ में यह ताकीद भी जारी हुई कि जब तक बेहद ज़रूरी न हो उन्हें कॉल न की जाए क्योंकि अभी हाल ही में उन्हें हार्ट अटैक हुआ था।

लेकिन लेपस्कि ने उस ताकीद को एक किनारे रख दिया और फौरन मिस्टर लेसी के यहाँ फोन मिलाकर बैट्टी से संपर्क स्थापित किया। बेहद सहज ढंग से उसने बैट्टी से कुबुलवा लिया कि गोल्फ बॉल वाले बटनों का वो डुप्लिकेट सैट जैकेट के साथ आया था जो अब भी उसके घर में बटनों वाले डिब्बे में मौजूद था।

“बढ़िया।”—लेपस्कि ने राहत की एक सांस ली और संबंध विच्छेद कर दिया।

उसने मुड़कर जैकोबी की ओर देखा जो अब साल्वेशन आर्मी के दफ्तर से लौट आया था और वहाँ बैठा उस वार्तालाप को एक अन्य एक्सटेंशन लाईन पर बड़े गौर से सुन रहा था।

“अब देखना है कि ब्रैन्डन इस बारे में सच बोलता है या झूठ।”—लेपस्कि ने जैकोबी से कहा।

¶¶

केन अपने दफ्तर पहुँचा।

उसने तीन नीग्रो जोड़ों को वहाँ अपना इंतज़ार करते पाया।

उधर कॉरेन टाईपिंग में व्यस्त थी।

अगले एक घंटे तक वो उन तीन नीग्रो जोड़ों में उलझा उनके सवालों का जवाब देता

रहा। उनसे निपटकर उसने दफ्तर में आई डाक को चैक करने का मन बनाया ही था कि टेलिफोन की घण्टी बजने लगी।

“केन ब्रैन्डन”—उसने रिसीवर उठाकर कहा—“कैन आई हैल्प यू?”

“सिटी पुलिस हैडक्वार्टर से डिटेक्टिव लेपस्कि बोल रहा हूँ।”—दूसरी ओर से आती गुर्राहट भरी आवाज़ सुनकर उसके हाथ से रिसीवर छूटते-छूटते बचा।

“यस मिस्टर लेपस्कि।”—उसने फंसी सी आवाज़ में कहा।

“बटन मिले?”

“मेरा ख्याल है कि मिस्टर लेवाइन को कोई गलतफहमी हुई है।”—उसने बड़ी मेहनत से अपने स्वर को सामान्य बनाए रखा और आगे कहा—“मुझे यकीन है कि अपनी उस जैकेट के साथ उन बटनों का कोई अतिरिक्त सैट मुझे मिस्टर लेवाइन से मिला ही नहीं।”

“ओह—क्या यकीन के साथ ऐसा कह रहे हो?”

“हाँ।”

“ठीक है—थैंक्स मिस्टर ब्रैन्डन।”

लेपस्कि ने संबंध विच्छेद कर दिया। तब भी केन रिसीवर थामे कई पलों तक ऐसे ही बैठा रहा। वो समझ रहा था कि उसने पुलिस से एक बड़ा झूठ बोला है जिसकी बाबत उसकी पोल पट्टी देर सबेर खुल भी सकती थी।

उसे लगा कि उसे फौरन बैट्टी से कॉन्टैक्ट कर उसे भी इस मामले में आगाह कर देना चाहिए था।

उसने बैट्टी को उसके पिता के यहाँ कॉल लगाई।

“बेट्टी डार्लिंग”—उसने संपर्क स्थापित होते ही पूछा—“अब कैसी तबियत है तुम्हारे पिता की?”

“ओह केन, वे अभी भी ज़िन्दगी और मौत के बीच झूल रहे हैं और डाक्टरों ने फिफ्टी-फिफ्टी चांसेज की बात कही है। मुझे अभी यहाँ कुछ और दिन लगेंगे क्योंकि माँ बहुत परेशान है। मैं सारी रात उनके बगल में बैठी जागती सोती सी बिताती हूँ।”

“कोई बात नहीं डार्लिंग”—केन ने कहा—“मुझे उम्मीद है तुम्हारे पिता जल्द ही ठीक हो जायेंगे।”

“ओह थैंक यू सो मच केन।”—कुछ और घरेलू बातचीत करने के बाद यकायक वो बोली—“अच्छा हाँ, मैं तो बताना ही भूल गई कि कोई दो घण्टे पहले मुझे यहाँ पैराडाईज़ सिटी पुलिस से तुम्हारी उस जैकेट में लगे गोल्फ बॉल डिज़ाइन वाले बटनों की बाबत

कॉल आई थी।”

केन मानो आसमान से नीचे गिरा।

तो पुलिस पहले ही बैट्टी से संपर्क साध चुकी थी।

केन का दिल इतनी जोर से धड़कने लगा कि उसके मुँह से बोल न फूटे।

“त....तुमने उन्हें क्या कहा?”—उसने बड़ी मुश्किल से पूछा।

“मैंने उन्हें बता दिया है कि हमारे वो बटन वहीं हमारे घर में बटनों वाले डिब्बे में रखे हैं।”

“ओह!”

“यह सब चक्कर क्या है केन?”

“कुछ खास नहीं....बाद में बताऊँगा। तुम फिलहाल वहाँ अपने पिता की देखभाल पर ध्यान दो।”

“ठीक है केन।”—वो बोली—“अपना ध्यान रखना।”

“हाँ, मैं फिर फोन करूँगा।”

“ठीक है, बाय केन।”

“बाय।”—केन ने कहा और संबंध विच्छेद कर दिया।

अपनी इस कॉल के बाद उसका चेहरा फक्क पड़ गया था और अपनी उसी आतंकित अवस्था में अपनी जेब में हाथ डालकर उन बटनों को टटोलने लगा।

तभी उसके केबिन में कॉरेन दाखिल हुई।

“क्या हुआ”—उसने उसका उतरा हुआ चेहरा देखते ही पूछा—“अब क्या मुसीबत हो गई?”

केन ने उन नामुराद बटनों की सारी दास्तान उसे सुनाई।

“इस सैट में एक भी बटन कम होने का सीधा सा मतलब है”—आखिर में उसने कहा—“कि मुझे उस कत्ल के आरोप में गिरफ्तार किया जा सकता है। समझ नहीं आ रहा कि इस मुसीबत से कैसे निकलूँ। इधर वो पुलिसिया—लेपस्कि का बच्चा—अब मेरे डुप्लिकेट बटनों को देखना चाहेगा और उधर वो हरामज़ादा ब्लैकमेलर कल छाती पर आ चढ़ेगा।”

“यूँ रोते मत रहा करो”—कॉरेन ने उसे विनोदपूर्ण स्वर में कहा—“और हौसला रखो। कल की कल सोचना।”

कहकर वह पलटी और अपनी आकर्षक चाल से चलती वापिस अपनी मेज़ की ओर चली

गई।

पीछे केन अपना सिर पकड़े बैठा रहा।

¶¶

ब्रेन्डन के खिलाफ पहले से कुछ कर गुजरने को फड़फड़ा रहे लेपस्कि ने उसके झूठ बोलने की रिपोर्ट टेरेल को दी और उस पर दबाव डालने की इच्छा जताई।

“उसके इस झूठ का यह मतलब नहीं कि वो ही कातिल भी है।”—टेरेल ने कहा—“स्टर्नवुड की लड़की के साथ अपने अफेयर की हामी भरने का मतलब वो खूब जानता समझता है और उसके झूठ बोलने के पीछे ये भी एक वजह हो सकती है। उधर जैकोबी की रिपोर्ट बताती है कि ग्रेग के कपड़ों में रही वो जैकेट साल्वेशन आर्मी तक कभी पहुँची ही नहीं—सो ऐसे में हमारी जांच का वो एक पहलू अभी भी ओपन है जिसे और खंगाला जाना चाहिए। मैं चाहता हूँ कि ब्रेन्डन पर हाथ डालने से पहले तुम मिसेज ग्रेग को पूरी तरह टटोल लो और इस बार उसके बटलर के बजाए सीधे उसी से बात करना।”

“ठीक है सर।”—लेपस्कि ने कहा और उठ खड़ा हुआ।

वो एकेशिया ड्राईव पहुँचा जहाँ इस बार उसने मिसेज ग्रेग से मिलना था। उसने बंगले की घण्टी बजाई।

जवाब में रेनाल्ड्स ने दरवाजा खोला और उसे घूरा।

“पुलिस”—लेपस्कि ने कठोर स्वर में कहा—“मुझे मिसेज ग्रेग से मिलना है।”

एमिलिया उस वक्त दरवाजे की आड़ में ही खड़ी और सब कुछ सुन रही थी। उसने हिम्मत जुटाई और आड़ से बाहर आकर रेनाल्ड्स से संबोधित हुई।

“क्या बात है रेनाल्ड्स?”—उसने अभिमान से पूछा।

“पुलिस महकमे से आए किसी आदमी ने आपसे मिलने की ख्वाहिश जताई है मैडम।”—उसने सिर झुकाकर जवाब दिया।

“पुलिस”—एमिलिया का चेहरा पत्थर की तरह कठोर हो उठा—“उसे अंदर ले आओ।”

रेनाल्ड्स ने लेपस्कि को भीतर आने का इशारा किया और खुद दरवाजे से एक ओर को हट गया।

“आइए”—एमिलिया ने भीतर आते लेपस्कि से कहा—“कहिए क्या बात है?”

“मिसेज ग्रेग”—लेपस्कि ने कहना शुरू किया—“हाल ही में हुए एक बेरहम कत्ल की वारदात के सिलसिले में हमें एक ऐसे शख्स की तलाश है जिसकी मिल्कियत में गैरमामूली गोल्फ बॉल बटनों वाली एक खास किस्म की जैकेट के होने की भारी संभावना है। कल

यहाँ मौजूद आपके बटलर ने हमें बताया था कि ऐसी एक जैकेट जो कभी आपके और अब मरहूम हो चुके—पति के पास थी, की मौत के बाद उनके बाकी कपड़ों के साथ उसे भी साल्वेशन आर्मी को डोनेट कर दिया गया था। कल जब हमने इस दिशा में अपनी जांच की तो हमें पता चला कि आपके पति की वो खास जैकेट उन कपड़ों में शामिल नहीं थी जो वहाँ भेजे गए थे।"

"जैकेट मेरे पति के बाकी कपड़ों के साथ ही थी।"— एमिलिया ने सख्त स्वर में कहा और रेनाल्ड्स से बोली—"क्यों रेनाल्ड्स?"

"जी मैडम—मैंने तो इन्हें पहले ही कहा था।"—रेनाल्ड्स, जो पिछली रात बॉयलर रूम में वहाँ खून आलूदा कपड़ों को जलाता रहा था, बोला।

"लेकिन साल्वेशन आर्मी के डिपो इंचार्ज मि. क्रेडाक ने बड़े ठोस शब्दों में आपके बटलर के इस दावे को नकारा है।"—लेपस्कि ने कहा।

"अच्छा, क्रेडाक!"—एमिलिया ने बनावटी गुस्सा दिखाते हुए कहा—"मैं उस कमीने को अच्छी तरह जानती हूँ। मुझे लगता है कि उस कमीने ने मेरे पति की वो जैकेट खुद अपने लिए या अपने परिवार के किसी और सदस्य के निजी इस्तेमाल के लिए वहाँ से चुरा ली होगी।"

"लेकिन मिसेज ग्रेग...."—लेपस्कि बोला।

"हमें जो पता था हम बता चुके हैं मिस्टर डिटेक्टिव।"— एमिलिया ने उसे बीच में ही टोकते हुए कहा—"एण्ड नाओ प्लीज़ लीव।"

"यहाँ का मेरा फेरा कोई टहलने के मकसद से की जाने वाली मार्निंग वॉक नहीं है मिसेज ग्रेग।"—लेपस्कि ने सख्ती से कहा—"यह इस शहर में हुए एक बेहद गंभीर और सनसनीखेज कत्ल की तहकीकात है। आपका बयान मिस्टर क्रेडाक पर उनकी ईमानदारी पर एक प्रश्नचिन्ह है और ऐसे में आप यूँ इससे बचकर नहीं निकल पाएंगी।"

तभी रेनाल्ड्स ने हल्के से खांसकर एमिलिया को सतर्क कर दिया। एमिलिया ने फौरन उस इशारे को पकड़ा।

"मैं सिर्फ ये कह रही हूँ कि...."—वह पूर्ववत लेपस्कि को घूरते हुए बोली—"....मेरे पति की वो जैकेट हमने उनके बाकी कपड़ों के साथ ही सॉल्वेशन आर्मी को भिजवा दी थी। उसके बाद उस जैकेट का क्या हुआ इसका पता न तो हमें है और न हमारे पास ऐसा कोई साधन और वजह है कि उसे आगे ट्रेस करते।"

"मिसेज ग्रेग—आप हमारी कोई खास मदद नहीं कर रहीं।"

"मुझे आपकी राय से इत्तेफाक नहीं और अब अगर मुझे इस मामले में आपने आगे परेशान किया तो मुझे मजबूरन आपकी शिकायत अपने दोस्त जो इस शहर के मेयर हैं—से करनी होगी।"

"ओके मिसेज ग्रेग।"—लेपस्कि ने हथियार डालते हुए कहा—"आपके सहयोग का बहुत बहुत शुक्रिया।"

लेपस्कि पलटा, बाहर निकला और अपनी कार के पास पहुँचा। उसने टेरेल को रिपोर्ट दी।

"फिलहाल इस बुढ़िया को छोड़ो"—टेरेल बोला—"और उस क्रेडाक को एक बार और चैक करो।"

"जी सर।"—लेपस्कि ने कहा और संबंध विच्छेद करके अपने काम पर लग गया।

अगला एक घण्टा उसने क्रेडाक के पास जाकर उसे टटोलने में लगाया लेकिन उसने वही दोहराया कि वहाँ आए मिस्टर ग्रेग के कपड़ों में वो खास जैकेट थी ही नहीं।

लेपस्कि ने टेरेल को रिपोर्ट दी।

"ठीक है।"—वह बोला—"तो घूम फिरकर हम बार-बार उसी दायरे में गोल गोल घूम रहे हैं....बढ़िया। अब तुम इस किस्से को छोड़ो और उस हिप्पी कॉलोनी के उन बाशिन्दों को चैक करने में ध्यान लगाओ। इस जैकेट के किस्से को बाद में छेड़ेंगे।"

¶¶

लू अपने बिस्तर पड़ा काफी चुसक रहा था।

उसने पिछली रात समुन्दर किनारे बीच पर एक नीग्रो लड़की के साथ बिताई थी और इस वजह से बड़ी देर से सो सका था।

आज का दिन और था और कल उसने केन और कॉरेन से मिलने जाना था।

दस हजार डॉलर की बड़ी रकम की डिलीवरी लेने।

उसे पूरा यकीन था कि वो दोनों अब वो रकम, वो दस हजार डॉलर की रकम देने वाले थे और अब वो वहाँ अपने बिस्तर पर कॉफी चुसकता, अपने नंगे सीने को सहलाता, ये प्लान करने में मशगूल था कि वो इस रकम का आगे क्या-क्या करने वाला है।

तभी उसके केबिन के दरवाजे पर दस्तक हुई।

उसने अपने ख्यालों को अपने दिमाग से झटका और उठकर दरवाजा खोला। बाहर एक ऊँचे कद का आदमी माइक्रोफोन लिए खड़ा था।

"हैलो मिस्टर लू।"—वह बोला—"मेरा नाम पैट हैमिल्टन है और मैं यहाँ के पैरेडाईज टी.वी. चैनल से हूँ। मुझे पता चला है कि अभी हाल ही में हुए उस बेरहम वहशियाना कत्ल के वक्त तुम वहीं मौकाए वारदात के आस-पास ही थे तो शायद तुमने कातिल को भी देखा होगा।"

"देखो मिस्टर...."—लू ने कहना चाहा।

“क्या ये सही है कि तुम उस रात वहाँ मौकाए् वारदात के आस-पास ही थे?”—पैट ने उसे बीच में टोकते हुए पूछा।

दरवाजे पर खड़े लू के चेहरे पर सूरज की तेज रोशनी सीधे पड़ रही थी और वो इस बात से चिड़चिड़ा रहा था।

“दफा हो जाओ।”—उसने कहा और भड़ाक से दरवाजा बन्द कर लिया। हैमिल्टन—जो वहाँ हिप्पियों की उस कॉलोनी तक अपने एक छोटे से ट्रक में आया था—मुस्कुराता हुआ वापिस घूमा और अपने उस ट्रक की ड्राईविंग सीट पर जा बैठा।

“उस कमबख्त की फोटो खींची या नहीं?”—उसने मिनी ट्रक में पीछे छुपे बैठे अपने कैमरामैन से कहा।

“खींची—बढ़िया करके खींची।”—कैमरामैन ने जवाब दिया।

और दो घण्टे बाद क्रिसपिन ग्रेग ने अपना टी.वी. ऑन किया और हैमिल्टन वाले चैनल पर खबरें सुनने लगा।

“पुलिस अभी तक उस विक्षिप्त हत्यारे, उस होमिसीडियल मैनियाक का अभी तक कोई सुराग नहीं लगा पाई है”—चैनल पर हैमिल्टन बोल रहा था—“इसी सिलसिले में जब हमने अपनी ओर से जो जांच पड़ताल की, उसके आधार पर हमें पता चला कि एक युवक—जिसका नाम लू है—उस रात मौकायेवारदात के पास मौजूद था। ये युवक लू फिलहाल शहर के बाहर की ओर जाने वाले रास्ते पर बनी हिप्पियों की कॉलोनी में ठहरा हुआ है और जब हमने उससे बात करने की कोशिश की”—टी.वी. स्क्रीन पर लू बून की फोटो चमकी—“तो उसने हमसे इस मामले में कुछ भी बोलने से मना कर दिया।”—हैमिल्टन ने अपनी बात पर और जोर डालते हुए कहा—“और मेरा मानना है कि वो नौजवान यकीनन इस केस की एक बेहद खास घुण्डी है जो उससे कहीं ज्यादा जानता है जितना कि वो फिलहाल यहाँ की पुलिस को बता रहा है।” क्रिसपिन ने टी.वी. स्क्रीन पर दिखाई जा रही लू बून की तस्वीर को गौर से देखा। उसके दिमाग में हैमिल्टन के शब्द गूंजे—

“वो नौजवान....उससे कहीं ज्यादा जानता है जितना कि वो यहाँ की पुलिस को बता रहा है।”

क्रिसपिन की आँखें संकुचित हो गईं।

तत्काल उसके होठों पर एक खूनी मुस्कुराहट तैरने लगी।

ये नौजवान—लू बून—अगर वाकई में उस रात मौकाए् वारदात पर मौजूद था तो हो सकता था कि उसने उसे देखा हो।

ये उसके लिए बेहद खतरनाक और असहज कर देने वाली खबर थी।

“कोई बात नहीं।”—क्रिसपिन ने मन-ही-मन फैसला किया—“अच्छा है कि वक्त रहते

इसके बारे में पता चल गया। उसका इंतजाम किया जाना जरूरी है।”

क्रिसपिन की अगली—उसकी खुद की निगाह में—बेमिसाल और बेजोड़ ऑयल पेन्टिंग बनाने का वक्त आ गया था।

¶¶

लेपस्कि घर पहुँचा।

भूख से उसकी आंतें कुलबुला रही थीं और इसी एक बात ने उसे घर में घुसते ही सीधे धड़धड़ाते किचन में जा घुसने को मजबूर कर दिया था। जहाँ उसकी बीवी कारोल खाना पकाने में मशगूल थी।

“खाने में क्या है?”—लेपस्कि ने पूछा—“दो घण्टे बाद मुझे फिर वापिस जाना है।”

“आज तुम्हारे लिए खास तुम्हारी पसंद”—कारोल ने शान्त स्वर में कहा—“मशरूम और क्रीम सॉस के साथ चिकन ब्रेस्ट बनाया है।”

“अरे वाह—मजा आ गया। कितना टाईम लगेगा?”

“दस मिनट।”—कारोल ने बताया और पूछा—“तुम्हें तुम्हारा वो सनकी हत्यारा मिला या नहीं?”

“अभी नहीं।”—लेपस्कि ने फ्राईंग पैन पर पकते चिकन पर निगाह डालते हुए कहा—“हूं....वाकई लजीज होगा।”

“क्यों क्या हुआ? तुम्हारे महकमे के पास कोई सुराग-वुराग है भी या नहीं?”

“नहीं....कुछ खास नहीं है”—लेपस्कि ने कहा—“और देवी जी जरा जल्दी करो। भूख से मेरा दम निकला जा रहा है।”

“मेरे पास तुम्हारे लिए तीन क्लू हैं।”—कारोल ने कहा और पैन में मशरूम डालने लगी।

“क्लू....तुम्हारे पास क्लू हैं?”—लेपस्कि ने चौंकते हुए कहा—“इसका मतलब तुम फिर उस पियक्कड़ बुढ़िया के पास पहुँच गईं।”

“मोहिताबेल पीती जरूर है लेकिन केवल इसी वजह से उसे पियक्कड़ कह देना गलत है।”

“वो बुढ़िया पीकर हमेशा उल्टा सीधा बकती है।”

“नहीं—वो हमेशा सच्ची भविष्यवाणियाँ करती है और ये मत भूलो कि पिछले साल भी उसने हत्या के एक मामले में तुम्हें दो मेजर क्लू दिए थे जिन्हें तुमने अपनी बेवकूफी भरी जिद में इस्तेमाल तक नहीं किया था।”

लेकिन लेपस्कि ने उसका कहा आखिरी फिकरा सुना ही नहीं था।

वो लपककर लिविंग रूम में पहुँचा और वहाँ लिकर कैबिनेट को खोलकर चैक किया।

वहाँ से उसकी खास पसंदीदा विस्की की बोतल गायब थी। लेपस्कि ने अपनी टाई नोचकर फर्श पर फेंक दी।

तभी कारोल उसके पीछे-पीछे वहाँ आ पहुँची।

"अब ये क्या बेहूदगी है?"

"मेरी पसंदीदा विस्की की बोतल कहाँ गई?"—लेपस्कि चिनचिनाया।

"ओह—शराब की बोतल का रोना छोड़ो और मेरी बात सुनो।"—वह बोली—"मोहिताबेल ने तुम्हारा वो केस सुलझा दिया है और तुम भी तो यही चाहते थे।"

लेपस्कि सिर थामे वहीं बिछी कुर्सी पर बैठ गया।

"बढ़िया।"—वो बोला—"तो उस शराबखोर बुढ़िया ने एक बोतल विस्की गटकने के बाद वहीं अपने घर बैठे-बैठे ये केस सुलझा भी दिया....बढ़िया—बढ़िया।"

"तुम उसे बार-बार शराबी साबित करने की कोशिश मत करो। उसने खास मेरी रिक्वेस्ट पर तुम्हारे लिए इस केस में आगे बढ़ने के लिए तीन क्लू दिये हैं।"

लेपस्कि ने जवाब देने के बजाए अपने बालों में हाथ फेरा।

"तुम गौर से सुनो"—कारोल ने अपनी हाँकते हुए कहा—"मोहिताबेल के अनुसार तुम्हें तीन बातों पर खास ध्यान देना चाहिए। पहला—लाल सुर्ख चाँद, दूसरा—काला आसमां और तीसरा—संतरी रंगत लिए समन्दर का किनारा।"

लेपस्कि ने अपनी पलकें झपकाईं और चिढ़कर कहा— "लाल सुर्ख चांद, काला आसमां और संतरी बीच....बढ़िया।"

"हाँ।"

"तो अब ये और बताओ कि उस महान भविष्यवक्ता ने ये तीन क्लूज मेरी वो बोतल गटकने से पहले बताए थे या बाद में?"

"लेपस्कि—इन क्लूज का होशियारी से इस्तेमाल करो।"

"सही है न—ऐसी बेहतरीन विस्की की पूरी बोतल—मुफ्त में हासिल बोतल—को गटकने के बाद मैं भी ऐसी भविष्यवाणी कर सकता हूँ।"—लेपस्कि ने गहरी साँस खींची और हवा में सूँघते हुए कहा—"अब ये क्या जल रहा है?"

कारोल को अचानक कुछ याद आया।

वो चीखती हुई किचन की ओर दौड़ गई और कुछ पलों के बाद उसकी आवाज आई।

“तुम्हारा डिनर जल गया है।”—वो चीखी—“और ये तुम्हारी ही गलती है।”

लेपस्कि धुँए भरी किचन में पहुँचा और पैन में पड़े जले हुए गोश्त को घूरने लगा।

“अब मैं क्या खाऊँगा?”

“मैं कुछ और बनाती हूँ....लेकिन तुम उन तीनों क्लू का ध्यान रखना।”

“ठीक है—ठीक है।”—वो बोला—“अब ये छोड़ो और जल्दी कुछ बनाओ।”

उसकी खास और पसंदीदा विस्की की बोतल जा चुकी थी।

उसका खाना जल गया था।

और इस सबकी जिम्मेदार कारोल—उसकी बीवी—को इस बाबत और कुछ कहने की उसकी हिम्मत नहीं थी।

वो यकीनन अच्छा, वैल ट्रेन्ड पति था।

कारोल खुशकिस्मत बीवी थी।

¶¶

रात के ग्यारह बजे थे।

केन अभी भी अपने बिस्तर पर जा सोने के बजाए लॉऊन्ज में बिछी कुर्सी पर बैठा था।

आज दफ्तर से घर लौटते वक्त वो इतना घबराया हुआ था कि वापिसी में डिनर के लिए कुछ खरीद लाना भी भुला बैठा था। उसे हर वक्त यही चिन्ता खाये जा रही थी न जाने कब लेपस्कि उस गुमशुदा बटन की पूछताछ करने उसके घर पर आ धमकता। घर आते ही उसने लिकर कैबिनेट से स्कॉच की एक बोतल निकालकर अपने लिए एक तगड़ा ड्रिंक बनाया और लाऊन्ज में बैठा उस ड्रिंक को चुसकता इंतजार करने लगा।

उसे यकीन था कि कॉरेन अपने बाप स्टर्नवुड को संभाल सकती थी लेकिन उसे खुद बेट्टी को संभालने का भरोसा नहीं था। उसे अभी तक समझ नहीं आ रहा था कि इस झंझट में वो बेट्टी को किस मुँह से अपनी बेगुनाही की बात कह सकेगा।

उसने दूसरा ड्रिंक लिया और आगे की सोचने लगा।

जिन्दगी तबाह होती नजर आ रही थी।

तभी डोरबैल बजी।

वो उठा और लड़खड़ाता हुआ, कॉरीडोर से गुजरा और जाकर मुख्यद्वार खोला।

“सामने से हटो!”—कॉरेन ने उसे एक ओर धकेलते हुए कहा—“मैंने खास ध्यान रखा है किसी को मेरी यहाँ इस विजिट का पता न चले।”

केन हड़बड़ाते हुए एक ओर हटा तो कॉरेन भीतर आ गई।

“लेकिन तुम यहाँ करने क्या आई हो?”—उसने पूछा।

“अरे—तुम तो ड्रिंक कर रहे थे।”—कॉरेन ने उसके सवाल को अनदेखा करते हुए कहा और भटकती हुए लिविंग रूम में पहुँच गई। अपने भड़कीले टाइट फिट फ्रॉक में उसका रात के इस पहर यहाँ आना उसके इरादों का खुद में सबूत था।

“क्या बात है?”—केन ने पूछा—“तुम यहाँ क्या करने आ गईं?”

“यह देखो।”—जवाब देने के बजाए उसने अपनी मुट्ठी केन के सामने खोली।

उसकी हथेली पर एक गोल्फ बटन था।

वो बटन, जिसे देखते ही केन के व्यवहार में हैरतअंगेज परिवर्तन आया।

“अरे, ये तुम्हें कहाँ से मिला?”—उसने पूछा।

“मैं लेवाईन की दुकान में गई और वहाँ उसके पास मौजूद वैसी ही एक दूसरी जैकेट में से—बगैर किसी की नजरों में आए—इसे काट लाई।”—उसने हँसते हुए कहा—“मैंने कहा था न कि इसे मेरे ऊपर छोड़ दो।”

केन ने शान्ति की सांस ली।

अब जाकर उसकी जान में जान आई।

उसने बटन लेने के लिए हाथ आगे बढ़ाया लेकिन कॉरेन न फौरन ही अपनी मुट्ठी भींच ली।

“तुम्हारा बैडरूम कहाँ है?”—वह मुस्कुराई—“आओ इस शानदार मौके को तरीके से सेलीब्रेट करते हैं।”—उसने कहा और सैलिब्रेशन—तरीके के सेलिब्रेशन—के लिए फौरन अपने पैदाईशी कपड़ों में आ गई।

“ये तुम्हारा बटन।”—उसने केन की ओर एक आँख दबाते हुए कहा—“और ये मेरे तुम।”

केन अवाक् रह गया।

एक पल के लिए उसके दिमाग में आया ये घर अकेले उसी का नहीं बल्कि बेट्टी—उसकी बीवी—का भी था।

उस घर का बैडरूम, बैडरूम में बिछा बैड—सब पर उसका हक था। लेकिन—

स्कॉच के दो तगड़े ड्रिंक का असर और खुद कॉरेन का उस वक्त उस पोजीशन में ऐसा आमंत्रण उसके लिए इन सब बातों को भुला देने के लिए काफी था।

काफी से ज्यादा था।

उसने कॉरेन का हाथ थाम लिया और बैडरूम की ओर बढ़ गया। कॉरेन हँसी और उससे लिपट गई।

कॉरेन स्टर्नवुड!

क्या लड़की थी!

क्या कमाल की लड़की थी!!

¶¶

डोरबैल की तेज चीख सुनकर केन जागा।

जागा तो जागकर उठ बैठा।

उसे सिर में हथौड़े से बजते महसूस हुए तो उसने दोनों हाथों से अपना सिर थाम लिया।

डोरबैल दोबारा चीखी।

केन ने अपने ऊपर से चादर हटाई और पूर्ववत सिर थामे पलंग से नीचे उतर आया।

डोरबैल लगातार मुतवातर चीखे जा रही थी।

"अब इस वक्त कौन आ मरा?"—केन ने अपना ड्रेसिंग गाऊन पहनते हुए सोचा—"पता नहीं कितने बजे हैं?"

उसने बड़ी मुश्किल से—जबरन—अपनी आँखें खोलीं और पलंग के सिरहाने रखी घड़ी पर निगाह डाली।

सवा आठ बज रहे थे।

"हे भगवान ये तो सुबह हो गई।"—उसने सोचा और गौर किया सुबह की हल्की धूप भीतर कमरे तक आ पहुँची थी।

डोरबैल—जो एक पल के लिए शान्त हुई थी—फिर चीखी।

"ये क्या मुसीबत है।"—पलंग पर पड़ी कॉरेन ने पूछा।

केन ने तत्काल उसकी दिशा में देखा।

पलंग पर लेटी कॉरेन अपनी आँखें मिचमिचा रही थी।

केन घबरा गया।

बाहर कोई था जो लगातार—बिना रुके—डोरबैल बजा रहा था और भीतर कॉरेन पिछली सारी रात बिताकर अभी भी वहीं उसके साथ, उसके बिस्तर पर मौजूद थी। पिछली रात का हरेक दृश्य उसकी आँखों के आगे आ गया।

"बाहर दरवाजे पर कोई है।"—उसने धीमे स्वर में कहा—"तुम फौरन कहीं छुप जाओ।"

"ओ—डरपोक केनी।"—कॉरेन ने पलंग से नीचे उतरते हुए फब्ती कसी।

केन ने उसके इस तंज को अनदेखा किया और बाहर जाकर दरवाजा खोला।

बाहर—जैकोबी के साथ लेपस्कि मौजूद था।

केन ने उन्हें घूरा।

यकायक उसके सिर में बज रहे हथौड़ों की गति तेज हो गई।

"क्या हुआ?"—उसने नाराज होते हुए पूछा।

"माफ करना मिस्टर बैन्डन।"—लेपस्कि ने उसकी हालत का अंदाजा लगाते हुए कहा—"हम दरअसल उन गोल्फ बटनों के बारे में कुछ और पूछताछ करना चाहते हैं।"

"ओह,"—केन ने कहा—"वैसे मैं खुद तुम्हें फोन करने वाला था।"

"अच्छा—क्या हुआ?"—लेपस्कि ने हैरान होते हुए पूछा।

"मैंने पिछली शाम घर आकर जब फुर्सत से चैक किया तो बटन मिल गए थे।"

"बटन मिल गए!"—लेपस्कि और अधिक हैरान हो उठा—"क्या हम उन्हें देख सकते हैं?"

"भीतर आओ।"—केन ने पलभर के लिए भीतर मौजूद कॉरेन के बारे में सोचा और फिर दरवाजे के सामने से हट गया।

दोनों पुलिसिए भीतर आ गए तो केन ने पीछे दरवाजा बन्द किया और उन्हें लिविंग रूम में ले जाकर वहीं मौजूद सोफे पर बैठने का इशारा कर भीतर बैडरूम में चला गया। लेपस्कि ने फुर्ती से उठकर भीतर बैडरूम में निगाह डाली। बैडरूम खाली था लेकिन बैड की हालत बता रही थी कि पिछली रात उस पर बकायदा दो आदमजातों के बीच बड़ी गंभीर—बड़ी गंभीर और खूब लम्बी चली—कुश्ती खेली गई थी।

केन के बाहर लौट आने से पहले ही लेपस्कि दोबारा अपनी जगह पर आ बैठा।

केन बैडरूम से लौटा तो उसके हाथ में बटन मौजूद थे।

"ये लो।"—उसने लेपस्कि से कहा—"और भगवान के लिए अब मेरा पीछा छोड़ो।"

लेपस्कि ने बटनों को लेकर गिना—बटन पूरे थे।

“मिस्टर ब्रैन्डन।”—उसने कहा—“एक छोटी सी तकलीफ आपको और देनी पड़ेगी।”

“कहो।”—केन ने लम्बी सांस खींचते हुए कहा—“अब वो भी कहो।”

“दरअसल आप जानते हैं कि ये यहाँ हमारे शहर में हुए एक हौलनाक कत्ल का बेहद गंभीर मामला है और ऐसे में हमारा पूरा पुलिस महकमा—अपनी पूरी जिम्मेदारी के साथ—इस कत्ल की गुत्थी को सुलझाने में लगा है। अपनी ओर से हम हर वो मुमकिन कोशिश कर रहे हैं कि जिससे उस वहशी कातिल को पकड़ा जा सके।”

“मैं जानता हूँ लेकिन इस बात को दोहराने की वजह?”

“मिस्टर ब्रैडन”—लेपस्कि ने कहा—“कत्ल के केस में अक्सर तहकीकात करते-करते कभी-कभी कई अजीब और नामालूम बातें सामने आ जाती हैं। ये बटन जो अपने आप में बेहद अनोखे और गैरमामूली समझे जा रहे हैं—इस कत्ल के केस को सुलझाने में बड़े मददगार साबित हो सकते हैं सो मैं इन्हें—इन डुप्लिकेट बटनों को—और आपकी जैकेट को अपने साथ ले जाना चाहता हूँ।”

“लेकिन....”—केन हिचकिचाया।

“आप चिंता न करें—मैं इन्हें जल्द ही वापिस कर दूँगा।”—लेपस्कि ने बेहद सधे स्वर में कहा।

केन उस घाघ पुलिसिए को खूब पहचानता था।

उसका यूँ जैकेट और बटन माँगना उसके लिए फिर कोई मुसीबत खड़ी कर सकते थे।

“ओह—मिस्टर ब्रैन्डन”—लेपस्कि ने जोर डाला—“मैं एक जिम्मेदार पुलिस वाले की हैसियत से आपसे इल्तजा करता हूँ कि आप हमारा सहयोग करें।”

कोई और चारा नहीं था।

वो पुलिसिया मानने वाला नहीं था।

“ठीक है।”—केन ने ताव खाते हुए कहा और भीतर से जैकट लाकर उन्हें सौंपते हुए बोला—“ले जाओ—वैसे भी मैं खुद अब इस मनहूस जैकेट को दोबारा देखना नहीं चाहता सो....”—वो लगभग चीखा—“अपना काम खत्म करके इसे वापिस मुझे लौटाने के बजाए कहीं भी फेंक देना।”

“ओह नो—मैं इसे जल्द ही लौटा दूँगा।”—लेपस्कि ने उठते हुए कहा।

जैकोबी ने अपने साथी को फॉलो किया।

दोनों बाहर निकल आए तो केन ने पीछे से भड़ाक से दरवाजा बन्द करके लॉक कर लिया।

केन उन पुलिसियों से बेहद नाराज था लेकिन जानता था कि उसकी नाराजगी के प्रदर्शन ने अगर उन पुलिसियों को नाराज किया तो उसकी खैर नहीं थी।

वैसे ही वो दोनों उसके पीछे पड़े हुए थे।

बड़बड़ाता केन वापिस बैडरूम में पहुँचा तो पाया कि कॉरेन—जो उन पुलिसियों के उस अचानक पड़े फेरे में वहीं बैडरूम के अटैच्ड बाथरूम में जा छुपी थी—अब बाहर निकल आई थी और खुशकिस्मती से अपने पूरे कपड़े पहने हुए थी।

इस वक्त वो वहाँ बैडरूम में लगे एक शीशे के आगे खड़ी हुई—बेट्टी की कंघी से अपने बाल संवार रही थी।

कॉरेन के हाथ में अपनी बीवी की कंघी देखकर केन और चिढ़ गया लेकिन बोला कुछ नहीं।

“गए तुम्हारे दोस्त।”—कॉरेन ने पूछा—“हो गई उन मरदूदों को तसल्ली!”

“हाँ वो चले गए।”—केन ने संक्षिप्त-सा जवाब दिया और अपनी पिछली रात के लिए सफाई देने की गर्ज से कहा—“वो....कल रात मैं नशे में था और शायद इसीलिए अपनी सुध-बुध खो बैठा।”

“ठीक है—ठीक है।”—कॉरेन हँसी—“अब अपनी अंतरात्मा की ऐसी भोली आवाज को ब्रेक दो और मुझ पर रहम करो। वैसे भी तुमने रात भर मुझे सोने नहीं दिया।”

“कॉरेन....मैं....दरअसल।”—केन ने शर्मिन्दा होकर दिखाया।

“छोड़ो—मैंने कहा था कि भरने के बाद जाम फिर झलकने लगता है।”

केन और चिढ़ गया।

क्या मनहूस सुबह थी।

बल्कि मनहूस रात के बाद ये अगली सुबह भी मनहूस ही थी।

बिना कुछ कहे—बिना कॉरेन पर निगाह डाले—वो बाथरूम में जा घुसा और दफ्तर चलने की गर्ज से तैयार होने लगा।

जब तक वो बाहर निकला कॉरेन कॉफी तैयार कर चुकी थी।

“आओ—कॉफी लो।”—उसने अपनी कॉफी की चुस्की लेते हुए कहा।

“अरे—तुम अभी यहीं हो।”—केन ने नाराज होते हुए कहा—“अभी गईं नहीं?”

“ओह—शटअप केन”—कॉरेन गुर्राई—“मैं तुम जैसे मर्दों को खूब जानती हूँ। पहले तो सारे पाप करेंगे और फिर मन भर जाते ही साधु होने का ढोंग रचने लगेंगे।”

“मेरा वो मतलब नहीं था।”—केन ने संभलते हुए कहा।

“मुझे मतलब समझाने की जरूरत नहीं। मैं बखूबी जानती हूँ कि तुम्हारा क्या मतलब था।”

“कॉरेन....।”

“छोड़ो—जाओ जाकर बिस्तर ठीक करो और अपनी पिछली रात की उछलकूद की निशानियाँ निपटाओ।”

“हाँ—करता हूँ पर जरा पहले कॉफी पी लूँ—मुझे इसकी ज्यादा जरूरत है।”

“और हाँ”—कॉरेन ने खींसे निपोरते हुए कहा—“चादर लाण्ड्री में भेजनी होगी।”

“ठीक है।”

दोनों ने अगले कुछ मिनट बिना कहे कॉफी समाप्त करने में गुजारे।

“आओ चलो।”—कॉरेन ने अपनी कॉफी खत्म करके कप नीचे रखा।

“मैं तुम्हारी मदद करती हूँ।”

केन को ध्यान आया कि नौ बजे उसकी मेड ने भी आना था। वो फटाफट खड़ा हुआ और आनन-फानन में अपना बैडरूम दुरुस्त करने में लग गया।

पलंग पर नई चादर डाली।

पुरानी चादर का बंडल बनाया।

तकिए वगैरह यथास्थान जमाए और कुछ पल गौर से हर चीज चैक की—कि कुछ रह तो नहीं गया था।

ठीक।

सब बढ़िया था।

अब सब ठीक था।

“अरे—अब चलो भी।”—कॉरेन ने उसे कहा।

“हाँ।”—वो बोला और मेन डोर की ओर चल पड़ा।

“अरे बेवकूफ आदमी!”—कॉरेन ने पीछे से आवाज लगाई— “पहले खिड़की से देख तो लो कि बाहर कोई है तो नहीं।”

केन हड़बड़ाया।

इतनी छोटी सी बात उसे नहीं सूझी थी।

खुद पर शर्मिन्दा होता हुआ उसने खिड़की पर पहुँचकर बाहर झाँका।

उसका एक पड़ोसी अपने बगीचे में क्यारी खोदने में व्यस्त था।

सत्यानाश!

अब कॉरेन को बाहर कैसे निकाले?

वो बाहर निकलते ही उस पड़ोसी की निगाह में आ जाती।

वो सहम गया।

"क्या हुआ?"—कॉरेन ने उसकी हालत देखी और आगे बढ़कर खुद खिड़की के बाहर झाँका।

वो पड़ौसी उसे भी दिखाई दिया।

"मरो मत"—कॉरेन ने कहा—"तुम यहाँ से बाहर निकलो और गैराज में कार तक पहुँचो। तब तक मैं भीतर ही भीतर गैराज में जाकर वहीं कार में ही पिछली सीट के सामने फर्श पर लेट जाऊँगी। मुझे एक चादर दो—मैं उसे अपने ऊपर डाल लूँगी।"

और कोई रास्ता नहीं था।

मजबूरन केन को यह मशवरा मानना पड़ा और यूँ उसके एम्प्लायर—शहर के नामी-गिरामी ऊँची हस्तियों में शुमार उसके बॉस, मिस्टर स्टर्नवुड—की बेटी की वहाँ उस जगह से रवानगी—ऐसी खुफिया रवानगी—का रास्ता बना।

दोनों तय तरीके से बंगले से सुरक्षित—कॉरेन के बिना पड़ोसी की निगाह में आए—बाहर निकले। केन ने कार को हाईवे की राह डाला और कॉरेन को उठकर बैठने को कहा।

कॉरेन ने चादर हटाई और उठकर वहीं पिछली सीट पर ही बैठ गई।

बाकी पूरे रास्ते दोनों ने खामोशी से सफर काटा।

"तुम जाकर दफ्तर खोलो।"—कार के रुकते ही कॉरेन ने कहा—"और मैं इन चादरों को लान्ड्री में दे आती हूँ।"

केन ने हामी भरी और कार से उतर गया।

कॉरेन की प्रेजेन्स ऑफ माईन्ड उससे कहीं बेहतर थी—और केन को इस बाबत कतई कोई मुगालता नहीं था। जहाँ छोटी-छोटी दिक्कतों के आगे वो घबरा जाता था वहीं कॉरेन बड़ी बेबाकी से, बड़ी बहादुरी से उन्हीं परेशानियों के बीच में से अपना रास्ता बना लेती थी।

और वैसे भी—उसका सिर अभी भी दर्द से फटा जा रहा था। ऊपर से उसकी पिछली रात की करतूत पर उसकी कांशिश उसे धिक्कार रही थी।

केन सीधे दफ्तर में पहुँचा और पिछले दिन की डाक थामे अपने टेबल पर पहुँचा।

उसने बड़े मरे मन से काम करना शुरू किया और अभी पहली डाक बस खोली ही थी कि फोन की घण्टी बज उठी।

उसने हाथ बढ़ाकर रिसीवर उठाया।

"हैलो।"—वह बोला।

"केन?"—दूसरी ओर से बेट्टी का स्वर उभरा।

"हॉय बेट्टी।"—वह बोला।

"ओह डार्लिंग—डॉक्टरों ने जवाब दे दिया है।"—बेट्टी ने अस्थिर स्वर में कहा—"डैडी अपनी आखिरी सांसें ले रहे हैं और लगातार तुम्हें ही याद कर रहे हैं।"

केन का चेहरा फक पड़ गया।

बेट्टी के पिता को वो अपने पिता की तरह मानता रहा था।

"मैं अगली फ्लाईट से वहाँ पहुँच रहा हूँ।"—उसने बेट्टी को ढांढस बंधाया—"आई एम सो सॉरी हनी।"

"मैंने अभी चैक किया था—अगली फ्लाईट साढ़े दस बजे है।"

"ठीक है—मैं आ रहा हूँ।"—कहकर उसने रिसीवर वापिस यथास्थान रखा और उठ खड़ा हुआ।

तभी कॉरेन भीतर दाखिल हुई।

"मैंने वो चादरें वहाँ लान्ड्री में...."—वह बोलते-बोलते रुकी और केन के फक चेहरे को देखकर बोली—"अरे अब कौन-सा पहाड़ टूट पड़ा?"

"मेरे ससुर मर रहे है।"—केन ने धीमे से कहा—"मुझे जाना होगा।"

"ओह!"

"मैं सोमवार तक लौटने की कोशिश करूँगा।"

"तुम जाने को कह रहे हो और आज यहाँ लू ने भी अपनी दस हजार की रकम लेने आना है।"

"भाड़ में जाए हरामजादा!"—केन ने कहा और दफ्तर के बाहर निकल गया।

¶¶

भारी बदन वाली केटी व्हाईट इस वक्त रेत पर बैठी अपने सामने रात से जलते अलाव को देख रही थी।

रात से यह सुबह का वक्त था और वहाँ कॉलोनी के लोग नाश्ता वगैरह करके या तो सामने फैले समन्दर में तैरने चले गए थे या फिर छोटी-मोटी कमाई करने अपने-अपने काम पर—लेकिन लू बून अभी अपने केबिन में ही था और केटी वहाँ बैठी उसके बारे में सोचती हुई उसके नाश्ते पर आने का इंतजार कर रही थी।

उसे लू पसंद था।

वो नौजवान था।

खूबसूरत था।

और उसे ऐसे ही जवां मर्द पसंद थे।

केटी अपने ख्यालों में इतना आगे पहुँच गई कि उसे खुद को लू की बाँहों में होने का अहसास हुआ।

उसे ये रोमांटिक अहसास रोमांचित करने लगा।

"केटी—क्या सो गई हो?"—आवाज आई।

केटी ने चौंककर आवाज की दिशा में देखा तो पाया कि सामने मिसकोलो खड़ा था।

"हाँ...सपनों में खो गई थी।"—केटी ने उठते हुए कहा—"अभी सफाई शुरू करती हूँ।"

"ठीक है।"—मिसकोलो ने परेशान होते हुए कहा।

"क्या बात है? तुम परेशान क्यों हो?"—केटी ने पूछा।

"हाँ केटी—मैं वाकई में परेशान हूँ।"

"क्या कोई खास बात हो गई है?"

"दरअसल वही कत्ल का मामला अभी भी मुझे हलकान किए हुए है।"—मिसकोलो ने लम्बी साँस छोड़ते हुए कहा—"ऐसे खतरनाक सिलसिले में हमारी तस्वीर को यूँ टी.वी. स्क्रीन पर दिखाया जाना हमारे हक में नहीं जाने वाला, मुझे पक्का यकीन है कि कल वहाँ लू के केबिन में पहुँचने वाले पत्रकार ने पीछे अपने उस मिनी ट्रक में कोई कैमरा इंस्टाल किया हुआ था। वो पत्रकार—जिसका नाम हैमिल्टन है—इस पूरे मामले में अपनी रिपोर्ट कुछ इस तरीके से पेश कर सकता है कि चारों ओर सनसनी फैल जाए—जिससे चिढ़कर यहाँ का प्रशासन हमें यहाँ से चले जाने का नोटिस थमा सकता है।"

“ओह!”—केटी ने निराशा में कहा।

“और अगर ऐसा हुआ तो मुझे चिन्ता इस बात की है कि हम आगे जायेंगे कहाँ?”

“कहीं भी चले जाएंगे—बहुत जगह है।”—केटी ने सांत्वनापूर्वक कहा और पूछा—“टाईम क्या हो गया?”

“दस बज चुके हैं।”—मिसकोलो ने जवाब देते हुए कहा— “और हमें यहाँ इस जगह दो साल हो गए हैं। हम अब—जब इस जगह पर खूब रच बस गए हैं—इसे छोड़कर अगर किसी और जगह जाने को मजबूर हुए तो बड़ी दिक्कतें पेश आएँगी।”

“हाँ वो तो है।”—केटी ने कहा।

“हमें यहाँ से—इस जगह को छोड़कर—मजबूरन छोड़कर—जाना रास नहीं आने वाला।”

केटी ने उसकी बात पर ध्यान नहीं दिया।

और कुछ मिनटों में वहाँ लू ने आना था और उस वक्त वो लू के साथ वहाँ अकेले रहना चाहती थी।

“तुम स्वीमिंग करने नहीं जा रहे?”—उसने मिसकोलो से बेसब्री से कहा।

“ओह हाँ—मैं चलता हूँ।”—वह बोला—“शायद तुम्हें किसी का इंतजार है।”—उसने आगे बढ़ते हुए कहा—“वैसे बून कह रहा था कि कल वो यहाँ से जा रहा है।”

“शायद वो लौटकर फिर वापिस आ जाए।”

“हाँ—शायद।”—मिसकोलो ने कहा और वहाँ से चला गया।

केटी पीछे अब फिर अकेली थी।

उसने फिर से लू के बारे में सोचना शुरू कर दिया।

वो बस आता ही होगा।

धीरे-धीरे उसकी बेताबी बढ़ने लगी। उसे लगा कि लू शायद अभी भी बिस्तर पर पड़ा ऊंघ रहा होगा और बहुत मुमकिन था कि वो अपना नाश्ता वहीं बिस्तर पर लेना पसंद करे।

वो नया ख्याल उसे और पसंद आया।

लू अपने केबिन में अकेला होगा और ऐसे में उसका वहाँ नाश्ता लेकर जाना....।

वो रोमांचित हो उठी।

उसने फौरन उस आईडिया पर अमल किया और एक आदमी के नाश्ते का इंतजाम करके

लू के केबिन के बाहर आ पहुँची।

उसने दोबारा दरवाजे पर दस्तक दी।

कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई।

"शायद अभी भी नींद में हो?"—उसने सोचा और इस बार कदरन ज्यादा जोर से दरवाजा खटखटाया और कहा—"लू मैं तुम्हारा नाश्ता लाई हूँ।"

इस पर भी भीतर कोई हलचल, कोई हिलडुल न होती देखकर केटी ने दरवाजे को हल्का सा धकेला तो उसे खुला पाया।

उसने केबिन का दरवाजा धीरे-धीरे खोल लिया।

सूरज की धूप, उस केबिन के तख्तों से गुजरकर, कई लकीरों के रूप में भीतर आ रही थी।

और भीतर—

मेज पर खून से सना—लू का कटा हुआ सिर रखा था जिस पर मक्खियाँ भिनभिना रही थीं।

केटी के हाथ से नाश्ते की प्लेट छूटकर नीचे जा गिरी।

बाहर, समन्दर तट पर चले जा रहे मिसकोलो को केटी की एक भयानक आतंकपूर्ण चीख सुनाई दी।

वह तुरन्त पलटा और लू के केबिन की ओर भागा।

¶¶

पुलिस की टीम ने वहाँ डेरा जमा रखा था।

और उसी टीम में टैरी डाऊन भी था जो पुलिस फोटोग्राफर था। अपनी उस नौकरी में उसने अक्सर बड़ी भद्दी और दिल दहलाऊ घटनाओं को कवर किया था लेकिन ये मौजूदा मामला अलग था।

इतना अलग कि टैरी डाऊन ने वहाँ मौकाए वारदात पर तस्वीरें खींचने की अपनी ड्यूटी जैसे तैसे भुगती और फौरन ही लू बून की क्षत-विक्षत लाश से दूर-हटकर बाहर झाड़ियों की ओर भागता चला गया।

और वो अकेला नहीं था जिसकी ऐसी बुरी दुर्गति हो रही थी।

बेगलर, हेस और यहाँ तक कि लेपस्कि जैसे सख्तजान पुलिसिए भी खुद को बामुश्किल संभाले हुए उस वक्त लू बून के केबिन के बाहर खड़े डा. लुईस और उनके सहकर्मियों का इंतजार कर रहे थे।

“यह यकीनन उसी पागल हत्यारे का काम है।”—बेगलर ने पसीना पोंछते हुए कहा—“और उस पर कत्ल करने का भूत सवार है।”

“यह बेहद खतरनाक है।”—लेपस्कि ने कहा।

“क्या तुमने कल टी.वी. पर हैमिल्टन की रिपोर्ट देखी थी?”—हेस ने पूछा—“उसने टी.वी. पर आकर बिल्कुल साफ लफ्जों में खम ठोक कर ये दावा किया था कि लू बून उस पहले वाले कत्ल की रात वहीं मौका-ए-वारदात पर न सिर्फ मौजूद था बल्कि शायद उसने उस रात कातिल को भी देखा था। हैमिल्टन का यही दावा शायद उस विक्षिप्त हत्यारे ने भी देख लिया था और नतीजतन लू बून को खुद के लिए खतरा मानते हुए उसने इसे ठिकाने लगा दिया।”

“मारा तो ठीक—लेकिन मार कर यूँ काट डालने की क्या जरूरत थी?”

“वो इसलिए कि इससे—शायद इसी से उसे वो अपनी मानसिक भूख मिटती देखता था। शायद विक्षिप्तता के उस दौर में लाश की यूँ दुर्गति करना उसे संतोष देता हो।”

“वो सिर्फ पागल नहीं है बल्कि बेहद ऊँचे दर्जे का पागल है। वो पाशविक प्रवृत्ति का ऐसा जुनूनी कातिल है जिसे कत्ल करने का कोई जुनून, कोई नशा है।”

“सही कहा।”

तभी डा. लुईस केबिन से बाहर निकला तो तीनों उसकी ओर उन्मुख हुए।

“किसी नतीजे पर पहुँचे डॉक्टर?”—हेस ने पूछा।

“ये एक हौलनाक कत्ल है।”—डा. लुईस ने बड़े अनमने ढंग से अपने कंधे झटकाते हुए कहा—“और पुलिस महकमे के साथ अपने खूब लम्बे एसोसिएशन के दौरान मैंने कभी इस किस्म के वहशी कत्लों का सामना नहीं किया। अभी वो पिछला कत्ल होकर हटा ही था कि ये एक और....”

“आपकी इस मामले में कोई फाईनल, कोई पक्की रिपोर्ट तो आगे आते-आते आएगी लेकिन फौरी तौर पर आपका इस बाबत क्या कहना है?”—लेपस्कि ने डा. लुईस को टोकते हुए कहा।

“वैल”—डॉ. लुईस ने इशारा समझा—“मोटे तौर पर मेरा अंदाजा यह है कि ये कत्ल बीती रात दो बजे के करीब का हो सकता है। कातिल ने शायद दरवाजा खटखटाया होगा और लू बून के दरवाजा खोलते ही उसने उस पर चौड़े फल वाला कोई पैना चाकू—या ऐसा ही कोई और हथियार—उसे भोंक दिया। ऐसे जबर्दस्त सटीक वार से मौत फौरन हुई लगती है जिसके बाद शायद कातिल ने बड़े इत्मिनान से अपना वक्त लिया और लाश के सिर को उसके धड़ से अलग कर उसे वहाँ उधर मौजूद मेज पर रख दिया। इसके बाद उसने धड़ को भी आगे—गन्ने काटने जैसे किसी औजार से क्षत विक्षत कर दिया।”

“बड़ी हौलनाक घटना है।”—हेस ने कहा।

“बेशक—और इससे मेरा ये ख्याल भी पुख्ता होता लगता है कि कातिल सिर्फ पागल नहीं है। वो नीम पागल है, वो वहशी है जिसे केवल कत्ल करने भर से संतोष नहीं मिलता बल्कि उसकी भूख, उसकी मानसिक वितृष्णा उसके शिकार की लाश को आगे यूँ काट-पीटकर टुकड़े-टुकड़े कर देने पर ही ठण्डी पड़ती है। वो ऐसा मैनियाक है जो किसी को केवल मुर्दा बना देने पर ही नहीं रुक जाता बल्कि उससे कहीं आगे जाकर बकायदा उस मुर्दे की दुरगत करने पर ही रुकता है।”

“आप लाश को वहाँ से उठवा रहे हैं?”—हेस ने पूछा—“हमें केबिन चैक करना है।”

“आदमी लगे हुए हैं—ज्यादा वक्त नहीं लगेगा।”—डॉ. लुईस ने कहा।

“मैं मिसकोलो से पूछताछ करना चाहूँगा।”—लेपस्कि ने हेस से कहा—“वो लड़की जिसने लाश यहाँ केबिन में बरामद की थी—इस घटना के बाद ऐसे सदमे में है कि फिलहाल बात करने की हालत में ही नहीं है।”

“ठीक है।”—हेस ने कहा और डॉ. लुईस से पूछा—“क्या हम उसे सिडेटिव देकर अस्पताल भेज सकते हैं?”

“मैं अभी इंतजाम करता हूँ।”—डॉ. लुईस ने कहा और वहाँ से हट गया। लेपस्कि मिसकोलो के पास पहुँचा और उसके सामने जाकर वहीं नीचे रेत पर ही बैठ गया। और कई लोग अभी भी वहाँ इधर-उधर बिखरे खड़े थे और फुसफुसाहट में बतिया रहे थे।

“उसका कत्ल बीती रात करीब दो बजे हुआ होने का अंदाजा है।”—लेपस्कि ने कहा—“क्या उस वक्त तुमने वहाँ केबिन में कोई आहट, कोई आवाज वगैरह सुनी थी?”

“मैं उस वक्त सोया पड़ा था। सुबह सबसे पहले केटी ने ही ये हादसा देखा था।”—मिसकोलो ने कहा।

“क्या तुम में से किसी ने कुछ देखा था?”—लेपस्कि वहाँ खड़े लोगों से संबोधित हुआ।

“मैंने सुना था।”—एक लम्बे पतले युवक ने आगे आकर कहा।

एक अन्य पुलिस वाला—डस्टी—भी वहाँ आ पहुँचा और अपनी नोटबुक खोल नोट लिखने लगा।

“तुम कौन हो?”—लेपस्कि ने उस नवयुवक से पूछा।

“मेरा नाम बो वाकर है और मैं यहाँ ऐसे ही सैर सपाटा करने के मकसद से पहुँचा हुआ हूँ।”—वह बोला।

“तुमने बीती रात कुछ सुना था?”

“हाँ।”

“लू बून के केबिन में कुछ सुना था?”

“हाँ—मैंने बीती रात उस केबिन में घटी उठापटक सुनी थी।”

“किस वक्त?”

“रात के दो बजकर चालीस मिनट हुए थे।”

“तुम्हें वक्त का ऐसा पक्का अंदाजा क्यों है?”

“मेरे पिता ने मेरी इक्कीसवीं सालगिरह पर ये घड़ी तोहफे में दी है।”—उसने अपनी कलाई घड़ी की ओर इशारा करते हुए कहा—“और मुझे इसमें वक्त देखना बड़ा पसंद है।”

“ओह—तो तुमने बीती रात दो बजकर चालीस मिनट पर क्या सुना था?”

“जी वो हुआ ये कि....”

“रुको”—लेपस्कि ने उसे टोका—“पहले ये बताओ कि तुम ऐसे बेवक्त खुद कैसे जागे हुए थे।”

“मैं पहले से जागा नहीं हुआ था बल्कि उस वक्त रात के उस पहर पेशाब करने इत्तेफाकन उठ गया था।”

“ठीक”—लेपस्कि ने कहा—“तो जब तुम उठे फिर....”

“उस वक्त रात के उस पहर भी लू के केबिन में रोशनी थी।”

“तुमने देखा था?”

“हाँ—मैंने केबिन में रोशनी देखी थी और उसी दौरान दो बार ऐसी आवाजें सुनीं जैसी कसाई के गोश्त काटते समय पैदा होती हैं।”

“अब ये तुम कैसे कह सकते हो कि वो आवाज कसाई के गोश्त काटने जैसी आवाज थी?”

“वो इसलिए कि मेरा बाप भी कसाई है और उस वजह से मैं इस तरह की आवाज को पहचानता हूँ।”

“और ये बीती रात दो बजकर चालीस मिनट की बात है?”

“हाँ—और मैंने क्या कहा?”

“मैंने सुना तुमने क्या कहा”—लेपस्कि बोला—“खैर तुम आगे बताओ।”

“आगे....आगे बताने को कुछ नहीं है।”

“क्या मतलब?”

“मतलब ये कि मैंने जिस वजह से रात की उस घड़ी उठा था, उस वजह से निजात पाकर मैं वापिस अपने बिस्तर पर जा लेटा था।”

“और जब तुम अपनी नेचर कॉल से फुर्सत पाकर वापिस अपने बिस्तर पर पहुँचे, उस वक्त भी लू के केबिन में रोशनी थी?”

“हाँ।”

“तुम्हें यकीन है?”

“बखूबी याद है—अभी कुछ घण्टे पहले ही की तो बात है।”

“तुम यहाँ इस कॉलोनी में कब तक ठहरोगे?”

“अगले महीने तक।”

“बढ़िया”—लेपस्कि ने संतुष्टिपूर्वक कहा—“मैं तुम्हारी इस मदद के लिए शुक्रिया अदा करता हूँ। लेकिन मैं आगे भी तुमसे एक और बार बात करना चाहूँगा—सो मुझसे मिले बिना यहाँ से चले मत जाना।”

“ठीक है।”—बो ने सहमति में सिर हिलाते हुए कहा।

“और सुनो।”—लेपस्कि ने गंभीरतापूर्वक कहा—“फिलहाल प्रेस या किसी के भी सामने तुमने अपना मुँह नहीं खोलना है, वरना तुम्हारा हश्र भी लू बून वाला हो सकता है।”

“मतलब?”—बो ने हड़बड़ाते हुए पूछा।

“मतलब यही कि हमें शक है कि लू बून की हत्या यहाँ बीती रात इसलिए की गई है कि कातिल को उस पर शक था। हम नहीं चाहते कि वो विक्षिप्त हत्यारा एक और खून करने में कामयाब हो।”

“मतलब तो यही हुआ न कि मेरी जान खतरे में है।”—वह बोला।

“सावधान रहो—और अपना मुँह बंद रखो।”—लेपस्कि ने कहा और डस्टी को निर्देश दिया—“इसका स्थाई रेसिडेंशल एड्रेस नोट करना न भूलना।”

“यस सर।”—डस्टी बोला।

लेपस्कि ने बो का कंधा थपथपाया और वापिस लू बून के केबिन की ओर बढ़ गया।

केबिन में डॉक्टर लुईस की होमीसाईड डिपार्टमेन्ट की टीम अभी भी अपने काम में जुटी

हुई थी।

हेस वहीं पास में खड़ा सिगार फूँक रहा था।

लेपस्कि ने उसे जाकर रिपोर्ट दी और बताया कि बीती रात कैसे बो वाकर नाम के एक युवक ने उस तरह कसाई के गोश्त काटने की आवाजें आती सुनी थीं।

“हम्म”—हेस ने कहा—“तो इसका मतलब कि कत्ल बीती रात दो बजे से दो चालीस के बीच हुआ है।”

“जी सर—फिलहाल तो ऐसा ही लगता है।”

“ये एक महत्वपूर्ण बात है।”—हेस ने कहा—“और आगे हमारे काम आने वाली है।”

तभी होमीसाईड डिपार्टमेन्ट का एक आदमी केबिन से बाहर निकला और उनके पास पहुँचा।

“ये केबिन में मौजूद एक बैग से बरामद हुए हैं।”—उसने हेस को दो लिफाफे थमाते हुए कहा।

हेस ने लिफाफे ले लिए और उन्हें खोला।

एक लिफाफा मिसेज केन ब्रैन्डन के नाम था और दूसरा मिस्टर जेफरसन स्टर्नवुड के नाम।

हैरान होते हुए हेस ने लिफाफों में मौजूद रुक्कों को पढ़ा—वो रुक्के जो दरअसल ब्लैकमेलिंग के मकसद से तैयार किए गए थे। केन और कॉरिन को ब्लैकमेल करने और उनसे दस हजार डॉलर की रकम हासिल होने की उम्मीद लिए लू बून मरा जा चुका था।

“तो ये हरामजादा उन दोनों को ब्लैकमेल कर रहा था।”—हेस ने दोनों रुक्कों को वापिस लिफाफों में डालते हुए कहा—“और ये इस कमबख्त की मौत की वाहिद वजह हो सकती है।”

“यानि कि लू बून का कत्ल केन ब्रैन्डन ने कॉरिन के साथ मिलकर इसलिए किया कि वो उन्हें ब्लैकमेल करने पर तुला हुआ था।”

“भई”—हेस ने कहा—“मोटिव तो है ही।”

“नहीं सर।”—लेपस्कि ने असहमति जताते हुए कहा—“मेरे गले ये बात नहीं उतरती कि केन जैसा आदमी किसी का कत्ल करके उसकी लाश को यूँ कसाई की तरह काटकर टुकड़े-टुकड़े कर दे।”

“भई—मोटिव तो है न उसके पास।”

“सर मोटिव है—लेकिन वो मोटिव, वो उद्देश्य महज कत्ल की वजह हो सकता था, कत्ल

के बाद लाश को यूँ क्षत-विक्षत कर देने की वजह नहीं। ये काम तो किसी नीम पागल का है, किसी मैनियाक किसी सैडिस्ट का है जिसे केवल कत्ल करके नहीं बल्कि कत्ल कर चुकने के बाद लाश की उस किस्म की दुरगत करने में तसल्ली मिलती थी।"

"और केन ऐसा नीम पागल नहीं है?"

"लगता तो नहीं। लगता तो बिल्कुल भी नहीं।"

"हम्म....वैसे क्या पता कि किसी के दिमाग में कब कैसा फितूर जाग जाए और वही फितूर वही जुनून के तहत वो क्या कर गुजरे।"—हेस ने जिद की—"लेकिन फिर भी तुम्हारी बात में वजन है। मुझे लगता है—इस बाबत चीफ से बात करना ठीक रहेगा।"

"ठीक है सर।"—लेपस्कि ने कहा।

अगले बीस मिनट बाद दोनों पुलिस अफसर चीफ से मिलने पुलिस हैडक्वार्टर पहुँच चुके थे।

वहाँ पहुँचते ही जैकोबी ने लेपस्कि को एक ओर ले जाकर खबर दी कि वहाँ उसके पीछे लेवाइन ने उससे फोन पर संपर्क साधने की कोशिश की थी।

"क्या कोई खास बात कहना चाहता था?"—लेपस्कि ने पूछा।

"हाँ—लेकिन सिर्फ आपसे।"—जैकोबी बोला।

"चीफ है?"

"नहीं—फिलहाल मेयर से मिलने गया हुआ है।"

"बढ़िया—इसका मतलब है कि मेरे पास लेवाइन को कॉल कर सकने लायक कुछेक मिनट हैं।"—लेपस्कि ने अधीरतापूर्वक कहा—"आओ—उसे फोन लगाते हैं।"

जैकोबी ने लेवाइन के नम्बर पर कॉल लगाई।

"मिस्टर लेवाइन"—संपर्क स्थापित होते ही जैकोबी बोला—"आप मिस्टर लेपस्कि से बात करना चाहते थे—लीजिए वो फोन पर हैं।"

"ओह शुक्रिया।"—लेवाइन ने कहा।

"मिस्टर लेवाइन....?"—लेपस्कि ने कॉल पर आते हुए कहा।

"जी मिस्टर लेपस्कि।"

"आपने मुझे कॉल की थी?"

"जी हाँ—मैं आपसे एक बात शेयर करना चाहता था।"

“जी कहिए।”

“जी—दरअसल आज सुबह मैंने रैक में देखा तो पाया कि मेरी बनाई एक जैकेट में से एक बटन गायब था।”

“गायब था?”

“जी—मेरा मतलब है कि उस बटन को वहाँ जैकेट पर से किसी ने काटकर अलग निकाल लिया था।”

लेपस्कि फौरन सतर्क हुआ।

“और वो बटन कैसा था?”—उसने पूछा।

“जी वो ठीक वैसा ही बटन था—गोल्फ बॉल डिजाईन वाला—जो आजकल इतनी चर्चा में है।”

“और उसे—उस खास बटन को वहाँ आपके यहाँ रैक में मौजूद किसी जैकेट में से बकायदा काटकर अलग निकाल लिया गया है।”

“जी हाँ।”

“आपकी जानकारी में लाए बिना?”

“जी हाँ।”

“ओके....”—लेपस्कि ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए कहा—“क्या आप वो जैकेट दो-चार दिन के लिए हमें दे सकते हैं?”

“सॉरी—उसे तो मैंने दुरुस्त करके आज सुबह बेच भी दिया है।”

“बेच भी दी?”

“जी हाँ।”—लेवाइन ने धीमे स्वर में कहा—“मैंने उसमें दूसरा बटन लगाया ही था कि एक कस्टमर—जो उसी वक्त वहाँ पहुँचा था—ने उसे पसंद कर तभी के तभी खरीद भी लिया था।”

“इतनी तुरत-फुरत।”

“अब मैं क्या कहूँ। हुआ तो ये तुरत-फुरत में ही।”

“ओह!”—लेपस्कि निराशा भरे स्वर में बोला—“खैर—वो ग्राहक कौन था जिसे आपने वो जैकेट बेची?”

“जी—मैं नहीं जानता वो कौन था।”

“क्या मतलब?”

“मतलब ये कि वो कैश कस्टमर था जिसने मेरी दुकान पर आकर अपनी पसंद की जैकेट चुनी और कैश पैमेन्ट कर दिया। तो यूँ मुझे उसका नाम पूछने की जरूरत ही नहीं पड़ी।”

“हम्म....नाम न सही उसका हुलिया वगैरह तो बता सकते हैं आप?”

“जी—देखने में तो वो कोई सज्जन, कोई भद्र पुरुष ही जान पड़ता था जो खुद को यहाँ टेक्सास शहर से आया होना बता रहा था।”

“दिखने में कैसा था? कद काठी कैसी थी?”

लेवाइन ने बताया।

“मिस्टर लेवाइन”—लेपस्कि ने अंत में पूछा—“क्या आप महज बटन देखकर बता सकते हैं कि वो बटन जैकेट पर आपका टांका ओरिजनल बटन है या आपकी जैकेट के साथ सप्लाई किया जाता उन स्पेयर बटनों के स्टॉक का हिस्सा है जो कि आप अपनी हर जैकेट के साथ देते करते हैं।”

“नहीं”—लेवाइन ने हैरान होते हुए कहा—“ये कैसे मुमकिन है। आखिरकार बटन तो बटन ही है।”

लेपस्कि ने लम्बी सांस छोड़ी और वार्तालाप समाप्त किया।

“तुम ब्रैन्डन की जैकेट और उस डुप्लिकेट बटन को लेकर लैब पहुँचो।”—लेपस्कि ने जैकोबी को स्थिति समझाते हुए कहा—“हो सकता है कि यूँ वहाँ लैब में जांच होने पर ये पता लगाया जा सके कि वो सारे बटन एक ही स्टाक का हिस्सा हैं या अलग-अलग वक्त पर बनाए गए समान डिजाईन वाले बटन हैं।”

“ठीक है।”—जैकोबी ने कहा और चला गया।

पीछे लेपस्कि ने लेवाइन को दोबारा कॉल लगाई।

“मिस्टर लेवाइन”—संपर्क स्थापित होने पर उसने पूछा—“क्या पिछले दो दिनों में मिस्टर केन ब्रेन्डन आपकी दुकान पर आए हैं?”

“जी नहीं।”—लेवाइन ने बताया।

“शायद उस वक्त आए हों जबकि आप वहाँ अपने काऊण्टर पर मौजूद न रहे हों?”—लेपस्कि ने एक बार फिर कोशिश की।

“जी नहीं—ये मुमकिन ही नहीं है।”—लेवाइन ने कहा—“मैं अपना काऊण्टर यूं अन-अटैण्डेड कभी नहीं छोड़ता।”

“ओह!”—लेपस्कि ने कहा और रिसीवर रख दिया।

अब आगे उसे चीफ का इंतजार करना था।

चीफ जो मेयर से मिलने बाहर निकला हुआ था।

लेपस्कि अपनी मेज के पीछे अपनी कुर्सी पर जा बैठा और डिटेक्टिव हेल को भी वहीं बुलवा लिया।

उनका वो इंतजार पौने बारह बजे तक चला।

तब तक जब तक कि चीफ वापिस अपने ऑफिस नहीं लौट आया।

“ओके ऑफिसर्स।”—चीफ ने अपनी कुर्सी पर बैठकर अपना स्मोकिंग पाईप भरते हुए पूछा—“तो क्या प्रोग्रेस है?”

“लू बून की हत्या का सही वक्त पता लग गया है।”—लेपस्कि ने रिपोर्ट पेश करते हुए कहा—“केबिन में हमें जितने भी फिंगरप्रिन्ट मिले हैं उन्हें चैक किया जा रहा है।”

“हूँ।”—पुलिस चीफ टेरेल ने कहा।

“हमारा अंदाजा है कि लू बून की लाश को यूँ काटते-छांटते वक्त कातिल शायद पूरी तरह से नंगा था जिसने अपने बदन पर लगे खून को वहीं केबिन के अटैच्ड शॉवर रूम में जाकर बकायदा अच्छी तरह नहा-धोकर साफ किया था। जाहिर है इस वजह से उसके कपड़ों पर शायद खून नहीं लगा होगा।”

“ये कातिल मेरे कैरियर की सबसे बड़ी चुनौती, सबसे बड़ा चैलेंज बनता जा रहा है।”

“सर—हमारा खुद का भी यही मानना है।”

“और आगे क्या कुछ मिला?”—टेरेल ने पूछा—“उधर केबिन की तलाशी हो गई?”

“यस सर”—लेपस्कि बोला—“वहाँ तलाशी में हमें एक बैग में से दो नोट, दो रुक्के बरामद हुए हैं जो लू बून को ब्लैकमेलर के तौर पर स्थापित करते हैं।”

“यानि लू बून किसी को ब्लैकमेल कर रहा था?”

“किसी को नहीं—केन ब्रैन्डन और कॉरेन स्टर्नवुड को।”

“वो दो रुक्के उनके नाम हैं?”

“नहीं—वो दो नोट दरअसल केन ब्रैन्डन की बीवी और कॉरेन स्टर्नवुड के पिता के नाम हैं जिनमें उन दोनों के नाजायज रिश्ते की तरफ इशारा किया गया है।”

“तो ये कत्ल का मकसद, हत्या का मोटिव बनता है।”—टेरेल ने कहा।

“बनता तो है सर,”—लेपस्कि ने हिचकिचाते हुए कहा— “लेकिन मेरा जाती ख्याल है कि

क्रेन ब्रैन्डन में ऐसा वहशियाना एक्ट कर सकने का माद्दा नहीं है।”

“यानि केन ब्रैन्डन कातिल नहीं है।”

“साथ में कॉरेन भी नहीं।”

“हम्म....”—टेरेल ने कहा—“आगे देखेंगे। तुम अपनी बात पूरी करो।”

लेपस्कि ने लेवाइन की फोन कॉल और उसके दुकान के रैक में जैकेट से काटे गए बटन की बाबत बताया।

“और ये काम मिस्टर ब्रैन्डन का हो सकता है।”—लेपस्कि ने अंत में कहा।

“ठीक है।”—टेरेल ने कहा—“अब मेरी सुनो।”

“यस सर।”

“शहर के मेयर मिस्टर हेडली जानना चाहते हैं कि हम इन कत्ल की दोनों सनसनीखेज घटनाओं को हल करने में कहाँ तक पहुँचे हैं। मैंने उनसे मिस्टर स्टर्नवुड और ब्रैन्डन के बारे में बताया है और इस मामले में खास मिस्टर स्टर्नवुड की बेटी के मामले में उन्होंने मुझे चेताया है। उनका कहना है कि जब तक ब्रैन्डन के नीम पागल होने का अकाटच सबूत न मिल जाए, उस पर कोई हाथ न डाला जाए, मिस्टर स्टर्नवुड इन दिनों किसी तगड़े सिटी लोन को बैक कर रहा है और ऐसे में अगर हमने उसकी लड़की के नाम से जुड़ा कोई स्कैण्डल खड़ा किया तो ....।”—टेरेल ने लम्बी सांस छोड़ते हुए कहा—“मुझे अपने लिए नई नौकरी ढूँढनी पड़ जाएगी।”

“लेकिन ब्रैन्डन के पास कत्ल का तगड़ा उद्देश्य है।”—अब तक वार्तालाप में मूक पार्टिसिपेन्ट रहे हेस ने कहा।

“हो सकता है।”—टेरेल ने कहा—“लेकिन तुम इस पूरे मामले में हैमिल्टन वाला पहलू भूल रहे हो जिसने बकायदा टी.वी. पर लू बून की तस्वीर फ्लैश करके ये दावा किया कि उसने उस पहले कत्ल वाली रात कातिल को देखा था।”

“यस सर।”

“हैमिल्टन का ये दावा लू बून की मौत की वजह बना हो सकता है।”

“यस सर—आई एग्री टू दैट।”

“लेकिन अगर लैब में जांच से पता चला कि ब्रैन्डन के बटनों में से एक दरअसल दूसरी जगह से काटा हुआ है तो....”—लेपस्कि ने पूछा।

“उस सूरत में भी केवल यही साबित होगा कि ब्रैन्डन अपनी कुलीग और मिस्टर स्टर्नवुड की बेटी—कॉरेन स्टर्नवुड—के साथ अपने अफेयर के मामले को छुपाना चाहता

है।”—टेरेल ने धैर्यहीन स्वर में कहा—“ब्रैन्डन पर दबाव डालने से पहले हमारे हाथ में उसके खिलाफ पुख्ता और ठोस सबूत होने चाहिए।”

“इसका मतलब फिलहाल हमें ब्रैन्डन पर हाथ नहीं डालना है।”—हेस ने खींजते हुए कहा।

“डू आई हैव टू ड्रा ए डायग्राम?”—टेरेल बोला।

“नो सर....”—हेस हड़बड़ाया—“आफकोर्स नॉट सर। वी गॉट इट।”

“लाईक दैट?”—टैरेल ने पूछा।

“यस सर—जस्ट लाईक दैट।”

“गुड”—टेरेल संतुष्टि के साथ बोला।

“लेकिन इसका मतलब”—लेपस्कि बोला—“कि हम घूमफिरकर फिर वहीं खड़े हैं जहाँ से चले थे।”

“नहीं”—टेरेल बोला—“हमें साईरस ग्रेग वाली जैकेट का अभी पता नहीं चला है सो वो एक लाईन है जिसे अभी प्रापर्ली फॉलो किया जाना बाकी है।”

“यस सर”—लेपस्कि ने कहा—“मिसेज ग्रेग और उनके बटलर का दावा है कि उन्होंने वो जैकेट सॉल्वेशन आर्मी को डोनेट कर दी थी वहीं सॉल्वेशन आर्मी के डिपो का इंचार्ज—क्रैडाक—कसम उठाकर कहता है कि वो जैकेट उसके पास कभी नहीं आई।”

“लेपस्कि”—टेरेल ने कहा—“तुम्हारे पास ब्रैन्डन की जैकेट है।”

“यस सर—मैंने उसे लैब भेजा है।”

“बढ़िया—उस जैकेट को लैब से वापिस मंगाकर हैमिल्टन के पास ले जाओ और उससे कहो कि वो उस जैकेट की तस्वीर को बकायदा टी.वी. पर फ्लैश करे। आगे उस जैकेट की तस्वीरें अखबारों में भी छपवाओ....इससे कुछ तो सरगर्मी होगी।”

“जी सर।”

“हो सकता है कि कातिल उस जैकेट को यूँ देखकर कोई हरकत करे और हमारे जाल में आ फंसे।”

“लेकिन सर”—लेपस्कि ने हिचकिचाते हुए कहा—“यह दूर की कौड़ी है। हत्यारा केन ब्रैन्डन की जैकेट से बेवकूफ नहीं बनाया जा सकता।”

“हो सकता है तुम्हारी बात सही हो,”—टेरेल ने कहा—“लेकिन एक चांस तो लिया ही जा सकता है। क्यों?”

“जी सर—यूँ एक चांस तो लिया ही जा सकता है, लिया जायेगा। मैं खुद उस जैकेट को लेकर ऐसे इंतजाम करता हूँ।”

“फौरन।”

“यस सर—फौरन।”

“बढ़िया”—टेरेन बोला—“नाओ टेक ए वॉक।”

दोनों अफसर लेपस्कि और हेस—फौरन अपनी जगह पर खड़े हुए और चीफ का अभिवादन कर बाहर आ गए।

लेपस्कि खुश हो रहा था।

उसने हैमिल्टन से मिलकर जैकेट को टी.वी. पर फ्लैश किए जाने का इंतजाम करना था।

और ये उसके लिए टी.वी. पर आने का मौका था।

कॉरेल—उसकी बीवी—उसे टी.वी. स्क्रीन पर देखकर खुशी से नाचने लगेगी।

उसके पड़ोसी भौंचक्के रह जाएंगे।

और उसके सहयोगी जलभुन जाएंगे।

बढ़िया—बढ़िया।

टी.वी. पर आने का ख्याल उसे रोमांचित किए जा रहा था।

¶¶

बुढ़ाता विलेन्सकी एक अरसे से पुलिस महकमे के अंतर्गत क्राईम इन्वेस्टिगेशन लैब में काम कर रहा था और अपने तजुर्बे के दम पर उसने कई उलझे केसों की गुत्थियों को सुलझाने में मदद की थी। उसने बड़ी नापसन्दगी के भाव से अपने सामने खड़े लेपस्कि की ओर देखा।

“बटनों का कुछ पता चला?”—लेपस्कि ने उससे जैकेट वापिस मांगते हुए पूछा।

“सब पता चल गया।”—विलेन्सकी ने कहा—“तुम लोग सिर्फ टाँगों से काम लेते हो, आँखों से नहीं। अगर तुमने आँखों से काम लिया होता तो फौरन पता कर लेते कि उन सब बटनों पर सीरियल नम्बर पड़े हुए हैं।”

“क्या वाकई में?”

“हाँ—और उसी वजह से ये बात पकड़ में आई है कि तुम्हारे दिए बटनों में एक बटन ऐसा भी है जो आगे न तो बैन्डन की जैकेट के बटनों से मेल खा रहा है और न ही उसके

डुप्लिकेट बटनों से।”

“ओह!”

“हाँ—अगर उस बटन का सीरियल नम्बर हम मिस्टर लेवाइन की जैकेट के बटनों से मिलान कर पाते तो बेहतर होता।”

“उससे क्या होगा?”

“उससे ये होगा कि हम बेहद आसानी से इस तथ्य को स्थापित कर पायेंगे कि बैन्डन ने या किसी और ने उस एक सिंगल आऊट किए एक अलग सीरियल नम्बर लिखे बटन को कहीं और से, किसी और जैकेट से हासिल किया और अपने डुप्लिकेट बटनों के सैट में मिलाकर उन्हें तुम्हारे आगे परोस दिया।”

“ओह यस!”—लेपस्कि ने सिर हिलाते हुए कहा—“अब तुम वो जैकेट दो।”

“वो तो मैं दे ही रहा हूँ।”—विलेन्सकी ने कहा—“लेकिन मैं एक और बात कहना चाहता था।”

“क्या?”

“दरअसल बटनों में इस किस्म की हेरफेर के स्थापित हो जाने के बावजूद अभी आगे ब्रैन्डन को उनके दम पर कातिल साबित नहीं किया जा सकेगा।”

“क्या मतलब?”—लेपस्कि ने मुट्ठियाँ भींचते हुए कहा।

“मतलब ये कि मौका-ए-वारदात पर जो बटन मिला है और जिसे आगे डिटेक्टिव हेस ने मुझे दिया था—उसका सीरियल नम्बर एकदम अलग है। वो कोई और सीरियल का नम्बर है जो न तो ब्रैन्डन की जैकेट और उसके डुप्लिकेट बटनों से मिलता है और न मिस्टर लेवाइन के बटनों से।”

“ठीक है—ठीक है।”—लेपस्कि जो इस वक्त सिर्फ टी.वी. स्क्रीन पर आने की बाबत सोच रहा था, इसे अनसुना सा करते हुए बोला—“तुम जरा वो जैकेट इधर करो, मुझे टी.वी. स्टूडियो जाना है।”

विलेस्की ने एक अलमारी से जैकेट बरामद की और उसे थमा दी। लेपस्कि ने जैकट ली और लैब से बाहर निकल आया जहाँ एक टेलीफोन बूथ पर नजर पड़ते ही उसे याद आया कि उसने खुद के टी.वी. पर आने के बारे में कैरोल को तो खबर ही नहीं की थी। वह एक टेलीफोन बूथ में जा घुसा और अपने घर का नम्बर मिला दिया।

“सुनो।”—दूसरी ओर कैरोल का फोन उठाते ही उसने कहना चाहा—“आज....”

“लेपस्कि”—कैरोल ने उसकी बात काटते हुए कहा—“वो महिताबेल वाले क्लूज का तुमने कुछ किया?”

“कौन से क्लूज?”

“महिताबेल के बताये क्लूज। भूल भी गए?”

“कौन से—याद दिलाओ तो।”

“अरे वो लाल सुर्ख चाँद, काला आकाश और सन्तरी सागर तट वाला।”

“अच्छा वो!”—लेपस्कि को याद आया।

“हाँ वो....वो लम्बा वाला वो।”—कैरोल ने पूछा—“कुछ किया उसका?”

“हाँ कर रहा हूँ, काम जारी है लेकिन तुम ये सब छोड़ो और मेरी सुनो। मैं आज ....।”

“क्या मतलब? क्या कर रहे हो उन क्लूज का? कैसा काम जारी है?”

“मतलब अपनी बोलते रहना।”—लेपस्कि ने चिढ़कर कहा—“मेरी मत सुन लेना।”

“क्या? क्या बताना चाहते हो?”

“तुम बोलने दो तो बताऊँ ना। मुँह खोलते ही तो बात काट देती हो।”

“अच्छा अब बताओ भी।”—कैरोल ने कहा।

“बात दरअसल ये है कि आज रात नौ बजे पैट हैमिल्टन के टी.वी. शो में मैं भी हिस्सा ले रहा हूँ।”

“ओह टॉम।”—यकायक कैरोल के स्वर में मिश्री घुल गई—“क्या वाकई? सच कह रहे हो न?”

“एकदम सच।”

“टॉम....मुझे तुम पर गर्व है।”

“और हाँ—तुम जरा पड़ोसियों को भी खबर कर दो। उन हरामखोरों को भी पता चले कि मेरी मेरे महकमे में क्या औकात है। कमीने मुझे टी.वी. पर देखकर जल-जल मरेंगे।”

“ठीक है टॉम।”

“याद से।”

“हाँ-हाँ, तुम परेशान मत हो। पैट हैमिल्टन शो, रात नौ बजे—है न?”

“हाँ।”

“ठीक है—मैं सबको बता दूंगी।”

“ठीक है—याद से बता देना। मैं सीधे टी.वी. स्टूडियो ही जा रहा हूँ, वक्त कम है।”

“ओके टॉम।”

“ओके बाय”—कहकर लेपस्कि ने कनैक्शन काट दिया और टी.वी. स्टूडियो की ओर रवाना हो गया।

लेपस्कि सैकण्ड फ्लोर पर हैमिल्टन के पास पहुँचा तो पाया कि वो वहाँ दो आदमियों के साथ बात करने में व्यस्त था। उसके फ्री होने के इंतजार में लेपस्कि जैकेट हाथों में लिए वहीं खड़ा-खड़ा पहलू बदलता रहा।

हैमिल्टन से इस बारे में पहले ही बात हो चुकी थी और वो अपने प्रोग्राम में इस जैकेट को दिखाकर प्रशासन का सहयोग करने को तैयार हो गया था।

“ओह—हाय लेपस्कि।”—आखिरकार हैमिल्टन ने फ्री होकर लेपस्कि की ओर बढ़ते हुए कहा।

“हाय पैट”—लेपस्कि बोला—“मैं जैकेट लाया हूँ।”

“हाँ, मैं इसी के इंतजार में था।”—हैमिल्टन बोला—“आओ चलें।”

“ऐसे ही....मेरा मतलब मुझे टी.वी. स्क्रीन पर लाने से पहले किसी मेकअप वगैरह की जरूरत नहीं?”—लेपस्कि ने हैरानी से पूछा।

“उसकी जरूरत नहीं—तुम ऐसे ही ठीक हो।”—हैमिल्टन बोला—“आओ।”

दोनों स्टूडियो के उस हिस्से में पहुँचे जहाँ तेज रोशनियाँ फैली हुई थीं। वहाँ कई कैमरे कई कोणों की तस्वीर उतारते इधर-उधर लगे हुए थे और उस पूरे सैटअप को संभालने के लिए वहीं टेक्नीशियनों की एक छोटी फौज मौजूद थी।

“मैं आज सबसे पहले तुम्हारी न्यूज ही दिखाने जा रहा हूँ।”—हैमिल्टन बोला—“तुम सिर्फ ये जैकेट पकड़े रहना और जो कमेन्ट्री देनी है मैं दे दूँगा।”

“ठीक है।”—लेपस्कि ने कहा।

“अब तुम जैकेट लेकर वहाँ डायस के पास पहुँचो।”— हैमिल्टन ने उसे एक ओर इशारा करते हुए कहा—“जल्दी करो, शो का टाईम हो गया है और हम ऑन एयर होने वाले हैं।”

“मैं हैट पहन लूँ?”—लेपस्कि ने पूछा।

“सभी पुलिसवाले पहनते हैं।”—हैमिल्टन ने सांस छोड़ी—“तुम भी पहन लो....लेकिन जरा जल्दी करो।”

लेपस्कि ने अपनी हैट पहनी और फटाफट अपनी पोजीशन ले ली। वहीं मौजूद एक टैक्नीशियन ने उसे बताया कि उसने जैकेट कैसे पकड़नी थी।

लेपस्कि ने पकड़ी।

कैमरे उसकी ओर घूमे।

लेपस्कि ने अपना सीना फुला लिया।

"ओके...."—हैमिल्टन ने उस पर नजर डाली—"मैं तुम्हें इशारा कर दूँगा"—फिर उसने दीवार घड़ी पर निगाह डाली और बोला—"वक्त हो गया है।"

स्टूडियो में मौजूद हर शख्स अब सतर्क हो गया था।

हैमिल्टन फटाफट एक प्लेटफार्म पर बनाए गए एक बड़ी मेज के पीछे अपनी कुर्सी पर पहुँचा।

तुरन्त एक कैमरा उसकी ओर केन्द्रित हुआ।

"गेट रेडी"—किसी टैक्नीशियन की आवाज आई—"अगले दस सैकण्ड में हम ऑन एयर लाईव होंगे।"

हैमिल्टन तैयार था।

लेपस्कि तो पहले ही तैयार था।

स्टूडियो में उल्टी गिनती शुरू हुई।

दस....नौ....आठ....सात ....।

लेपस्कि बड़ा व्याकुल हो रहा था। टी.वी. स्क्रीन पर आने के ख्याल से ही वह बेहद रोमांचित था।

अब वो यकीनन अपने इलाके में एक हीरो की मानिंद देखा जाएगा।

वाह-वाह।

तीन....दो....एक—ऑन एयर।

हैमिल्टन पर केन्द्रित कैमरा जूम हुआ तो हैमिल्टन ने बोलना शुरू किया।

"मैं पैट हैमिल्टन आपका अपने इस शो में स्वागत करता हूँ। आज हम बात करेंगे....।"

लेपस्कि हैमिल्टन के शब्द सुन रहा था लेकिन उसके दिमाग में घर पर टी.वी. देख रही कैरोल और उसके पड़ोसियों की तस्वीरें फ्लैश हो रही थीं।

वो सब कितने प्रभावित, कितने इंप्रैस हो रहे होंगे।

"हम चाहते हैं कि आप सब इस जैकेट को देखें।"—लेपस्कि को हैमिल्टन के शब्द सुनाई

दिए—“हम चाहते हैं कि हमारे दर्शकों में से कोई ऐसा हो जो इस जैकेट की सही शिनाख्त कर सके और अगर ऐसा हो पाया तो यह हमारे शहर के पुलिस महकमे के लिए एक बड़ी मदद होगी। याद रखिए, एक वहशी कातिल अपनी सनक में आज भी हमारे इस शहर की किन्हीं गलियों में अपने अगले शिकार की तलाश में घूम रहा है। हम नहीं चाहते कि वो हमारे शहर की शान्ति को भंग करे, हम बिल्कुल नहीं चाहते कि अब आगे उस वहशी सनकी कातिल को कोई और शिकार मिले और इसके लिए इस जैकेट की शिनाख्त होना बेहद जरूरी है।”

एक दाढ़ी वाले टैक्नीशियन ने लेपस्कि को कुछ इशारा किया तो लेपस्कि एकाएक समझ ही न सका कि उसे अपने चेहरे पर कैसे भाव पैदा करने हैं। अपने हिसाब से उसने अपने चेहरे पर कठोरता के भाव उभार लिए। वो उस वक्त शहर के पुलिस विभाग का नुमाईंदा था।

सख्त, अनुशासित, सेवादार।

कैमरा उसकी ओर जूम हुआ तो दाढ़ी वाले ने उसे दोबारा कोई संकेत किया।

शायद ये कठोरता के भाव सही नहीं थे।

लेपस्कि ने अपने चेहरे पर मित्रवत भाव पैदा किए।

“अगर आप में से कोई भी इस जैकेट को पहचानता हो”—हैमिल्टन कमैन्ट्री कर रहा था—“तो बिना देर किए फौरन पुलिस हैडक्वार्टर से संपर्क स्थापित करें।”

इसके साथ ही लेपस्कि पर केन्द्रित कैमरा दूसरी ओर घूम गया।

उसी दाढ़ी वाले ने लेपस्कि को ‘थम्पस अप’ का संकेत किया।

काम हो गया था।

लेपस्कि टी.वी. स्क्रीन पर फ्लैश हो गया था।

मुदित मन से लेपस्कि ने जैकेट की तह बनाई और स्टूडियो से बाहर निकल गया।

उसने आज टी.वी. स्क्रीन पर आकर ‘एक मिनट की प्रसिद्धि’ हासिल कर ली थी।

और इस एक ख्याल से उसके पाँव मानो जमीन पर ही नहीं पड़ रहे थे। उसने बाहर सड़क पर आते ही इधर-उधर निगाह डाली।

सड़क किनारे एक ओर एक टेलिफोन बूथ मौजूद था। उसने फटाफट वहाँ पहुँचकर अपने घर का नम्बर डायल कर दिया।

जब तक कैरोल ने दूसरी ओर से फोन न उठा लिया वह बेचैनी से पहलू बदलता रहा।

“हैलो।”—दूसरी ओर से कैरोल ने फोन रिसीव किया।

“ओह हाय बेबी!”—लेपस्कि ने पूछा—“कैसा लगा?”

“क्या कैसा लगा?”—कैरोल ने लेपस्कि की आवाज पहचानते हुए पूछा।

“ओह बेबी—बताओ न कैसा लगा? पसंद आया?”

“अरे क्या कैसा लगा?”—कैरोल चीख पड़ी।

“क्यों—तुमने मेरा प्रोग्राम नहीं देखा?”

“मेरी बात सुनो”—कैरोल बोली—“मैंने अपने पड़ोस की तीन फैमिलीज़ को अपने यहाँ इनवाईट किया था और इस इनविटेशन की रू मैं मैंने उन्हें अपने यहाँ मौजूद जिन की आखिरी बोतल सर्व करने के बाद अब”—कैरोल ने गहरी सांस ली—“मजबूरी में तुम्हारी वो कट्टी सार्क की बोतल खोलकर सर्व की है।”

“अरे भाड़ में जाए वो।”—लेपस्कि ने चिढ़कर कहा—“मुझे ये बताओ कि मैं टी.वी. स्क्रीन पर कैसा लग रहा था?”

“मुझे क्या पता?”—कैरोल भड़कते हुए बोली।

“क्यों तुमने हैमिल्टन का शो नहीं देखा?”

“देखा था।”

“तब तुम्हें स्क्रीन पर मैं दिखाई नहीं दिया”—लेपस्कि ने पूछा—“या तुम सब उस वक्त तक नशे में धुत्त हो चुके थे?”

“न तो हम नशे में धुत्त थे और न ही तुम स्क्रीन पर दिखाई दिए—हाँ, दो हाथों में थमी एक जैकेट का क्लोज अप जरूर दिखाई दिया था और अगर उस जैकेट को थामे दो हाथ तुम्हारे थे तो....।”—कैरोल ने व्यंग किया—“तुम्हें उन हाथों को धो लेना चाहिए था। वहाँ स्क्रीन पर बड़े गन्दे लग रहे थे।”

“सिर्फ हाथ दिखाई दिए?”

“हाँ।”

अब लेपस्कि को समझ में आया कि क्यों उसका मेकअप नहीं किया गया था?

और क्यों हैमिल्टन को उसके हैट पहनने-न पहनने की कोई फिक्र नहीं थी?

लेपस्कि ने एक गहरी सांस ली।

उसने बिना कुछ बोले कॉल डिस्कनैक्ट की, रिसीवर को यथा स्थान टिकाया और बूथ से बाहर निकलकर अपनी कार की ओर चल दिया।

अचानक उसने खुद को बेहद थका हुआ महसूस किया।

वो बेहद निराश था।

हैमिल्टन ने उसे स्क्रीन पर दिखाया ही नहीं था और यूँ उसकी वो—एक मिनट की ख्याति—भी दरअसल छलावा ही साबित हुई थी।

भारी कदमों से चलता हुआ वो अपनी कार में आ बैठा। उसने कार स्टार्ट की और वापिस हैडक्वार्टर पहुँचा। उसने जैकोबी के दफ्तर में प्रवेश करते ही देखा कि वहाँ होमीसाईड डिपार्टमेन्ट के तीन अन्य अफसर और डिटेक्टिव डस्टी मौजूद थे।

और वो सभी अलग-अलग टेलिफोनों में बिजी थे।

"टॉम"—बेगलर ने उससे जैकेट वापिस लेते हुए कहा— "शो में इस जैकेट के दिखाए जाते ही अचानक सरगर्मी बढ़ गई है और हमारे पास हर तरफ से कई सूचनाएं आ रही हैं। ऐसा लगता है कि इस शहर का हरेक आदमी इस जैकेट के बारे में कुछ न कुछ बताना चाहता है।"

लेपस्कि मुस्कुरा भर दिया।

वो जैकेट ऑन एयर फ्लैश हुई थी।

और वो जैकेट उससे ज्यादा मकबूल थी।

"इन सूचनाओं को कनसॉलिडेट करते-करते शायद हमें सारी रात यहीं रहना पड़ेगा।"—बेगलर ने कहा।

तभी एक अन्य टेलिफोन की घण्टी बजी तो बेगलर उसके पास से हट गया और अपनी पैड और पैन्सिल संभालते हुए टेलिफोन की ओर बढ़ गया। किसी अन्य फोन पर जैकोबी किसी महिला को ये समझाने की कोशिश कर रहा था कि शो में दिखाई गई वो जैकेट दरअसल बिक्री के लिए मौजूद नहीं थी और उस पूरे एक्शन का मकसद कुछ और था। जैकोबी उस औरत को समझा रहा था कि ऐसी जैकेट को वो औरत कहीं और से हासिल कर अपने पति को उसके जन्मदिन का तोहफा दे सकती थी लेकिन खास वही—ऑन एयर दिखाई गई जैकेट—खरीदी नहीं जा सकती थी।

सूचनाएँ आ रही थीं और उनमें से शायद कोई काम की भी निकल सकती थी।

लेकिन अधिकतर कॉल बेमकसद थीं और बकायदा वक्त की बर्बादी थी।

सटीक सूचना अभी दूर थी।

लेपस्कि ने एक गहरी सांस खींची और वहाँ से लौट गया।

¶¶

अपनी लम्बी-चौड़ी और खूब भारी एन्टीक चेयर पर बैठे क्लॉड केनड्रिक ने इतनी जोर से सांस छोड़ी कि सामने मेज पर फैले कागज फड़फड़ा गए। बेहद निराश भाव से उसने अपने दफ्तर जिसे वह रिसेप्शन रूम कहता था—में चारों ओर निगाह दौड़ाई। कमरे में एक दीवार पर समंदर की ओर झाँकती एक लम्बी-चौड़ी पिक्चर विंडो थी जिस पर कई कलाकृतियों को सजाया गया था। दफ्तर की बाकी दीवारों पर भी इसी तरह कई मूल्यवान पेंटिंग्स लटकी हुईं थीं।

क्लॉड कैनड्रिक।

पैरेडाईज ऐवन्यु पर मौजूद उस आर्ट गैलरी का मालिक क्लॉड कैन्ड्रिक। उसका खुद का व्यवहार ऐसा था कि वो अपने आप में एक अलग ही शै, एक अलग ही कैरेक्टर माना जाता था।

ऊंचा कद।

लम्बा-चौड़ा थुल-थुल शरीर और उम्र बासठ साल।

और ऊपर से वो होंठों पर गुलाबी लिपस्टिक और लगा लेता था। साथ में अपने गंजे सिर को ढंकने की गर्ज से एक मिसफिट संतरी रंग की विग और पहनता था। किसी महिला से वार्तालाप के वक्त वो अक्सर अपनी उस बेहूदा विग को ऐसे उठाता था जैसे कोई अपने हैट को उठाता था।

और उसके ये अंदाज ही उसे सबसे अलग—सबसे जुदा दिखाते थे। लेकिन फिर अपने उस हास्यास्पद रखरखाव के बावजूद वो अपने धन्धे में माहिर था और एन्टीक्स, ज्वैलरी और मार्डन आर्ट का लाजवाब पारखी भी।

दुर्लभ बल्कि दुर्लभतम कलाकृतियों से भरी उसकी आर्ट गैलरी—जिसे वो कई नौकरों की मदद से चलाता था—केवल उस शहर की ही नहीं बल्कि आसपास के कई शहरों में खूब ख्यातिप्राप्त थी।

और उसकी उस हासिल ख्याति में इस एक बात का भी दखल था कि वो बेहिचक लेकिन बेहद सावधानी से चोरी की कलाकृतियों की खरीद-फरोख्त भी कर लिया करता था। उसके पास ऐसे कई साहबे दौलत, साहबे जायदाद ग्राहक थे जिन्हें दूसरी जगह मौजूद किसी खास कलाकृति को बकायदा या बेकायदा किसी भी कीमत पर अपने निजी कलैक्शन में लाने का शौक था।

बल्कि सनक थी।

पागलपन था।

ऐसे धनवान ग्राहक कैन्ड्रिक को अपनी इच्छित कलाकृति पर उसकी मांगी मनमानी कीमत अदा करते थे।

उस सुहानी सुबह अपने दफ्तर में बैठा कैन्ड्रिक अपने बिजनेस की छमाही बैलेंस शीट को बार-बार देख रहा था और निराश हो लम्बी सांसें छोड़ रहा था। उसे अपने बिजनेस में अब वो कामयाबी हासिल नहीं थी जैसी वो कभी किसी दौर में सहज ही पा लेता था। उसका बिजनेस घट रहा था और पिछले छः महीने की बैलेंस शीट उसके उस मौजूदा धन्धे में उसके रोते-धोते परफार्मेन्स की दास्तान थी।

लेकिन इसके पीछे वजह भी थी।

उसके कई दौलतमन्द कस्टमर अब मर चुके थे और नई पीढ़ी को उसके पास मौजूद उन एन्टीक्स और क्लासिकल पेंटिंग्स में कोई दिलचस्पी नहीं थी। आज की नई पीढ़ी ड्रग्स, शराब, महंगी कार और सैक्स में ज्यादा दिलचस्पी रखती थी।

उनके लिए कलात्मक वस्तुएं बोर थीं और ड्रग्स 'इन' चीज थी। ऐसे माहौल में कैन्ड्रिक के धन्धे को सिकुड़ना था ही और वो सिकुड़ ही रहा था।

आज वो अपने दौलतमन्द ग्राहकों की फेहरिस्त में उन नामों पर निशान लगा रहा था जो मर चुके थे और उसी प्रक्रिया में जैसे ही उसके सामने साईरस ग्रेग का नाम आया—उसने एक लम्बी आह सी भरी। वो इतना बेहतरीन ग्राहक था कि अक्सर नकली पिकासो की पेंटिंग्स के भी मुँहमांगे दाम देता था। वो बढ़िया ग्राहक था लेकिन अब उसकी मौत के बाद उसका खाता बन्द था।

कैन्ड्रिक अपने उन्हीं जिन्दा-मुर्दा ग्राहकों की लिस्ट में उलझा हुआ था कि जब उसका मुंहलगा हेड सैल्समैन लुईस भीतर दाखिल हुआ।

"डार्लिंग"—लुईस ने भीतर आते हुए कहा—"क्रिसपिन ग्रेग आया है और ऑयल पेंटिंग्स में दिलचस्पी दिखा रहा है। मुझे लगा कि तुम उससे मिलना चाहोगे।"

"हाँ जरूर।"—कैन्ड्रिक ने खुद को कुर्सी से बाहर निकाला और हजारों डॉलर की कीमत वाले बेनेटियन मिरर के सामने खड़े होकर अपना बेहूदा विग दुरुस्त किया, अपनी जैकेट को झटककर सीधा किया, दर्पण में खुद को निहारा और बोला—"किस्मत की बात है कि मैं अभी उसी के बारे में सोच रहा था।"

वह अपने दफ्तर से बाहर निकला और अपनी विशाल आर्ट गैलरी में आ गया।

वहाँ उसका एक कारिन्दा एक लम्बे दुबले-पतले ग्राहक—जिसकी पीठ कैन्ड्रिक की ओर थी—को ऑयल पेंटिंग्स काले मखमली कपड़े पर रखकर कुछ यूँ दिखा रहा था कि मानो वो पेंटिंग्स नहीं हीरे-जवाहरात हों।

"मिस्टर ग्रेग।"—कैन्ड्रिक ने संयमित स्वर में कहा।

लम्बा-पतला आदमी पलटा।

कैन्ड्रिक ने देखा कि उसके ऐश ब्लॉड बाल छोटे-छोटे लेकिन करीने से कटे हुए थे। ठीक-

ठाक नयन-नक्श वाले उस आदमी का भावहीन पीला चेहरा ऐसा था कि मानो सालों से सूरज के दर्शन न किए हों।

कैन्ड्रिक हड़बड़ा सा गया।

उसने मिस्टर ग्रेग के पिता के साथ कई डीलिंग्स—बड़ी कामयाब डीलिंग्स—की थीं और उसी रूप में उसे अब जूनियर ग्रेग से वैसे ही व्यक्तित्व की उम्मीद थी।

लेकिन ये 'मिस्टर' जूनियर ग्रेग एक अलग शख्सियत के मालिक थे जो उसके पिता से कतई मैच नहीं करती थी।

"वैल"—कैन्ड्रिक ने बोलना शुरू किया—"मेरा नाम क्लॉड कैन्ड्रिक है और आपके स्वर्गवासी पिता भी मेरे बढ़िया ग्राहकों में थे। आपको आज यहाँ देखकर दिल खुश हो गया।"

क्रिसपिन ने सिर हिलाया।

केवल सिर हिलाया—कहा कुछ नहीं।

न चेहरे पर कोई मुस्कुराहट उभरी, न उसने हाथ मिलाने का कोई उपक्रम किया।

लेकिन कैन्ड्रिक निराश न हुआ।

उसे अपने दौलतमन्द ग्राहकों के ऐसे सर्द व्यवहार को बर्दाश्त करने का लम्बा तजुर्बा था।

"मैं सिर्फ कुछ ऑयल पेंटिंग्स लेने आया था।"—क्रिसपिन ने कहा।

"मुझे यकीन है कि आपकी जरूरत की हर चीज आपको यहाँ हमारे पास मिलेगी मिस्टर ग्रेग।"

"श्योर"—कहकर क्रिसपिन पुन: पलटा और अपनी पसंद की पेंटिंग्स की ओर इशारा करते हुए बोला—"ये, ये और ये—इन सभी को पैक कर दो।"

"अवर प्लेजर सर"—सैल्समैन ने सिर नवांकर कहा और उन पेंटिंग्स को उठाकर काऊण्टर के दूसरे सिरे पर जाकर पैकिंग में लग गया।

"मिस्टर ग्रेग"—कैन्ड्रिक ने चिकने-चुपड़े स्वर में कहा—"मैं जानता हूँ कि आप खुद एक कलाकार हो लेकिन फिर भी भारी अफसोसजनक बात है आप पहले कभी हमारे यहाँ तशरीफ नहीं लाए। इस बात के बावजूद नहीं लाए कि आपके पिता के साथ हमारे बड़े मधुर संबंध थे और उनकी डिमाण्ड की गईं कई कलाकृतियों का हमने ही इंतजाम किया था।"

"मैं एक आर्टिस्ट हूँ लेकिन मुझे केवल अपनी खुद की कला, खुद के बनाए आर्ट में ही

दिलचस्पी है।”—क्रिसपिन ने दो टूक स्वर में कहा—“किसी दूसरे फनकार की आर्ट में मुझे कोई दिलचस्पी नहीं।”

“जी हाँ जरूर-जरूर”—कैन्ड्रिक यूँ मुस्कुराया जैसे कोई बड़ी मछली अपनी खुराक बनने जा रही किसी छोटी मछली को देखकर मुस्कुराती होगी—“आपके रोशन ख्याल वाकई किसी सच्चे कलाकार के हैं और मुझे बेहद खुशी होगी अगर कभी आपकी बनाई पेंटिंग्स को देखने का मौका हासिल हो सके। मेरी अभी हाल ही में मशहूर आर्ट क्रिटिक लोबेनस्टन से बात हुई थी तो उसने भी मुझे बताया था कि आपकी माँ ने उससे आपके आर्ट वर्क के बारे में सलाह-मशवरा किया था। लोबेनस्टन एक कला पारखी है और इस धंधे में उस जैसी आँख किसी और की नहीं।” जबकि असलियत यह थी कि कैन्ड्रिक की नजरों में लोबेनस्टन एक बेकार, नातजुर्बेकार और आर्ट को परखने में अनाड़ी था—“और उसने मुझे बताया था कि कैसे तुम्हारी बनाई कई पेंटिंग्स अपने आप में एक बेजोड़ आर्ट वर्क हैं।”

यह भी एक झूठ था।

सफेद झूठ।

क्योंकि लोबेनस्टन ने तो उल्टा उसे ये कहा था कि क्रिसपिन का आर्ट बेहूदा था जिसकी कोई कमर्शियल वैल्यू नहीं थी। बाजार में उसकी पेंटिंग्स की कुल बख़त, कुल औकात कुछ कौड़ियों से ज्यादा नहीं थी।

“उसने कहा था कि”—कैन्ड्रिक ने आगे कहा—“आपका टैलेन्ट, आपकी कल्पना और क्रियेटिव आईडियाज अनोखे, अद्‌भुद और हैरान कर देने वाले हैं। आपके आर्ट वर्क में जिस तरह रंगों का सम्मिश्रण उभरकर आता है वह यूनिक है, बेजोड़ है जो न सिर्फ विलक्षण है बल्कि देखने वाले को एक अलग ही दुनिया में ले जाने का माद्दा रखता है। अब ऐसे धुरन्धर आलोचक की बात सुनने के बाद तो मेरी खुद की बड़ी तमन्ना थी कि कभी आपसे मुलाकात हो तो मैं आपको आपकी उस आर्ट-वर्क को प्रमोट करने का ऑफर दे सकूँ।”

क्रिसपिन खुश हो गया।

“बल्कि मिस्टर ग्रेग”—कैन्ड्रिक ने गर्म लोहे पर चोट की—“मैं तो चाहता हूँ कि अपनी इस आर्ट गैलरी—जिससे बढ़िया यहाँ पैसेफिक में कोई और आर्ट गैलरी नहीं है—के जरिए मैं आप की पेंटिंग्स की बकायदा एक प्रदर्शनी, एक एक्जिबिशन लगाऊँ। ये मेरे लिए, मेरी इस आर्ट गैलरी के लिए इज्जत अफजाई की बात होगी कि हम आपके जैसे यूनिक और स्टैण्ड अलोन आर्टिस्ट को प्रमोट करने में अपनी भूमिका निभा सकें। प्लीज—अब आप मना मत करना।”

“ओह,”—क्रिसपिन ने कहा—“मेरी कृतियाँ, मेरी सारी पेंटिंग्स एक अलग स्तर की हैं जो अपने आप में खास हैं।”

क्रिसपिन उत्तेजित हो चुका था।

उसे पता था कि उसकी माँ ने लोबेनस्टन से उसकी बनाई पेंटिंग्स की बाबत जिक्र किया था लेकिन उसकी बनाई पेंटिंग्स इतनी जोरदार थीं ये उसने आज पहली बार जाना था। यकायक उसे अहसास हुआ कि उसे भी खुद को एक प्रतिष्ठित पेंटर के तौर पर पब्लिसाईज करना चाहिए। उसके पास अपनी बनाई उन गुप्त खौफनाक पेंटिंग्स के अलावा भी ऐसी ढेरों पेंटिंग्स थीं जिन्हें वो इस प्रमोशन ईवेन्ट में दे सकता था।

लेकिन उसकी पेंटिंग्स अलग थीं—और अगर किसी ने उसकी उन पेंटिंग्स को न समझा तो?

उसे हिचकिचाहट में पड़ा देखकर कैन्ड्रिक ने चिकने चुपड़े स्वर में कहा—"आप चिन्ता मत करो मिस्टर ग्रेग। लोबेनस्टन जैसे कड़क कला पारखी से चूक नहीं होने वाली और अगर वो आपकी पेंटिंग्स की तारीफ करता है तो यकीनन उनमें कोई तो बात होगी ही। आप बस एक्जिबिशन के लिए एक बार हाँ बोल दो—बाकी मेरे ऊपर छोड़ दो।"

"लेकिन...."—क्रिसपिन हिचकिचाया।

"लेकिन-वेकिन कुछ नहीं"—कैन्ड्रिक ने कहा—"और सोचो कि अगर ऐसे ही हमारे मार्डन आर्टिस्ट शर्म और संकोच में ही पड़े रहते तो इस दुनिया में उनका आर्ट वर्क कभी लाईट में आया ही न होता।"

"वैल मुझे लगता है कि चूँकि मेरी बनाई पेंटिंग्स एक अलग जोनर की हैं तो दुनिया उन्हें आसानी से स्वीकार नहीं करेगी। मेरी पेंटिंग्स बहुत एडवान्स्ड हैं, अपने वक्त से बहुत आगे हैं सो....शायद उन्हें पसंद न किया जाए, शायद आगे कभी....खैर....मैं इसके बारे में सोचूँगा।"

कैन्ड्रिक को लगा मछली फंसने ही वाली थी।

"मैं आपकी भावनाओं की तहेदिल से कद्र करता हूँ।"— उसने और चारा फेंका—"लेकिन आप मुझे अपनी कला को सराहने का सौभाग्य दो मिस्टर ग्रेग। और कुछ नहीं तो एक — सिर्फ एक—पेंटिंग दे दो। मैं उससे अपनी पिक्चर विन्डो की शान बढ़ाऊँगा और वादा करता हूँ कि इस बाबत गंभीर रहूँगा। एक नए कलाकार, वो भी तुम्हारे जैसा काबिल और अद्भुद कलाकार, को दुनिया के सामने पेश करने का मौका मुझे दो। सिर्फ एक पेंटिंग दे दो।"

क्रिसपिन सोचने लगा।

उसकी पेंटिंग्स खास थीं, अलग थीं और पैराडाईज शहर के बेवकूफ लोगों की जहनी समझ से कहीं ऊपर की चीज थीं।

और ऐसे निखद बेवकूफ लोग उसकी बनाई पेंटिंग्स को कभी स्वीकार नहीं करेंगे।

लेकिन फिर भी ....।

एक—सिर्फ एक—पेंटिंग की ही तो बात थी।

उसने फैसला कर लिया।

"ठीक है—किसी को मेरे घर भेज देना। मैं अपनी बनाई कोई एक पेंटिंग दे दूँगा लेकिन इस शर्त पर कि उस पेंटिंग पर न तो मेरे ऑथराईज्ड साईन होंगे और न ही तुम कभी यह खुलासा करोगे कि उसे मैंने बनाया है। अगर किसी ने उसमें दिलचस्पी न दिखाई तो तुम मुझे वो पेंटिंग लौटा देना लेकिन अगर किसी ने उसे खरीदा लिया तो मैं आपकी एक्जिबिशन के लिए अपनी बनाई और पेंटिंग्स भी दे दूँगा।"

"अफकोर्स मिस्टर ग्रेग—मुझे खुशी है कि आपने मेरी बात रख ली।"

"लेकिन शर्त याद रखना—कि किसी को भी इस बात का पता नहीं लगना चाहिए कि उस पेंटिंग को मैंने बनाया है। वह हमेशा एक अननोन, अज्ञात, आर्टिस्ट की पेंटिंग रहेगी। समझ गए?"

क्रिसपिन ने अपनी धुंधली-सी आँखों में ऐसे भाव उभारे कि मोटे कैन्ड्रिक के शरीर में सिरहन सी दौड़ गई।

"मैं समझ गया मिस्टर ग्रेग"—वो बोला—"यकीन करो— ऐसा ही होगा। और अगर तुम्हें कोई दिक्कत न हो तो मैं आज दोपहर बाद ही अपना आदमी तुम्हारे यहाँ भेज देता हूँ।"

तभी सैल्समैन क्रिसपिन की खरीदी पेंटिंग्स पैक कर लाया।

"हाँ भेज देना।"—क्रिसपिन ने पैकेट पकड़ते हुए कहा—"और इसका बिल भी भेज देना।"

"जी जरूर।"—कैन्ड्रिक ने मुस्कुराकर कहा।

क्रिसपिन ने अपना पैकेट संभाला और बाहर की ओर चल दिया।

उस विशाल गैलरी में मौजूद कई बेजोड़ कलात्मक चीजों पर निगाह दौड़ाते हुए वह आगे बढ़ रहा था कि तभी यकायक वो एक छोटे से बॉक्स के आगे ठिठका और उसमें मौजूद मखमल के कपड़े पर रखी चीज को देखने लगा।

उसने गौर से उस चीज को देखा लेकिन समझ न सका कि आखिरकार वो क्या थी।

वो वस्तु, वो चीज—एक चार इंच लम्बी चाँदी की एक पतली बारीक छुरी जैसी चीज थी जिस पर नक्काशी की गई थी। उसमें माणिक और पन्ने जड़े थे और उसे एक बारीक चाँदी की महीन तारों वाली चेन में पिरोया गया था।

“ये क्या है?”—क्रिसपिन ने पूछा।

“पैन्डेन्ट या लॉकेट जैसी ज्वैलरी है और आजकल इसका खूब फैशन है।”

“ऐसी क्या खूबी है इसमें?”

“यह दरअसल उस पैन्डेन्ट की हू-ब-हू नकल है जिसे महान सुलेमान अपनी आत्मरक्षा के लिए पहनता था। वैसे यह दुनिया का सबसे पहला चाकू है जो स्विच ब्लेड—ऐसा जिसके खटका दबाते ही ब्लेड बाहर निकल आए—टैक्नोलोजी का इस्तेमाल हुआ था।”

“स्विच ब्लेड नाईफ।”—क्रिसपिन की आँखें सकुचाईं और उसने उसे उठाकर देखा।

“अपने वक्त में सुलेमान ने इसे पहना था और कहा जाता है कि इसने उसकी जान भी बचाई थी। बड़ी ही लाजवाब चीज है। मैं अपने सेल्समैन से इसको ठीक से दिखाने को कहता हूँ।”— कहकर कैन्ड्रिक ने अपने सेल्समैन को आवश्यक निर्देश दिए।

सेल्समैन ने चाँदी की चेन में झूलते हुए पैन्डेन्ट को उठाया और बड़ी नजाकत-नफासत के साथ अपने गले में डाल लिया। इससे वो चमचमाता पैन्डेन्ट उसकी छाती पर झूलने लगा।

“देखा आपने कितनी उम्दा आईटम है।”—कैन्ड्रिक ने पैन्डेन्ट को हाथ में लेते हुए कहा और उसके ऊपरले सिरे पर लगा एक मणिक दबा दिया।

तत्काल एक पतले फल वाला चाकू उस पैन्डेन्ट में से बाहर निकला।

“दुनिया का सबसे पहला स्विच ब्लैड नाईफ”—कैन्ड्रिक ने गर्व से कहा—“बेहद खतरनाक और ब्लेड से भी पैना—लाजवाब और अद्‌भुद।”

क्रिसपिन ने चार इंच लम्बे उस चमचमाते फल को गौर से देखा। उत्तेजना की एक तेज लहर उसके जिस्म से गुजरती चली गई। यह एक बेहतरीन चीज थी और इसे उसके पास होना ही चाहिए था।

“क्या कीमत है इसकी?”—उसने पूछा।

“बेमिसाल क्लासिक एन्टिक आईटम अमूल्य होते हैं मिस्टर ग्रेग”—कैन्ड्रिक ने मुस्कुराकर कहा—“लेकिन चूँकि हर शै की एक मार्केट प्राईस होती है सो इसकी भी है।”

“कितनी?”

“पचास हजार डॉलर....लेकिन आप चूँकि हमारे लिए खास ग्राहक हैं तो आपके लिए इसकी कीमत है सिर्फ चालीस हजार डॉलर।”

“ये मुझे दे दो”—क्रिसपिन ने सेल्समैन से कहा और कैन्ड्रिक की ओर देखकर पूछा —“क्या मैं इसे पहनकर देख सकता हूँ।”

“बिल्कुल मिस्टर ग्रेग। अब तो ये आपकी चीज है।”

क्रिसपिन ने पैन्डेन्ट से बाहर निकले चाकू के सिरे को दबाया तो वो दोबारा पैन्डेन्ट में भीतर चला गया। क्रिसपिन ने उसे सेल्समैन के गले से निकाला और अपने गले में डालकर वहीं रखे एक शीशे के सामने जा खड़ा हुआ।

उसने खुद को उसमें निहारा।

वाकई कमाल की चीज थी।

उधर कैन्ड्रिक मन ही मन चकित था।

वो एक नकली, एक डुप्लिकेट चीज थी लेकिन उसका ये कहना सच था कि उस पैन्डेन्ट का असली आईटम वाकई सुलेमान दी ग्रेट पहना करता था। कैन्ड्रिक ने एक कलर पेन्टिंग में इसे देखा था और कुल मिलाकर केवल तीन हजार डॉलर में एक होनहार सुनार से उसकी हूबहू नकल तैयार करवा ली थी।

केवल तीन हजार डॉलर में तैयार हुई वो नकल अब चालीस हजार डॉलर की कीमत में जा रही थी।

जा चुकी थी।

उधर क्रिसपिन ने पैन्डेन्ट पर लगे रूबी को दबाया तो पतले फल वाला चाकू फिर बाहर उछल आया।

“जरा ध्यान से मिस्टर ग्रेग”—कैन्ड्रिक ने व्याकुलता से कहा—“चाकू का फल तीखा है।”

क्रिसपिन ने अपने सिर को हाँ में हिलाया और चाकू को दोबारा पैन्डेन्ट में डाल लिया। वो संतुष्ट था।

उसने पलटकर कैन्ड्रिक की ओर देखा। उसकी आँखों में उस वक्त कुछ ऐसे भाव थे जिसे कैन्ड्रिक समझ तो नहीं पाया लेकिन वह यकायक बेचैनी-सी महसूस करने लगा था।

“मैं इसकी कीमत—चालीस हजार डॉलर—दूँगा”—क्रिसपिन बोला—“बिल भेज देना।”

“जी जरूर।”

क्रिसपिन ने आगे कुछ भी कहे बगैर बाहर की ओर कदम बढ़ा दिए। पैन्डेन्ट—अपनी किस्म का वो अनोखा, अद्भुद और लाजवाब पैन्डेन्ट—उसकी छाती पर झूलता चला गया।

इस पूरे वक्त लुईस जो मूक दर्शक बना सारा वार्तालाप देख रहा था, अब वो कैन्ड्रिक के पास आया।

“कमाल कर दिया”—लुईस ने मुस्कुराकर कहा—“तुम तो कमाल के सेल्समैन हो।”

“छोड़ो वो किस्सा।”—कैन्ड्रिक ने कहा—“उस आदमी में कुछ अजीब सी बात है जो मुझे परेशान कर रही है और ये परेशानी सैंतीस हजार डॉलर के मुनाफे के मुकाबले कहीं ज्यादा है।”

“ऐसा क्या है उसमें?”—लुईस ने हैरान होते हुए पूछा।

“पता नहीं....”—कैन्ड्रिक बोला—“खैर—तुम आज दोपहर बाद मिस्टर ग्रेग के यहाँ चले जाना और उससे उसकी बनाई कोई पेन्टिंग ले आना। हम उसे यहाँ अपनी पिक्चर विन्डो में लगाएंगे। हालाँकि बजाते खुद उस बेवकूफ क्रिटिक लोबेनस्टन के मुताबिक ग्रेग की आर्ट वाहियात है जिसकी कोई कमर्शियल वैल्यू नहीं है लेकिन फिर भी—चूँकि अब वो हमारा मुअज्जिज ग्राहक हो चुका है—तो मैं भी खुद उसकी आर्ट देखना चाहता हूँ।”

“ठीक है।”—लुईस ने कहा और वहाँ से हट गया।

पीछे कैन्ड्रिक अकेला खड़ा कुछ सोचता रहा।

क्रिसपिन के चेहरे पर उभर रहे अजीब से खौफनाक भाव ने उसे पता नहीं क्यों बेचैन कर दिया था।

उसने एक लम्बी सांस खींची, अपने मन में उभर रहे इन ख्यालों को झटका और अपने रिसेप्शन रूम की ओर लौट गया।

¶¶

पुलिस हैडक्वार्टर्स में एक सौ सत्तर टेलिफोन कॉल्स और अठारह आदमियों के खुद आकर कोई जानकारी शेयर करने के बाद पैराडाईज सिटी के बाशिन्दों की अब गोल्फ बॉल जैकेट में यकायक दिलचस्पी खत्म हो गई।

लेकिन टी.वी. शो पर उस जैकेट के दिखने के बाद जो भी सूचनाएँ पुलिस को हासिल हुई थीं उन पर गौर करना जरूरी था।

सुबह के आठ बजे लेपस्कि, जैकोबी और लुकास अपनी मेज पर बैठे इसी काम पर लगे थे। इन सूचनाओं में किसी क्लू—किसी सुराग की तलाश करते-करते उन्हें दस बज गए।

लेकिन उनकी तमाम कोशिशों का नतीजा सिफर था।

खूब माथा-पच्ची करने के बावजूद आगे बढ़ने का कोई रास्ता, कोई कारगर क्लू उन सूचनाओं में नहीं था।

“ओके लुकास”—लेपस्कि अपनी कुर्सी से उठते हुए बोला—“तुम एक बार फिर उन दो आदमियों के पास जाओ जो साल्वेशन आर्मी के लिए घरों से चीजें हासिल करने का काम

करते हैं। हालाँकि क्रेडाक तो अपने पिछले बयान पर अटल है लेकिन हो सकता है कि दूसरा—या फिर दोनों ही—झूठ बोल रहे हों सो उन दोनों को एक बार फिर टटोलो, और हाँ, इस बार जरा प्रेशर डालकर बात करना।"

लुकास ने सहमति सूचक सिर हिलाया और दफ्तर से बाहर निकल गया।

उसके जाने के बाद लेपस्कि, जैकोबी से गपशप करने लगा। उसी गपशप में ही ये एक मसला उठा कि परसों कैरोल के जन्मदिन पर लेपस्कि उसे क्या तोहफा दे। दोनों ने इस मुद्दे पर बातचीत में कई आईटम सोचे, फाईनल किए, फिर कैंसिल किए और अन्ततः एक हैण्डबैग पर एकराय हुए। जैकोबी के ख्याल से एक बढ़िया सा हैण्डबैग जन्मदिन का माकूल तोहफा था।

"वैसे अगर तुम दोनों अपनी ये फालतू की बकवास बन्द करो तो मैं भी कुछ कहना चाहूँगी।"—एक आवाज, नारी कंठ से निकली मधुर खनकती और कशिश भरी आवाज ने दोनों को उस दिशा में पलटकर देखने को मजबूर कर दिया।

पुलिस हैडक्वार्टर्स में बने उनके उस दफ्तर में, जहाँ मिलने आने वालों को रोकने के लिए तमाम इंतजामात किए गए थे—अब वहाँ उसी दफ्तर में उन दोनों पुलिस अफसरों के सामने एक नीग्रो लड़की खड़ी हुई थी।

दोनों अफसर ठगे से उसे देखते रहे, फिर पहले लेपस्कि उठा और उसने आगे बढ़ती उस लड़की को गौर से देखा।

बेशक वो नीग्रो थी लेकिन उसकी रंगत कॉफी मिली क्रीम जैसी थी। ऊँचा लम्बा इकहरा खिंचा तना कद जिस पर बॉडी फिट टाईट लिबास।

ऐसा कि जिसमें युवती के शरीर की सारी बनावट, सारे खम साफ नुमायाँ थे।

ऊपर से तीखे नैन नक्श, छोटी पतली नाक, गोल नथुने, खूब बड़ी आकर्षक काली आँखें और खूबसूरत होंठ।

हर तरह से खूबसूरत, हर ओर से लाजवाब।

ईमान बिगाड़ देने के हद तक हाहाकारी।

"यस मैडम?"—लड़की की काली आँखों में झाँकते हुए लेपस्कि ने कहा तो उसे अहसास हुआ कि शादीशुदा होते हुए भी वो उसकी ओर आकर्षित हो रहा था।

हो चुका था।

नहीं होना चाहिए था लेकिन हो चुका था।

"मैं दरअसल पिछली रात टी.वी. शो पर दिखाई गई उस जैकेट के सिलसिले में यहाँ आई हूँ।"—लड़की ने अपनी मोहक आवाज में कहा।

“आओ”—लेपस्कि ने लड़की से कहा और गौर किया कि जैकोबी अपने स्थान पर बैठा उसे ही घूर रहा था—“बैठो।”

लड़की आगे बढ़ी और लेपस्कि के बराबर से गुजरती हुई वहाँ बिछी विजिटर्स चेयर पर जा बैठी। उसने अपना हैण्डबैग खोला और सिगरेट का पैकेट निकालकर उसमें से एक सिगरेट खींच ली। लेपस्कि फौरन माचिस के लिए अपनी जेबें टटोलने लगा लेकिन इससे पहले कि वो अपने कपड़ों में से माचिस बरामद कर लड़की की सिगरेट सुलगा पाता, वो लड़की पहले ही ठोस सोने के बने लाईटर से अपनी सिगरेट सुलगा चुकी थी।

अपने मनोभावों को काबू में रखने की जद्दोजहद करता लेपस्कि मेज के पीछे अपनी कुर्सी पर आन बैठा। अपने तजुर्बे की बिना पर वो कह सकता था कि लड़की खूब खेली खाई हुई थी जो अपने आगे किसी पुलिसवाले को चाहे वो फर्स्ट ग्रेड का अफसर ही क्यों न हो—कुछ नहीं समझती थी।

लेकिन लड़की के बारे में ऐसे ख्यालातों के बावजूद वो उसे न केवल ताड़ रहा था बल्कि बद्तमीजी की हद तक ताड़ रहा था।

“क्या मैं तुम्हारा नाम जान सकता हूँ मिस....”—उसने पूछा और नोट बनाने की गरज से एक पैड अपनी ओर खींच लिया।

“डोरोलेस हर्नान्देज़”—वो बोली—“165, सी फ्रन्ट एवेन्यू। अपनी अफ्रीकी मूल की माँ और एक हरामखोर स्पेनिश मूल के फैक्ट्री मालिक के संबंधों का नतीजा थी मैं और इसीलिए मैंने जानबूझकर आज भी उस आदमी का नाम अपने साथ चिपका रखा है।”

“ओके....”—लेपस्कि ने उसके सफेद चमचमाते दाँतों को देखते हुए कहा और पूछा—“तो तुम्हारी बैकग्राउण्ड में ये कहानी है।”

“है तो यही—लेकिन तुम आगे कुछ और पूछना चाहते हो तो पूछ लो, मैं बता दूँगी।”

लेपस्कि ने गहरी साँस ली।

सी फ्रन्ट एवेन्यू।

वो जानता था कि वो जगह शहर की ऊँची, महँगी, बेहद, हाईक्लास एस्कोर्ट्स का ठिकाना था। ऐसी लड़कियाँ जो पैरेडाईज सिटी के दौलतमन्दों को उनकी दौलत के बदले एन्टरटेन किया करती थीं। लेकिन इस जानकारी ने भी उस लड़की के बारे में लेपस्कि के ख्यालों में कोई तब्दीली न की।

वो अपनी उस स्टेटस के बावजूद आकर्षक थी।

“तुम्हारे पास उस जैकेट की बाबत कोई खबर है?”—लेपस्कि ने संयत स्वर में पूछा।

“वैल—हो भी सकती है और नहीं भी।”—वो बोली।

“क्या मतलब?”—लेपस्कि ने हैरान होते हुए पूछा।

“मतलब ये मिस्टर ऑफिसर कि मैं नहीं जानती कि मेरे पास कहने के लिए जो बात है वो आपके और आपके महकमे के लिए किसी जानकारी का दर्जा रखती भी है या नहीं।”

“हूँ”—लेपस्कि ने कहा—“मैं समझ गया, कहिए आपको क्या कहना है?”

“मामला दरअसल पिछली रात का है”—डोरोलेस ने कहा—“कल रात मेरे एक दोस्त ने मेरे पास आना था लेकिन पता नहीं क्यों वो आया नहीं। अब ऐसे में पीछे अपने घर में अकेली बैठी बोर हो रही थी और इसीलिए मैंने टी.वी. ऑन कर लिया था।”

“हूँ”—लेपस्कि बोला—“तो इसका मतलब तुमने टी.वी. पर जैकेट देखी....ठीक है।”

“हाँ”—वो मुस्कुराकर बोली—“टी.वी. ऑन करके मार्टिन की चुस्की लेते हुए, मैं उसमें अपना ध्यान लगाने की कोशिश करती रही थी। वैसे भी टी.वी. देखना एक बोर काम है और इसलिए आमतौर पर मैं टी.वी. नहीं देखती।”

“अपना-अपना ख्याल है।”—लेपस्कि ने उसकी कातिल मुस्कुराहट को नजरअंदाज कर काम पर ध्यान लगाने की कोशिश करते हुए कहा।

“वैसे मुझे लगता है आपको शायद स्कॉच पसंद होगी।”

“वैल”—लेपस्कि जो बड़ी मुश्किल से अपना ध्यान सामने बैठी लड़की के शारीरिक सौंदर्य से हटाकर उसकी कही बात में लगा रहा था, अब परेशान होने लगा था।

सामने बैठी लड़की का फिगर, उसकी खूबसूरती उसके होशो-हवास उड़ा रहे थे।

उड़ा चुके थे।

“वैल—मिस डोरोलेस”—लेपस्कि ने अपने मन में उमड़ते भड़कते ख्यालों के भावों को अपने चेहरे पर आने से रोका और कहा—“तो आप अकेली थीं और टी.वी. देख रही थीं।”

“हाँ—और उसे देखते ही मुझे याद आया”—उसने गर्दन घुमाकर जैकोबी की ओर देखा और बोली—“वो आपका दूसरा साथी काफी दमदार लगता है।”

“जी हाँ”—लेपस्कि गुर्राया—“और इसकी खुद की माँ को भी यही खुशफहमी थी। लेकिन वो सब छोड़ो और काम की बात करो।”

“ऑफिसर—आप मुझे मेरे नाम—डोरोलस—से बुला सकते हैं।”

लेपस्कि इस बात को गनीमत समझ रहा था कि उसके सामने मेज के दूसरी ओर बैठी डोरोलस उसे उन दोनों के बीच बिछी मेज की वजह से पूरा नहीं देख पा रही थी। लेपस्कि का निचला भाग मेज की आड़ में था और यूँ वहाँ मचती हलचल—डोरोलस की आँखों से—छुपी हुई थी।

"ठीक है डोरोलस"—लेपस्कि ने नियंत्रित लहजे में कहा—"तो तुम्हें टी.वी. देखते समय क्या याद आया?"

"मुझे याद आया कि वो जैकेट मैंने पहले भी कहीं देखी थी। दरअसल वो जैकेट है ही ऐसी कि एक बार देख लेने के बाद उसे आसानी से भुलाया ही नहीं जा सकता।"

"कब देखी तुमने वो जैकेट?"

"कब देखी....?" बोलते हुए उसने कुछ इस अंदाज में अपना पहलू बदला कि लेपस्कि की हालत बद् से बद्तर हो गई—"....पाँच तारीख को।"

पाँच तारीख।

लेपस्कि को याद था कि इसी तारीख को शाम पाँच बजे जेनी का कत्ल हुआ था।

"तारीख की बाबत क्या तुम्हें पक्का यकीन है कि उस रोज पाँच ही थी?"

"हाँ—मुझे बखूबी ध्यान है। उसी रोज मेरे पालतू कुत्ते जेमी का जन्मदिन था सो मैं उसे अपने साथ घुमाने ले गई थी। वैसे तुम्हें भी कुत्ते पसन्द हैं न ऑफिसर?"

लेपस्कि ने अपनी खीज दबाई।

उसे कुत्तों से सख्त नफरत थी।

"आप अपने कुत्ते को बाहर किस वक्त ले गई थीं?"

"लंच के वक्त"—वो बोली—"मैं जेमी का बड़ा ख्याल रखती हूँ और वही मेरा सबसे अच्छा दोस्त है। जब मैं थकी हारी अपने घर पहुँचती हूँ तो पीछे वही मेरा इंतजार करता है। मेरे आते ही मुझ पर छलांग लगाने लगता है.... ही इज़ सो स्वीट यू नो?"

"हूँ....तो आप अपने कुत्ते को लंच के वक्त बाहर लेकर गई थीं....फिर आगे क्या हुआ।"

"वैल—" उसने मुँह बनाते हुए जवाब दिया—"आगे ये हुआ कि एक आदमी मेरे पास आया और तुम जानते ही हो कि मेरे पास आदमी आते रहते हैं।"—अपना आखिरी फिकरा उसने इस हरकती अंदाज में कहा कि लेपस्कि गड़बड़ा गया।

वो अंदाजा लगा सकता था कि उसका क्या मतलब था। अगर वो शादीशुदा न होता तो यकीनन खुद भी उसके पास पहुँच गया होता।

"जिस आदमी की तुम बात कर रही हो उसने वही जैकेट पहनी हुई थी?"—लेपस्कि ने बामुश्किल अपनी भावनाओं को काबू किया और पूछा।

"अरे नहीं"—डोरोलेस ने कहा—"उसने नहीं।"

"लेकिन अभी तो तुमने कहा कि उसने वो जैकेट पहनी हुई थी।"

“मैंने कहा?—मैंने ऐसा कब कहा?”

“अभी तो कहा—यहीं मेरे सामने कहा।”

“नहीं कहा।”

“अरे—आपने अभी कहा।”

“ऑफिसर”—डोरोलेस ने अपने हाथ हवा में उछाले— “अगर आप यूँ ही मुझे हलकान करेंगे तो मुझे लगेगा कि मैंने यहाँ आकर शायद गलती कर दी है।”

“लेकिन....।”

“प्लीज ऑफिसर, मेरी बात को समझिए।”

“ओके....”—लेपस्कि ने एक लम्बी साँस खींची और कहा—“बोलिए क्या बोलना चाहती हैं आप?”

“शुक्रिया”—उसने मुस्कुराकर कहा और आगे बोली— “दरअसल उस रोज जब मैं अपने कुत्ते जैनी को लंच के वक्त अपने साथ बाहर ले गई थी तो रास्ते में एक आदमी ने मुझे अप्रोच किया था।”

“ओके”—लेपस्कि बोला।

“वो आदमी बेहूदा था, घटिया था लेकिन अब चूँकि उसने मुझे अप्रोच किया था सो मैं उससे बातचीत करने लगी। इसी वक्त जैमी को भी हाजत, नेचर कॉल, हुई—सो वो वहीं साईड में अपने काम पर लग गया।”

“हूँ”—लेपस्कि ने नियंत्रित लहजे में कहा—“आगे।”

“आगे ये कि ठीक उसी वक्त, ऐन वही जैकेट पहने एक दूसरा आदमी वहाँ हमारे पास से गुजरा था।”

“अच्छा....”—लेपस्कि सावधान हो गया—“आगे, आगे क्या हुआ?”

“वो एक सजा संवरा आदमी था, ऐन मेरी पसंद का।”

“मैं समझ गया”—लेपस्कि बोला और उसे वापिस ट्रेक पर लाने के मकसद से पूछा—“वो आदमी दिखने में कैसा था?”

“मैंने उसका चेहरा नहीं देखा था।”

“कद? उसका कद कैसा था—ऊँचा, ठिगना या बीच का सा?”

“ऊँचा।”

“कितना ऊँचा?”—लेपस्कि खड़ा होता हुआ बोला—“मेरे जितना?”

“तुमसे भी ऊँचा....”—उसने तीखी निगाहों से लेपस्कि को घूरा—“हालाँकि तुमसे कोई बहुत ज्यादा ऊँचा नहीं था, लेकिन था ऊँचा ही।”

“और उसकी शारीरिक बनावट कैसी थी—मोटा, पतला, दरम्याना?”

“उसके कंधे चौड़े और कूल्हे पतले।”

“कोई हैट वगैरह पहने था?”

“नहीं....उसके बाल छोटे-छोटे कटे हुए थे।”

“कद की बाबत कोई अंदाजा?”

“करीब छः फीट।”

“उसका लिबास।”—लेपस्कि ने उत्सुकतापूर्वक पूछा।

“जैकेट से मैच करती हल्की नीली पतलून और पैरों में गुक्की के जूते थे।”

“उसकी चाल वगैरह में कोई खास बात नोट की?”

“वैल....”—डोरोलेस ने सोचते हुए कहा—“कुछ खास नहीं। बस यही कि उसके कदम लम्बे-लम्बे पड़ रहे थे।”

उसने सोचने के अंदाज में अपनी उंगलियों को अपने होठों पर ठकठकाया और उसकी इस हरकत से लेपस्कि की हालत एक बार फिर गड़बड़ा गई।

इस लड़की से पूछताछ करना किसी साधारण डिटेक्टिव के वश की बात नहीं थी।

“अच्छा डोरोलेस”—लेपस्कि ने आगे पूछा—“कोई और खास बात जो तुम्हें याद आती हो?”

“वैल”—वो बोली—“उसके हाथ किसी कलाकार, किसी आर्टिस्ट की तरह थे....और उंगलियाँ ऐसी कि मानो किसी पेन्टर की हों।”

“क्या वो अपने रख-रखाव से अमीर लग रहा था?”

“हम्म....वैसे ऐसा अमीर भी नहीं दिख रहा था कि लेकिन हाँ फिर भी अच्छा-खासा खाता-पीता तो यकीनन था।”

“हम्म”—लेपस्कि ने कुछ सोचते हुए कहा।

“वैल—ऑफिसर मुझे अब देर हो रही है, सो क्या ही बेहतर हो कि आप मुझे जरा जल्दी फारिग कर दें।”

“फारिग! जल्दी क्यों।”—लेपस्कि ने हैरानी से पूछा।

“....वो इसलिए मिस्टर ऑफिसर कि मेरे प्यारे जैमी को, जो पीछे घर पर अकेला है, अब पेशाब की हाजत लग रही होगी।”

“तो उसमें आपका क्या रोल है? वो अपना काम—ये काम— तो खुद ही करता होगा?”—लेपस्कि ने शैतानी भरे लहजे में पूछा।

“जी हाँ—वो अपने सारे काम खुद ही कर लेता है लेकिन मैं नहीं चाहती कि इस प्रक्रिया में वो पूरे घर में अपने हाजत के निशान छोड़ता फिरे....सो, यू नो वॉट आई मीन।”

“ओ—हाँ....हाँ”—लेपस्कि ने मुस्कुराकर कहा।

उसने चंद और सवाल किए जिसका नतीजा सिफर रहा। वो समझ गया कि उस लड़की के पास बताने के लिए कुछ और नहीं था।

“बहुत-बहुत शुक्रिया मिस डोरोलेस....पुलिस डिपार्टमेन्ट आपके इस सहयोग की भावना की कद्र करता है।”

“कोई बात नहीं, यह मेरा फर्ज था ऑफिसर।”—उसने मुस्कुराकर जवाब दिया।

“शुक्रिया”—लेपस्कि ने कहा और पूछा—“अब एक आखिरी सवाल के बाद आप फ्री हैं।”

“अब वो भी पूछ लीजिए।”

“मैं दरअसल जानना चाहता था कि अगर आप कभी उस आदमी से दोबारा मिलें तो क्या सिर्फ उसकी पीठ देखकर उसे पहचान सकेंगी।”

“वो कैसे भला?”

“उसकी चाल से, कद-काठी से।”

“जी हाँ”—डोरोलेस ने हिचकते हुए कहा—“ऐसे तो मैं उसे अभी भी पहचान सकती हूँ।”

“पीठ देखकर भी?”

“हाँ....पीठ देखकर भी।”

“उसकी चाल-ढाल से, उसकी कद-काठी से।”

“और उसके हाथ, उसकी पेन्टर जैसी उँगलियों से।”

“मेरा वही मतलब था।”

“जी मैं पहचान सकती हूँ।”

“चाहे फिर उसने....”—लेपस्कि ने सावधान स्वर में कहा— “....इस बार भले ही वो खास, न भुला सकने वाली, जैकेट भी न पहनी हो।”

डोरोलेस ने सहमति में सिर हिलाया।

“बहुत बढ़िया मिस डोरोलेस”—लेपस्कि ने उत्साहित स्वर में कहा—“और अब इस बारे में मेरी एक सलाह है जिसे आप गाँठ बाँध लें।”

“जी बोलिए।”—उसने सशंकित स्वर में कहा।

“मेरी इस मामले में आपको ये जाती राय है कि फिलहाल इस मसले पर आप थोड़ा सावधानी बरतें और किसी से, किसी से भी, इसका जिक्र करने से परहेज करें।”

“ऐसा भला क्यों ऑफिसर?”—उसने पूछा।

“ये सिर्फ एक सलाह है मिस डोरोलेस जिसको देने की वजह मेरी अपने पुलिस महकमें की सालों की सर्विस का तजुर्बा है। मैं जानता हूँ कि कभी-कभी मुँह से निकली बात दूर तलक निकल जाती है....और आगे इससे हालात बिगड़ सकते हैं।”

“हूँ”—उसने कुछ सोचते हुए कहा—“मैं आपकी बात समझती हूँ और इसका ध्यान रखूँगी।”

“शुक्रिया मैडम”—लेपस्कि अपनी कुर्सी से खड़ा हुआ और उसकी ओर हाथ बढ़ाते हुए बोला—“मुझे खुशी है कि आपने यहाँ आकर शहर के पुलिस महकमे की मदद की।”

“थैंक यू ऑफिसर”—कहकर डोरोलेस भी उठ खड़ी हुई, अपने अंग-प्रत्यंग लचकाते हुए उठ खड़ी हुई—“और मुझे खुशी है कि मैं आपके किसी काम आ सकी।”

दोनों ने एक दूसरे से हाथ थामे दो-तीन बार ऊपर नीचे किए और फिर लड़की पलटकर, अपनी फेमस कैट वॉक स्टाईल में ठुमकती सी वहाँ दफ्तर से बाहर निकल गई।

“उसने अपना पता क्या बताया?”—उसके बाहर निकलते ही जैकोबी लपकता सा लेपस्कि के पास पहुँचा और पूछने लगा।

“दो सौ डॉलर....कम से कम दो सौ डॉलर।”—लेपस्कि ने जवाब दिया।

“ये उस लड़की का पता बताने की फीस है?”—जैकोबी ने हैरानी से पूछा।

“नहीं—ये उस लड़की की फीस है।”—लेपस्कि ने सपाट लहजे में कहा—“और पुलिस महकमे में नौकरी करते एक थर्ड ग्रेड डिटेक्टिव की माली हैसियत, ऐसी नहीं होती कि किसी चालू आईटम पर इतनी मोटी रकम खर्च कर सके। समझे मैक्स?”

“समझ गया।”—जैकोबी मुँह लटकाकर बोला।

“क्या समझे?”

“यही कि”—जैकोबी ने नजरें चुराते हुए कहा—“कि इतनी देर से आपने उससे कोई ढंग के सवाल पूछने की जगह उसके धंधे, उस धन्धे में उसकी खुद की प्राईस टैग के बारे में ज्यादा दिलचस्पी जाहिर की लगती है।”

“मैक्स”—लेपस्कि ने नकली नाराजगी जाहिर करते हुए कहा—“तुम लाजवाब हो।”

“थैंक यू”—जैकोबी ने सिर नवाते हुए कहा।

“लेकिन परफैक्ट नहीं....अभी थोड़ा और प्रैक्टिस करो, तो मुझे यकीन है तुम और बढ़िया कर सकते हो।”

लेपस्कि ने अपनी दाईं आँख दबाई, मेज पर से अपने नोट्स उठाए और अपने पीछे हक्के-बक्के जैकोबी को यूँ ही खड़ा छोड़कर बाहर निकल गया।

¶¶

पैट हैमिल्टन के रात दस बजे वाले शो को देखकर रेनाल्ड्स ने उठकर टी.वी. बन्द किया और कुर्सी में ढेर की भाँति बैठी एमीलिया की ओर देखा।

हैमिल्टन ने अपने टी.वी. प्रोग्राम में लू बून के कत्ल की डिटेल भी दी थी।

“इसमें कोई शक नहीं कि वो सनकी कातिल अभी भी यहीं इसी शहर में है”—रेनाल्ड्स ने कहा—“और उसके यूँ खुलेआम, आजाद रहते इस शहर में कोई भी, कहीं भी सेफ नहीं है। समझ नहीं आता कि यहाँ का पुलिस डिपार्टमेन्ट कर क्या रहा है?”

“मुझे नहीं लगता कि क्रिसपिन....”—एमीलिया पागलों की तरह चिल्लाई—“वो ऐसा कर ही नहीं सकता।”

“मेरा ख्याल है कि आपको थोड़ी ब्रान्डी लेनी चाहिए।”

“ठीक है....ले आओ”—एमीलिया ने गहरी साँस छोड़ते हुए कहा।

रेनाल्ड्स लड़खड़ाता हुआ लिकर कैबिनेट के पास पहुँचा तो उसे खिड़की से अपनी रॉल्स रॉयल चलाकर जाता हुआ क्रिसपिन दिखाई दे गया।

क्रिसपिन उस वक्त कैन्ड्रिक आर्ट गैलरी जाने के लिए निकला था।

“वो जा रहा है मैडम।”—रेनाल्ड्स ने एमीलिया को बताया।

“जाओ”—एमीलिया बोली—“ऊपर उसके स्टूडियो में जाकर देखो।”

“जी मैडम।”—रेनाल्ड्स ने कहा लेकिन फिर सीढ़ियों के रास्ते ऊपर स्टूडियो में जाने से पहले उसने अपने कमरे में जाकर स्कॉच का एक तीन गुना पैग खींचा, फिर वहीं कहीं से एक तार का टुकड़ा बरामद किया और ऊपर जाती सीढ़ियों के निचले सिरे पर बने दरवाजे के पास पहुँचा। अगले कुछ पलों की कारीगरी के बाद उसने दरवाजे का ताला खोल लिया

और ऊपर जाती सीढ़ियाँ चढ़ गया।

एमीलिया वहीं बैठी इंतजार करती रही। उसे यकीन था कि क्रिसपिन ने ही उस दूसरी हत्या को भी अंजाम दिया है लेकिन फिर भी बुझे मन से वह खुद को बहलाने की कोशिश करती रही कि शायद ऐसा न हो। शायद क्रिसपिन का उस दूसरी हत्या से कोई संबंध न हो। एमीलिया—जिसे हमेशा समाज में अपने रुतबे, अपने सम्मान की फिक्र लगी रहती थी—आज यह सोचकर हलकान हो रही थी कि अगर लोगों को यह पता चल गया कि उसका बेटा वहशी कातिल है तो कौन उससे बोलना पसंद करेगा? आज शाम उसे उस पार्टी में इनवाईट किया गया था जिसे स्पेनिश बे होटल में फ्रांसिसी राजदूत के सम्मान में आयोजित किया जा रहा था लेकिन अगर किसी तरह यह बात फैल जाती कि वो एक दुर्दान्त हत्यारे, एक मैनियाक वहशी कातिल की माँ थी तो कौन उसे डिनर पर बुलाता। आज वो शहर के बेहद प्रतिष्ठित लोगों की फेहरिस्त में अपना नाम दर्ज कराती थी लेकिन क्या आगे भी यही हालात रहने वाले थे?

क्या उसे अपना ऐसा रुतबा खोना नहीं पड़ेगा?

इन्हीं ख्यालों में डूबी एमीलिया को आगे अपनी प्रतिष्ठा, अपना रुतबा, अपना रसूख और यहाँ तक कि अपनी पूरी जिन्दगी खत्म होती दिख रही थी।

तभी रेनाल्ड्स वापस लौटा।

एमीलिया ने उसकी ओर देखा तो पाया कि उसका चेहरा कागज की तरह सफेद पड़ा था और चेहरे पर पसीना चुहचुहा आया था।

“क्या बात है?”—घबराई एमीलिया ने पूछा।

“वह एक आदमी का सिर पेंट कर रहा है”—रेनाल्ड्स ने निगाहें नीचे कर फुसफुसाते हुए कहा—“कटा हुआ खून में डूबा सिर।”

एमीलिया को तेज झटका लगा।

अब शक की कोई गुजाईंश नहीं थी। उसकी इकलौती औलाद ही शहर में हुए दूसरे कत्ल के पीछे थी। उसका बेटा बिलाशक उस दूसरे कत्ल का भी जिम्मेदार था।

रुतबा!

रसूख!

सब खतरे में था।

एमीलिया निढाल-सी हो गई और उसने अपनी आँखें मूंद लीं।

“ब्रान्डी।”—उसने रेनाल्ड्स से कहा।

सहमति में सिर हिलाता रेनाल्ड्स लिकर कैबिनेट तक पहुँचा और ड्रिंक बनाने लगा लेकिन वो खुद इतनी बुरी तरह डरा हुआ था कि ड्रिंक बनाते वक्त उसके कांपते हाथ से गिलास छूटकर नीचे जा गिरा।

"रेनाल्ड्स!"—एमीलिया चीखी।

"यस मैडम।"—रेनाल्ड्स ने एक दूसरे गिलास में ड्रिंक तैयार किया और एमीलिया के पास पहुँचा।

एमीलिया ने हाथ आगे बढ़ाकर गिलास थामा और एक ही झटके में उसे गटक लिया।

"मैडम...."—रेनाल्ड्स ने कुछ कहना चाहा।

"मुझसे बात मत करो....बस इतना याद रखो कि हम कुछ नहीं जानते। जाओ अपना काम करो।"

"मैडम—वह आगे फिर किसी और का कत्ल भी कर सकता है।"

"इन लोगों की परवाह किसे है।"—एमीलिया चीखी—"एक वेश्या थी। दूसरा हिप्पी था।"

"लेकिन मैडम....।"

"हम कुछ नहीं जानते"—एमीलिया फिर चीखी—"क्या तुम अब अपनी उम्र के इस मोड़ पर अपनी नौकरी से हाथ धोना चाहते हो? मुझे घर से बाहर फिंकवा देना चाहते हो? हमें इस बखेड़े से कोई मतलब नहीं....हम कुछ नहीं जानते।"

अपनी बेरोजगारी के खतरे से रेनाल्ड्स घबरा गया। इस उम्र में उसे दूसरी नौकरी कहीं हासिल नहीं होनी थी।

और ऊपर से उसे स्कॉच पीने—बेशुमार स्कॉच पीने—की बुरी आदत भी थी।

"मैडम"—उसने हिचकिचाते हुए कहा—"वो अब कंट्रोल से बाहर, और हद से ज्यादा खतरनाक हो चुका है। हो सकता है कि अपने पागलपन के किसी दौरे में वो आप पर भी हमला कर दे।"

रेनाल्ड्स ने बड़ी चालाकी से अपनी बात कही थी। उसने ये नहीं कहा था कि क्रिसपिन खुद उस पर हमला कर सकता है।

"क्या बकवास है।"—एमीलिया बोली—"मैं उसकी माँ हूँ। खामाखा बको मत और जाकर अपना काम देखो। हम कुछ नहीं जानते।"

¶¶

टेरेल अपने डेस्क पर मौजूद था। सामने बैठे थे हेस, बेगलर और लेपस्कि। चारों कॉफी की

चुस्कियाँ ले रहे थे। "हम इस पागल आदमी के निकट पहुँचते जा रहे हैं।" टेरेल ने कहा —"हमारे लिए महत्वपूर्ण संकेत है: चौथी जैकेट। बाकी तीनों आदमियों का हुलिया इससे नहीं मिलता है।" और लेपस्कि की ओर देखकर पूछा—"तुम इस लड़की द्वारा बताई गई बातों से संतुष्ट हो?"

"हाँ।"

"तब तो यह वही जैकेट होनी चाहिए जो मिसेज ग्रेग ने साल्वेशन आर्मी को दी थी। हम इसी जैकेट का पता लगाना चाहते हैं। लेकिन जो आदमी गक्की शूज पहनता है वह साल्वेशन आर्मी से पुराने कपड़े क्यों खरीदेगा? वह तो खुद भी जैकेट खरीदने की औकात रखता होगा।"

"हो सकता है उस आदमी ने गक्की शूज कहीं से चुरा लिए हों।" हेस ने सम्भावना व्यक्त की—"या फिर किसी कपड़े बेचने वाले से बहुत ही सस्ते दामों पर खरीद लिये हों।"

"हो सकता है।" टेरेल ने सहमति देकर कहा—"टॉम, तुम पुराने कपड़े बेचने वालों को चैक कराओ कि क्या किसी ने गक्की शूज बेचे थे और अगर बेचे थे तो किसको?"

तभी डस्टी लुकास अंदर दाखिल हुआ और उत्तेजित स्वर में बोला—

"चीफ, मैं उन दोनों आदमियों को चैक कर रहा था जो साल्वेशन आर्मी के लिए उपहार स्वरूप कपड़े वगैरा देने वालों के पास जाकर इन चीजों को इकट्ठा करके साल्वेशन आर्मी पहुँचाते हैं। जोए हेनी नाम के उस ट्रक डाईवर को मैं साथ ले आया हूँ। वह बाहर बैठा है। उसका बाप सिड हेनी सीकाम्ब में पुराने कपड़ों की दुकान करता है और वह कबूल कर चुका है कि साल्वेशन आर्मी के कपड़ों में से वह अपने बाप को बेचने के लिए कपड़े देता रहा है।"

"मैं उससे निपटता हूँ चीफ।" हेस उठकर बोला।

जोए हेनी बेरियर के दूसरी ओर बैठा था। उसकी उम्र करीब अट्ठाइस वर्ष थी। शरीर पतला, दाढ़ी बढ़ी, हुई मगर दिखने में चालाक।

हेस और लेपस्कि उसके सामने एक डैस्क पर बैठ गये।

"तुम मुसीबत में फंस सकते हो, जोए।" हेस ने कहा।

"मुसीबत में, वह किसलिए? ये कपड़े आखिर दान दिए हुए ही तो होते हैं।"

"वे कपड़े साल्वेशन आर्मी को दिये जाते हैं। उन्हें अपने पास रखने का तुम्हें कोई हक नहीं है।"

"साल्वेशन आर्मी भी तो उन्हें लोगों को ही देती है। अगर मैंने कुछ कपड़े अपने बाप को दे दिए तो क्या बुरा कर दिया?"

“तुम कब से ऐसा कर रहे हो?”

“करीब छः महीने से।”

“जानते हो—साल्वेशन आर्मी के कपड़े चुराने के जुर्म में तुम तीन महीने के लिए अन्दर जा सकते हो।”

“हूँ? तुम मुझ पर चार्ज नहीं लगा सकते। मैं अपने अधिकारों को जानता हूँ। वे कपड़े साल्वेशन आर्मी की मिल्कियत तब बनते हैं जब मैं उन्हें साल्वेशन आर्मी को डिलीवर कर देता हूँ।”

“नहीं। जब तुम उन्हें ट्रक में लाद लेते हो, तब ही से वे साल्वेशन आर्मी की मिल्कियत बन जाते हैं।”

“लेकिन ट्रक मेरा है। मैं अपनी मर्जी से साल्वेशन आर्मी की मदद करता हूं। अगर पेट्रोल तथा ट्रक के दूसरे खर्चों के बदले मैं कुछ कपड़े रख भी लेता हूं तो क्या बुरा करता हूं?”

“खैर, छोड़ो इस बात को।” हेस ने गहरी सांस ली—“हमें गोल्फ बाल बटनों वाली एक नीली जैकेट की तलाश है। तुम्हें याद है कि तुमने ऐसी कोई जैकेट अपने पिता को दी थी?”

“नहीं। मैं अपने बाप को कपड़ों का बंडल दे देता हूं। उसमें से अपने मतलब के छांटकर बाकी वह मुझे लौटा देता है, तो आगे मैं उन्हें साल्वेशन आर्मी को दे देता हूं।”

“इसके बाप को चैक करो।” हेस ने लेपस्कि से कहा और उठ खड़ा हुआ।

लेपस्कि अपनी कार में बैठकर सीकाम्ब की ओर रवाना हो गया।

जोए हेनी का बाप भी बेटे के अनुरूप छोटी-छोटी आंखों और चूहे जैसी शक्ल वाला काईयां आदमी था।

लेपस्कि ने उसे जैकेट का हवाला देकर पूछा तो उसने साफ इन्कार दिया कि ऐसी कोई जैकेट न तो उसके पास थी न ही कभी उसके हाथों से गुजरी थी। गक्की शूज के बारे में भी उसने यही जवाब दिया। लाख सर पटकने के बावजूद भी लेपस्कि उससे मतलब की जानकारी हासिल नहीं कर सका।

अन्त में पुलिस की अपनी नौकरी को कोसता हुआ लेपस्कि उसकी दुकान से निकलकर अपनी कार की ओर चल दिया। कार के पास पहुंचकर अचानक उसे याद आया कि करोल के लिए हैंडबैग खरीदना था।

वह सोचने लगा।

शनिवार के दिन दोपहर बाद के इस समय आखिर हैंडबैग खरीदने जाए कहां? लेपस्कि को

अगर किसी चीज से नफरत थी तो शॉपिंग से थी।

“हाय मिस्टर लेपस्कि!”

लेपस्कि ने पलटकर देखा। सामने कॉरेन स्टर्नवुड खड़ी थी। सिर से पांव तक उसे घूरकर उसने सोचा छोकरी वाकई गजब की है।

“हाय मिस्टर स्टर्नवुड! तुम यहाँ क्या कर रही हो?”

“सिर्फ एक हम्बरगर लेने आई हूं। मेरा बॉस वीक एन्ड के लिए चला गया है और सारा काम मुझ पर आ पड़ा है। जरा सोचो तो आज शनिवार को भी मुझे शाम तक खपना पड़ेगा।”

“मि. ब्रान्डन बाहर गया है?”

“उसका ससुर बीमार है। उसी को देखने गया है। सोमवार तक लौटेगा। मर्डर इनवेस्टीगेशन चल रही है?”

“हां, चल ही रही है।” अचानक लेपस्कि के दिमाग में विचार कौंधा—“मिस स्टर्नवुड, अगर तुम्हारे पास थोड़ा वक्त हो तो मेरी एक परेशानी हल हो सकती है।”

“तुम्हारे लिए मेरे पास हर वक्त, वक्त है।” उसने पलकें झपकाकर कहा।

“दरअसल मैं अपनी पत्नी को बर्थडे पर देने के लिए एक हैंडबैग खरीदना चाहता हूं, लेकिन समझ में नहीं आता क्या करूं?”

“कोई दिक्कत नहीं है। किस किस्म का हैंडबैग चाहते हो?”

“मैं इन मामलों में एकदम अनाड़ी हूं। मगर मेरी बीवी को आसानी से कोई चीज पसंद नहीं आती है।”

“ज्यादातर औरतें ऐसी ही होती हैं।” कॉरेन हंसी—“सवाल यह है कि तुम खर्च कितना करना चाहते हो? पांस सौ डालर?”

“नहीं....नहीं....इतना ज्यादा नहीं। करीब सौ डालर।”

“पैराडाइज एवेन्यु पर लुसिली की दुकान में ट्राई करो।” कॉरेन बोली—“उसकी दुकान विश्वसनीय है।” वह मुस्कुराई, पलकें झपकाईं और बोली—“मुझे हम्बरगर लेना है, सी यू।” और फिर आगे बढ़ गई।

लेपस्कि कार लेकर पैराडाइज एवेन्यु जा पहुंचा। लग्जरी आइटम्स वाली दुकानें शनिवार में दोपहर बाद भी खुली रहती थीं। फुटपाथ पर लोगों की भीड़ थी। शाप विंडो खुली हुई थी। अपनी कार पार्क करके लेपस्कि लम्बे एवेन्यु में पैदल चलने लगा। मन ही मन कुढ़ते हुए आधा रास्ता पार किया और केनड्रिक की गैलरी के सामने पहुंच गया। वांछित

दुकान की तलाश में वह प्रत्येक दुकान को गौर से देखता जा रहा था। इसीलिए केनड्रिक की विन्डो में लगी क्रिसपिन की प्राकृतिक दृश्य की पेंटिंग पर भी उसकी नजरें पड़ गईं।

वह तुरंत ठिठककर रुक गया।

पेंटिंग पर नजरें गड़ाते हुए उसके जिस्म में सिहरन-सी दौड़ गई।

लाल सुर्ख चांद! काला आकाश! संतरी सागर तट।

विन्डो के पास जाकर उसने फिर गौर से पेंटिंग को देखा।

"हे भगवान!" उसने मन ही मन कहा—"उस शराबखोर बुढ़िया की भविष्यवाणी!"

उसे याद आ गया। पिछली साल जब वह हत्यारे की तलाश में था तो उसकी बात सही साबित हुई थी। उसने कहा था संतरों में देखो और वह हत्यारा संतरे बेचता हुआ ही पाया गया था।

क्या उसकी बात इस बार भी सही हो सकती थी?

फिर उसे डोरोलेस की बात याद आ गई कलाकार के हाथ!

क्या इस पेंटिंग को तैयार करने वाला आदमी वही हत्यारा हो सकता था जिसे वे ढूंढ रहे थे?

वह पलभर के लिए हिचका। फिर गैलरी में दाखिल हो गया।

¶¶

लूइस डी मारने उदास था। उसकी नजरों में केनड्रिक की यह जिद बेवकूफाना थी कि शनिवार के दिन दोपहर बाद भी गैलरी को खोला जाए। केनड्रिक की इस बात को भी वह बेहूदा समझता था कि सारे स्टाफ की तो उस रोज छुट्टी रक्खी जाए मगर हैड सेल्समैन होने के नाते लुइस का यहां रहना जरूरी था।

इन दोनों कारणों से उदास होने के अलावा वह कुपित भी था। ग्रेग की विला में जाकर शराबी बटलर से पेंटिंग लाने के बाद गैलरी में आकर जब उसने ग्रेग की बनायी प्राकृतिक दृश्य की पेंटिंग के ऊपर लिपटा कागज हटाया तो सचमुच उस पर क्रोध मिश्रित बौखलाहट सवार हो गई थी।

"हम इसे गैलरी में नहीं लगा सकते।" लगभग चीखते हुए उसके केनड्रिक से कहा—"देखो तो क्या बकवास है?"

केनड्रिक ने निराश भाव से पेंटिंग का अध्ययन किया और बोला—"बहुत एडवान्स्ड है।"

"एडवान्स्ड?" लुइस बिफर कर बोला—"यह कला का अपमान है। इसे गैलरी में लगाना

गैलरी की तौहीन करना है।"

"शांति से काम लो, लुइस।" केनड्रिक ने उसे झिड़क दिया—"इसे विंडो में लगा दो। मैं इसे डिस्प्ले करने के लिए कह चुका हूँ इसलिए डिस्प्ले तो करूंगा ही और फिर यह भी मत भूलो कि उससे हमें चालीस हजार डालर लेने हैं।"

लुइस ने साइड विंडो साफ करके ईजल पर ग्रेग की पेंटिंग लगा दी। फिर अपने डेस्क पर बैठकर क्रोध पर काबू पाने का यत्न करने लगा।

जब लेपस्कि गैलरी में दाखिल हुआ तो वह एक मैगजीन द्वारा स्वयं को बहलाने की नाकाम कोशिश कर रहा था।

लुइस उसे देखते ही सहम गया। वह शहर के प्रत्येक पुलिसमैन को पहचानता था। लेपस्कि तो उसकी नजरों में बेहद फसादी आदमी था। उसने तुरंत कारपेट के नीचे छुपा एक बटन दबा दिया। केनड्रिक के डेस्क पर एक लाल बल्ब जलने लगा। वह समझ गया बाहर पुलिस मौजूद थी। उसकी गैलरी में कोई अवांछनीय वस्तु नहीं थी, इसलिए डरा तो नहीं मगर उसे ताज्जुब जरूर हुआ। पिछले छह महीने से पुलिस उसके पास नहीं आई थी।

वह कुर्सी से उठा। शीशे के सामने जाकर विग सर पर ठीक से सैट किया, दबे पांव दरवाजे के पास जाकर दरवाज़ा खोला और सुनने लगा।

लुईस कुर्सी से उठा। उसकी चूहे जैसी शक्ल पर मुस्कराहट पुत गई।

"डिटेक्टिव लेपस्कि"—वह कदमों में बिछता हुआ-सा बोला— "आओ। शायद अपनी खूबसूरत बीवी के लिए किसी उपहार की तलाश है, वाकई सही जगह आ पहुंचे हो। ऐसी चीज दूंगा कि फड़क उठोगे और कीमत भी तुम्हारे लिए खासतौर से रियायती होगी।"

इस स्वागत से चकित लेपस्कि पहले तो हिचका फिर लुइस को पुलिसिया अंदाज में घूरा।

"मैं जानना चाहता हूं कि विंडो में लगी लाल चांद वाली पेंटिंग किसने दी है।"

केनड्रिक ने सोचा, अब उसका वहाँ उस वार्तालाप में पहुंचना ही उचित था। सो, वह भारी कदमों से गैलरी में आ गया।

"ओह, फर्स्ट ग्रेड डिटेक्टिव लेपस्कि"—केनड्रिक ने नकली खुशी का इजहार किया—"आओ, स्वागतम्। तुम विंडो में लगी पेंटिंग के बारे में पूछ रहे हो?"

"मैं उस पेंटिंग के पेंटर का नाम जानना चाहता हूं।" लेपस्कि कटुतापूर्वक बोला।

"पेंटर का नाम?" केनड्रिक ने भौंहें चढ़ाईं और कुछ सोचने का अभिनय करता हुआ बोला—"इसे किसने पेंट किया है? यह तो बड़ी भारी समस्या है, डिटेक्टिव लेपस्कि। क्योंकि मैं पेंटर को नहीं जानता।"

“क्या मतलब?” लेपस्कि का स्वर ऐसा था जैसे भारी हथौड़ा गिरा हो।

“अगर मेरी याद्दाश्त धोखा नहीं दे रही है तो कोई आर्टिस्ट इसे बेचने के लिए हमारे पास छोड़ गया था। हालांकि पेंटिंग में अपनी अलग खूबी तो है, मगर इसकी कीमत खास नहीं है। मैं इसे सिर्फ पचास डॉलर में बेच सकता हूँ।”

“दिस इस पुलिस बिजनेस।” लेपस्कि पैनी आवाज में बोला—“मैं आर्टिस्ट का नाम जानना चाहता हूं।”

“मेरी जानकारी के मुताबिक न तो उसने अपना नाम ही हमें बताया था और न ही पेंटिंग पर कहीं दस्तखत किए हैं। उसने फिर आने के लिए कहा था लेकिन अभी तक तो आया नहीं है।”

“पेंटिंग कब दे गया था तुम्हें?”

“चन्द हफ्ते हुए होंगे।” कहकर केनड्रिक ने लुइस से पूछा—“तुम्हें कुछ याद है?”

“नहीं।”—लुइस ने लापरवाही से इन्कार कर दिया।

“उस आर्टिस्ट का हुलिया कैसा था?” लेपस्कि ने पूछा।

“हुलिया?”—केनड्रिक पर उदासी छा गई—“दरअसल मैंने उसे डील नहीं किया था। तुम्हें याद है लुइस?”

“मैंने भी उसे डील नहीं किया।” लुइस के स्वर में पूर्ववत् लापरवाही थी।

लेपस्कि समझ गया कि दोनों ही झूठ बोल रहे थे।

“फिर वह किससे मिला था?”

“मेरे स्टाफ का ही कोई आदमी रहा होगा।”

“मैं पहले भी कह चुका हूँ कि यह पुलिस बिजनेस है।” लेपस्कि स्वयं पर काबू पाकर बोला—“हमारे सामने कुछ ऐसे कारण हैं जिनके आधार पर कहा जा सकता है कि इस पेंटिंग के पेंटर का जेनी बैडलर और लू बून की हत्याओं में हाथ है। इन दोनों मृतकों के बारे में तो तुमने सुना ही होगा।”

केनड्रिक को पल भर के लिए दिल की धड़कन रुकती-सी प्रतीत हुई, लेकिन अपने मनोभावों पर काबू पाने में वह पूरा माहिर था। उसने मात्र अपनी भौंहें चढ़ाईं।

“यह तुम किस आधार पर कह सकते हो?”

“इस बात को भूलकर उसका हुलिया बताओ। वह आदमी हत्यारा हो सकता है।”

केनड्रिक ने क्रिसपिन ग्रेग के बारे में सोचा। उस पर बाकी अपने चालीस हजार डालर

भी उसे याद आ गए।

"मैं अपने स्टाफ से पूछूंगा, डिटेक्टिव लेपस्कि। शायद उनमें से किसी को याद हो। आज तो शनिवार की वजह से वे सब छुट्टी कर गए हैं।"

लेपस्कि को लगभग पूरा यकीन था कि उसे धता बसाई जा रही थी।

"मैं बताए देता हूँ"—वह बोला—"हमें जिस आदमी की तलाश है उसके बाल छोटे-छोटे हैं, कद करीब छह फीट और हाथ कलाकारों जैसे। वह आखिरी बार, सफेद गोल्फ बॉल बटनों की नीली जैकेट, हल्की नीली पेंट और गक्की शूज पहने देखा गया है। हमारे पास सबूत है कि ये दोनों नृशंसतापूर्ण हत्याएँ उसी ने की हैं। अब मैं आखिरी बार पूछता हूँ कि इस पेंटिंग का पेंटर कौन है?"

केनड्रिक को अपनी पीठ पर ठंडा पसीना बहता महसूस हुआ। क्षण मात्र के लिए वह सहम गया और उसका यह सहमना लेपस्कि ने भी साफ नोट किया।

केनड्रिक का खुराफाती दिमाग फौरन सक्रिय हो गया। क्रिसपिन का वह खौफनाक अन्दाज उसे अभी तक याद था।

क्या वह हत्यारा हो सकता था?

मान लो हत्यारा था? मान लो उसने—केनड्रिक ने—उसे गिरफ्तार करा दिया?

तब चालीस हजार की रकम डूब जाएगी।

सुलेमान पैन्डेंट दुबारा नहीं बेचा जा सकता।

"मुझे इसकी गम्भीरता का कोई आइडिया नहीं है।" वह नकारात्मक सर हिलाकर बोला—"मेरा यकीन करो, डिटेक्टिव लेपस्कि। सोमवार को मेरा स्टाफ आएगा। मैं उनसे मालूम करूंगा। बल्कि बेहतर तो यह होगा कि सोमवार की सुबह तुम खुद ही आकर उनसे पूछ लो।"

"तुम्हारा स्टाफ कहां है?" लेपस्कि गुर्राया।

"ओह, यह भला मैं कैसे जान सकता हूं? वीकएंड है। न मालूम कौन कहां गया होगा। लेकिन सोमवार को वे सब यहीं मिलेंगे।"

"सुनो"—लेपस्कि का स्वर ठेठ पुलिसमैन जैसा था—"याद रखना कि इस आदमी को छुपाने वाला दो-दो हत्याओं में उसका सहयोगी समझा जायेगा। मैं सोमवार सुबह को आऊंगा।"

लेपस्कि के गैलरी से बाहर जाते ही केनड्रिक ने लुइस की ओर देखा।

"मुझे इस मुसीबत में मत फंसाना।" लुइस चिल्लाया— "तुमने बता क्यों नहीं दिया था?

दो-दो हत्याओं में सहयोगी।"

"बता दूं"—केनड्रिक ने अपनी विग नोंच फेंकी—"ग्रेग मेरा चालीस हजार का कर्जदार है।"

¶¶

कॉरेन स्टर्नवुड ने आखिर अपना काम निपटा ही लिया। डाक दिनों दिन बढ़ती जा रही थी और बिजनेस तेजी से फैलने लगा था। केन की सहायता न होने की वजह से शनिवार दोपहर बाद का समय भी उसे रोजमर्रा की माथा-पच्ची में गुजारना पड़ा था।

उसने अपनी घड़ी पर नजर डाली—साढ़े छह बजे थे।

उसने सोचा कि उसका बाप अपने बूढ़े दोस्तों के साथ अपनी याट पर था। उसके बाप ने उसे भी वहां निमंत्रित किया था मगर उसने बता दिया था कि केन अपने बीमार ससुर को देखने गया था, इसलिए दफ्तर का सारा काम उसके ही जिम्मे था और इस वजह से उसे फुरसत नहीं मिल पाएगी।

इस बात से उसका बाप बहुत प्रभावित हुआ था।

अब काम खत्म करने के बाद उसने सिगरेट सुलगाई और बचे-खुचे वीकएण्ड के बारे में सोचने लगी।

वासना की भूख उसे बुरी तरह सता रही थी।

केन के बाद उसे पुरुष संसर्ग नहीं मिला था और अब वह किसी मर्द की जरूरत महसूस कर रही थी। उसे इस बात पर भी खीज आई कि जब तक उसका ड्राईविंग लायसेंस वापिस नहीं मिल जाता, वह कार नहीं चला सकती थी। उसने तय किया कि बाकी का सारा वीकएन्ड वह अपने केबिन में गुजारेगी, लेकिन पहले किसी साथी को ढूंढना था।

उसने अपने विभिन्न पुरुष मित्रों के बारे में सोचा, मगर दिक्कत थी कि वे सब पहले से ही बुक होंगे, क्योंकि उसका कोई भी पुरुष मित्र अपने वीकएन्ड को खाली नहीं रखता था।

काफी देर सोचने के बाद एक तरीका सूझा और उसे प्रयोग करने में बुराई भी नजर नहीं आई।

क्यों न किसी से लिफ्ट मांगी जाए?

मुमकिन था कि कोई बढ़िया नौजवान टकरा जाए। उसने यही करने का निश्चय किया।

आफिस लॉक करके सीव्यू एवेन्यू से होती हुई वह मयामी हाइवे पर आ गई और आम के पेड़ के साए में खड़ी होकर आती-जाती कारों को देखने लगी।

शनिवार की शाम यातायात की अधिकता के कारण कारें धीरे-धीरे गुजर रही थीं।

बहुत देर खड़ी रहने के बाद, ठीक उन क्षणों में जबकि उसका धैर्य टूटने लगा था, उसे एक रॉल्स आती दिखाई दी। इस समय ट्रेफिक जाम हो जाने के कारण रॉल्स ठीक उसके पास आकर रुकी।

उसने ड्राइवर का जायजा लिया, हल्के सुनहरी बाल, सुन्दर एवं प्रभावशाली व्यक्तित्व।

वह बगैर हिचकिचाए कार की तरफ बढ़ी और ड्राईवर की ओर आमंत्रणपूर्वक मुस्करा दी।

“मेरे रास्ते की ओर जा रहे हो?” उसने पूछा।

क्रिसपिन ग्रेग ने गौर से उसे देखा और उसके मन में पहला ख्याल आया कि पेंटिंग के लिए वह बढ़िया सबजैक्ट थी। फिर उसने देखा कि लड़की की वासनामय आंखों में स्पष्ट आमंत्रण था। वह आगे झुका और कार की दूसरी ओर का दरवाजा खोल दिया।

“तुम्हारा रास्ता किधर है?” बराबर में आ बैठी कॉरेन से उसने पूछा।

“पैडलर्स क्रीक।” मुस्कराई—“कार लाजवाब है।”

“पैडलर्स क्रीक?” ट्रेफिक के साथ-साथ कार आगे बढ़ाता हुआ क्रिसपिन बोला—“वह तो हिप्पी कॉलोनी है।”

“हां।”

“लेकिन तुम तो हिप्पी नहीं हो?”

“कालोनी के पास ही मेरा केबिन है।”—वह हंसी और बोली—“मेरा नाम कॉरेन स्टर्नवुड है।”

“स्टर्नवुड!”—क्रिसपिन फौरन उसकी ओर पलट गया—“इंश्योरेन्स के धंधे वाला एक स्टर्नवुड तो मेरे पिता का भी दोस्त था।”

“मैं उसी की बेटी हूँ। तुम्हारे पिता? क्या नाम है तुम्हारा?”

“क्रिसपिन ग्रेग। साइरस ग्रेग मेरे पिता का नाम था। चन्द महीने पहले उनकी मृत्यु हो गई थी।”

“तुम उसके बेटे हो? मैं एक बार तुम्हारे पिता से मिली थी। बढ़िया आदमी था। बड़ी अजीब बात है।”

“हाँ”—क्रिसपिन ने स्टियरिंग से एक हाथ हटाकर गले में पड़ा सुलेमान पैन्डेंट टटोला। जब से उसने इसे पहना था, बार-बार इसे टटोलने की तीव्र इच्छा होती थी।

“यह ओरिजिनल है?” कॉरेन ने पैन्डेंट को देखते हुए पूछा—“क्या है यह?”

“ऐसे ही एक चीज हाथ आ गई थी।”—क्रिसपिन ने कहा—“मुझे चन्द मिनट का जरा सा काम है। तुम्हें जल्दी तो नहीं है?”

“नहीं”—कॉरेन हंसी—“इस वीकएन्ड में मैं बिल्कुल खाली हूं। कोई काम नहीं है।”

“हम दोनों एक ही जैसे हैं।”—क्रिसपिन बोला—“शायद दोनों मिलकर एक-दूसरे का खालीपन भर सकें।”

कॉरेन ने उसके इकहरे जिस्म, लम्बी टांगों, कलाकार जैसे हाथों और सुन्दर चेहरे पर नजरें घुमाईं, तो जांघों के बीच गर्म खून का तेज प्रवाह अनुभव किया। दिल-ही-दिल में बोली—“जरूर हम एक-दूसरे का खालीपन भर देंगे।”—और कहा—“वाकई मजा रहेगा।”

क्रिसपिन ने हाईवे से पैराडाइज एवेन्यु की ओर राल्स घुमा दी।

“मैं एक चीज देखना चाहता हूं। फिर जब तक कहोगी, साथ रहूंगा।”

इस समय शाम के सात बजकर दस मिनट हुए थे।

पैराडाइज एवेन्यु सुनसान था।

सभी लग्जरी शॉप बन्द हो चुकी थीं।

क्रिसपिन ने केनड्रिक की गैलरी के आगे राल्स रोक दी।

जब से उसने यह पेंटिंग दी थी, उसे इस विख्यात गैलरी में लगा देखने की उसकी प्रबल इच्छा थी। उसने सोचा क्या पेंटिंग सराही गई होगी?

हालांकि शनिवार दोपहर बाद का समय ठीक नहीं था, मगर वह देखना चाहता था कि केनड्रिक नाम के उस अजीब और बेहूदा आदमी ने उसकी पेंटिंग किस ढंग से डिस्प्ले की थी।

पेंटिंग चांदी की पेंट की हुई ईजल पर लगी थी जहाँ सूरज की सीधी किरणें उस पर पड़ रही थीं।

क्रिसपिन को अत्यधिक गर्व की अनुभूति हुई।

यह ओरिजिनल थी।

जानदार थी।

“इसके बारे में तुम्हारा क्या ख्याल है?” उसने पेंटिंग की ओर संकेत करके कॉरेन से पूछा।

कॉरेन ने विरक्तिपूर्वक पेंटिंग की ओर देखा फिर उस पर नजरें जमाकर क्षुब्ध भाव से पूछा

—"उस चीज के बारे में?"

क्रिसपिन की मुस्कराहट स्थिर हो गई—"हां, वह जो पेंटिंग है।"

"मुझे माडर्न आर्ट की ज्यादा जानकारी नहीं है,"—कॉरेन ने अनिच्छापूर्वक कंधे झटकाए—"लेकिन मेरे पास चन्द बेहतरीन कलाकृतियां हैं। मेरे बाप के पास तो माडर्न आर्ट के महान् कलाकारों की ढेरों पेंटिंग्स हैं।"

क्रिसपिन की लम्बी कलात्मक उंगलियां स्टियरिंग व्हील पर कस गईं।

"विंडो में लगी पेंटिंग के बारे में तुम्हारी क्या राय है?" उसने पैने स्वर में पूछा।

"यह तो कोई मजाक लगता है....सप्ताहांत का मजाक"—कॉरेन ने जवाब दिया—"या तो इसे बनाने वाला या फिर केनड्रिक पागल है। मेरी नजरों में तो यह किसी बेहूदा बच्चे की बेहूदगी है। तुम ऐसा नहीं समझते क्या?"

"बेहूदा बच्चा?"

"हां"—कॉरेन हंसी—"या फिर कोई पागल आदमी रहा होगा।"

क्रिसपिन की उंगलियां अपने आप ही सुलेमान पैन्डेन्ट को सहलाने लगीं।

"मैं सोचता था कि यह ओरिजिनल थी।"

"क्या तुम सिर्फ यही देखना चाहते थे?" कॉरेन ने पूछा। वह इस आदमी के साथ केबिन में पहुंचने के लिए बेताब थी—"आओ चलें।"

क्रिसपिन हाइवे की ओर कार ड्राइव करने लगा।

"अगर तुम वाकई अच्छे किस्म की माडर्न आर्ट में रुचि रखते हो"—कॉरेन ने कहा—"इस जैसे कूड़े-कबाड़ में नहीं। तब तुम्हें केनड्रिक से मिलना चाहिए। वह पूरा जानकार है इन चीजों का।"

"कूड़ा-कबाड़?"—क्रिसपिन ने पूछा—"तुम वाकई ऐसा समझती हो?"

"तुम नहीं समझते क्या?"

क्रिसपिन के मन में भयानक प्रबल इच्छा उत्पन्न हुई कि कार रोक दे। माणिक पत्थर दबाकर इस लड़की को चाकू घोंप दे और फिर घोंपता ही चला जाए, लेकिन उसने खुद पर काबू पा लिया।

"तुम वीक-एण्ड के लिए बिल्कुल फ्री हो?"—उसने अप्रत्याशित रूप से नर्म स्वर में पूछा—"तुम्हारी राय में हमें क्या करना चाहिए?"

"मेरे केबिन में चलो।"—कॉरेन आमंत्रणपूर्वक मुस्कराई—"वहां मौज मस्ती करेंगे।"

तत्पश्चात दोनों मौन हो गए।

रॉल्स फिसलती रही।

“कार यहीं छोड़ दो।”—कॉरेन ने कहा—“थोड़ी देर पैदल चलना होगा।”

पास के पेड़ों के साये में क्रिसपिन ने कार रोक दी। कार से उतरकर दोनों कॉरेन के केबिन की ओर चल दिए।

क्रिसपिन ने अच्छी तरह जानने के बावजूद भी कहा— “इसी जगह के आसपास कहीं एक लड़की की हत्या हुई थी ना?”

“हां। बड़ा भयानक कांड था।”

सांझ का धुंधलका फैलने लगा था। नीचे झुके पेड़ों और घनी झाड़ियों के झुरमुट से घिरी पगडंडी पर लगभग अंधेरा-सा गहरा रहा था।

“इस रास्ते पर तुम्हें डर नहीं लगता है?”—क्रिसपिन ने उसके पास आकर पैन्डेंट टटोलते हुए पूछा।

“तुम जैसा जवां मर्द साथ हो तो डर कैसा?”

वे खुले स्थान में आ गए।

“वो देखो!”—कॉरेन ने इशारा किया—“वही मेरा केबिन है।”

क्रिसपिन ने एकांत केबिन की ओर देखा।

“बढ़िया जगह है। तुम यहां बिल्कुल अकेली रहती हो? ये हिप्पी तुम्हें परेशान नहीं करते?”

“वे मुझे नोचते हैं।”—कॉरेन ने केबिन का ताला खोला—“मैं उन्हें निचोड़ती हूं।”

दोनों केबिन में दाखिल हो गए। कॉरेन ने लाइट्स आन कर दीं और बड़ी खिड़की के पास जाकर पर्दे खींच दिए।

क्रिसपिन ने चारों ओर निगाहें घुमाईं और बोला—“वैरी नाइस।”

“आई लव इट।”—कॉरेन ने उसे गौर से देखा। दमदार आदमी है। उसने सोचा, फिर पूछ बैठी—“ड्रिंक लोगे?”

क्रिसपिन उसके पास आ गया। अपने हाथ धीरे से उसकी बांहों पर रखकर उसे इस प्रकार घुमा दिया कि कॉरेन की पीठ उसकी ओर हो गई। फिर उसकी उंगलियां हौले-हौले कॉरेन की रीढ़ की हड्डी पर फिसलने लगीं।

कॉरेन के शरीर में सिहरन सी हुई।

उसने अपने कंधे झुका दिए।

उसके समूचे जिस्म से एक तेज लहर गुजरने लगी।

"फिर करो।"—वह बोली—"तुम्हें कैसे पता चला मेरी पसन्द का?"

क्रिसपिन की उंगलियां पुनः उसकी गरदन के पृष्ठ भाग से रीढ़ की हड्डी के अन्तिम सिरे तक फिसलने लगीं।

"ओह मजा आ गया!"

क्रिसपिन ने धीरे से उसे पलंग की ओर धकेला।

"ठहरो।"—कॉरेन ने फटाफट अपने कपड़े उतार फेंके फिर पलंग पर औंधी लेट गई और हांफती हुई बोली—"करो ना। बार-बार करते रहो।"

क्रिसपिन पलंग पर उसके पास बैठ गया। बांये हाथ की एक उंगली को उसकी नंगी पीठ पर फिराने लगा और दांये हाथ से उसने सुलेमान पैन्डेंट गले से निकाल लिया। माणिक दबाते ही चाकू का फल बाहर उछल आया।

"और करो।"—वह कामुक स्वर में बोली—"करते रहो।"

कॉरेन को लगा कि उसकी रीढ़ की हड्डी पर कोई पंख फिसल रहा था। बेहद तेज चाकू की नोंक ने उसकी खाल हौले से पूरी लम्बाई में काट दी। खून छलक आया, लेकिन दर्द बिल्कुल नहीं हुआ।

उस पर कामोन्माद सवार था।

गरदन से रीढ़ की हड्डी के सिरे तक कटी लम्बाई को चाकू ने दुबारा और थोड़ा गहरा कर दिया।

इस बार और ज्यादा खून छलका।

"ओह!"—कामातिरेक के कारण पलंग पर हाथ पटकती हुई कॉरेन फंसी-सी आवाज में बोली—"....आह....फिर करो और करो....।"

अचानक क्रिसपिन की आंखें चमकने लगीं। होंठ गुर्राहट पूर्ण मुद्रा में खिंच गए। पीठ में कटी हुई लम्बाई की गरदन से नीचे तक चाकू द्वारा और भी गहरा कर दिया।

खून तेजी से निकलकर चादर को रंगने लगा।

कॉरेन तेज पीड़ा अनुभव करके सिहर गई। वह तुरन्त पीठ के बल पलटी।

क्रिसपिन के चेहरे पर नजर पड़ते ही आंखें आतंक से फट गईं।

वह किसी खौफनाक दरिन्दे का चेहरा था।

फिर उसने खून से सना चाकू देखा।

“क्या कर रहे हो?”—वह भयभीत स्वर में चिल्लाई—“मुझे क्या कर दिया है तुमने?”

सहसा चादर पर फैला खून देखकर उसका मुंह आतंकपूर्ण चीख की मुद्रा में खुल गया।

तभी क्रिसपिन ने चाकू का भरपूर वार कर दिया।

¶¶

लुसिली की दुकान से हैंडबैग खरीदकर लेपस्कि बाहर निकला। उसने अपनी घड़ी पर नजर डाली।

पौने छह बजे थे। पुराने कपड़े बेचने वाले दूसरे दुकानदारों को चैक करने की कोई तुक नहीं थी।

अब तक, वे सब दुकानें बंद कर गए होंगे।

अपनी कार में बैठकर उसने सिगरेट जलाई और सोचने लगा। शराबखोर बुढ़िया मेहिताबेल बेसिंगर ने हत्यारे सम्बन्धी जो क्लूज दिए थे, वे सच प्रतीत हो रहे थे। उसे शुरू में ही समझ जाना चाहिए था कि वे संकेत किसी पेंटिंग की ओर थे। मात्र संयोग ही था कि केनड्रिक की विंडो में लगी पेंटिंग पर उसकी नजर पड़ गई। वह जानता था कि केनड्रिक चोरी की कलाकृतियां और अन्य कलात्मक वस्तुओं की खरीद-फरोख्त का धन्धा भी करता था। वह यह भी समझ रहा था कि पेंटिंग बनाने वाले कलाकार के बारे में केनड्रिक ने झूठ बोला था।

जाहिर था कि वह किसी को छुपा रहा था। लेपस्कि भी भली-भांति जानता था कि केनड्रिक किसी ऐरे-गैरे को नहीं बल्कि धनवान व्यक्ति को ही छुपायेगा।

लेपस्कि ने सिगरेट कार की खिड़की से बाहर उछाल दी। दिक्कत इस बात की भी थी कि वह उस शराबखोर बुढ़िया या उसके क्लूज के बारे में टेरेल या अपने अन्य किसी सहयोगी को बताकर उनकी नजरों में उपहास का पात्र बनना नहीं चाहता था। सो, इस मामले को उसे खुद ही फालो करना होगा। उसने तय किया कि सोमवार की सुबह केनड्रिक की गैलरी में जाकर वो खुद उसके स्टाफ से अच्छी तरह निपटेगा।

हैडक्वार्टर्स जाकर उसने टेरेल की सिड हेनी से हुई बातचीत का विवरण दे दिया और फिर कोई और काम न होने की वजह से घर चला गया।

कारोल हैंडबैग देखकर खुश हो गई।

फिर दोनों पति-पत्नी खा-पीकर सो गए।

रात के ठीक ढाई बजे टेलीफोन की घण्टी की चीख ने लेपस्कि को जागने पर मजबूर कर दिया। मन-ही-मन कुढ़ता हुआ वह बिस्तर से उतरा और लिविंग रूम में आकर रिसीवर उठा लिया।

"टॉम" बेगलर का भारी स्वर सुनाई दिया—"फौरन यहां आ जाओ। उस हरामजादे ने फिर एक हत्या कर दी है और इस बार शिकार हुई है—स्टर्नवुड की लड़की"—फिर सम्बन्ध विच्छेद हो गया।

¶¶

सारी रात भयानक दु:स्वप्नों में घिरी रहने के बाद एमीलिया सोकर उठी तो सुबह के पौने दस बज चुके थे। बेटे सम्बन्धी दु:स्वप्नों ने उसकी इस आशंका की पुष्टि कर दी थी कि अगर क्रिसपिन के हत्यारे होने की बात खुल गई तो उसके दोस्त, उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा, भावी जीवन, आदि सब खत्म हो जायेंगे।

बिस्तर के निकट मेज पर लगा घण्टी का बटन दबाकर उसने रेनाल्ड्स को सचेत कर दिया था कि वह जाग चुकी थी। उसे स्ट्रांग ब्लैक कॉफी की जरूरत थी। जब वह लिविंग रूम में पहुंची तो देखा तो रेनाल्ड्स कांपते हाथ से कॉफी डाल रहा था। उसे गौर से देखते ही समझ गई कि वह पिए हुआ था।

"रेनाल्ड। तुम बहुत ज्यादा शराब पीते हो।"—उसे झिड़ककर कहा और बैठ गई।

"यस, मैडम!" रेनाल्ड बोला—"नाश्ता अभी करेंगी?"

"नहीं, वह कहां है?"

"अपने अपार्टमेंट में, मैडम।"

"रात वह कहीं बाहर गया था?"

"यस, मैडम।"

"वापिस कब लौटा था?"

"दस बजे के कुछ देर बाद, मैडम।"

एमीलिया ने कॉफी की चुस्की ली।

"टी.वी. ऑन कर दो, रेनाल्ड्स। पैट हेमिल्टन का समय हो रहा है।"

"यस, मैडम।"

टी.वी. स्क्रीन पर पैट हेमिल्टन प्रगट हुआ।

बैकग्राउन्ड में कॉरेन स्टर्नवुड के केबिन का दृश्य था। केबिन में पुलिस आफिसर्स की भीड़ लगी हुई थी। फिर कॉरेन स्टर्नवुड की फोटो स्क्रीन पर उभरी और फिर पेट हेमिल्टन के शब्द गूंजने लगे, जिन्होंने एमीलिया को पत्थर के बुत की भांति जड़ बना दिया।

पागल हत्यारे ने फिर वारदात की। करोड़पति की बेटी कॉरेन स्टर्नवुड की नृशंसता पूर्ण हत्या।

"एक हफ्ते से भी कम समय में यह पागल तीसरी हत्या कर चुका है"—हेमिल्टन ने कहना जारी रखा—"पुलिस को पूरा यकीन है कि किसी ने हत्यारे को छुपा रखा है। मि. जेफरसन स्टर्नवुड ने अब एक इनाम की घोषणा की है।"—स्क्रीन पर शांत स्टर्नवुड की आकृति उभरी, उसके पत्थर की तरह सख्त व क्रूर चेहरे ने एमीलिया की धड़कनें तीव्र कर दीं —"मि. स्टर्नवुड इस हत्यारे को गिरफ्तार कराने वाले को दो लाख डालर का इनाम देंगे"—हेमिल्टन तनिक रुका फिर दोहराया—"दो लाख डालर। प्राप्त सूचना को गुप्त रखा जाएगा। अगर कोई ठोस प्रमाण सहित बता सकता है कि हत्यारा कौन है, तो उसे सिर्फ पुलिस हैडक्वार्टर्स को फोन कर देना होगा और बगैर किसी पूछताछ के टेलीफोनकर्ता को घोषित इनाम दे दिया जाएगा।"—तत्पश्चात् हेमिल्टन स्थानीय समाचार पढ़ने लगा।

रेनाल्ड्स ने टी.वी. सैट बन्द कर दिया।

कमरे में सन्नाटा छा गया।

दो लाख डालर।

एमीलिया ने सोचा। अगर दस लाख डालर भी हो तो भी वह अपनी सोशल लाइफ की कुर्बानी नहीं देगी।

दो लाख डालर!

रेनाल्ड सोच रहा था। आजादी! कोई सरदर्दी नहीं।

इस मोटी बुढ़िया की जी हजूरी नहीं।

बस उसे पुलिस को एक टेलीफोन करना होगा और फिर दो लाख डालर उसकी जेब में होंगे।

वह एक विला खरीदकर चैन से बाकी जिन्दगी गुजारेगा और जी भर के स्कॉच पी सकेगा।

सहसा उसे आभास हुआ कि एमीलिया उसी को घूर रही थी।

"रेनाल्ड्स"—वह बोली, इस बात का संदेह करते हुए कि वह विश्वासघात की योजना बना रहा था—"हमें कुछ भी नहीं कहना है। धन ही सब कुछ नहीं होता है! मेरी सोचो! मैं तबाह हो जाऊंगी। मुझे तुम्हारी वफादारी पर यकीन है।"

रेनाल्ड्स ने भावहीन चेहरे सहित सर झुका दिया।

बुढ़िया कितनी बेवकूफ थी!

क्या वह वाकई समझती थी कि इतने भारी इनाम के बावजूद भी वह चुप रहेगा?

"यस, मैडम"—वह बोला—"और कॉफी लेंगी?"

"नहीं, मैं क्रिसपिन से बातें करूंगी। तुम्हारी तनख्वाह हमें बढ़ानी चाहिए।"—एमीलिया निराश भाव में बोली—"मेरे वफादार बने रहो। मैं वादा करती हूं कि तुम्हें कभी पछताना नहीं पड़ेगा।"

"मुझ पर यकीन करो, मैडम। मैं आपका पुराना खिदमतगार हूँ"—रेनाल्डस सपाट स्वर में बोला—"थोड़ी कॉफी और चलेगी?"

"नहीं....नहीं।"

"तब फिर मैं ट्रे हटाए देता हूं।"

क्या वह उस पर विश्वास कर सकती थी?

एमीलिया तय नहीं कर पा रही थी।

"रेनाल्ड्स।"

ट्रे सहित द्वार की ओर बढ़ता रेनाल्ड्स रुक गया—"यस, मैडम।"

"आज तुम्हें क्या करना है?"

"आज इतवार है। आपका लंच तैयार करने के बाद थोड़ा घूमने जाऊंगा।"

"मेरी तबियत ठीक नहीं है। सो, मेहरबानी करके तुम मेरे पास ही रहना। कहीं मत जाना।"

"जैसी आपकी मर्जी मैडम।"—हल्का-सा सर झुकाकर वह बाहर निकल गया।

शहर के दूसरे कोने पर क्लाड केनड्रिक ने टी.वी. सैट आफ किया।

गैलरी के ऊपर बने अपने अपार्टमेंट के सुसज्जित लिविंग रूम में वह नाश्ता खत्म करके बैठा था। वह बहुत अच्छे मूड में था मगर पैट हैमिल्टन के प्रसारण ने सारा मूड आफ कर दिया था।

दो लाख डालर।

उसने इस इनाम को हासिल करने की सम्भावना के बारे में सोचा, मगर अफसोस उसके पास कोई ऐसा सबूत नहीं था कि क्रिसपिन ग्रेग ही हत्यारा था। वह हैरान था लेपस्कि

ने यह कैसे कह दिया कि ग्रेग की पेंटिंग का हत्यारे से सम्बन्ध था।

हालांकि लेपस्कि द्वारा बताया गया हुलिया ग्रेग से मिलता था लेकिन इस हुलिए के तो और भी हजारों व्यक्ति होंगे। मान लो ग्रेग साबित कर दे कि उसका इन हत्याओं से जरा भी बराबर ताल्लुक नहीं था?

मान लो यह बात खुल जाए कि पुलिस को उसकी सूचना उसने—केनड्रिक ने—दी थी? चोरी की वस्तुओं की डीलिंग करने वाले उसके सभी ग्राहकों का उस पर विश्वास था। एक बार मुखबिर बनने का मतलब होगा हमेशा के लिए मुखबिर बन जाना। इनाम चाहे जितना बड़ा हो, इस बारे में जुबान न खोलना ही ठीक था।

इस सम्बन्ध में लुइस डी मारने को भी सचेत करने के ख्याल से उसने फोन कर उसे तुरंत अपने पास बुला लिया।

क्रिसपिन ग्रेग ने अपना टी.वी. सैट ऑफ कर दिया।

दो लाख डालर।

उसकी आँखें सिकुड़ गईं।

इस हरामजादी कुतिया की हत्या करके उसने सचमुच भयानक भूल की थी।

लेकिन इस बात को जानता कौन था? सिर्फ उसकी मां और रेनाल्ड्स। उसकी मां? उसके लिए तो अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा ही सब कुछ थी।

लेकिन रेनाल्ड्स गद्दारी कर सकता था। शराब की अपनी कमजोरी की वजह से उसे इनाम का लालच आ सकता था।

क्रिसपिन कुछ देर तक बैठा सुलेमान पैन्डेन्ट को टटोलता रहा, फिर उठा और दबे पांव सीढ़ियों के दहाने पर आ खड़ा हुआ। किचन में सफाई करते रेनाल्ड्स की आहट उसे सुनाई दी। बगैर कोई आहट किए सीढ़ियां तय करके तेजी से चलता हुआ वह रेनाल्ड्स के कमरे में जा घुसा। खिड़की में लगी सलाखों से संतुष्ट होकर उसने अपने तेज चाकू से टेलीफोन की एक्सटेन्शन लाइन का केबल काट दिया। फिर बाहर निकला, दरवाजा बंद करके ताले में लटकती चाबी निकाल ली और कारीडोर में बने झाडू वगैरा रखने के एक क्लोजेट में घुसकर दरवाजा आधा खुला रहने दिया।

गूंगी-बहरी क्रिस्सी ने भी पैट हेमिल्टन का प्रोग्राम देखा था। हेमिल्टन ने जिन हत्याओं के बारे में बताया था उसकी कोई खबर उसे नहीं थी, लेकिन दो लाख डालर के इनाम ने उसे जरूर प्रभावित किया। उसकी समझ में नहीं आ सका, इतनी रकम का वह क्या करेगी? इसी उहापोह में फंसी वह उठी ताकि अपने लंच के लिए फ्रिज में रख छोड़ी गई चिकन ला सके। उसने दरवाजा खोला लेकिन फौरन ही फिर बन्द कर दिया।

दरवाजे की झिरी से उसने देखा, क्रिसपिन ने रेनाल्ड्स के कमरे के दरवाजे में से चाबी

निकाली और झाड़ू वगैरा रखने के क्लोजेट में जा घुसा था।

चन्द मिनट बाद, रेनाल्ड्स किचन से निकला। अपने कमरे में जाकर द्वार बन्द कर लिया।

क्रिस्सी असमंजसतापूर्वक खड़ी देख रही थी। क्रिसपिन क्लोजेट से बाहर निकला। रेनाल्ड्स के दरवाजे के ताले में चाबी फंसाकर घुमा दी। फिर चाबी निकालकर जेब में डाली और अपनी मां के कमरे की ओर बढ़ गया।

रेनाल्ड्स स्कॉच का बड़ा पैग डालकर बैठ गया। दो लाख डालर! यह पुलिस को जरूर सूचित करेगा। सभी जरूरी सबूत उसके पास थे।

वे खौफनाक पेंटिंग्स।

खून से सने जले कपड़ों की राख।

कपड़े जलने के बावजूद भी गोल्फ बॉल बटन अभी भी भट्टी में मौजूद थे।

अब वह बैठा क्यों था?

पुलिस को खबर क्यों नहीं करता?

हेमिल्टन ने कहा था कि प्राप्त सूचना बिल्कुल गुप्त रखी जाएगी, लेकिन एक बार इनाम वसूल करने के बाद वह फिर कभी इधर का रुख भी नहीं करेगा।

नर्क में जाए मोटी बुढ़िया!

विस्की खत्म करके वह लड़खड़ाता हुआ उठा और टेलीफोन उठा लिया। हालांकि वह नशे में था परन्तु यह समझते देर नहीं लगी कि फोन में डायल टोन नहीं थी। मन ही मन बड़बड़ाते हुए रिसीवर क्रेडिल पर पटक दिया।

थोड़ा हिचकिचाने के बाद उसने स्कॉच का एक और पैग डाला। कोई बात नहीं, अभी बहुत वक्त था। स्वभावानुसार उसने सोचा कि बुढ़िया को लंच में क्या देगा? फिर सोचा चन्द दिनों की बात थी। दो लाख डालर हाथ में आने के बाद वह इस बुढ़िया की चिंताओं से मुक्त हो जाएगा।

वह हंसा।

स्कॉच खत्म करके खाली गिलास फर्श पर गिरा दिया।

दुबारा टेलीफोन के पास जाकर रिसीवर उठाया तो कटा हुआ केबल दिख गया। भय की सर्द लहर उसके जिस्म से गुजर गई।

आतंक हावी हो गया।

दरवाजे के पास पहुंचकर उसे खोलना चाहा, तो पता लगा कि बाहर से लाक्ड था।

उसे अंदर बन्द किया जा चुका था।

¶¶

आतंकित एमीलिया चर्बी के ढेर के रूप में कुर्सी में फंसी बैठी थी।

कॉरेन स्टर्नवुड!

अपने पति के साथ कई बार वह स्टर्नवुड के निवास स्थान पर गई थी। शानदार डिनरों में आमंत्रित अतिथियों की हैसियत से। इन मौकों पर कॉरेन को भी उसने देखा था। क्रिसपिन का आखिर यह कैसा पागलपन था। उस लड़की को ही शिकार बना लिया। स्टर्नवुड उसे पैराडाइज शहर से बाहर निकलवा देगा, उसका जीना दूभर कर देगा। एमीलिया को यकीन होने लगा कि दो लाख डालर के लालच में रेनाल्ड्स जरूर गद्दारी कर देगा। दरवाजा खुलने की आहट पाकर देखा कि दरवाजे में क्रिसपिन खड़ा था।

"तुम परेशान लग रही हो, मां।"—उसने कहा और अंदर आकर दरवाजा बन्द कर लिया।

वह सहम गई।

क्रिसपिन एक कुर्सी पर बैठकर सुलेमान पैन्डेन्ट को टटोलने लगा।

"मुझे यकीन है कि तुम्हारे दिमाग में भी वही समस्या है जो मेरे में है। तुम्हें रेनाल्ड्स के बगैर अपना काम चलाना होगा। क्योंकि इनाम का लालच उसे गद्दारी करने पर मजबूर कर देगा।"

एमीलिया ने कुछ कहना चाहा, मगर शब्द होंठों तक नहीं आ सके।

"परेशान मत होओ मां। सब कुछ मुझ पर छोड़ दो। बद्किस्मती से यह हम दोनों के लिए जरूरी हो गया है।"

"क्रिसपिन"—बड़ी कठिनता से वह कह सकी—"तुम कहना क्या चाहते हो?"

"मैं उसकी सदा के लिए छुट्टी करना चाहता हूँ।"

"सदा के लिए छुट्टी? क्या कह रहे हो तुम?"

"बेवकूफी मत दिखाओ माँ"—उसके पैने स्वर से एमीलिया सिहर गई—"तुम मेरा मतलब खूब समझती हो।"

"क्रिसपिन मेरे बेटे"—वह कांपती आवाज में बोली—"मेरी बात सुनो। तुम बीमार हो। मेहरबानी करके किसी डॉक्टर को कन्सल्ट कर लो। डॉ. रेसन तुम्हारा इलाज कर सकता है। उसी के पास चले जाओ।"

"वह बूढ़ा"—क्रिसपिन के चेहरे पर पैशाचिक मुस्कान थी—"मुझे पागलखाने भेज देगा। तब तुम्हारे दोस्त भी तुमसे किनारा कर लेंगे। यह सोचा है तुमने? लेकिन तुम फिक्र मत

करो, मैं सब ठीक कर दूंगा। जल्दी ही हम रेनाल्ड्स की जगह किसी और को रख लेंगे। तुम्हारी जिंदगी आराम से कटने लगेगी”—उसने अपनी मां को घूरा—“तुम समझ गईं ना?”

तभी टेलीफोन की घंटी बजने लगी। क्रिसपिन ने क्षुब्ध भाव से रिसीवर उठा लिया।

“मि. ग्रेग?”

“कौन है?”

“क्लाड केनड्रिक। आपकी पेंटिंग देखकर एक पुलिस आफिसर मेरे पास आया था। वह पूछ रहा था कि इसे किसने पेंट किया है।”

“पुलिस?” क्रिसपिन सहम गया—“पुलिस को मेरी पेंटिंग में क्या दिलचस्पी है?”

“उनका विचार है कि इस पेंटिंग को पेंट करने वाला ही, वह पागल हत्यारा है जो शहर में हत्याएं कर रहा है। अभी तो मैंने कह दिया है कि मैं आर्टिस्ट को नहीं जानता, लेकिन कल फिर आकर वे मुझ पर दबाव डालेंगे। क्या मैं आर्टिस्ट का नाम बता दूं?”

“तुम पुलिस को कुछ नहीं बताओगे, केनड्रिक”—क्रिसपिन के चेहरे पर खौफनाक वहशत थी और आवाज में गुर्राहट—“अगर तुमने मेरे बारे में बता दिया तो मैं तुम्हारा धन्धा चौपट कर दूंगा।”—कहकर रिसीवर क्रेडिल पर पटक दिया।

एमीलिया ने सब कुछ सुन आंखें बन्द कर लीं।

उसका मोटा जिस्म कांप रहा था।

तो अब पुलिस को भी पता चल गया।

¶¶

दो लाख डालर के इनाम की घोषणा ने पैराडाइज सिटी हैडक्वार्टर्स को अपार हलचल का केंद्र बना दिया था। टेलीफोन स्विच बोर्ड जाम हो गया था और सूचना देने आए लोगों की एक लम्बी कतार बेसब्री से इन्तजार कर रही थी। इसमें प्रत्येक उपलब्ध डिटेक्टिव को इस काम में लगा दिया गया था।

नब्बे प्रतिशत लोगों ने जो कुछ बताया उसे उपयोगी सूचना तो क्या सूचना का भी दर्जा नहीं दिया जा सकता था, अलबत्ता एक मोटे युवक द्वारा दी गई सूचना को अवश्य लाभदायक कहा जा सकता था। उसके अनुसार कॉरेन शनिवार शाम को करीब सवा सात बजे किसी कार में लिफ्ट लेने के उद्देश्य से हाईवे पर खड़ी थी।

इस बात ने टेरेल को सोचने पर विवश कर दिया कि कॉरेन को मनपसन्द ड्राइवर द्वारा लिफ्ट मिल गई होगी और बद्किस्मती से वह ड्राईवर कोई और नहीं बल्कि वही पागल हत्यारा रहा होगा।

शाम छह बजे तक टेलीफोन काल का सिलसिला बंद हो गया और सूचना देने आये व्यक्ति भी एक-एक करके चले गए।

कागजों के ढेर के सम्मुख बैठे डिटेक्टिव्ज़ ने थोड़ी राहत महसूस की। इस हंगामे की वजह से उनमें से कोई भी लंच नहीं ले सका था और सारा दिन कॉफी और सिगरेटों पर गुजारा था।

टेरेल डिटेक्टिव्ज रूम में पहुँचा।

"ओके दोस्तों"—वह बोला—"तुम लोग दो-दो करके कुछ खा-पी आओ, मगर जल्दी ही लौट आना। इन कागजों की जांच अभी बाकी है। टॉम, पहले तुम और मैक्स चले जाओ।"

रेस्तरां में जाकर बीफ बर्गर का आर्डर देने के बाद लेपस्कि बोला—"आज कारोल का जन्मदिन है और मैंने उसे शानदार डिनर खिलाने का वादा किया था, लेकिन अब सब गड़बड़ हो गया। लानत है ऐसी नौकरी पर।"

"टॉम"—जेकोबी ने कहा—"एक बात मुझे रह-रहकर खटक रही है। सुनो, चार गोल्फ बॉल बटन जैकेटों में से तीन जैकेटों के मालिकों के पास तो एलीबी मौजूद है। और चौथी जैकेट का मालिक साइरस ग्रेग था। उसकी बीवी का कहना है कि उक्त जैकेट सालवेशन आर्मी को दे दी गई थी, जबकि सालवेशन आर्मी वाले कहते हैं कि उनके पास जैकेट नहीं पहुंची। इस बावत मेरा विचार है कि मान लो मिसेज ग्रेग झूठ बोल रही हैं?"

जेकोबी ने बीफ बर्गर के अजीब से स्वाद पर बुरा-सा मुंह बनाया, फिर ताज्जुब से जेकोबी की ओर देखा—"लेकिन उसे झूठ बोलने की जरूरत क्या है?"

"दरअसल एक बात का जिक्र मैंने अपनी रिपोर्ट में तो नहीं किया।"—जेकोबी बीफ बर्गर चबाता हुआ बोला—"मगर अब मुझे जरूर याद आ रही है। ग्रेग के कपड़ों के बारे में लेवाइन से पूछताछ करते समय जैकेट सम्बन्धी कोई सूचना उससे नहीं मिल सकी थी। परन्तु ग्रेग के परिवार के बारे में उसने जरूर बताया था। सिर्फ जैकेट के ही बारे में सोचने की वजह से उस वक्त मैंने उसकी इन बातों पर कोई ध्यान नहीं दिया था। लेबाइन के अनुसार मिसेज ग्रेग का सारा ध्यान अपने बेटे पर इस हद तक केन्द्रित हो गया था कि बेचारा मि. ग्रेग पूरी तरह उपेक्षित होकर रह गया था। जब मैंने लेवाइन से उसके बेटे के बारे में पूछा, उसने बताया कि उसे तो उसने कभी देखा तक नहीं था।"

"तुम्हारा इस बात से क्या आशय है कि मिसेज ग्रेग झूठ बोल रही है?" लेपस्कि ने अपना कांटा और छुरी रखकर पूछा।

"मान लो उसका बेटा हत्यारा है? मान लो जैनी बैंडलर की हत्या करते समय उसने अपने बाप की जैकेट पहनी हुई थी? तो क्या उसकी मां उसे कवर नहीं करेगी?"

"तुम्हारी बात में दम है, मैक्स"—लेपस्कि सिगरेट सुलगाकर बोला—"अगर हमारे पास

उपलब्ध हत्यारे का हुलिया ग्रेग के बेटे से मिलता है तो जरूर बात बन सकती है।"

"दिक्कत इस बात की है कि मिसेज ग्रेग के मेयर से घनिष्ठ सम्बन्ध हैं।"—जेकोबी ने आशंका व्यक्त की।

"तुम इस बारे में किसी से जिक्र मत करना, मैक्स"— लेपस्कि उठता हुआ बोला—"मैं इससे निपट लूंगा।"

"मैं सोच रहा था, शायद यह इनाम मुझे ही मिल जाए टॉम।"

"तुम्हें? इनाम मिल जाए? क्या कभी किसी पुलिसमैन को भी इनाम मिलता है?"

"हमें क्या करना है?"—जेकोबी ने अनिच्छापूर्वक कंधे झटकाए—"चीफ को बता दूं इस बारे में?"

"अभी नहीं। मैं कुछ करूंगा। आओ, वापिस चलते हैं।"

¶¶

क्रिसपिन के जाने के बाद, एमीलिया बैठी-बैठी शून्य में ताकने लगी। उसकी अन्तरात्मा उसे झकझोर रही थी। पुलिस को फोन करके बता दे कि उसका बेटा हत्यारा था और एक और हत्या करने वाला था! वह फोन करने लायक मुनासिब हौसला नहीं जुटा सकी।

आखिर में उसने खुद को तसल्ली देने की कोशिश की। रेनाल्ड्स नाकारा और शराबी था। उसे अपने रास्ते से हटाने के बाद शायद क्रिसपिन सामान्य ढंग से रहने लगे और इन भयानक हत्याओं की सरगर्मी भी खत्म हो जाए। उसने जानबूझकर इस बारे में नहीं सोचा कि रेनाल्ड्स की लाश को क्रिसपिन कैसे ठिकाने लगाएगा?

उसे याद आया।

केनड्रिक नाम के किसी आदमी ने क्रिसपिन को फोन किया था और पुलिस को बात कही थी।

पुलिस!

एमीलिया लड़खड़ाती हुई उठ गई। अब वह एक पल भी इस घर में नहीं रहेगी। वह स्पेनिश बे होटल में जा ठहरेगी और तब वापिस लौटेगी जब यह भयानक सिलसिला खत्म हो जाएगा।

थके-थके कदमों से वह अपने बैडरूम में पहुंची। सूटकेस में कपड़े वगैरा रखते समय रेनाल्ड्स याद आ गया। हमेशा वही उसका सामान पैक किया करता था। ठीक उसी समय, जब वह सूटकेस बंद कर रही थी, क्रिसपिन आ पहुंचा।

"तुम बहुत समझदार हो, मां"—वह मुस्कराया—"कहां ठहरोगी?"

"स्पेनिश बे होटल"—एमीलिया फंसी-सी आवाज में बोली— "तुम्हारी टेलीफोन वार्ता मेरे कानों में भी पड़ गई थी। केनड्रिक नाम का वह आदमी पुलिस के बारे में क्या कह रहा था?"

"आओ, मां"—अचानक क्रिसपिन का स्वर कठोर हो गया—"मैं तुम्हारा सूटकेस उठाता हूं। तुम रॉल्स ले जाओ। फिलहाल मुझे उसकी जरूरत नहीं है।"

"क्रिसपिन!" एमीलिया ने अन्तिम क्षीण-सा प्रयास किया—"मेरे बेटे! मेहरबानी ....।"

"चलो मां"—क्रिसपिन की आंखों में वहशियाना चमक थी— "मैं तुम्हें यहां से भेजना चाहता हूं। और याद रखना किसी से कुछ नहीं कहना है।"

पराजित और भयभीत एमीलिया घर से बाहर आ गई। क्रिसपिन ने राल्स की डिग्गी में सूटकेस रख दिया और फिर ड्राईविंग सीट पर बैठ गई।

"मैं एक-आध दिन में तुम्हें फोन करूंगा"—क्रिसपिन आगे झुककर बोला—"तुम्हारे लिए नौकर का इंतजाम कर दूंगा। किसी से कुछ मत कहना। फिक्र करने की कोई बात नहीं है।"

कांपते हाथों से इन्जिन स्टार्ट करते समय वह रेनाल्ड्स के बारे में ही सोच रही थी।

¶¶

केनड्रिक अपने अपार्टमेंट के बड़े लिविंग रूम में सोचपूर्ण ढंग से चहलकदमी कर रहा था और क्रोध से उफनता कुर्सी पर बैठा लुइस खा जाने वाली नजरों से उसे घूर रहा था। केनड्रिक के आकस्मिक और तुरन्त बुलाने के कारण उसे खूबसूरत छोकरे को भी अपने घर से भगाना पड़ा था।

"मैंने सोचा मि. ग्रेग को स्थिति से अवगत कराना ठीक रहेगा"—केनड्रिक बोला—"लेकिन वह बेहद नाराज़ हो गया था। कह रहा था अगर मैंने पुलिस को उसका नाम बताया तो वह मेरा धंधा चौपट कर देगा। वह धनवान है, ऐसा कर भी सकता है।"

"उसके दिल में चोर था वरना ऐसी धमकी देता ही क्यों?"—लुइस ने कहा।

"मुमकिन है वह कुछ छुपाना चाहता हो। खैर, कुछ भी सही। कल जब लेपस्कि आएगा तो हम उसे कुछ नहीं बताएंगे।"

"दो लाख डालर के इनाम की घोषणा मैं रेडियो पर सुन चुका हूं"—लुइस चीखकर बोला—"तुम उसे कुछ भी नहीं समझते?"

"बेवकूफ!"—केनड्रिक की आंखों में कठोरता थी और स्वर में पैनापन—"एक बार पुलिस का मुखबिर बनने का मतलब होता है हमेशा के लिए मुखबिर बन जाना। अगर हमने पुलिस को बता दिया कि यह बेहूदा पेंटिंग ग्रेग ने बनाई थी तो बात जरूर फूटेगी और फिर भविष्य में कोई भी आदमी हमसे धंधा नहीं करेगा।"

“तुम पागल हो!”—लुइस पुनः चीखा—“यह नहीं समझते कि लेपस्कि से झूठ बोलने का मतलब होगा एक खूनी, एक कातिल की मदद करना।”

“हम नहीं जानते कि ग्रेग का इन हत्याओं से कोई रिश्ता है भी या नहीं।”—केनड्रिक भी उसी के स्वर में बोला—“जब हम लेपस्कि को उसका नाम बताएंगे तो पुलिस जरूर ग्रेग से पूछताछ करेगी। ऐसे में ग्रेग समझ जाएगा कि हमने उसका नाम पुलिस को बताया होगा और इन्क्वायरी में मान लो, पुलिस उसके खिलाफ कुछ साबित नहीं कर सकी, तो उस सूरत में ग्रेग वाकई हमारा धंधा चौपट कर देगा। इसलिए—अक्ल से काम लो। लेपस्कि को कुछ न बताने में ही हमारी भलाई है।”

“मैं अपने आप को इसमें इनवाल्व नहीं करूंगा”—लुइस तुरन्त उछलकर खड़ा हो गया और पांव पटकता हुआ चीखा—“जो कुछ कहना है....तुम्हीं लेपस्कि से कह देना।”

मगर चीखने-चिल्लाने की बात और थी और आखिरकार तो लुइस को केनड्रिक की बात माननी ही थी।

¶¶

केन ब्रेन्डन ने देखा कि उसकी पहली सेक्रेटरी मैरी गूडाल, आफिस के बाहर प्रतीक्षारत थी। वर्तमान मनःस्थिति में, अधेड़ उम्र की मोटी किंतु बेहद कार्यकुशल मैरी, उसे भगवान का दिया कोई उपहार सी प्रतीत हुई।

अभिवादन प्रत्याभिवादन के पश्चात् केन ने आफिस खोला। दोनों अन्दर दाखिल हो गये।

मैरी ने बाहरी आफिस का निरीक्षण करते हुए पूछा—“जज लेसी का क्या हाल है?”

“चमत्कार ही समझो कि उसकी हालत में सुधार हो रहा है। डाक्टरों का कहना है कि अगर बहुत ज्यादा एहतियात बरती जाए तो वह कुछ अर्सा और जिंदा रह सकता है।”

“और बेट्टी कैसी है?”

“ठीक है। वह भी कल रात मेरे साथ ही वापिस आ गई थी।”—आफिस के निरीक्षणोपरांत उसकी भाव भंगिमा को लक्षय करके केन बोला—“हैड-ऑफिस के मुकाबले में यह जगह कबाड़खाना है, मगर तुम्हें यहां पाकर मुझे वाकई खुशी हो रही है।”

“कल मिस्टर स्टर्नवुड की सेक्रेटरी ने मुझसे फोन पर यहां काम करने के लिए बोला था”—मैरी ने मुंह बिसूरा फिर मुस्कराई—“जगह भी मेरी उम्मीद से तो बेहतर है”—और फिर उसकी मुस्कराहट लुप्त हो गई—“कितनी भयानक घटना हुई है! बेचारे मि. स्टर्नवुड को अपनी बेटी से बहुत ज्यादा लगाव था।”

केन सिहर गया और कॉरेन की डेस्क के पास जाकर वह वहां पड़े खतों और कागजात को देखने लगा।

“इस खौफनाक पागल का जल्दी-से-जल्दी पकड़ा जाना जरूरी है”—मैरी कह रही थी—“मिस्टर स्टर्नवुड द्वारा घोषित दो लाख डालर का इनाम जरूर रंग लाएगा।”

कॉरेन के भयानक अंत का मात्र विचार भी केन को असह्य प्रतीत हुआ।

“मेरा भी यही ख्याल है।”—उसने धीरे से कहा और खतों तथा कागजात को उठाकर अपने आफिस की ओर बढ़ा—“मैं उन्हें देखता हूं मैरी। तुम फाइलों वगैरा से यहां के काम का आइडिया ले लो।” और अपने आफिस में डेस्क पर आ बैठा!

इतवार का दिन कितना मनहूस साबित हुआ था! लू बून की हत्या के बारे में वह पेपर में पढ़ चुका था और ब्लैकमेलिंग से निजात पा जाने की वजह से राहत भी महसूस हुई थी। लेकिन कॉरेन की हत्या ने उसे बुरी तरह बौखला दिया था। उसने संवेदना प्रकट करने के लिए स्टर्नवुड को फोन किया। लेकिन स्टर्नवुड की बजाए उसकी सेक्रेटरी से बातें हो सकी थीं। सेक्रेटरी ने ही जानकारी दी थी कि सोमवार से सीकाम्ब आफिस में कॉरेन के स्थान पर मेरी गूडाल काम करेगी।

जज लेसी की दशा में आश्चर्यजनक रूप से सुधार आने और डॉक्टरों के आश्वासनों से संतुष्ट होकर वह बेट्टी सहित दोपहर बाद के प्लेन से वहां से रवाना हो गया था।

प्लेन में वह और बेट्टी बराबर-बराबर सीटों पर बैठे थे। वहीं गोल्फ बॉल बटन का रहस्य भी खुल गया था। सिगरेट की तलाश में अपने हैंडबैग में हाथ मारती हुई बेट्टी हंसी और बटन निकाल लिया।

“देखो डार्लिंग। करामाती चीज की तरह मैं इसे अपने पास रखती हूं”—उसके हाथ पर अपना हाथ रखकर बोली—“यह तुम्हारा है।”

बटन सम्बन्धी सारे हंगामे को याद करके केन जबरन मुस्करा दिया।

अब अपने डेस्क पर बैठा यह सोच रहा था कि कॉरेन और लू बून की मौत के साथ ही उसके विवाहित जीवन की इस शर्मनाक घटना का भी अन्त हो गया था।

आइन्दा इस गलती को हरगिज नहीं दोहराएगा।

उसी वक्त शहर के दूसरे सिरे पर अपनी आर्ट गैलरी में केनड्रिक लेपस्कि से कह रहा था:

“मि. लेपस्कि, मेहरबानी करके जरा समझने की कोशिश करो। मुझे अपने क्लायन्ट्स को गोपनीय रखना पड़ता है। तुम पेंटिंग के आर्टिस्ट का नाम मुझसे पूछ रहे हो। तुम्हारे पुलिस बिजनेस की दृष्टि से यह सवाल है भी ठीक, लेकिन इस कलाकार ने मुझसे अपना नाम गुप्त रखने का वादा लिया था—मुमकिन है तुम्हें यह बात अजीब लगे मगर बहुत से कलाकार खुद को गुमनाम ही रखना चाहते हैं।”

“इसका मतलब तुम उसे जानते हो?”

“हां, मि. लेपस्कि। मैं कलाकार का नाम जानता हूं।”— केनड्रिक थोड़ा आगे झुककर

बोला—“अगर तुम मुझे यकीन दिला दो कि इस कलाकार का वाकई इन हत्याओं से रिश्ता है और तुम्हारे पास उसके विरुद्ध पर्याप्त प्रमाण हैं, तब मैं यकीनन तुम्हें उसका नाम बता दूंगा।”

लेपस्कि ने बेचैनी से पहलू बदला। उस शराबखोर बुढ़िया मेहिताबेल बेसिंगर के क्लूज—लाल चांद, काला समुद्र और संतरी सागर तट—के बारे में वह उसे और टेरेल को कैसे बता सकता था?

“मि. लेपस्कि, बेहतर होगा कि तुम इस बारे में चीफ टेरेल से बातें करो”—लेपस्कि की हिचकिचाहट को भांपकर केनड्रिक बोला—“अगर चीफ जरूरी समझता है तो मुझसे बातें कर ले। मैं उसे बता दूंगा।”

“ओके केनड्रिक”—लेपस्कि पराजित भाव से उठता हुआ बोला—“मुझे यह बात याद रहेगी कि तुमने सूचना देने से इंकार कर दिया था।” और पांव पटकता हुआ गैलरी से बाहर निकल गया।

बाहर खड़ा लुइस सब कुछ सुन रहा था।

लेपस्कि के जाते ही वह अन्दर दाखिल हुआ।

“देखा तुमने”—केनड्रिक मुस्करा कर बोला—“यह बेवकूफ पुलसिया ब्लफ मार रहा था।”

¶¶

केन ब्रेन्डन को डेस्क पर मौजूद कागजातों से निपटते-निपटते साढ़े दस बज गये। अब वह नए क्लायन्टों की तलाश में जाना चाहता था। वह कुर्सी से उठने ही वाला था कि लेपस्कि ने अन्दर कदम रक्खा।

“हाय, मि. ब्रेन्डन”—वह मित्रवत ढंग से मुस्कराया—“मैं तुम्हारी जैकेट वापिस देने आया हूं।”

“थैंक्यू”—केन जबरन मुस्कराया—“अब और कोई नया झंझट तो नहीं है?”

“नहीं”—लेपस्कि ने जैकेट डेस्क पर रख दी—“डुप्लीकेट बटन जैकेट की जेब में हैं। मुझे अफसोस है कि तुम्हें नाहक परेशान होना पड़ा।”

“नेवर माइन्ड, मि. लेपस्कि। अगर बुरा न मानो तो मुझे अब काम से जाना है।”

“मेरा ख्याल है कि तुम मेरी कुछ मदद कर सकते हो।”— लेपस्कि ने कहा—“देर नहीं लगेगी। क्या तुम साइरस ग्रेग के नाम से वाकिफ हो?”

“आफकोर्स”—केन ने उसे घूरा—“वह मेरा क्लायन्ट था। चन्द माह पहले उसकी मौत हो गई थी।”

"तुमने उसका बीमा किया था?"

"हां।"

"उसके बेटे के बारे में तुम कुछ जानते हो?"

"नहीं, उससे मेरा कभी कोई मतलब नहीं पड़ा। लेकिन तुम यह सब क्यों पूछ रहे हो?"

"बताता हूं।"—लेपस्कि निश्वास लेकर बोला—"जिस स्थान पर जैनी बैंडलर की हत्या हुई थी, वहां हमें एक गोल्फ बॉल बटन मिला था। हमने पता लगाया कि उन खास बटनों वाली केवल चार जैकेट इस शहर में बेची गई थीं। तुम्हारी जैकेट समेत तीन जैकेटों को हम चैक कर चुके हैं और उनके मालिकों से संतुष्ट हैं। चौथी जैकेट का मालिक था मि. ग्रेग। मिसेज ग्रेग ने हमें बताया कि मि. ग्रेग के अन्य कपड़ों के साथ वह जैकेट साल्वेशन आर्मी को दे दी थी लेकिन साल्वेशन आर्मी वालों का कहना है, जैकेट उन्हें नहीं दी गई थी। हमारा ख्याल है कि मिसेज ग्रेग ने हमसे झूठ बोला था। और जैनी बैंडलर की हत्या की रात उसके बेटे ने अपने बाप की जैकेट पहन रक्खी थी। हमारे पास उस आदमी का हुलिया है जो उस जैकेट को पहने देखा गया था। वह आदमी ऊंचे कद, और सुनहरी बालों वाला था। उसने गक्की शूज पहन रक्खे थे। हमारे पास यह भी सूचना है कि उक्त आदमी एक कलाकार है और प्राकृतिक दृश्यों की विचित्र प्रकार की पेंटिंग बनाता है। यह आदमी न केवल जेनी बैंडलर बल्कि लू बून और मिस स्टर्नवुड की हत्याओं के लिए भी जिम्मेदार है। तुम समझ रहे हो ना?"

"समझ तो मैं रहा हूं लेकिन इन सब बातों का मुझसे क्या ताल्लुक है?"

"ये सारी बातें हमारा अनुमान हैं। हम यकीन के साथ नहीं कह सकते कि जिस आदमी की हमें तलाश है, वह ग्रेग का बेटा ही है। मिसेज ग्रेग इस शहर की प्रभावशाली औरत है। मेयर से उसके घनिष्ठ सम्बन्ध हैं। हम इस बात का सबूत चाहते हैं कि उसका बेटा कलाकार है, वह ऊंचे कद और सुनहरी बालों वाला है और वह गक्की शूज पहनता है। अगर हमें ये तथ्य प्राप्त हो जाएं तो हम उससे पूछताछ कर सकते हैं।"

"यह तो सीधी सी बात है"—केन ने कहा—"मिसेज ग्रेग के निवास स्थान पर जाकर उसके बेटे से मिल लो।"

"अगर यह काम इतना ही आसान होता तो मैं तुम्हारा वक्त जाया नहीं करता।"—लेपस्कि ने कहा—"दरअसल मिसेज ग्रेग अजीब किस्म की औरत है। मान लो उसके बेटे का इन हत्याओं से कोई रिश्ता नाता न हो? मान लो, वह अपने बेटे से मिलवाने से इंकार दे? या फिर पूछ बैठे कि हम क्यों उससे मिलना चाहते थे? क्योंकि हमारे पास ठोस सबूत नहीं हैं इसलिए हम उस पर दबाव भी नहीं डाल सकते। मि. ब्रेन्डन, मैं चाहता हूँ कि तुम वहां जाकर उसके बेटे से मिलो। तुम कह सकते हो कि तुम उसकी बहुमूल्य पेंटिंग्स का बीमा करना चाहते हो। इस तरह हमें पता लग जायेगा कि वह एक कलाकार है और हमारे पास उपलब्ध हुलिए से मिलता है।"

“यह पुलिस का धन्धा है।”—केन दृढ़तापूर्वक बोला—“मैं इस बखेड़े में नहीं पड़ूंगा।”

“देखो, मि. ब्रेन्डन”—लेपस्कि ने पहलू बदलते हुए कहा—“मुमकिन है हम गलती पर हों और ग्रेग हत्यारा न हो। उस सूरत में ग्रेग परिवार का धूर्त वकील खामाखाह हमारी जान को बवाल खड़ा कर देगा। तुम्हें सिर्फ इतना करना है कि ग्रेग को एक निगाह देख लो। अगर वह इस हुलिए से नहीं मिलता है तो तुम उसे बीमा पॉलिसी बेच सकते हो। और अगर उसका हुलिया यही है, तब हम उसे गिरफ्तार कर लेंगे।”

“नहीं, मैं इस झमेले में नहीं पड़ूंगा।”

“तुम एक बहुत ही महत्वपूर्ण बात को भूल रहे हो, मि. ब्रेन्डन”—लेपस्कि ने धूर्ततापूर्वक मुस्कराते हुए अपना तुरुप का पत्ता फेंका—“अगर ग्रेग हत्यारा है और हमारे लिए तुम उसकी शिनाख्त कर देते हो तो मि. स्टर्नवुड द्वारा घोषित दो लाख डालर का इनाम पाने के हकदार भी बन जाओगे।”

“दो लाख डालर?” केन हैरानी से बोला—“मैं हकदार? जरूर तुम मुझे बहका रहे हो?”

“नहीं, मि. ब्रेन्डन। अगर ग्रेग हत्यारा है और तुम उसकी शिनाख्त कर देते हो तो मैं यकीन दिलाता हूं कि इनाम तुम्हें ही मिलेगा।”

दो लाख डालर!

केन ने उत्तेजना सी महसूस की।

वह इस खूबसूरत रकम से खरीदी जा सकने वाली सुख-सुविधाओं की मधुर कल्पना में खो सा गया।

उस पर नजरें जमाए लेपस्कि देख रहा था कि वह जाल में फंस चुका था।

“अगर ग्रेग की शिनाख्त करने से मुझे वाकई इनाम मिल सकता है तो मैं तैयार हूं।”—केन ने सहमति दे दी।

“बशर्ते कि तुम्हारे प्रमाण ग्रेग को गिरफ्तार करा दें और उस पर हत्या का अभियोग साबित किया जा सके”—लेपस्कि मुस्कुराया—“मैं गारंटी करता हूं कि उस सूरत में इनाम तुम्हीं को मिलेगा।”

“ओके”—केन ने गहरी सांस ली। दो लाख डालर के विचार ने उसके दिमाग को चकरघिन्नी बना दिया—“मुझे क्या करना होगा?”

लेपस्कि ने जानबूझकर ब्रेन्डन को यह नहीं बताया कि उसका साबिका एक खतरनाक हत्यारे से पड़ सकता था। उसे भय था कि खतरे से डरकर कहीं वह पीछे न हट जाए। अलबत्ता उसकी सुरक्षा के विषय में जरूर उसने निश्चय कर लिया।

लेपस्कि ने रिसीवर उठाकर पुलिस हैडक्वार्टर्स में जेकोबी से सम्बन्ध स्थापित किया और

उसे तुरन्त सीकाम्ब स्थित ब्रेन्डन के आफिस में पहुंचने के लिए कह दिया। फिर सम्बन्ध विच्छेद करके मुस्कुराया और केन से बोला—"नो प्रॉबलम। तुम ऐसा करोगे....।"

दो लाख डालर खर्च करने के विचारों में फंसा केन लेपस्कि का प्रोग्राम सुनने लगा।

¶¶

जेकोबी सहित अपनी कार में बैठा लेपस्कि एकेशिया ड्राइव की ओर जाती केन की कार का पीछा कर रहा था।

"तुम जानते हो कि तुम क्या कर रहे हो?" जेकोबी चिन्तित स्वर में बोला—"अगर कोई गड़बड़ हो गई तो चीफ हमारी खालें खिंचवा देगा। तुम्हें पहले चीफ को रिपोर्ट देनी चाहिए थी।"

"क्यों मरे जा रहे हो?"—लेपस्कि बोला—"तुम अच्छी तरह जानते हो कि अगर मैं चीफ को रिपोर्ट देता तो उसने दुनिया भर की फच्चर डाल देनी थीं। अब हम इस केस को निपटाकर ही रहेंगे, मैक्स।"

"ब्रेन्डन का क्या होगा?" जेकोबी ने पूछा—"मान लो, वह मुसीबत में फंस गया? मान लो, ग्रेग ही वास्तविक हत्यारा है? हम जानते हैं कि हत्यारा पागल है। अगर उसने ब्रेन्डन की हत्या कर दी तब? हमारा क्या हश्र होगा?"

"तुम फिक्र मत करो"—स्वयं लेपस्कि भी कम चिन्तित नहीं था, मगर प्रगट में बोला—"हम ब्रेन्डन की रक्षा करेंगे। इसीलिए मैंने तुम्हें बुलाया है।"

"क्या तुमने ब्रेन्डन को सावधान कर दिया था कि वह परेशानी में पड़ सकता था?"

"देखो, मैक्स, ब्रेन्डन इनाम के चक्कर में हमारे साथ सहयोग कर रहा है।"—लेपस्कि ने कहा, हालांकि वह जानता था, ब्रेन्डन को सचेत कर देना चाहिए था—"अगर वह ग्रेग की शिनाख्त कर देता है तो दो लाख डालर पा जाएगा।"

"हां, बशर्ते पहले ही मारा न गया।"—जेकोबी बोला—"वैसे उसे गोल्फ बॉल जैकेट पहनाने का तुम्हारा आइडिया भी कम जोरदार नहीं है।"

"अगर ग्रेग हत्यारा है तो जैकेट देखते ही उखड़ जाएगा"— लेपस्कि ने कहा—"वरना जैकेट का उस पर कोई असर नहीं होगा। ये पागल मानसिक दबाव पड़ने पर आसानी से बोल जाते हैं और फिर दो लाख डालर हासिल करने के लिए कुछ रिस्क भी तो दरकार है।"

"तुमने ब्रेन्डन को सावधान कर दिया था?" जेकोबी ने पुनः पूछा।

"मैंने उसे समझा दिया था कि कोठी के अन्दर न जाए"— लेपस्कि ने बेचैनी से पहलू बदला—"बस दरवाजे में खड़ा रहे ताकि हम उसे बराबर वॉच कर सकें।"

अब तक वे एकेशिया ड्राइव पहुंच चुके थे और योजनानुसार ग्रेग की कोठी से करीब सौ गज पहले केन ने कार रोक दी।

"आओ चलें।"—लेपस्कि ने कहा और जेकोबी सहित अपनी कार से उतरकर केन की कार की ओर बढ़ गया।

"जाओ, मि. केन"—उसकी कार की खिड़की से झांककर लेपस्कि बोला—"याद रखना कि तुम्हें कोठी के अन्दर नहीं जाना है। बटलर से कहना तुम मि. ग्रेग से बस दो बातें करना चाहते हो। अगर वह तुम्हें अन्दर आने के लिए कहे तो बता देना कि तुम्हारी कार गलत जगह पार्क्ड है। बस एक मिनट से ज्यादा नहीं लगेगा। तुम्हें सिर्फ गौर से ग्रेग को देखना भर है। ओके?"

स्टियरिंग पर रखे केन के हाथों में कंपकंपाहट थी।

"ग्रेग खतरनाक साबित हो सकता है?" उसने फंसे स्वर में पूछा।

"ओह, तुम घबराओ मत।"—लेपस्कि ने बेचैनी से पहलू बदला—"बस दरवाजे में ही खड़े रहना, ताकि हमें दिखाई देते रहो।"

"मान लो, मुझे अन्दर जाना पड़ गया।"—केन को पसीना छूटने लगा था।

"तुम अंदर नहीं जाओगे।"—लेपस्कि उच्च स्वर में बोला—"अगर ग्रेग वही आदमी है जिसकी हमें तलाश है तो अपनी मां और बटलर की मौजूदगी में वह कुछ नहीं करेगा। तुम्हें दो लाख डालर हासिल हो सकते हैं।"—कार की खिड़की में हाथ डालकर उसने केन का कंधा थपथपाया—"तुम फिक्र मत करो, मिस्टर ब्रेन्डन। हम ठीक तुम्हारे पीछे रहेंगे।"

केन हिचकिचाया, फिर इनाम के बारे में सोचा और फिर विवशतापूर्वक मुस्करा दिया।

"ओके....मैं जा रहा हूँ।"

वह ग्रेग की कोठी की ओर कार ड्राइव करने लगा। ड्राईविंग मिरर में, लेपस्कि और जेकोबी पैदल ही कार के पीछे आते दिखाई दिए। न चाहने के बावजूद भी लेपस्कि के आग्रह पर उसे गोल्फ बॉल जैकेट पहननी पड़ी थी। कोठी के बाहर कार पार्क करके वह नीचे उतरा और धीरे-धीरे ड्राइव-वे की ओर चल दिया। उसने पीछे नजर डाली। दोनों डिटेक्टिव अंदर आकर फूलों की झाड़ के पीछे छुपते दिखाई दे गए।

कोठी के दरवाजे पर पहुंचकर उसने हौसला जुटाते हुए डोरबैल बटन पुश कर दिया।

अन्दर कहीं घंटियां बजने की आवाज सुनाई दी। गर्म धूप में खड़ा वह धड़कते दिल से प्रतीक्षा करने लगा। अन्दर से किसी हलचल का आभास न पाकर उसने व्याकुलता पूर्वक पीछे देखा, लेकिन डिटेक्टिव नजर नहीं आए। डरते-डरते उसने दुबारा घंटी का बटन दबा दिया। घंटी की आवाज के अलावा पूरी कोठी में गहरी निस्तब्धता व्याप्त थी।

उसने रूमाल निकालकर चेहरे से पसीना पोंछा और राहत महसूस करते हुए सोचा कि शायद घर में कोई नहीं था।

वह निराश-सा हो गया।

दो लाख डालर का सपना टूटने लगा।

इन्तजार में ऊबने के बाद ठीक उस वक्त जबकि वह पलटकर अपनी कार की तरफ लौट रहा था—दरवाजा खुला।

फूलों की बाड़ के पीछे छुपे लेपस्कि और जेकोबी ने केन को सीढ़ियों से उतरते, फिर रुककर मुड़ते देखा। उन्होंने देखा कि दरवाजा खुल गया था लेकिन इससे ज्यादा कुछ दिखाई नहीं दिया। केन मुड़कर वापिस ऊपरी सीढ़ी पर जा खड़ा था और उसकी चौड़ी पीठ ही उन्हें नजर आ रही थी।

केन को सबसे पहले पालिश से चमकते दो गक्की शूज दिखाई दिए। फिर निगाहें ऊपर उठाईं।

सामने ऊंचे कद और सुनहरी बालों वाला एक युवक खड़ा मुस्करा रहा था।

ऊँचा कद।

सुनहरी बाल।

गक्की शूज।

इसी आदमी की तो तलाश थी पुलिस को।

केन का मुंह सूख गया। उसके अन्तर्मन ने चेतावनी दी कि पलटकर भाग खड़ा हो, लेकिन वह स्तब्ध खड़ा रह गया।

सम्मोहित-सा।

"कहिए"—क्रिसपिन नम्रतापूर्वक बोला।

"तकलीफ देने के लिए माफी चाहता हूं"—केन ने स्वयं को संयत करके पूछा—"तुम मिस्टर ग्रेग हो?"

"जैकेट तो बढ़िया पहन रखी है तुमने"—क्रिसपिन ने कहा—"मेरे पिता के पास भी ऐसी ही एक जैकेट थी। खैर....चाहते क्या हो तुम?"

"मैंने खामाखाह तुम्हें डिस्टर्ब कर दिया।"—केन ने सूखे होंठों पर जुबान फिराई—"अब नहीं। फिर कभी आऊंगा"—और एक कदम पीछे हटा, फिर ठिठक गया।

क्रिसपिन के हाथ में पिस्तौल थी, जिसका रुख सीधा उसी की ओर था।

"अगर मरना नहीं चाहते हो तो अन्दर आ जाओ।"— क्रिसपिन चुभती आवाज में बोला और थोड़ा पीछे हट गया।

आतंकित खड़े केन ने, छुपकर वाच करते दोनों डिटेक्टिव और कोठी में दाखिल न होने की चेतावनी के बारे में सोचा, मगर पिस्तौल के सामने वह आदेश पालन के लिए विवश था। भारी कदमों से लाबी में दाखिल हो गया।

"समझदार आदमी हो।"—क्रिसपिन ने कहा—"अब दरवाजा बन्द करके कुंडी लगा दो।"

केन ने धड़कते दिल से बाहर नजर दौड़ाई मगर दोनों डिटेक्टिव में से कोई भी नजर नहीं पड़ा।

उसने दरवाजा बन्द कर दिया और फिर कांपते हाथ से ऊपर-नीचे की मोटी सिटकनियां भी चढ़ा दीं।

"अब सीढ़ियां चढ़ो।"—क्रिसपिन ने आदेश दिया।

कांपती टांगों को सहारा देने के लिए केन बेनिस्टर थामकर सीढ़ियां चढ़ गया।

क्रिसपिन पीछे था।

"दाईं ओर मुड़कर अन्दर चले जाओ।"

केन, क्रिसपिन के विलासपूर्ण लिविंग रूम में आ गया।

"बैठो।"—क्रिसपिन ने पिस्तौल से एक कुर्सी की ओर संकेत किया।

केन बैठ गया।

पसीने से तर अपने हाथ घुटनों पर रख लिए।

"पिस्तौल के लिए माफी चाहता हूं।"—क्रिसपिन डेस्क के सिरे से सटकर बोला—"दरअसल मुझे किडनेप किए जाने का डर रहता है, इसीलिए सावधानी बरतता हूं। तुम कौन हो?"

इस दौलतमंद शख्स की यह आशंका केन को ठीक ही लगी।

"मेरा नाम ब्रेन्डन है"—स्वर को सामान्य बनाए रखने का प्रयत्न करता हुआ वह बोला—"मैं पैराडाइज सिटी एश्योरेंस का रिप्रेजेन्टेटिव हूं। तुम्हारे पास यह सोचकर आया हूं कि शायद तुम अपनी पेंटिंग्स का बीमा करना चाहोगे। मेरा यकीन करो, मि. ग्रेग, मैं एकदम हानि रहित इन्सान हूं।"

"मेरी पेंटिंग्स का बीमा करने? तुम्हें कैसे पता चला कि मैं कलाकार हूं?"—क्रिसपिन ने उसे घूर कर पूछा—"क्या केनड्रिक ने बताया था?"

केन पुन: घबरा गया।

लेपस्कि ने उससे कहा कि ग्रेग के पेंटर होने की पुष्टि कर ले। क्रिसपिन के इन शब्दों ने, लेपस्कि द्वारा बताए गए हुलिए से हूबहू मिलते, इस आदमी के पागल हत्यारा होने की बात सत्य सिद्ध कर दी थी।

केन को अपने चेहरे से खून निचुड़ता महसूस हुआ।

उस पर नजरें जमाए क्रिसपिन ने पुन: पूछा—"क्या तुम्हें केनड्रिक ने बताया था?"

केनड्रिक से केन के व्यापारिक सम्बन्ध थे।

उसने केनड्रिक की कुछ कलाकृतियों का बीमा किया था।

"हां"—वह फंसी-सी आवाज में बोला—"केनड्रिक ने बताया था कि तुम्हारे पास बहूमूल्य पेंटिंग्स थीं।"

"पेंटिंग्स वाकई बेशकीमती हैं"—क्रिसपिन ने पिस्तौल जेब में रख ली—"माफ करना मि. ब्रेन्डन। मैं तुम्हारी तलाशी लेना चाहूंगा। आजकल अजनबी अतिथि खतरनाक हो सकते हैं।"

"आफकोर्स"—केन फिर राहत महसूस करने लगा—"मि. ग्रेग, तुम अपनी पेंटिंग्स का बीमा कराना चाहोगे?"

"क्या उनका मूल्यांकन किया जाएगा?"

"जरूरी नहीं है। तुम उनका मूल्य बता दो और हम उतना ही स्वीकार कर लेंगे।"

"शायद तुम मेरी कुछ पेंटिंग्स देखना चाहोगे?" क्रिसपिन ने कहा और उठकर खड़ा हो गया।

"मैं इस मामले में बिल्कुल अनाड़ी हूं।"—केन भी उठकर खड़ा हो गया—"मैं तुम्हारा और वक्त बरबाद नहीं करूंगा।"— अब वह इस कोठी से निकल जाना चाहता था—"तुम अपनी पेंटिंग्स की कोई अंदाजन कीमत मुझे बता दो। मैं प्रीमियम की कोटेशन भेज दूंगा।" वह दरवाजे की ओर बढ़ा।

"इसमें देर नहीं लगेगी"—क्रिसपिन बोला—"मैं एक खास किस्म की पेंटिंग बना रहा हूं और तुम्हें दिखाना चाहता हूं।" केन को घूरते समय उसकी उंगलियां सुलेमान पैन्डेन्ट को टटोलने लगी थीं। वह मुस्कराकर रह गया।

"मुझे किसी से मिलने जाना है"—केन निराश भाव से बोला—"मैं फिर कभी देख लूंगा, मि. ग्रेग। मैं कल आ जाऊंगा। फिलहाल तो तुम अपनी पेंटिंग्स की कीमत मुझे बता दो, मैं कोटेशन दे दूंगा।"

ज्योंहि केन ने दरवाजा खोला, क्रिसपिन की आंखों में अचानक ही वहशत भरी खौफनाक चमक दौड़ गई।

¶¶

फूलों की बाड़ के पीछे जेकोबी सहित छुपे लेपस्कि ने केन को कोठी में दाखिल होते हुए देखा।

"बेवकूफ!"—लेपस्कि बम की तरह फटा—"अन्दर चला गया! मैंने उसे बाहर ही ठहरने के लिए कहा था।"

"अब क्या किया जाए?"—जेकोबी ने सतर्क स्वर में पूछा।

"बिल्कुल घामड़ है। मैंने कहा था....हरगिज भी अन्दर नहीं जाना है।"

दोनों डिटेक्टिव के देखते ही देखते विला का दरवाजा बन्द हो गया।

"अब क्या किया जाए?"—जेकोबी ने पुनः पूछा।

"हम कर ही क्या सकते हैं? हो सकता है द्वार खोलने वाली मिसेज ग्रेग हो। इसीलिए ब्रेन्डन को भीतर जाना पड़ा हो।"

"मान लो, दरवाजा खोलने वाला खुद ग्रेग था। बेहतर होगा कि हम कुछ करें।" जेकोबी आशंकित स्वर में बोला—"मुझे लग रहा है कि मामला गड़बड़ होने वाला है।"

"शायद ग्रेग कातिल न हो"—लेपस्कि क्षीण स्वर में बोला—"शायद ब्रेन्डन चन्द मिनट बाद खुद ही बाहर आ जाए। इस बीच अगर हमने अपनी टांग अड़ा दी—हासिल तो कुछ नहीं होगा। उल्टे मुसीबत गले पड़े सकती है।"

"अगर ग्रेग ही कातिल हो?"—जेकोबी ने कहा—"अगर उसने ब्रेन्डन का खून कर दिया? बेहतर होगा कि हम कुछ करें।"

"हूं"—लेपस्कि तन कर खड़ा हो गया—"मैं इससे निपटता हूं। तुम यहीं ठहरो"—उसने अपना सर्विस रिवाल्वर निकाल लिया—"अगर अन्दर कुछ गड़बड़ हुई तो मैं फायर कर दूंगा। तुम फौरन दौड़ आना। ठीक है?"

"लेकिन करना क्या चाहते हो?"

"मैं कहूंगा कि दुबारा गोल्फ बॉल जैकेट के बारे में पूछताछ करने आया हूं।"—लेपस्कि ने कहा, और जेकोबी को वहीं छोड़कर तेजी से लान पार करके विला के दरवाजे पर पहुंच गया। रिवाल्वर वापिस होल्स्टर में डालकर उसने डोरबैल बटन पुश कर दिया।

ज्योंहि, क्रिसपिन आंखों में वहशत भरी खौफनाक चमक सहित केन की ओर बढ़ा, उसके डेस्क पर रखे टेलीफोन की घंटी बजने लगी।

वह तुरन्त ठिठक गया।

दरवाजे से दूर पड़ी एक कुर्सी की ओर संकेत करके बोला—

“जरा देर के लिए इधर बैठो, मि. ब्रेन्डन।”—उसकी आवाज के पैनेपन और चेहरे पर व्याप्त भावों ने, अब तक पूरी तरह भयभीत हो चुके केन को, तुरन्त बैठने पर विवश कर दिया।

केन पर निगाहें जमाए क्रिसपिन डेस्क के पास पहुंचा।

“यस”—रिसीवर उठाकर बोला—“कौन है?”

“सार्जेण्ट बेगलर फ्राम सिटी पुलिस। इज दैट मि. ग्रेग?”

केन पर नजरें जमाए क्रिसपिन का चेहरा गुर्राहटपूर्ण मुद्रा में खिंच गया।

“यस। व्हाट इज इट?”

“मि. ग्रेग तुम्हारी मां का एक्सीडेंट हो गया है। तुम फौरन पैराडाइज सिटी हॉस्पिटल पहुंचो।”

“मेरी मां का एक्सीडेंट!”

“हां, कार उससे बेकाबू होकर एक ट्रक से जा टकराई।”

“क्या उसे ज्यादा चोट आई है?”—क्रिसपिन ने पूछा।

“मुझे अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि वह अस्पताल पहुंचते ही मर गईं।”

क्रिसपिन के होंठों पर अजीब-सी मुस्कराहट उभरी, जिसने केन के समूचे जिस्म में सर्द लहर दौड़ा दी।

“थैंक्यू!”—क्रिसपिन ने कहा—“कृपया मेरे अटार्नी मि. लेवीसन को सूचित कर दो। वह सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर देगा।”—और सम्बन्ध विच्छेद कर दिया। केन की ओर मुखातिब होकर प्रसन्नतापूर्वक मुस्कुराया—“मुझे अभी-अभी एक शानदार खबर मिली है। मेरी मां सड़क दुर्घटना में मर गई। आखिरकार मैं उससे आजाद हो ही गया।”

“मि. ग्रेग”—आतंकित केन खड़ा हो गया—“मैं चलता हूं।”

“लेकिन पहले तुम्हें मेरी कला देखनी होगी।”—क्रिसपिन ने उसे घूरा—“तुम मिस कॉरेन स्टर्नवुड को जानते थे?”

केन ने धीरे से सर हिलाकर सहमति दे दी।

"मैं उसका पोर्ट्रेट बना रहा हूं। अभी सिर्फ स्कैच ही बना है लेकिन मैं तुम्हारी राय जानना चाहता हूं।"

केन के दिमाग में सिर्फ एक ही विचार था कि बाहर निकले और इस पागल से दूर भाग जाए।

"मैं माफी चाहूंगा, मि. ग्रेग"—केन मिमियाता सा बोला— "मुझे फौरन किसी जरूरी काम से जाना है।"

क्रिसपिन के चेहरे पर पैशाचिक मुस्कान पुत गई।

"मैं तुमसे नाराज होना नहीं चाहता, मि. ब्रेन्डन"—वह सुलेमान पैन्डेन्ट को टटोलता हुआ बोला—"और जो लोग मुझे नाराज कर देते हैं, उनसे मैं बहुत बुरी तरह पेश आता हूं।"— उसने कमरे के आखिरी सिरे पर बने द्वार की ओर हाथ से संकेत किया—"अहेड, प्लीज।"

केन अच्छी तरह समझ चुका था कि वह भयानक खतरे में था।

संकेत किए गए दरवाजे की ओर बढ़ते हुए विला में कहीं गूंजती डोरबैल की आवाज उसने सुनी, ठिठककर फौरन क्रिसपिन पर नजर डाली।

लेपस्कि? केन ने सोचा। हे भगवान! काश वही हो।

"अब, यह कौन हो सकता है?"—क्रिसपिन ने मानो स्वयं से कहा, फिर बोला—"खैर कोई भी सही। वह अन्दर नहीं आ सकेगा। तुमने सिटकनी ठीक से लगा दी थी ना, मि. ब्रेन्डन? चलो, अब मैं तुम्हें उस घटिया वेश्या का स्कैच दिखाना चाहता हूं।"—उसने गौर से केन को देखा—"वह घटिया किस्म की वेश्या थी ना?"

डोरबैल पुनः बजी।

"जो कुछ मैं कहता हूं, वही करो।"—केन को हिचकिचाहट में पड़ा देखकर क्रिसपिन गुर्राया। क्रिसपिन के चेहरे पर व्याप्त पैशाचिकता से कांपते हुए केन ने दरवाजा खोला और स्टूडियो में आ गया।

बाहर, विला के दरवाजे पर खड़ा लेपस्कि, घंटी के जवाब में किसी को न आता पाकर तनिक घबरा गया।

उसने दाएं-बाएं नजरें दौड़ाईं।

ग्राउंड फ्लोर के सभी कमरों की खिड़कियों पर मोटी-मोटी सलाखें लगी हुई थीं।

दरवाजे को खुलता न देखकर, जेकोबी भी फूलों की बाड़ के पीछे से निकला और लेपस्कि के पास आ गया।

“कोई आ ही नहीं रहा है।”—लेपस्कि ने कहा।

“दरवाजा तोड़ दें?”

“बगैर सर्च वारंट के हम ऐसा नहीं कर सकते।”—लेपस्कि ने फिर घंटी बजा दी।

अचानक दरवाजा खुला और उनके सामने ऊंचे कद की एक नीग्रो औरत प्रगट हो गई। वह इतनी डरी हुई थी कि आतंक से उसकी आंखें फटी जा रही थीं। मुंह पर हाथ रखकर उसने हैरानी से खड़े दोनों डिटेक्टिव को खामोश रहने का इशारा किया और पागलों की तरह संकेत हुए उन्हें अन्दर बुलाने लगी। औरत इस कदर भयभीत थी कि लॉबी में कदम रखते ही लेपस्कि और जेकोबी ने अपने रिवाल्वर निकाल लिए।

वह मुंह से धीमी-धीमी अजीब-सी आवाज़ निकालती हुई उन्हें गलियारे के आखिरी सिरे पर बने द्वार की ओर जाने का इशारा कर रही थी।

जेकोबी को औरत के पास छोड़कर लेपस्कि वहां पहुंचा और दरवाजा खोल दिया।

सामने मौजूद नजारे को देखते ही उसकी सांस रुक-सी गई।

बिस्तर पर एक मानव शरीर इस बुरी तरह क्षत-विक्षत स्थिति में पड़ा था कि लेपस्कि बड़ी मुश्किल उसे शराबी बटलर रेनाल्ड्स के रूप में पहचान सका।

रेनाल्ड्स मर चुका था। लेपस्कि का दिमाग पुन: ब्रेन्डन की ओर पलटा।

वह कहां था?

धीरे-धीरे कराहती हुई क्रिस्सी, जेकोबी की बांह हिला-हिलाकर उसे सीढ़ियों द्वारा ऊपर जाने का इशारा कर रही थी। अचानक आश्चर्यजनक शक्ति का परिचय देते हुए उसने जेकोबी को एक ओर धकेला और विला से बाहर दौड़ती चली गई।

“ऊपर चलो।”—जेकोबी फुसफुसाया।

लेपस्कि सीढ़ियां चढ़ने लगा।

जेकोबी उसके पीछे था।

सीढ़ियों के ऊपरी छोर पर लेपस्कि रुका। जेकोबी ने एक घुटना जमीन में टिकाकर लेपस्कि को कवर कर लिया।

स्टूडियो के दरवाजे से क्रिसपिन की आवाज आ रही थी।

“इसके बारे में तुम्हारी क्या राय है, मि. ब्रेन्डन? क्या मैं उसका स्कैच बनाने में सफल हो सका हूं?”

केन बड़ी मुश्किल से कॉरेन स्टर्नवुड के उस स्कैच पर निगाह डाल सका जिसे क्रिसपिन

ने पकड़ रखा था। वह आतंकित-सा खड़ा लू बून के सर की पेंटिंग, जेनी बैंडलर की खौफनाक पेंटिंग और मिसेज ग्रेग के पोर्ट्रेट को घूर रहा था। फिर उसकी आंखें दीवार पर लटके विचित्र कैनवासों की ओर घूम गईं।

"शायद तुम मेरे आर्ट को देख रहे हो?"—क्रिसपिन ने कहा—"लेकिन कृपया पहले इसे देखकर बताओ कि घटिया वेश्या के मेरे इस स्कैच के बारे में तुम्हारा क्या ख्याल है?"

लेपस्कि ने जेकोबी की ओर सहमति सूचक सर हिलाया, फिर चार लम्बे डगों में स्टूडियो के दरवाजे पर पहुंचकर भड़ाक् से उसे खोल दिया और फिर कठोर स्वर में चेतावनी दी—"हिलना मत! पुलिस!"—उसकी रिवाल्वर क्रिसपिन को कवर कर चुकी थी।

केन ने मीलों लम्बी सांस ली।

वह धीरे-से दरवाजे की ओर हट गया और हांफता हुआ बोला—"इसकी जेब में पिस्तौल है।"

क्रिसपिन पूर्णतया निश्चिंत प्रतीत हुआ।

उसने समर्पण के भाव में हाथ ऊपर उठा दिए।

"आफकोर्स, क्रिस्सी ने तुम्हें अन्दर आने दिया है। मेरी बेवकूफी थी कि मैं क्रिस्सी के बारे में भूल गया।"—वह मुस्कराया—"हां, मेरी जेब में पिस्तौल है। ये मेरे पिता की थी।"

"मैक्स, पिस्तौल निकाल लो।"—लेपस्कि ने कटुतापूर्वक कहा—"हिलना मत, ग्रेग।"

लेपस्कि की रिवाल्वर क्रिसपिन को कवर किए रही। जेकोबी उसकी जेब से पिस्तौल निकालकर पीछे हट गया।

"तुम दोनों मामूली तनख्वाह पाने वाले डिटेक्टिव हो। और मि. ब्रेन्डन, तुम साधारण वेतन पाने वाले सेल्समैन।"—क्रिसपिन पूर्ववत् मुस्कराया—"क्यों न हम आपस में समझौता कर लें। अगर तुम लोग इस बखेड़े को भूल जाओ तो मैं तुम तीनों को बीस लाख डालर दे सकता हूं। बोलो, क्या ख्याल है?"

"तुम्हारा खेल खत्म हो चुका है।"—लेपस्कि बोला—"अब तुम्हारी दौलत भी तुम्हें नहीं बचा सकेगी।"

"तीस लाख डालर?"—क्रिसपिन ने उसी तरह मुस्कराकर पूछा।

क्रिसपिन पर नजरें जमाए लेपस्कि ने कहा—"मैक्स, होमीसाइड वालों और एम्बुलेंस को बुलाओ।"

जेकोबी जैसे ही टेलीफोन की ओर बढ़ा, क्रिसपिन ने अपनी पेंटिंग्स की ओर हाथ हिलाया।

"मेरी आर्ट के बारे में तुम्हारी क्या राय है?"—उसने लेपस्कि से पूछा और धीरे से थोड़ा आगे बढ़ गया—"मेरा ख्याल है कि मार्डन आर्ट की समझ न रखने वाले लोग मुझे पागल समझेंगे। लेकिन तुम्हारा क्या ख्याल है?"

लेपस्कि की नजरें स्टुडियो में घूमने लगीं और जो कुछ उसने देखा उससे वह न सिर्फ बौखलाया बल्कि असावधान भी हो गया।

तभी उसे एहसास हुआ कि क्रिसपिन उसके बहुत पास आ चुका था।

"जहां हो वहीं ठहरो।"—वह दहाड़ा और रिवाल्वर ऊपर उठाया।

"घबराओ मत।"—क्रिसपिन ने कहा, उसकी आंखों में वशहत भरी खौफनाक चमक थी—"मेरे पास कोई हथियार नहीं है।"—वह अभी भी मुस्करा रहा था, उसकी उंगली ने सुलेमान पैन्डेंट का माणिक पत्थर दबा दिया, और फिर आगे बढ़कर उसने लेपस्कि पर वार किया।

तभी लेपस्कि ने उस पर फायर झोंक दिया।

¶¶

दो दिन बाद, जेकोबी ने पैराडाईज क्लीनिक के प्राइवेट रूम में प्रवेश किया जहां विलासपूर्ण वातावरण में हैरान लेटा लेपस्कि अपनी हालत पर खुद अफसोस कर रहा था।

"क्या हाल है, टॉम।"—लेपस्कि ने जानना चाहा—"मुझे यहां क्यों लाया गया है?"

"यह स्टर्नवुड की जिद थी कि तुम्हें वी.आई.पी. ट्रीटमेंट मिलना चाहिए। यहां का सारा खर्चा वही कर रहा है। तुम हीरो हो, टॉम।"—जेकोबी मुस्कराया—"कैसी तबीयत है, तुम्हारी?"

"बच जाऊंगा।"—लेपस्कि कराहता-सा बोला—"उस हरामजादे ने तो मुझे करीब-करीब मार ही डाला था।"

"फिक्र मत करो। तुमने उसे मार डाला था। प्रेस रिपोर्टर्स तुम्हारा इंटरव्यू लेने के लिए बेताब हैं। पैट हेमिल्टन तुम्हें टी.वी. पर पेश करने के लिए मरा जा रहा है।"

लेपस्कि खुश हो गया।

"और चीफ?"

"उसे मैंने पुड़िया दे दी है। मैंने कह दिया, मैं और तुम गोल्फ बॉल जैकेट के बारे में पूछताछ करते-करते वहां जा पहुंचे थे। ब्रेन्डन का कहना है, वह इंश्योरेन्स के सिलसिले में ग्रेग के पास गया था। अचानक उसने हत्यारे के रूप में ग्रेग को पहचान लिया। कोई दिक्कत नहीं है, टॉम। तुम फटाफट ठीक हो जाओ। ज्योंही तुम यहां से जाओगे, हैडक्वार्टर्स में तुम्हें शानदार पार्टी दी जाएगी।"

“मैं चीफ से सिफारिश करूंगा कि तुम्हें तरक्की दे दे।” लेपस्कि मुस्कराया—“तुम वाकई बेहतरीन दोस्त हो।”

“यह तो पहले ही हो चुका है।”—जेकोबी ने मुस्कराकर कहा—“कल से मैं सेकेंड ग्रेड डिटेक्टिव होऊंगा।”

“और ब्रेन्डन?”

“उसे इनाम मिलेगा।”

“वह सचमुच इसका हकदार है। उसे खौफनाक घड़ियों से गुजरना पड़ा था।”

“वह तुम्हें भी पार्टी देना चाहता है।”—जेकोबी दरवाजे की ओर बढ़ता हुआ बोला—“कारोल बाहर इन्तजाम कर रही है, टॉम!”

“तुम्हें सिर्फ यह बताने आया था कि तुम्हारे सामने कोई दिक्कत नहीं है।”

दो मिनट बाद, फूलों के गुच्छों और फलों की टोकरी सहित कारोल भीतर दाखिल हुई।

उसकी आंखें डबडबा रही थीं।

“ओह, टॉम, डार्लिंग।”

“हये, हनी!”—लेपस्कि चहका—“खूब जंच रही हो। जी चाहता है तुम्हें बिस्तर में खींच लूं।”

“बेकार की बातें मत करो।”—कारोल बोली—“मुझे बताया गया था कि तुम मौत के करीब ही जा पहुंचे थे।”

“तो क्या हुआ? मरा तो नहीं हूं। तुम्हारे सामने सही सलामत मौजूद हूं।”

“टॉम, अखबारों ने सुर्खियों में तुम्हारा नाम छापा है। तुम्हें टी.वी. पर भी पेश किया जाएगा। मुझे तुम पर बेहद गर्व है।”

“फाइन।” लेपस्कि पुनः चहका—“इस सप्ताहान्त तक मुझे यहां से छुट्टी मिल जाएगी। तब मैं और तुम इस अवसर को सेलिब्रेट करेंगे फिर हम स्पेनिश ग्रिलरूम में जायेंगे, और खूब मौज करेंगे।”

“हम स्पेनिश बे को अफोर्ड नहीं कर सकते, डार्लिंग। वह बहुत ही ज्यादा महंगी जगह है।”

“तब क्या हुआ? दौलत होती किसलिए है? हम स्पेनिश बे में ही सेलिब्रेट करेंगे....वादा रहा।”

“टॉम, मैं एक बात पूछना चाहती हूं। क्या मेहिताबेल बेसिंगर के क्लूज ने तुम्हारी मदद

की थी?”

लेपस्कि हिचकिचाया, फिर सोचा झूठ बोलने से कीमती लिकर की दूसरी बोतल बचाई जा सकती थी।

“अरे, वह शराबखोर बुढ़िया। उसे भूल जाओ, हनी। उसके क्लूज महज नशे की बहक थे।”

“ओह, टॉम! मैंने तो सोचा था....”

“उसे दिमाग से ही निकाल दो।”—लेपस्कि बोला—“जाओ, दरवाजा लॉक कर दो। मैं तुम्हारे सामने साबित करना चाहता हूं कि मैं उतनी बुरी तरह जख्मी नहीं हुआ हूं जितना कि समझा जा रहा है।”

कारोल, हिचकिचाने के बाद, आगे बढ़ी और दरवाजा लॉक कर दिया।

—समाप्त—